[illegible]

[illegible]

TIBETAN-SANSKRIT DICTIONARY

Part 1

शतपिटकम्

INDO-ASIAN LITERATURES

Volume 3(8)

Reproduced in original scripts and languages

Translated, annotated and critically evaluated
by
specialists of the East and the West
in a Series of Collectanea

Founded by

RAGHU VIRA

M.A., Ph.D., D.Litt. et Phil., M.P.

EDITOR-IN-CHIEF

ŚATA-PIṬAKA

आचार्य-रघुवीर-समुपक्रान्तं

जम्बुद्वीप-राष्ट्राणां

(भारत-नेपाल-गान्धार-शूलिक-तुरुष्क-पारस-ताजक-

भोट-चीन-मोंगोल-मञ्जु-उदयवर्ष-

सिंहल-सुवर्णभू-श्याम-कम्बुज-

चम्पा-द्वीपान्तरादीनां)

एकैकेषां समस्रोतसां संस्कृति-साहित्य-समुच्चय-
सरितां सागरभूतं

शतपिटकम्

BHOTA-PITAKA

being
the Tibetan Collectanea
in
the series of Indo-Asian Literatures
forming
the Śatapiṭaka

Vol. 1 (5)

TIBETAN-SANSKRIT DICTIONARY, part 5 ཇ་ཉ་ཏ་

शतपिटके

भोट-पिटकम्

तत्र

प्रथमं प्रसूनं

भोट-संस्कृताभिधानम्

(तत्र पञ्चमो भागः)

तच्च

श्रीमता लोकेशचन्द्रेण नाना-भोट-संस्कृत-ग्रन्थान्
परिशील्य संकलितम्

༄༅། །བོད་དང་ལེགས་སྦྱར་གྱི་མཛོད། །

भोट-संस्कृताभिधानम्

Tibetan-Sanskrit Dictionary

Part 5 ཇ་ ཉ་ ཏ་

based on
a close comparative study of
Sanskrit originals and Tibetan translations of several texts

by

Dr. Lokesh Chandra, M.A., D.Litt.

INTERNATIONAL ACADEMY OF INDIAN CULTURE
J22, Hauz Khas Enclave
New Delhi-16 (India)

1960

Price Rs. 30.

Printed by
The Academy's own printing works
The Arya Bharati Mudranalaya
J22 Hauz Khas Enclave
New Delhi 16

ཛ

ཛ་ भेरी लं.सू.२०७ख

ཛ་དོང་ = བཙོད་མདོག་ = དཔར་སེར་ मञ्जिष्ठा श.दा.

ཛག་ चौर श.दा.

ཛག་པ་ डमर श.दा.

ཛགས་ འཛག་པ་ इत्यस्य भू.

ཇི་སྐད་ (१) किम् उद्रा.

བདག་ཅག་གིས་དེ་ལ་~བརྗོད་པར་བགྱི་ किमस्माभिर्वक्तव्यम् उद्रा.२९.३३

(२) यथान्त श.दा.

(३) यथोक्त श.दा.

ཇི་སྐད་དུ་ यथा न्या बि.९८.१०

ཇི་སྐད་དུ་བསྟན་པ་ (१) मं. अनन्तरोक्त न्या.बि. ८५.१

(२) यथोक्त न्या.बि.६४.२, ६८.११

ཇི་སྐད་དུ་སྨྲས་པ་དེ་བཞིན་དུ་བྱེད་པ་ यथावादि-तथाकारि(ता) द.भू.१चच (°དེ་སྐད་°), २ग

ཇི་སྐད་སྨོས་པ་ यथोक्त न्या.बि.६२.३, ६, १९५. ६, १९८.१, ४, ५

ཇི་སྐད་སྨྲས་པ་(དེ་)བཞིན་དུ་བྱེད་པ་ यथावादी तथाकारी म.व्यु.२४०८, श.दा. (°པ་བཞིན་°)

ཇི་སྐད་བཤད་པ་ (१) यथोक्त अ.अ.३.७

(२) यथोक्त बो.च.४.४८क

ཇི་ག་ (१) सं. का बो.च ८.६घ

(२) नु उ.व.२१

ཇི་ཇིགས་ कुम्भीर <यक्ष-नाम मु.प्र.१२६.५

ཇི་སྙམ་དུ་

དེ་~སེམས་ तत् किं मन्यसे का.प.१२७

དེ་~སེམས་(ཡང་འདྲིས་པ་བརྗོད་དོ་) तत् किं मन्यसे म.व्यु.६३२६

འདི་~སེམས་ तत् किं मन्यसे का.प.८०

ཇི་སྙེད་ (१) कियत् म.व्यु ६९६८, श.दा. (=ཇི་ཙམ་), सु.प्र.१४८ २२

(२) = ཇི་ཙམ་ तावत् श.दा.

(३) यत्तक सु.प्र.४०.१७

(४) यावत् न्या.बि.११.१३, ९३.१४, बो.च. २.२क, ग, ८.१३४ख, १०.४ख, भ.च १क (यावन), श.दा. (=ཇི་ཙམ་), मु.प्र.६०. ४, ७

(५) यावन्तो त्र.स्तो.५६

(६) यावन्त का.प.९६

ཇི་སྙེད་ཅིག་ कियत् म.व्यु.८०३

ཇི་སྙེད་ཐམས་ཅད་ ये केचित् बो.च.६.२५क

ཇི་སྙེད་པ་ (१) याः कावचन बो.च.१०.३०क

(२) **यावत्** बो.च.९.८१ग, १०.२ख, भ.च. १५क(यावन्त), सु.प्र.११.२१, ७१.२७...

གང་རྣམས་~ **यावत केचि** भ.च.१६क

(३) **यावन्ति** द.भू.८ख

(४) **ये केचित्** बो.च.८.१२९क, ग

(५) सं. **संवृतिसत्य** नी.पु.२ ७२६

ཇི་སྙེད་ཡོད་པ་ཉིད་ **यावत्ता** सं.नि.८.२०.१

ཇི་ལྟ་ (१) =དེ་ནས་ **अथ** श.दा.

(२) **कथम्** श.दा.(=ཇི་ལྟ་བ་), सु.प्र.

(३) **यथा** बो.च.९.२७क(ना.), श.दा. (= ཇི་ལྟ་བ་)

(४) = ཇི་ལྟ་བ་ **यावृक्** श.दा.

ཇི་ལྟ་ཇི་སྙེད་ཀྱི་རྣམ་པ་མ་ལུས་པ་སྐད་ཅིག་མ་གཅིག་ལ་མངོན་སུམ་དུ་མཁྱེན་པའི་མཐར་ཐུག་གི་མཁྱེན་པ་ प्र.पा.६२

ཇི་ལྟ་ཇི་ལྟར་ **यथा यथा** बो.च.८.१७४क

ཇི་ལྟ་བ་ (१) सं. **परमार्थसत्य** नी.पु.२.७२६

(२) **यथा** न्या.बि.९९.१५, ११५.१६, १२२.१२, म.व्यु.५४०३, सु.प्र.१०१.१२

དུས་~བཞིན་དུ་ **यथाकालम्** उद्रा.२३.२९, ३२

གནས་~བཞིན་དུ་ **यथास्थाने** उद्रा.४५.२४

ཇི་ལྟ་བ་(དེ་)བཞིན་དུ་གནས་པ་ **यथावस्थित** न्या.बि.१८६.१८, १८७.३, ५, ८, ९

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་ (१) **यथा** म.व्यु.६६६४

(२) **यथावत्** ना.आ.२.१५, बु.च.५८

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་མངོན་སུམ་དུ་[མ་]བྱས་ནས་ **यथाभूतमसाक्षात्कृत्य** सं.नि.९.३.६

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དང་ཇི་ལྟ་བུར་ **भूतयथावत्** द.भू.१गग

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དུ་ (१) **यथा°** उद्रा.२३.२९, ३२ ४५.२४, म.व्यु.

བདག་ཉིད་~འཇུག་པ་ལ་མཁས་པ་ **यथात्म्यावतारकुशलः** म.व्यु.८५८

(२) **यथाभूतम्** सं.नि.५.६, ७.१२, १८, १९, २३, ८.३७.१, ९.१८.२.६

(३) **यथावत्** द.भू.११च

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དུ་རྟོགས་པར་འགྱུར་ཞིང་ **यथाभूतमवबुध्य** सं.नि.७.१८

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དུ་ཡོད་པ་ཉིད་ **यथावत्ता** सं.नि.८.२०.२

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དུ་རབ་ཏུ་ཤེས་པ་ **यथाभूतं प्रजानन्ति** सं.नि.१०.८

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་མི་ཤེས་ཏེ་ **यथाभूतं न जानन्ति** सं.नि.७.२०

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་མི་ཤེས་པས་ **यथाभूतमज्ञात्वा** सं.नि.८.८

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་རབ་ཏུ་ཤེས་པ་ **यथाभूतं प्रजानन्ति** सं.नि.८.३७.२

ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་ཤེས་པར་མི་ནུས་ **यथाभूतं ज्ञातुम-**

शाश्वम् सं.लि.८.२८

ཇི་ལྟ་བུ་ (१) कथम् सु.प्र.१०:१५

(२) किम् न्या.बि.३६.१४

(३) कीदृश उद्रा.२४.३

(४) यथा न्या.बि.१०५.१, १०

(५) यादृश

ཇི་ལྟ་བུ་...དེ་ལྟ་བུ་ यादृश...तादृश उद्रा.

४१.११, १४

ཇི་ལྟ་བུ་ཞིག་ कीदृश उद्रा.६.२५

ཇི་ལྟ་བུར་ (१) कथम् बो.च.५.३९ग

(२) का उद्रा.

རིམ་པ་~འགྱུར་ कानुपूर्वी भविष्यति उद्रा.

३७.२४

(३) यथा प्र.द.२८

द्र. ཇི་ལྟར་

ཇི་ལྟ་ཞེ་ན་ कथम् सु.प्र.

དེ་ཇི་ལྟ་ཞེ་ན་ तत्कथम् सु.प्र.१५४.२

ཇི་ལྟ་བཞིན་དུ་ यथा सु.प्र.२०.५

ཇི་ལྟར་ (१) कच्चिद् उद्रा.१६.१६, २३.२७...

(२) कथम् उद्रा.१२.१६, २५.३२, २६.५, ३३.४..., का.आ.१.८, का.प.१०५, १४६, ना.आ.३.७, १०, १४, १०.५, ११, न्या.बि. ११.७, १६.११, ३३.१०, बो.च.१.२६घ, २. ३२ग, ५९ख..., म.व्यु.५४२७, ६५८२, मू.क.५,७, ११, १३, सु.प्र.१३९.५, १५१. १४, १५६.१४..., स्र.स्तो.५८

~ཤེས་པར་བྱ་ कथं प्रज्ञायते उद्रा.४२.१८

དཔེར་ན་...ཇི་ལྟར་...བཞིན་ कथं यथा बो.च. ६.३९ग

(३) कथं नाम बो.च.७.७५क, ६.६५ख

(४) कथमां (sic) का.प.१२४

(५) काथमां (sic) का.प.१२४

(६) किम् बो.च.२.४६घ, ६.६घ, ल.वि.१५. २०.१६

(७) किंभूतस्य न्या.प्र.३०

(८) सं. न बो.क.२५

(९) यथा उद्रा.३५:२०, उ.व.२०, का.प.१०८, १६१, च.श.६, १२, ना.आ.२.७, १६, ४, ६, ७.१३, ९.४, १२.४, न्या.प्र.६, (२९), ३२, ३३, ३४, ३६, ३७, ३८, ४२, ४५, न्या.बि. १४.७, २८.५, ४०.१६..., बु.च.२३, ४६, ४७, बो.क.७, बो.च.२.२२क, ३.२३क, ५. ४०ग..., भ.च.५६क(यथ), म.व्यु.५४०३, श.दा., सु.प्र.२९.१३, १४, १५, १६, ५५. २५...

ཇི་ལྟ་ཇི་ལྟར་ ...དེ་ལྟ་དེ་ལྟར་... यथा यथा ...तथा... उद्रा.२१.६

(१०) यादृश न्या.बि.१८०.६, सु.प्र.१६३.५

ཇི་ལྟར་འོང་དུ་རུང་བ་ यथापर्याप्त का.प.२

ཇི་ལྟར་གྲགས་པ་ यथाप्रसिद्ध बो.च.६.१०८ग

ཇི་ལྟར་...ལྟ་བུ་ यथा न्या.बि.२७.५

ཇི་ལྟར་...ལྟར་ यथा बो.च.१.५कख, १६ख...,

सु.प्र.२०.२४, २१.१, ३०.९...

ཇི་ལྟར་བསྟན་བཞིན་ **कथोपविष्टा** का.प.१३प.

ཇི་ལྟར་ཐོས་པ་ **यथाश्रुत** का.प.२, सं.नि.१.४

ཇི་ལྟར་ཐོས་པ་བཞིན་(पा. °ཐོབ°) **यथाश्रुतम्** म.व्यु.६३७३

ཇི་ལྟར་མཐོང་བ་དང་། ཇི་ལྟར་ཐོས་པ་བཞིན་དུ་ **यथादृष्टं च यथाश्रुतं च** सं.नि.१.४

ཇི་ལྟར་དམ་བཅས་བཞིན་ **यथाप्रतिज्ञातम्** बो.च. ४.१२क

ཇི་ལྟར་དེ་ **यथेव** श.दा.

ཇི་ལྟར་... དེ་ལྟ་བུར་ **यथा...एवम्** ग.पं.११९

ཇི་ལྟར་... དེ་ལྟར་ (१) **यथा . तथा** ग.पं.२९, ३१, ३२

(२) **यादृशम् ..(तादृशम्)** उद्रा.…४१.३०

ཇི་ལྟར་...དེ་བཞིན་དུ་ **यथा...तथा** उद्रा.१६.१६

ཇི་ལྟར་དྲང་(བ་) **कथं नीयते** म.व्यु.६५८२, श.दा. (དྲངས་)

ཇི་ལྟར་འདོད་བཞིན་ **यथेच्छम्** अ.अ.५.१४

ཇི་ལྟར་ནུས་བཞིན་ **यथासामर्थ्यम्** का.आ.१.२

ཇི་ལྟར་གནས་ནི་འཛིན་བྱེད་ལྟར་ सं. **यथावास-परिग्रहः** बो.च.८.३३ख

ཇི་ལྟར་བུར་ **कथम्** सु.प्र.१०४.२२, १३९.१०, १६ (पा. °ལྟ°)

ཇི་ལྟར་འབྱོར་བ་ **यथायोगम्** म.व्यु.६५६४, श.दा. (°ग)

ཇི་ལྟར་...ཏི་ **न...कदाचित्** उद्रा.२१.३४

ཇི་ལྟར་...བཞིན་ **यथा** न्या.बि.८.११-१४, १५-१७, ३४.१२-१३, बो.च.४.१२क, ६.१२६ग(ना.) ..., भ.च.२१ग, सु.प्र.

ཇི་ལྟར་ཁྲས་ཁྱེར་བཞིན་ **श्येनेनापहृतो यथा** सु.प्र.१६५.२

ཇི་ལྟར་...བཞིན་དུ་ **यथा** म.व्यु.२११, ६३७२

ཇི་ལྟར་ཡང་ (१) **कथंचित्** म.व्यु.५४९२

(२) **कदाचित्** म.व्यु.५४९३

(३) =དཔེར་ན་ **तद्यथा** श.दा.

(४) **यथापि नाम** म.व्यु.५४६७

ཇི་ལྟར་རིགས་པ་ **यथायोगम्** न्या.बि.१८२.१६, म.व्यु.६५६४

ཇི་ལྟར་རེ་བ་ཡོངས་སྐོང་བ་ **यथेच्छापरिपूरण** बो.च.९.३५ख

ཇི་ལྟར་ལགས་པ་ **यथाभूतम्** उद्रा.३४.२४

ཇི་ལྟར་ལགས་པ་གསུངས་ཤིག་ **कथय यथाभूतम्** उद्रा.३४.२४

ཇི་ལྟར་ལོངས་སྤྱོད་པ་ **यथापरिभुक्तम्** उद्रा.९.३३, १२.२८

ཇི་ལྟར་ལོངས་སྤྱོད་པའི་གནས་མལ་ **यथा परि-भुक्तं शयनासनम्** उद्रा.९.३३, १२.२९, २७.२६

ཇི་ལྟར་བཤད་(པ་) **कथं नीयते** म.व्यु.६५८२

ཇི་སྟེ་ (१) **अथ** म.व्यु.५४१८, श.दा. (=ཅི་སྟེ་

དེ་ནས་)

(२) किम् बो.च.८:६६घ(दे.)

(३) सचेत् प्रज्ञ.(ले.)३४.८

द्र. དེན་

ཇི་སྟེ་...ན་ यदि न्या.बि.२५.११

ཇི་འདྲ་བ་ यादृश न्या.बि.८२.२, २०५.६

ཇི་ནས་ यथा म.व्यु.५४०३

ཇི་ཙམ་ (१) किंचित् न्या.बि.११ १

(२) कियत् उदा.३३ ६, का.प.१५७, म.व्यु.६६६८, श.दा.

(३) यावत् उद्रा.२२.१६, भ.च.४७ग(यावत)

द्र. ཇི་སྲིད་

ཇི་ཙམ་གྱིས་ན་ (१) कियता सं.नि.५.१, ८ ६, १५

(२) कियन्नु तावत् का.प.१२१

ཇི་ཙམ་དུ་ (१) तावत् सं.नि.७.२५, ६.५.११ (तावता)

(२) यावत् का.प.१४०, न्या.बि.५०.१६, २१४.११(यावता)

(३) सं. विरल न्या.बि.७६.६

ཇི་ཙམ་དུས་གཞན་ཞིག་ན་ (१) यावत् उद्रा.२४.२३, ४५.१५

(२) यावदपरेण समयेन उद्रा.१३.१३, ३६.१८

ཇི་ཙམ་ན་ यावत् उद्रा.३६.४, ४१.६, ४२.२२...,
सु.प्र.१३२.२७, १३३.१

ཇི་ཙམ་པར་ (१) यानि च भ.च.१९ग

(२) यावत् भ.च.(यावत)२२क, ४७क, सु प्र.४६.१३

ཇི་ཞིག་ कदाचित् श.दा.

ཇི་ཞིག་ལྟར་ (१) कथम् बो.च.४.२८ग(दे.)

(२) कथंचित् बो.च.७.३६ग

(३) कदाचिदेव श.दा.

ཇི་ཞིག་ལྟར་སྟེས་ कथंचिदपि बो.च.४.२६ख(ना:) (दे. °དེ་)

ཇི་ཞིག་ལྟར་སྟེས་ནས་ कथंचिदपि बो.च.३.२८ग

ཇི་བཞིན་ (१) यथा बो.च.६.६ख, सु.प्र.४२.१५, ११६.१६, १७८.१६

བསམས་པ་ཇི་བཞིན་དབྱངས་ यथाशयघोष भ.च.३१ग

(२) यथैव उद्रा.३२.७

ཇི་བཞིན་(གྱི་) याथात्म्य अ.अ.८.३५

ཇི་བཞིན་གྱི་དོན་དུ་འཛིན་པ་ यथाहतार्थग्राहिन् लं.मू.१२८ख

ཇི་བཞིན་བརྙེས་པ་ནམ་མཁའ་དང་མཉམ་པ་ यथा-लब्धखसमतत्त्व कं.तं.४४१

ཇི་བཞིན་དུ་ (१) इव बो.च.१०.१८ग(दे.)

(२) यथा बो.च.६.५६ग

ཇི་བཞིན་དོན་ यथार्थ लं.सू.२०१ख

ཇི་བཞིན་...མིན་ अयथा अ.अ.५.२६

ཇི་བཞིན་...མེད་པ་ अयथा अ.अ.५.५

ཇི་བཞིན་ཤུགས་ यथा-आवेश्यम् अ.अ.४.६२

ཇི་ཡང་རུང་ बत म.व्यु.५४४१

ཇི་རིགས་པར་ यथायोगम् न्या.बि.१८२.७, १३

ཇི་སྲིད་ (१) यथा अ.ह्.१.१९.३४

(२) यावत् प्र.द.७, बो.क.२४, बो.च.४.३६क, ८.३४ख, ४५ग...,भ.च.५९घ(यावत), म.व्यु.५४६४, मू.का.५, श.दा., सु.प्र.२५.१...

ཚེ་ཇི་སྲིད་པར་ यावदायुः प्रज्ञ.(बृ.)४८क७

ཇི་སྲིད་ཅིག་ན་ केव चिरेण का.प.१४७

ཇི་སྲིད་དུ་ (१) आ° बो.च.

དེ་དག་འཁོར་བ་ཇི་སྲིད་དུ། ནམ་ཡང་བདེ་ལས་ཉམས་མ་གྱུར། आसंसारं सुखज्या-निर्मा भूत्तेषां कदाचन बो.च.१०.३कख(दे.)

(२) यावत् न्या.बि.१९.८, २७.९, ४७.१२, बो.च.३.८क(?)

རེ་ཞིག་~ (क) यावत् किंचित् उद्रा.२३.२२

(ख) यावत् तावत् उद्रा.२३.३३

ཇི་སྲིད་དུས་ यावन्त्यहानि अ.ह्.१.२४.२१

ཇི་སྲིད་འདོད་ सं. इष्टकालम् बो.च.८.८७ख

ཇི་སྲིད་པ་ यत्तक सु.प्र.३९.२१ (द्र. ཇི་སྙེད་པ་)

ཇི་སྲིད་...བར་དུ་ यावत्° म.व्यु.८७०३

ཇི་སྲིད་འཚོ་བ་ यावज्जीवम् प्र.द.१८, बो.क.२४, २५

ཇི་སྲིད་འཚོ་བའི་བར་དུ་ यावज्जीवन श.दा.

ཇི་སྲིད་འཚོའི་བར་དུ་ यावज्जीवम् म.व्यु.८७०३, सु.प्र.९१.१

ཇི་སྲིད་རླུང་ནི་སྐྱེད་བྱེད་པ་ यद्वहति मारुतः श.दा.

ཇེ་ तावत् उद्रा.

ཇེ་བརྟག་པར་བགྱིས་ཏེ་ आनुपूर्वी तावत् क्रियताम् उद्रा.६.३२

ཇེ་མི་འཇིགས་པ་སྩོལ་ཅིག་ अभयं तावत् प्रयच्छ उद्रा.३४.२३

ཇེང་ (१) =དང་པོ་=རེ་ཞིག་ आदि श.दा.

(२) घोष श.दा.

(३) =དང་པོ་=རེ་ཞིག་ प्रथम श.दा.

(४) स्वर श.दा.

ཇོ་ཇོ་ (१) अग्रजभ्राता श.दा.

(२) तात म.व्यु.३९२४

ཇོ་བོ་ (१) आर्य ना.आ.३.७, म.व्यु. ३७५०, श.दा.

(२) प्रभु श.दा.

ཙན་དན་~ चन्दनप्रभु श.दा.११८०क

(३) भर्तृ बु.च.६, २६, ६६

(४) सं. शाक्यमुनि नी.पु.२.९७३

(५) स्वामिन् श.दा.

ཇོ་བོ་ཆེན་པོ་དཔལ་ལྡན་ཨ་ཏི་ཤ་ महार्यश्री अतीश चि.त्रि.२९

དྲ་ཆེན་པོ་དཔལ་ལྡན་ཨ་ཏི་ཤ་ལ་ན་མོ།

ཇོ་བོ་རྗེ་ अतीश नी.पु.१.६८, श.दा.१३४३क

ཇོ་བོ་རྗེ་དཔལ་ལྡན་ཨ་ཏི་ཤ་ सं अतीश दीपंकर-श्रीज्ञान मु.चि.२२

ཇོ་བོ་འི་ལུགས་ आर्यक्रम

མགོན་པོ་ཏྲཱ་ཀྵད་སེང་ཞོན་~ चि.पं.१२९क

མགོན་པོ་ལྷ་ཆེན་དཔལ་འབར་~ चि.पं.१२५क

རྟ་མགྲིན་ཁྱུང་གཤོག་ཅན་~ चि.पं.५८ख

རྟ་མགྲིན་དཔའ་གཅིག་ལྷན་སྐྱེས་~ चि.पं.५८क

རྟ་མགྲིན་ཤ་ན་བཞི་སྐོར་~ चि.पं.५८ग

སྤྱན་རས་གཟིགས་ཡི་གེ་དྲུག་པ་~ चि.पं.३३ख

ཚགས་བདག་དཀར་པོ་ཕྱག་བཞི་པ་~ चि.पं.११४ख

ཛམ་བྷ་ལ་དཀར་པོ་ལྷ་ལྔ་~ चि.पं.१०८ग

ཇོ་བོ་འི་ལུགས་ཀྱི་རྟ་མགྲིན་ आर्यक्रम हयग्रीव चि त्रि.१६८

ཇོ་བོ་ལུགས་ཀྱི་རྟ་མགྲིན་ལ་ན་མོ།

ཇོ་མོ་ (१) आर्या श.दा.

(२) देवी सु.प्र.१६२.१९

ཇོ་མོ་ཨུ་རྒྱན་མ་ श्रीओड्डियानताराभिसमयक्रम नी.पु.२.८४५ (कं.तं.१७०७)

ཇོ་ཝོ་=ཇོ་བོ་ आर्य म.व्यु.३७५०

ཇོ་ལུགས་སྒྲོལ་དཀར་ आर्यक्रम सिततारा चि.पं.१क



ཇོ་ལུགས་ སྒྲོལ་དཀར།

ཇོ་ཨ་ཏི་ཤ་ आर्य अतीश चि च.१९

མཇལ་བ་ समागम उद्रा.१५.३१, ३६, म.व्यु. १३३३, श.दा.(=འཕྲད་པ་)
द्र. འཕྲད་པ་

མཇིང་ द्वितीयप्रहर म.व्यु ८२४१

མཇིང་རྣུབ་ अग्रीव म.व्यु. ८८६७

མཇིང་པ་=འཇིང་པ་ कृकाटक श.दा.

མཇུག་ (१) अन्त श.पं.१४४
(२) अवसान उद्रा.
བཀའི་མཇུག་ वाचावसान (=वाचोऽवसान) उद्रा.१८.३४
(३) पृष्ठ बो.च.३.२५ग, म.व्यु २३१९
(४) शेष म.व्यु.७५५५

མཇུག་སྒྲོ་ཅན་ = རྨ་བྱ་ कलापिन् श.दा.

མཇུག་བསྡོམས་ निगम्य श.दा.

མཇུག་ཏུ་
མགོ་~བཏགས་ཏེ་ इतश्चामुतश्च निरीक्ष्य उद्रा.१३.१५

མཇུག་རྡོ་ त्रिक म.व्यु.४००३

མཇུག་སྡུད་=འཇུག་སྡུད་ निगमन श.दा.

མཇུག་སྡུད་པ་ उपसंहार न्या.बि.१७०.१७

མཇུག་བསྡུ་བ་ उपसंहार न्या.बि.१७७.३

མཇུག་བསྡུ་བའི་ཕྱིར་ सं. उपसंहरत् न्या.बि. १८२.४

མཇུག་བསྡུད་(སྡུད་) निगमन म.व्यु.४४५५

མཇུག་བསྡུས་པ་ निगमन प्रस.४११.७, सु.प्र. १८१.७

མཇུག་ཕོད་ विष्टि म.व्यु.४३९७

མཇུག་ཕོད་ཅན་=དུ་བ་མཇུག་རིང་ केतु श.दा.

མཇུག་མ་ (१) =འཇུག་མ་ पुच्छ श.दा.
(२) लांगूल म.व्यु.५३३२, श.दा. (=འཇུག་མ་)
(३) = འཇུག་མ་ ललाम श.दा.

མཇུག་རིང་ केतु म.व्यु ३१८५, श.दा.

མཇུག་རིངས་ केतु म.व्यु.३१८५, श.दा.(=འཇུག་རིངས་, དུ་བ་མཇུག་རིངས་)

མཇེ་ (१) पुंल्लिङ्ग श.दा.

(२) लिंग श.दा.

མཛེད་

མི་མཛེད་ཀྱི་བདག་པོ་ཚངས་པ་ ब्रह्मा सहांपतिः सु.प्र.६३.२४, ६८.१७

རབ་ཏུ་བྱུང་བ་ཉོན་མོངས་མི་མཛེད་དང་

क्लेशदत्त यो प्रव्रजितोधिवासयेत् का प.११४प.

མཛེད་པ་ (१) ཉོན་མོངས་པ་ལ་མི་~ क्लेशाधिवासनता का.प.११४

(२) सह श.द।

འཇག་སྐྱུ་=འཇག་མའི་རྩ་ बीरणमूल श.दा.

འཇག་པ་ भू. ཇགས་

विभव म.व्यु.६४६९

འཇག་པོ་=འཇོག་པོ་ तक्षक ग.दा.

འཇག་མ་ बीरण श.दा.

འཇག་མའི་རྩ་=འཇག་སྐྱུ་

འཇབ་ निभृत बो.च.

འཇབ་ཅིང་འགྲོ་བ་ཡིས་ निभृतश्चरन् बो.च. ५.७३ख

འཇབ་པ་ भू. བཇབས་, भवि. བཇབ་

འཇམ་ (१) कोमल सु.प्र.३७.१

(२) मञ्जु अ.अ.८.२८, का.आ. ०, बो.च., सु.प्र.

(३) मापयन्ति म.व्यु.५३१५

(४) मृदु अ.अ.८.१३, २७, बो.च.५.७९घ

(५) मृदुक सु.प्र.३६.८

(६) मृदुत्व अ.अ.८.२३

(७) मृदुर सु.प्र.३६.६

(८) श्लक्ष्ण श.पं.७०

(९) ངང་འཇམ་ सौरत्य श.पं.१२४

འཇམ་ཀླུས་ मञ्जु, प्रसर श.दा.

འཇམ་དཀར་ཞེས་རབ་འཁོར་ལོ་ सित मञ्जुघोष प्रभावक चि.पं.६६ग

འཇམ་དཀར་ཞེས་རབ་འཁོར་ལོ།

འཇམ་མགོན་ मञ्जुनाथ श.दा.

འཇམ་མགོན་ཙོང་ཁ་པ་ཆེན་པོ་ मद्र. ०० (११३३)

འཇམ་ཚར་=སྤྲང་ཚར་ मधुयष्टि श.दा.

འཇམ་རྡོར་ (१) मञ्जुवज्र गु.चि.४२

(२) सुगुह्यसमाज मञ्जुश्रीसाधन नी.पु. १.३७३ (कं.तं.१८८०)

རྣམ་སྣང་~ **वैरोचन मञ्जुवज्र** चि.पं.२१ख

གསང་འདུས་~ **गुह्यसमाज मञ्जुवज्र** चि.त्रि.६८, चि.पं.१७क

འཇམ་པ་ (१) **कोमल** ना.आ.१२.४, श.दा., मु.प्र.१५५.६

(२) **चारु** म.व्यु.३२०

(३) **मञ्जु** बो.च.

(४) ཤིན་ཏུ་~ **मधुर** बो.च.७.२४ग

(५) **मन्द** श.दा.

(६) **मृदु** द.भू.१ओओ, २अ, बो.च., म.व्यु. २९०, ६१४९, श.दा., मु.प्र.१५४.८

རེག་ན་~ **मृदुस्पर्श** बो.च.८.५०क

(७) **मृदुक** उद्रा १९.३६

(८) **मृदुका** म.व्यु.४४६

(९) **श्लक्ष्ण** अ.अ.८.३०, ३१, म.व्यु.३३३, १९०४

(१०) **श्लक्ष्णत्व** म.व्यु.१९०४

(११) **स्निग्ध** द.भू.२ग, ज, ४ग

འཇམ་པའི་རྡོ་རྗེ་ **मञ्जुवज्र** गु.चि.४२, श.दा.

གསང་འདུས་~ चि.च.३०

འཇམ་པའི་རྡོ་རྗེ་མཆོད་པའི་ཆོ་ག་ **मञ्जुवज्रपूजा-विधि** कं.तं.१९०२

འཇམ་པའི་རྡོ་རྗེ་དཔའ་བོ་གཅིག་ (ཏུ་གྲུབ་) པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य)**मञ्जुवज्रसिद्धैकवीर-साधन** कं.तं.३३२२

འཇམ་པའི་རྡོ་རྗེ་འབྱུང་བའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་བདེ་བ་བསྐྱེད་པ་ (श्री)**मञ्जुवज्रोदयमण्डलविधि सर्वसत्व-हिताबहा** (नाम) कं.तं.२५९०

འཇམ་པའི་རྡོ་རྗེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **मञ्जुवज्रसाधन** (पा. मञ्जुश्री°) कं.तं.३४७६

འཇམ་པའི་དབྱངས་ **मञ्जुघोष** चि.त्रि.१४५, बो.च. २.४९ग(दे.), १०.५८ख, भद्र.८५२, श.दा.(द्र. འཇམ་དབྱངས་)

འཇམ་པའི་དབྱངས་ལ་ན་མོ།

རྗེ་བཙུན་~ चि.त्रि.३

འཇམ་པའི་དབྱངས་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ **मञ्जुघोषसाधन** कं.तं.३४४४

འཇམ་པའི་དབྱངས་ཀྱི་བསྟོད་པ་ (आर्य) **मञ्जु-घोषस्तोत्र** कं.तं.२७१२

འཇམ་པའི་དབྱངས་དཔའ་བོ་གཅིག་ཏུ་གྲུབ་པའི་

སྒྲུབ་ཐབས་ **सिद्धैकवीरमञ्जुघोषसाधन** कं.तं.२७०२

འཇམ་པའི་རིགས་ **मञ्जुजातीय** श.दा.

འཇམ་པོ་ (१) **मधुर** प्र.द.३,

(२) **मृदु** बो.च.१०.३५घ

(३) **श्लक्ष्ण** श.दा.

འཇམ་པོ་འཁྱིལ་པ་ **मृदुकुण्डलिन्** तु.५७६

འཇམ་པོར་སྨྲ་བར་བྱེད་ **अनृता च वाणी** का.प. २६प.

འཇམ་དཔལ་ (१)= སྨྲ་བའི་ལྷ་ **मञ्जुघोष** श.दा.

(२) **मञ्जुशिरी** भ.च.५६क

(३) **मञ्जुश्री** नी.पु.२.४४१, ६७८, ७५३, म.व्यु.६५०, १३६९, १३८१, श.दा, सं.नि. ०.४, १०.१, सु.प्र.१२०.४, १७४.२

འཁོར་~ चि.पं.१६ग

འཕགས་པ་~ चि.पं.१३ख

འཇམ་དཔལ་ཁྲོ་བོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **मञ्जुश्रीक्रोधसाधन** कं.तं.२१०९, २६२९(°ཁྲོ་བོར་°)

འཇམ་དཔལ་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ (आर्य) **मञ्जुश्रीमण्डलविधि** कं.तं.२६०१, २११० (सं.००)

འཇམ་དཔལ་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ཡིད་བཞིན་ནོར་བུ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीमण्डलविधि चिन्तामणि** (नाम) कं.तं २५९८

འཇམ་དཔལ་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ཡོན་ཏན་འབྱུང་གནས་ (आर्य) **मञ्जुश्रीमण्डलविधि गुणसंभव** (नाम) कं.तं.२५८२

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྒྲ་བརྡ་སྤྲོད་པའི་སྐབས་ལྔ་པའི་ཀང་པ་གཉིས་པའི་རྣམ་པར་འགྲེལ་པ་ [**मञ्जुश्रीशब्दव्याकरणपञ्चमकाण्डद्वितीयविवरण**] कं.तं.४२८१

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྒྲ་བརྡ་སྤྲོད་པའི་འགྲེལ་པ་སྟོང་ཕྲག་བརྒྱད་པ་ **अष्टसाहस्रिका मञ्जुश्रीशब्दव्याकरणवृत्ति** कं.तं.४२८०

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྒྲའི་མཚན་ཉིད་ **मञ्जुश्रीशब्दलक्षण** कं.तं.४४३३

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ **मञ्जुश्रीसाधन** कं.तं. २५८७, २६०६(आर्य°), २७१७ (आर्य°, °སྒྲུབ་པའི་ཐབས་), ३१८३, ३१८७, ३१८८, ३१८९, ३३१२(आर्य°), ३४४० (आर्य°), ३४६४, ३४६९

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྔགས་དོན་རྣམ་གཟིགས་དང་། ཉེ་བར་བསྡུས་པའི་རྣམ་པར་རྟོག་གེ་གཉིས་ཀྱི་དོན་བསྡུས་པ་མཚན་གྱི་སྒྲོན་མེ་ कं.तं.२०९५

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྔགས་ཡི་གེ་འབྲུ་གཅིག་པའི་ཆོ་ག་ कं.तं.५५०, ८९६

འཇམ་དཔལ་གྱི་བསྟོད་པ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीस्तोत्र** कं.तं.२७१८

འཇམ་དཔལ་གྱི་ཉི་སྨོན་ལམ་ **मञ्जुशिरीप्रणिधान** म.च.४५ख

འཇམ་དཔལ་གྱི་སྤྱོད་ལམ་གྱི་ཆོ་ག་ (आर्य)**मञ्जु-**

श्रीकर्माकार्णविधि क.तं.२६११

འཇམ་དཔལ་གྱི་རྩ་བའི་རྒྱུད་ (आर्य)**मञ्जुश्री-मूलतन्त्र** कं.तं.५४३

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ कं.तं.५४८, ८९४

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामाष्टशतक** कं.तं.६४२

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་གཏོར་པའི་མན་ངག་ कं.तं. २५५५

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པ་ ཞེས་བྱ་བའི་འགྲེལ་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्री-नामसंगीतिवृत्ति** कं.त.२५३५

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པ་ ཞེས་བྱ་བའི་སྦྱིན་སྲེག་གི་རིམ་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिनामहोमक्रम** कं.तं २५८१

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ དཀའ་འགྲེལ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीति-पञ्जिका** कं.तं.२५४०

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ དཀའ་འགྲེལ་བསྡུས་པ་ (आर्य)**मञ्जुश्री-नामसंगीतिपञ्जिकासंग्रह** कं तं २५४१

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ (आर्य) **मञ्जुश्री-नामसंगीतिमण्डलविधि** कं.तं.२५४५-४७, २५९५, २६२०

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ དཀྱིལ་འཁོར་ཐམས་ཅད་ལ་བསྟོད་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिसर्वमण्डलस्तोत्र** कं.तं. २६२१

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ ཁྲུས་ཀྱི་ཆོ་ག་ कं.तं.२५४८

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ འཁོར་ལོའི་རིམ་པ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीनाम-संगीतिचक्रक्रम** कं.तं.२५९७

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ དགེ་བའི་རྩ་བ་བསྔོ་བ་ कं.तं.२५५६

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ འགྲེལ་པ་ (१) (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीति-वृत्ति** कं.तं.२५३६

(२) (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिवृत्ति नामार्थ-प्रकाशकरण**(नाम) कं.तं.२५३७

(३) सं.०० कं तं.२५४२

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ འགྲེལ་པ་སྙིང་པོ་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिटीका साराभिसमय** (नाम) कं.तं.२०९८

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ འགྲེལ་པ་དྲི་མ་མེད་པའི་འོད་ (आर्य)**मञ्जुश्री-नामसंगीतिटीका विमलप्रभा** कं.तं.१३९८

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་

འགྲེལ་པ་བདུད་རྩིའི་ཐིགས་པ་སྒྲོན་མ་གསལ་བ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिवृत्ति अमृतबिन्दुप्रदीपालोक** (नाम) कं.तं.१३९६

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिमहाटीका** कं.तं.२०९०

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་རྒྱ་ཆེར་བཤད་པ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिटीका** कं.तं.२५३४

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिसाधन** कं.तं २१०८, २५७९(°སྒྲུབ་པའི་ཐབས་), २५९९, २६००, २६१९

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་གསང་བའི་སྒྲོན་མ་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिसाधन गुह्यप्रदीप** (नाम) (पा. °गीतिगुह्यसाधन°) कं.तं.२५९६

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ངན་སྔགས་བྱེད་ཀྱི་འཁོར་ལོས་བསད་པ་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिमारमन्त्रमरचक्र** (पा.°गीतिचक्रममारयमन्त्र) कं.तं.२५७४

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीत्यभिसमय** कं.तं.१४००

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ཆོ་ག་མདོ་དང་བསྡེབས་པ་ (आर्य)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिविधिसूत्रपिण्डित** कं.तं.२५७२, २५९२

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་དོན་གསལ་བར་བྱེད་པ་ (आर्यं) **मञ्जुश्रीनामसंगीत्यर्थालोककर** कं.तं.२०९३

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་སྡིག་པ་སྦྱོང་བའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिसर्वपापविशोधनमण्डलविधि** कं.तं.२५७५

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་སྡིག་པ་སྦྱོང་བའི་སྦྱིན་སྲེག་གི་ཆོ་ག་ (आर्यं) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिसर्वपापविशोधनहोमविधि** कं.तं.२५७६

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ **मञ्जुश्रीनामसंगीतिव्याख्यान** कं.तं.१३९७

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་སྨྱུན་དགེ་བའི་ཆོ་ག་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीतिचर्याविधि** कं.तं.२५७३

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ཕན་ཡོན་གྱི་འགྲེལ་པ་ (आर्यं)**मञ्जुश्रीनामसंगीत्यनुशंसावृत्ति** कं.तं.१३९९

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་བྱང་ཆུབ་ཆེན་པོའི་སྐུ་གདུང་གི་ཆོ་ག་ **मञ्जु-**

श्रीनामसंगीतिमहाबोधिशरीरविधि कं.तं.२५६८

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་སྦྱིན་སྲེག་གི་ཆོ་ག་བསྡུས་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिहोमविधिसंग्रह** कं.तं. २५६९

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་མདོ་ངག་གི་འགྲེལ་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीत्युपदेशवृत्ति** (नाम) (पा. °श नाम वृत्ति) कं.तं.२५३९

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་ཡན་ལག་བདུན་པའི་ཚོགས་བསགས་པའི་ཐབས་ कं.तं.२५५४

འཇམ་དཔལ་གྱི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པའི་གསང་བ་དང་ལྡན་པའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ཀྱི་འགྲེལ་པ་ཡེ་ཤེས་གསལ་བ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिगुह्यवद्विधिवृत्ति ज्ञानदीप** (नाम) कं.तं २५८४

འཇམ་དཔལ་གྱི་ཞལ་ནས་གསུངས་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीस्वाख्यात** (नाम धारणी) कं तं. ५४५, ८९२

འཇམ་དཔལ་གྱི་ཟབ་ཅིང་རྒྱ་ཆེ་བའི་འགྲེལ་པ་ कं.तं २१०७

འཇམ་དཔལ་གྱི་རབ་ཏུ་གནས་པའི་ཆོ་ག་ (आर्य) **मञ्जुश्रीप्रतिष्ठाविधि** कं तं.२५८३

འཇམ་དཔལ་གྱི་ཤེས་རབ་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ **मञ्जुश्रीप्रज्ञाचक्र** कं.तं.३१९२

འཇམ་དཔལ་གྱི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་གི་ཡོན་ཏན་བཀོད་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीबुद्धक्षेत्रगुणव्यूह** (नाम महायानसूत्र) कं.तं.५९, म.व्यु.१३८१, श.दा. (मञ्जुश्रीबुद्धक्षेत्रव्यूह)

འཇམ་དཔལ་གྱིས་བསྟན་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनिर्देश** (नाम महायानसूत्र) कं.तं.१७७

འཇམ་དཔལ་གྱིས་དམ་བཅས་པའི་གཟུངས་ कं.तं. ५४७

འཇམ་དཔལ་གྱིས་དྲིས་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीपरिपृच्छा** (नाम महायानसूत्र) कं.तं.१७२

འཇམ་དཔལ་གྱིས་དམོད་བཙུགས་པ་ कं.तं.५४६, ८९३

འཇམ་དཔལ་གྲགས་ **मञ्जुश्रीकीर्ति** श.दा.

རིགས་ལྡན་~ **मञ्जुश्रीकीर्ति** तु.५९८

འཇམ་དཔལ་གྲགས་པའི་བཤེས་གཉེན་ **मञ्जुश्रीकीर्तिमित्र** नी.पु.१.३७२

འཇམ་དཔལ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་རོལ་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **महाराजलीलामञ्जुश्रीसाधन** कं.तं.३४६३

འཇམ་དཔལ་རྒྱལ་པོ་རོལ་པ་ **राजलीलामञ्जुश्री** चि.च.१५३

འཇམ་དཔལ་ངག་གི་རྒྱལ་པོ་འི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य) **वाग्राजमञ्जुश्रीसाधन** कं.तं.३४४२

འཇམ་དཔལ་ངག་གི་དབང་ཕྱུག་ལ་བུ་མོ་བརྒྱད་ཀྱིས་བསྟོད་པ་ कं.तं ५५२

འཇམ་དཔལ་རྔ་སྒྲ་ **मञ्जुश्रीदुन्दुभिस्वर** श.दा.

འཇམ་དཔལ་འཇིགས་བྱེད་ཀྱི་མཚན་གྱི་བསྟོད་པ་ **मञ्जुश्रीवज्रभैरवनामस्तुति** (पा. "वज्रश्रीभै°") कं.तं.२०१२

འཇམ་དཔལ་སྙིང་པོ་ **मञ्जुश्रीगर्भ** <बोधिसत्त्व-नाम> नी.पु.२.१०७९

འཇམ་དཔལ་རྡོ་རྗེ་བློ་གྲོས་འཕེལ་བ་ **मञ्जुश्रीवज्रप्रज्ञावर्धन** कं.त.२७०१

འཇམ་དཔལ་རྡོ་རྗེ་ལུས་མེད་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ **वज्रानंगमञ्जुश्रीसाधन** कं.तं.३१७७

འཇམ་དཔལ་རྡོ་རྗེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **मञ्जुश्रीवज्रसाधन** कं.तं.३३१३

འཇམ་དཔལ་རྡོ་རྗེའི་བུམ་པའི་ཆོ་ག་ **मञ्जुश्रीवज्रघटविधि** (पा. वज्रमञ्जुश्री°) कं.तं. २६१२

འཇམ་དཔལ་ནཱ་ག་རཀྵ་ **नागरक्ष मञ्जुश्री** चि.पं. ८१ख →

འཇམ་དཔལ་གནས་པ་ **मञ्जुश्रीविहार** कं.तं.१९६ (आर्य~ नाम महायानसूत्र), म.व्यु.१३६९, श.दा.

འཇམ་དཔལ་རྣམ་པར་འཕྲུལ་པའི་ལེའུ་ ! (आर्य) **मञ्जुश्रीविकुर्वाणपरिवर्त** (नाम महायानसूत्र) कं.तं.९७

འཇམ་དཔལ་རྣམ་པར་རོལ་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीविक्रीडित** (नाम महायानसूत्र) कं.तं.९६

འཇམ་དཔལ་རྣོན་པོ་ **तीक्ष्ण मञ्जुश्री** चि.ब.१५७

འཇམ་དཔལ་དཔའ་བོ་གཅིག་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.त २५७१

འཇམ་དཔལ་ནཱ་ག་རཀྵ

འཇམ་དཔལ་དབྱངས་ (१) **मञ्जुघोष** नी.पु. ८.९११, बौ.च.२.४९ग(ना.)

(२)=སྨྲ་སེང་རིག་པའི་བློ་གྲོས་ **मञ्जुश्री** श.दा.

འཇམ་དཔལ་དབྱངས་དངོས་ཁྲི་སྲོང་ཞབས་ भद्र. ०० (११२४)





འཇམ་དཔལ་དབྱངས་གཞོན་ནུར་གྱུར་པ་ मञ्जुश्री-कुमारभूत ग.दा.४८५ख

འཇམ་དཔལ་རྩ་རྒྱུད་ मञ्जुश्रीमूलतन्त्र न्या.इ. २५२टि.१

འཇམ་དཔལ་མཚན་བརྗོད་ཀྱི་བཤད་འབུམ་ क तं. २५३८

འཇམ་དཔལ་ཞལ་ལུང་ द्विक्रमतत्त्वभावना नाम मुखागम नी पु.१ १६८(कं.तं.१८५३)

འཇམ་དཔལ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ (आर्य) मञ्जुश्रीनामसाधन क.तं २५४४

འཇམ་དཔལ་གཞོན་ནུར་གྱུར་པ་ मञ्जुश्रीकुमार-भूत चि.च.१४६, चि त्रि ६३, म.व्यु.६५०, ग दा.

འཇམ་དཔལ་གཞོན་ནུར་གྱུར་པའི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་གཟུངས་སྔགས་དང་བཅས་པ་ (आर्य) मञ्जुश्रीकुमारभूताष्टोत्तरशतकनाम-धारणी मन्त्रसहित कं.तं.६३६, ८७६

འཇམ་དཔལ་ཡན་ལག་མེད་པའི་རྡོ་རྗེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ वज्रानंगमञ्जुश्रीसाधन कं तं.३४५४

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའ་དང་པོའི་སངས་རྒྱས་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ ज्ञान-सत्त्वमञ्जुश्र्यादिबुद्ध नाम साधन कं.तं. २६०४

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའ་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य)ज्ञानसत्त्व-मञ्जुश्रीतत्त्व नाम साधन (पा. °तत्त्वसाधना नाम) कं तं २६०२

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའི་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ (आर्य) **ज्ञानसत्त्वमञ्जुश्र्यभिसमय** कं.तं.२०९६

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའི་སྙིང་པོ་གྲུབ་པ་ **ज्ञानसत्त्वमञ्जुश्रीसारसिद्धि** कं तं.२१०५

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའི་དོན་དམ་པའི་མཚན་ཡང་དག་པར་བརྗོད་པ་ **मञ्जुश्रीज्ञानसत्त्वस्य परमार्था नामसंगीतिः** कं.तं.३६०

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའི་ཡིད་འཇུག་པའི་བསམ་གཏན་གྱི་འཁོར་ལོ་ **ज्ञानसत्त्वमञ्जुश्रीसमाधिचक्रमनोऽवतार** (नाम) कं.तं २१०२

འཇམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་སེམས་དཔའི་རིན་པོ་ཆེ་འི་ཕྱག་གྱི་དྲི་མ་མེད་པའི་ཆོ་ག་ **ज्ञानसत्त्वमञ्जुश्रीविमलरत्नमुद्राविधि** कं तं.२०९७

འཇམ་དཔལ་གཡོ་བའི་འཁོར་ལོ་ **मञ्जुश्रीबलचक्र** कं तं २७०५

འཇམ་དཔལ་རིན་པོ་ཆེའི་ཆོ་ག་ (आर्य) **मञ्जुश्रीरत्नविधि** कं तं.२५८८

འཇམ་དཔལ་ལ་བསྟོད་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीस्तोत्र** कं.तं.२७०७

འཇམ་དཔལ་ལས་བཞི་འཁོར་ལོ་གསང་བའི་རྒྱུད་ (आर्य) **मञ्जुश्रीचतुश्चक्रगुह्यतन्त्र** कं.तं.८३८

འཇམ་དཔལ་ཤེས་རབ་ཀྱི་སྒྲོར་བ་ कं.तं.३३१८

འཇམ་དཔལ་ཤེས་རབ་འཁོར་ལོ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ **मञ्जुश्रीप्रज्ञाचक्रसाधन** कं.तं.३३२३

འཇམ་དཔལ་བཤེས་གཉེན་ **मञ्जुश्रीमित्र** चि.मि. २१, नी.पु.१.३६९, २.४३६ (आचार्य°), म.वा. (द्र. को.सू.५.२६८-९)

འཇམ་དཔལ་བཤེས་གཉེན་ལ་ན་མོ

འཇམ་དཔལ་གསང་ལྡན་ (आर्य) **मञ्जुश्रीनामसंगीतिसाधन** नो.पु.१.१६०, २.४०७ (कं.तं. २५७९)

འཇམ་དཔལ་གསང་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ (आर्य) **मञ्जुश्रीगुह्यतन्त्रमण्डलविधि** (पा. °त्रस्य°) क.तं.२६६७

འཇམ་དཔལ་གསང་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་དང་ལས་ཀུན་གྱི་གཏེར་ཞེས་བྱ་བའི་འགྲེལ་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीगुह्यतन्त्रसाधनसर्वकर्मविधि नाम टीका** (पा. °तन्त्रसर्वकर्मसाधनविधि°) कं.तं.२६६६

འཇམ་བ་ = སྨུས་པ་ = བདུལ་བོ་བ་ **मृदु** श.दा.

འཇམ་དབྱངས་ (१) **मञ्जुघोष** नी.पु.१.१६६, बो.च २ १३ग, २२क, १०.१४घ, ५१क, भद्र.५८२, श.दा. (द्र. འཇམ་པའི་དབྱངས་)

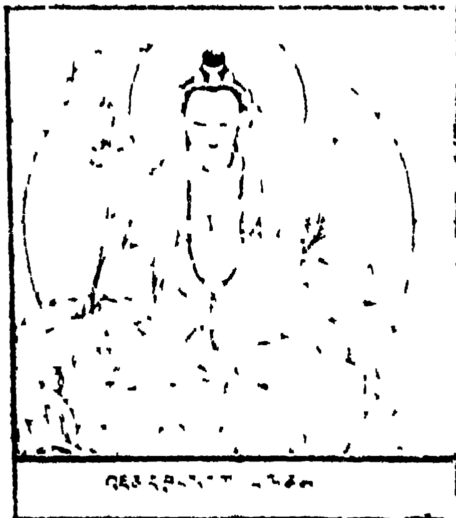
འཇིག་གསུམ་ལྷག་པར་དབང་དུ་བྱེད་པའི་~ चि च.१५४

མཚན་བརྗོད་ཀྱི་~ཕྱག་བཞི་པ་ चि च.१५५

(२) **मञ्जुनाथ** बो.च.१०.५३ग

(३) **मञ्जुश्री** बो च.१०.५४ग

འཇམ་དབྱངས་དཀར་པོ་ **सित मञ्जुघोष** चि त्रि. ६१, चि.च.१४५, चि.पं म२ग (द्र. འཇམ་དཀར་)



འཇམ་དབྱངས་དཀར་པོ་ཁ་ཆེ་པཎ་ཆེན་ལུགས་ चि प.६५ख



འཇམ་དབྱངས་དཀར་པོ་མཆོད་པའི་ཆོ་ག་ **शुक्ल-मञ्जुघोषपूजाविधि** कं.तं.२७१६

འཇམ་དབྱངས་གང་བློ་མའི་བསྟོད་སྒྲུབ་མར་གྲགས་པ་ **पूर्णमतिस्तोत्रसाधनकीर्तित मञ्जु-घोष** चि पं ६६क



འཇམ་དབྱངས་མགོན་པོ་ मञ्जुघोषनाथ नी.पु. २.६७६

འཇམ་དབྱངས་སྨྲ་བཟང་དབང་ཕྱུག་རྒྱལ་པོ་ भद्र-स्वरेश्वरराज मञ्जुघोष चि.च.१५२

འཇམ་དབྱངས་ངག་གི་རྒྱལ་པོ་ वादिराट् मञ्जु-घोष चि.च.१५०

འཇམ་དབྱངས་ཆོས་དབྱིངས་གསུང་གི་དབང་ཕྱུག་བརྒྱད་པ་ अष्टभुज धर्मधातुवागीश्वर मञ्जु-घोष चि.च.१५१

འཇམ་དབྱངས་བརྟན་པའི་འཁོར་ལོ་ स्थिरचक्र मञ्जुघोष चि.च.१४७

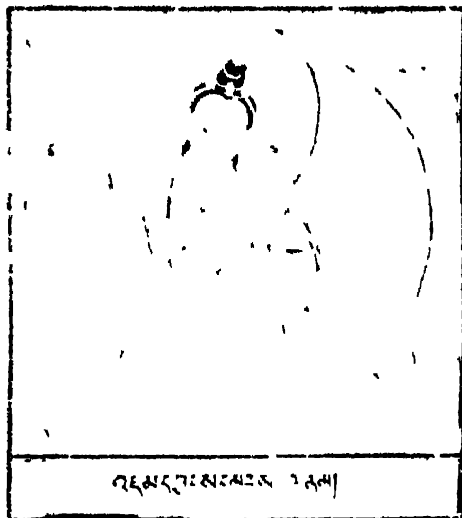
འཇམ་དབྱངས་ནག་པོ་ कृष्ण मञ्जुघोष चि.पं. ८०क



འཇམ་དབྱངས་ནག་པོ།

འཇམ་དབྱངས་ནང་སྒྲུབ་ अन्तरसाधन मञ्जुघोष चि.च.३१

འཇམ་དབྱངས་དམར་སེར་ रक्तपीत मञ्जुघोष चि.चि.८८



འཇམ་དབྱངས་སྨྲ་བའི་སེང་གེ། वादिसिंह मञ्जुघोष चि.पं.६६ख, स३ख



འཇམ་དབྱངས་སྨྲ་བའི་སེང་གེ།

འཇམ་དབྱངས་སྨྲ་བའི་སེང་གེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ क.तं.
२७०३

འཇམ་དབྱངས་སྨྲ་སེང་ वादिसिंह मञ्जुघोष
चि.त्रि.९२




འཇམ་དབྱངས་ལ་ཨ་ར་པ་ཙ༔ །

འཇམ་དབྱངས་ཤེས་རབ་འཁོར་ལོ་དང་པོ་ °प्रज्ञा-चक्र मञ्जुघोष चि च.१५६ (द्र. འཇམ་དཀར་ཤེས་རབ་འཁོར་ལོ་ चि पं ६६ग)

འཇམ་དབྱངས་ས་སྐྱ་པཎྜི་ཏ་ भद्र.०० (११३१)

→



འཇམ་དབྱངས་ཨ་ར་པ་ཙ་ན་དམར་སེར་ས་ལུགས་

འཇམ་དབྱངས་སེང་གེའི་སྒྲ་ सिंहनाद मञ्जुघोष
चि च.१४९

འཇམ་དབྱངས་གསང་སྒྲུབ་ गुह्यसाधन मञ्जुघोष
चि.च १४८

འཇམ་དབྱངས་ཨ་ར་པ་ཙ་ན་ अरपचन मञ्जुघोष
चि प स३क

°रक्तपीत अरपचन मञ्जुघोष चि.पं.६५ग

འཇམ་དབྱངས་ཨ་ར་པ་ཙ་ན་དམར་སེར་ཅན་བཞུགས།

འཇམ་འབྲས་དབྱེ་བ་ करञ्ज श.दा.

འཇམ་སྐྱི་ निरूह श.दा.

འཇམ་ཤིང་ (१) मधुर का.प.१४०

(२) मृदु म.व्यु २६१

(འཇམ་ཤིང་)མཉེན་པ་ मृदु द.भू.४ग, हृ

འཇའ་ (१) इन्द्रचाप म.व्यु.४३६१, श.दा. (=འཇའ་ཚོན་), सु प्र.७०.१६

(२) इन्द्रधनुस् ल.सू.६५ख, श.दा. (=འཇའ་ཚོན་)

(३) इन्द्रायुध म.व्यु.३३५६, श.दा. (=འཇའ་ཚོན་)

འཇའ་ཙན་

གཙུག་ཕུད་~ महामणिचूड म.व्यु.३३५३

འཇའ་ཚོན་ द्र. འཇའ་

འཇའ་མཚོན་ रंग द.भू.१क

འཇའི་གཙུག་ཕུད་ཅན་ इन्द्रायुधशिखिन् म.व्यु. ३३५६

འཇལ་ (१) उपमा म.व्यु.२८४२

(२) तुलन अ.अ.४.५३

(३) मान अ.अ.२.३१

(४) मापयन्ति म.व्यु.५३१५

(५) सं. ००

བདག་ཅི་རི་ཞེས་ཡོངས་སུ་འཇལ་ཞིང་ किम-हमर्गामीति का.प.२३

འཇལ་འགྲོ་ मित श दा.

འཇལ་ཐབས་སུ་མ་ཡིན་ नोज्जांकिकया म.व्यु. ८५४६

འཇལ་བ་ भू. བཅལ་, भविः གཞལ་, लोट् འཇོལ་

(१) तुलयसि द.भू.१०ज

(२) सं. ०० उद्रा.३.४

འཇལ་བ་ན་ कीष्ठता श.पं.२५

འཇལ་བར་བྱེད་=ཚད་དུ་བྱེད་, མཉམ་བྱེད་ मिमीते श.दा.

འཇལ་བས་ माय श.दा.

འཇལ་བྱེད་ द्रोण श.दा.

འཇམས་དེ་

ལག་པ་~སྦྲེབས་པ་ **सामुद्रकलेखक** म.व्यु. ८८६८

འཇམས་པ་ (१) **हत** म.व्यु.८८६६

(२) ལག་པའི་སོར་མོ་ཕྲུམ་པོར་~ **अंगुली-फणहस्तक** म.व्यु.८७७६

འཇི་བ་ **द्रव** म.व्यु.५६३०

འཇིག་ (१) **ध्वंसिन्** ना.आ.५

(२) **नश्यति** प्र.द २६

(३) **निवृत्ति** द.भू.१०फ

(४) **प्रध्वंसिन्** लं.सू.६८ख

(५) **भग** ल मृ.६६ख

སྐད་ཅིག་ཏུ་འཇིག་ཅིང་མི་གནས་པའི་ **क्षण-भंगाव्यवस्थित** का.प.६६

(६) **विनाशिन्** न्या.प्र.१७

(७) **विभंग** लं.सू.१४६क

(८) རྣམ་པར་འཇིག་ (क) **विनंक्ष्यति** मु.प्र. १०७.२४ (ख) **विनश्यन्ति** मु.प्र.१०६.२४, १०६.८ (ग) **विलुप्यते** सु.प्र.११२.८, १० (घ) **विलोपयन्ति** सु.प्र.१०७.४

(६) सं. ०० मु.प्र.१०६.२५

འཇིག་འགྱུར་ **विलुप्यन्ते** सु प्र.१३६.५प.

འཇིག་འགྱུར་བ་ **नश्यते** मु.प्र.१११.८

འཇིག་འགྱུར་ཤིང་ **गन्तृ** बो.च.८.८२क

འཇིག་ཅིང་འགྲེས་པའི་ཆོས་ཅན་ **शतनपतनधर्मं** सु.प्र.१५८.१६

འཇིག་ཅིང་འཇུ་བའི་ **भग्नविलीन** का.प.६८

འཇིག་རྟེན་ (१) **जग** लं.सू.१८८ख

(२) **मर्त्यलोक** श.दा.

(३) **लोक** अ.अ.४.१४, २१, २२, उद्रा.७.३३, २०.३०, ३३.३५, उ.व.६, १८, २२, का.प., च.श.४, ६, द.भू.१चच, हह, इइ, ३ल, ४अ, च, ज, ५इ, ७ब..., ना.आ., प्र.द., बु.च.४८, बो.क.१,११, बो.च.१.५घ, २.२ग, ५.६३ग ..., भ.च.१क, १४ख, ५६घ, म.व्यु.८, १३, १०१, १७८-८०, २२८, १५०६, २३८८, ३०६१, ३१४५, ४६५३-५६, ४६५८, ४७५०, ५३७४, ५३७६, ६३७८, ६४८६, ६८४५-६, ६०६३, ल.वि., लं.सू.६६क, श.दा.(= ལོ་ཀ་), श.पं.२७, ३६, १०८..., सु.प्र.१०.४ ..., स्र.स्तो.५४, ८०, ८६

སྟོང་གསུམ་གྱི་ནི་སྟོང་ཆེན་གྱི།~ དག་ན་ **त्रिसाहस्रिकायां महासाहस्रिकायां लोकधातौ** सु.प्र.७६.१२प.

སྟོང་གསུམ་~ **त्रिसाहस्रलोक** सु.प्र.२०.१६

སྟོང་གསུམ་པ་ཡི་~ **त्रिसाहस्रिकलोक(धातु)** सु.प्र.११६.२३

མཐོ་རིས་ཀྱི་~ **स्वर्गलोक** का.प.१०६

རྣལ་འབྱོར་~ **योगिलोक** बो.च.६.३घ

གསོན་པའི་~ **जीवलोक** बो.च.६.१५३क

ལྷ་དང་བཅས་པའི་~ **सदेवको लोकः** का.प. ८९, ९०, १६०

(४) **लौकिक** च.श.४, लं.सू.७२क(लौ°), १२९ख

(५) =འཁོར་བ་ **संसार** श.दा.

འཇིག་རྟེན་ཀུན་དུ་དགའ་བའི་ཟློས་གར་ **लोकानन्द-नाटक** कं.तं.४१५३

འཇིག་རྟེན་ཀུན་བདག་ **विश्वपति, विश्वात्म** श.दा.

འཇིག་རྟེན་སྐྱེས་ **लोकेऽस्मि जातः** का.प ३८प.

འཇིག་རྟེན་སྐྱོང་ **लोकपाल** लं.सू.६५ख, श.दा.

འཇིག་རྟེན་སྐྱོང་བ་ **लोकपाल** म.व्यु.३१४५, सु.प्र.५.१३, ४८.१३, ४९.२१...

འཇིག་རྟེན་ཁམས་ **लोकधातु** बो च.१०.४क, श.दा., सु.प्र.२७.१६प., ३३.२२प.

འཇིག་རྟེན་ཁམས་ཀྱི་ཆ་ཤས་ **लोकधात्वंश** श.दा.

འཇིག་རྟེན་མཁའ་འགྲོ་ **लोकडाकिनी** चि.पं. ३२क →

འཇིག་རྟེན་མཁྱེན་པ་ **लोकविद्** म.व्यु.८, लं सू. ७०क, श.दा., स ग.८.८, सु.प्र.१३२.१६, १३३.९, १३५.१२...

འཇིག་རྟེན་མཁྱེན་པ་ཐམས་ཅད་སྐྱོབ་ भद्र.००(१५)

འཇིག་རྟེན་མཁྱེན་པ་དོན་ཡོད་མཐོང་ द्र. དོན་ཡོད་མཐོང་ भद्र.६०

འཇིག་རྟེན་མཁྱེན་པ་ཚོགས་ཅན་འོད་ द्र ཚོགས་ཅན་འོད་ भद्र.११४

འཇིག་རྟེན་མཁྱེན་པ་ལེགས་པར་སྐྱེས་ द्र. ལེགས་པར་སྐྱེས་ भद्र.३३२

འཇིག་རྟེན་མཁྱེན་པའི་མཆོག་ **लोकविदां वरः** लं.सू. ७०क

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ **लोकधातु** उद्रा.३१.२१, का.प.१५८, भ.च.०, म.व्यु.२२६, ८१६, ८६०, ३०४१-४४, ३०४६, ३०६०, ल सू. १४५क, सं.नि.२.१, ८.२०.५, ८.२३, १०.३, ९, स.रा.८.११, २५, २२.४०, सु.प्र.९.१५, १६

སྟོང་གསུམ་གྱི་སྟོང་ཆེན་པོའི་~ **त्रिसाहस्र-महासाहस्रलोकधातु** सु.प्र.९.१४, १९, ६४.१८...



འཇིག་རྟེན་མཁའ་འགྲོ

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ཐམས་ཅད་དུ་ཞུགས་པའི་སྐུ་
དང་ལྡན་པ་ **सर्वलोकधातुप्रसृतकाय** सं.नि.०.२

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་རྡུལ་དང་བྲལ་བའི་རྒྱལ་
མཚན་ **विरजध्वजलोकधातु** सु.प्र.१३३.५

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་རྡུལ་མེད་པའི་རྒྱལ་མཚན་
विरजध्वजलोकधातु सु.प्र.१३२.२५

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་དཔག་ཏུ་མེད་པ་རྒྱས་པར་
འགེངས་པའི་འོད་ཟེར་ཆེན་པོ་རབ་ཏུ་འབྱུང་
བ་ **अप्रमेयलोकधातुपरिपूरिमहारश्मि-
प्रज्वलित** म.नि.०.१

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་མི་མཇེད་ **सभलोकधातु** द.भू.
१प.(सभ° = सर्व°)

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ཡོངས་སུ་མ་དག་པ་ **अपरि-
शुद्धलोकधातु** मं.नि.१०.१२

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་རབ་འབྱམས(ས་)ཐམས་ཅད་
सर्वलोकधातुप्रसर म.व्यु.३०६३

འཇིག་རྟེན་གྱི་མགོན་པོ་ (१) **लोकनाथ** लं.सू.१६७ख
(२) **लोकपाल** द.भू ७म, १०ज

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཆོས་ **लोकधर्म** का.प.
...རྣམས་ཀྱིས་མི་གོས་སོ་ **लोकधर्मे न लिप्यते**
का.प.३८

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཆོས་བརྒྱད་ཀྱི་ཤིང་ལ་ **अष्टौ लोक-
धर्माः** म.व्यु.२३४१, श.दा.

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་གོས་པ་མེད་
པར་བྱ་བ་ **सर्वलोकधर्मानुपलेप** द.भू.१द

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཆོས་རྣམས་ཀྱིས་རྗེས་སུ་མ་གོས་པ་
अनुपलिप्तो लोकधर्मैः म.व्यु ८७३

འཇིག་རྟེན་གྱི་རྗེས་སུ་འཐུན་པར་འཇུག་པ་ (आर्य)
लोकानुवर्तन (नाम महायानसूत्र) कं.तं.२००

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཐ་སྙད་དུ་བཏགས་པ་ **लोकसंज्ञा**
म.व्यु.६५५८

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཐད་ **व्यावहारिक** श.दा.

འཇིག་རྟེན་གྱི་ནི་མགོན་པོ་ **लोकनाथ** बो.च.१०.
१७ग

འཇིག་རྟེན་གྱི་སྣ་ཚོགས་རྣམས་ལ་མི་དགའ་ཞིང་
(सर्व)**लोकविचित्रेष्वनभिरतिः** का.प.२५

འཇིག་རྟེན་གྱི་སྤྱོད་ **लोकसंव्यवहार** लं.सू.१५१ख

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཡུལ་ལས་འདས་པ་ **लोकातिशयाति-
क्रान्त** लं.सू.१६१क

འཇིག་རྟེན་གྱི་བར་ **लोकान्तरिक** म.व्यु.३०६२,
श.दा.(°का)

འཇིག་རྟེན་གྱི་བྱ་བ་ **लोकक्रिया** द.भू.१चच, ७म,
११च

འཇིག་རྟེན་གྱི་འབྱུང་བ་ सं. **जगत्** लं.सू.१४१ख

འཇིག་རྟེན་གྱི་འབྱུང་བ་དང་ལྡོག་པ་དག་ **लोकस्य
प्रवृत्तिनिवृत्ती** उद्रा.६.४, ८ ३

འཇིག་རྟེན་གྱི་མིང་དུ་བཏགས་པ་ **लोकसंज्ञा** म.व्यु.
६५५८

འཇིག་རྟེན་གྱི་སྨན་ **लौकिकभैषज्य** का.प.६६

འཇིག་རྟེན་གྱི་གཙོ་བོ་ **लोकज्येष्ठ** म.व्यु.१३

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཚུལ་ **लोकयात्रा** म.व्यु.६४८६, श.दा.

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཟང་ཟིང་ सं. **आमिष** ल.सू.१३६ख

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཟང་ཟིང་ཀུན་བསྡུད་ **लोकामिषसंग्रह** लं.सू.१३६ख

འཇིག་རྟེན་གྱི་ཡོན་གནས་སུ་གྱུར་པ་ **दक्षिणीयो लोकस्य** उद्रा.४५.७, ४७.४०

འཇིག་རྟེན་གྱི་ལས་ **लोककर्मन्** मं.नि.९.१४

འཇིག་རྟེན་གྱིས་གནོད་པ་ **लोकविरुद्ध** न्या.प्र.१४

འཇིག་རྟེན་དགའ་བ་ **लोकप्रिय** भद्र ९६१

འཇིག་རྟེན་མགོན་ **लोकनाथ** बो.च.६.१२५ग

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ **लोकनाथ** श.दा., म.रा.२२.१६, १७, २३, ४२, ५८

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཀུན་ཏུ་རྒྱལ་ द्र. ཀུན་ཏུ་རྒྱལ་བ་ भद्र.३१७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཁ་ལོ་བསྒྱུར་ द्र. ཁ་ལོ་བསྒྱུར་ भद्र.५३१

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་མཁའ་སྤྱོད་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (श्री)**खसर्पणलोकनाथसाधन** कं.तं.२७२७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་གྲགས་པ་བྱིན་ द्र. གྲགས་པ་བྱིན་ भद्र.५९३

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་སྒྲ་གཅན་ཆེ་ द्र. སྒྲ་གཅན་ भद्र.७०५

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་སྒྲ་གཅན་འཛིན་ द्र. སྒྲ་གཅན་འཛིན་ भद्र.५३४

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་སྒྲུབ་པའི་སད་ངག་ कं.तं.२७६४

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་མཆོག་མའི་མཆོད་ द्र. མཆོག་མ་ भद्र.५७९

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཏོག་ལྡན་ཆེ་ द्र. ཏོག་ལྡན་ भद्र.९२५

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་མཐུ་སྟོབས་ཆེ་ द्र. མཐུ་སྟོབས་ भद्र.७५३

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་བདུད་རྩི་མཆོད་ द्र. བདུད་རྩི་ भद्र.७९३

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་བདེན་པའི་ཞབས་ भद्र.०० (५७८)

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ནོར་བུའི་ཚོགས་ द्र. ནོར་བུའི་ཚོགས་ भद्र.३५८

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་སྟོབས་གནས་ཆེ་ द्र. སྟོབས་གནས་ भद्र.६६५

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་བློ་གྲོས་བཟང་ द्र. བློ་གྲོས་བཟང་ भद्र.५८३

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་མེ་ཏོག་རྒྱལ་ द्र. མེ་ཏོག་རྒྱས་ भद्र.५६७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་གཙོ་བོ་ཆེ་ द्र. གཙོ་བོ་ भद्र.१४७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཚངས་པའི་རྒྱལ་ द्र. ཚངས་པ་རྒྱལ་པོ་ भद्र.१०६

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཚད་མེད་བཞིའི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.तं.२७४६

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་འཚོ་བྱེད་ཆེ་ द्र. འཚོ་བྱེད་ भद्र.३४४

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་མཛོད་སྤུ་ལྡན་ द्र. མཛོད་སྤུ་ལྡན་ भद्र.९८१

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་བཟང་པོ་བྱིན་ द्र. བཟང་པོ་བྱིན་ भद्र.३२७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་འོད་འཕྲོ་འི་མཐར་ द्र. འོད་འཕྲོ་ भद्र.५०८

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་འོད་ཟེར་བཟང་ द्र. འོད་ཟེར་བཟང་པོ་ भद्र.६०३

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་འོད་བཟང་མཆོག་ द्र. འོད་བཟང་ भद्र.५९२

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཡི་གེ་དྲུག་པའི་སྒྲུབ་ཐབས། कं.तं.२७४७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་རབ་གསལ་མཛད་ द्र. རབ་གསལ་ भद्र.९५६

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ལེགས་པར་གནས་ द्र.ལེགས་པར་གནས་ भद्र.५४७

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ལྷ་ཡི་མཛད་ द्र. ལྷ་ भद्र. ९६८

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོ་ཨུ་ཏྤལ་ཞབས་ द्र. ཨུད་པལ་ भद्र.९४०

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **लोकनाथसाधन** कं.तं.३४०७, ३४१५, ३४३७ (श्री॰)

འཇིག་རྟེན་མགོན་པོའི་བསྟོད་པ་ཡིད་འཕྲོག་སྡིག་འཇོམས་ **मनोहरपापविदारणनामलोकनाथ-स्तोत्र** कं.तं.२७२२

འཇིག་རྟེན་འགྲོ་བ་ **लोकगति** म.व.२१ख

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་པན་ (१) **लोकायत** का.प.१३प., लं.सू.१३७ख
(२) **लोकायतन** लं.सू.१९९ख
(३) **लोकायिक** का.प.५प.

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་པན་གྱི་ལྟ་བ་ **लोकायतदृष्टि** लं.सू.१६७क

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་པན་པ་ (१) **लोकायतन** का.प ५
(२) **लोकायतिक** का.प.१३, लं.सू.१३६ख

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་པན་པའི་གསང་ཚིག་ཡོངས་སུ་ཆོལ་བ་ **लोकायतनमन्त्रपर्यंच्छिता** का प १११

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་པན་མ་ཡིན་པ་ **अलोकायत** लं सू. १३९ग

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་པན་ཚུལ་ **लोकायतनय** लं.सू.१४०ख

འཇིག་རྟེན་རྒྱང་འཕེན་པ་ (१) =རྒྱང་འཕེན་པ་

चार्वाक श.दा.

(२) लोकायत म.व्यु.३५२० (=°ཀྱང་ཕན་པ་), श.दा.

འཇིག་རྟེན་རྒྱུ་ लोककारण लं.सू.१८५क

འཇིག་རྟེན་རྒྱུད་པའི་བརྟག་པ་ संसारसंततिपरीक्षा न्या.द्द.३२७

འཇིག་རྟེན་སྒྲོན་མ་ (१) लोकप्रदीप भ.च.३६क

(२) लोकप्रद्योत लं.सू.८०क

འཇིག་རྟེན་སྒྲོན་མེ་ लोकप्रदीप भ.च.११क

འཇིག་རྟེན་ཆོས་ लोकधर्म का.प.३८प.

འཇིག་རྟེན་མཆོག་མ་ནམ་མཁའ་ཆེ་ द्र. नम་མཁའ་ भद्र.७६३

འཇིག་རྟེན་མཆོག་མ་དབྱངས་བཟང་ཞབས་ द्र. དབྱངས་བཟང་ भद्र.७४३

འཇིག་རྟེན་མཆོག་མ་ཞི་འདོད་ཆེ་ द्र. ཞི་དོན་ भद्र.७२६

འཇིག་རྟེན་མཆོག་མ་འོད་ཟེར་བཟང་ द्र. འོད་ཟེར་བཟང་པོ་ भद्र.७३०

འཇིག་རྟེན་མཆོག་མ་གསུངས་པའི་དབང་ द्र. གསུང་བའི་དབང་པོ་ भद्र.७९०

འཇིག་རྟེན་མཆོད་རྟེན་བློ་གྲོས་སེམས་ द्र. བློ་གྲོས་སེམས་པ་ भद्र.९८८

འཇིག་རྟེན་མཆོད་རྟེན་སྨྲ་བའི་བདག་ द्र. སྨྲ་བའི་བདག་པོ་ भद्र.९१४

འཇིག་རྟེན་མཆོད་བསྟོད་སྦྱིན་པ་རྩ་བའི་རྒྱུད་ लोकस्तोत्रपूजतन्त्र कं.तं.८४४

འཇིག་རྟེན་འཇིག་པ་ (१) लोकविभव म.व्यु.६८४५

(२) लोकाभिभवन ग.दा.

འཇིག་རྟེན་གཉིས་ཀ་ लोकद्वय ग.पं.१०८

འཇིག་རྟེན་རྟག་ཀྱང་རྟག་ལ་མི་ शाश्वतश्चाशाश्वतश्च म.व्यु.४६५५

འཇིག་རྟེན་རྟག་(པ་) शाश्वतो लोकः म.व्यु.४६५३

འཇིག་རྟེན་ཐ་སྙད་ लोकसंज्ञा म.व्यु.६५५८

འཇིག་རྟེན་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་མཐོང་ན་དགའ་བ་ सर्वलोकप्रियदर्शन <राजकुमार-नाम> सु.प्र.१३.२, १४.१, १६.२

འཇིག་རྟེན་ཐམས་ཅད་ལ་གྲགས་པ་ सर्वलोकप्रसिद्ध सं.नि.१०.७.४.७

འཇིག་རྟེན་ཐམས་ཅད་ལ་མངོན་པར་མི་དགའ་བའི་འདུ་ཤེས་ सर्वलोकेऽनभिरतिसंज्ञा म.व्यु.७००७, ग.दा.

འཇིག་རྟེན་ཐམས་ཅད་ལ་ཐུགས་བརྩེ་བ་ सर्वलोकानुकम्पक लं.सू.१६७ख

འཇིག་རྟེན་མཐར་ཡོད་པ་ अन्तवान् लोकः म.व्यु.४६५६

འཇིག་རྟེན་མཐའ་ཡོད་པ་མ་ཡིན་ अनन्तवान्

लोक: म.व्यु.४६५८

འཇིག་རྟེན་མཐུན་པའི་དབྱངས་ **लोककल्पस्वर** भद्र.४२७

འཇིག་རྟེན་(དག་གི་)མཆོག་(མ་) **लोकज्येष्ठ** भद्र.७०६

འཇིག་རྟེན་དག་ལ་དགའ་བ་ **लोकप्रिय** भद्र.६६१

འཇིག་རྟེན་དག་ལས་འདས་པ་ **लोकातीत, लोकोत्तर, लोकोत्तीर्ण** भद्र.१७०

འཇིག་རྟེན་དང་འགལ་བ་ **लोकविरुद्ध** ह.त.१५

འཇིག་རྟེན་དང་འགལ་བའི་དཔེ་ **लोकविरोधोदाहरण** का.आ.३.१७२

འཇིག་རྟེན་དང་འགལ་བའི་ཡོན་ཏན་ **लोकविरोधगुण** का.आ.३.१८३

འཇིག་རྟེན་དུ་སྐྱེས་ **लोके जातः** का.प.३८

འཇིག་རྟེན་འདས་ **लोकोत्तर** अ.अ.१.४०, लं.सू.७२क

འཇིག་རྟེན་འདས་པ་ (१) मं. **अर्थवर** भद्र.३९३

(२) **लोकातीत, लोकोत्तर, लोकोत्तीर्ण** भद्र.१७०

འཇིག་རྟེན་འདས་པར་སྨྲ་བའི་སྡེ་ (°འདས་སྨྲ་སྡེ་) **लोकोत्तरवादिनः** म.व्यु ९०९३

འཇིག་རྟེན་འདས་དཔའ་(पा.°པ་) सं. **अर्थवर** भद्र.३९३

འཇིག་རྟེན་འདས་སྨྲ་བའི་སྡེ་ **लोकोत्तरवादिन** श.दा.

འཇིག་རྟེན་འདུལ་ **लोकजित्** श.दा.

འཇིག་རྟེན་འདྲེན་པ་ **लोकनायक** स.रा.२२.१८

འཇིག་རྟེན་འདྲེན་པ་ན་ཚོད་བཟང་ द्र. ན་ཚོད་བཟང་ भद्र.३०६

འཇིག་རྟེན་ན་ལྡོང་བའི་ **लोके प्रचरन्ति** द.भू.५ल

འཇིག་རྟེན་གནས་པ་ **लोकसंनिवेश** म.व्यु.१७८, लं सू ६९क

འཇིག་རྟེན་རྣམ་འདྲེན་པར་བཞེད་པ་ द्र. མཐུན་པར་བཞེད་པ་ भद्र.१०९

འཇིག་རྟེན་རྣམ་འདྲེན་བློ་གནས་ཞབས་ द्र. བློ་གནས་ भद्र.१४५

འཇིག་རྟེན་སྣ་ཚོགས་ **लोकविचित्रता** लं.सू.१४८ख

འཇིག་རྟེན་པ་ (१) सं **निवृत्ति** द.भृ ११ब

(२) **लोक** न्या बि.१४२.१८, बो.च.९.५क

(३) **लोकतः** श.दा.

(४) **लौकिक** अ.अ.१.४० (लौ°), का.प.५९, च.श.९, द.भू.१उउ, ७अ., ८न, ९ब, फ, ११ब, च, प्र.पा.१६, १७, ३६, श.दा., श.प ३३, सं.नि.८.२१.४, ८.३२, १०.७.६

འཇིག་རྟེན་པ་ལས་འདས་པ་ **लोकोत्तर** सं.नि.८.२१.४

འཇིག་རྟེན་པའི་གྲངས་ཀྱི་མིང་ལ་ म.व्यु.८०४९

འཇིག་རྟེན་པའི་སྒོམ་བྱུང་ **लौकिकभावनामय** प्र पा.३६

འཇིག་རྟེན་པའི་ཆོས་ཀྱི་མཆོག་ **लौकिकाग्रधर्म** प्र.पा.२०, ३५, ३६, म.व्यु.१२१५ (°काग्र्य°),

श.दा.३५५क

འཇིག་རྟེན་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **लौकिकसमाधि** सं.नि.९.३.३

འཇིག་རྟེན་པའི་དོན་མ་ཡིན་པར་(འ)བྱུང་བ་ **अलौकिकार्थोत्पत्ति** म.व्यु.४५११

འཇིག་རྟེན་པའི་སྡོམ་པ་ལ་གནས་པ་ **लौकिकसंवरस्थित** का.प.१०६

འཇིག་རྟེན་པའི་ཡང་དག་པའི་ལྟ་བ་ **लौकिकसम्यग्दृष्टि** सं.नि.१०.५.३

འཇིག་རྟེན་པའི་ལྷ་ म.व्यु ३०४१

འཇིག་རྟེན་པའི་ལྷའི་མིང་ལ་ **लौकिकदेवताः** म.व्यु.३११४

འཇིག་རྟེན་པས་བསལ་བ་ **लोकविरुद्ध** न्या.प्र.११

འཇིག་རྟེན་ཕ་རོལ་ (१) **परलोक** उद्रा.३०.१३, ४६.३, श.दा., सं.नि.१०.७.४.७

(२) **परो लोकः** बो.च.८.१३२क

འཇིག་རྟེན་ཕ་རོལ་གྲུབ་པ་ **परलोकसिद्धि** कं.तं. ४२५१, न्या.ह.३३०

འཇིག་རྟེན་ཕ་རོལ་བཏང་བ་ **त्यक्तपरलोक** उद्रा. ३०.१६, ४६.३

འཇིག་རྟེན་ཕན་འདོགས་ཚེས་ལྡན་ཞབས་ द्र. ཚེས་ལྡན་ भद्र.६६४

འཇིག་རྟེན་ཕལ་པ་ **प्राकृतको लोकः** बो.च.९.३ग

འཇིག་རྟེན་འཕེལ་བ་ **लोकवर्धन** उ.व.९

འཇིག་རྟེན་བླ་མ་ **लोकोत्तर** भद्र.३५९

འཇིག་རྟེན་བླ་མ་འགྱུར་བར་ལྡན་ द्र. འགྱུར་བར་ལྡན་པ་ भद्र.७५८

འཇིག་རྟེན་དབང་པོ་=ཉི་མ་ **लोकेश, संसारसाक्षिन्** ग.दा

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ **लोकेश्वर** नी.पृ.१.२५१, २८९१, बो.च.२.१३ख, श.दा, स्र.स्तो.८९

གསང་འདུས་~ **गुह्यसमाज-लोकेश्वर** चि.च.३३

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་སྒྲུབ་ཐབས་ **लोकेश्वरसाधन** कं.तं.२८५०, ३४१६

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་རྟོག་པ་ **लोकेश्वरकल्प** कं.तं.७००

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་བསྟོད་པ་ **लोकेश्वरस्तोत्र** कं.तं.२७२४

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་བསྟོད་པ་བརྒྱ་པ་ **लोकेश्वरशतकस्तोत्र** कं.तं.२७२८

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་བསྟོད་པ་རིན་པོ་ཆེའི་ཕྲེང་བ་ **लोकेश्वररत्नमालास्तव** कं.तं.११७४

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་ཡིད་བཞིན་གྱི་ནོར་བུ་འཁོར་ལོས་སྒྱུར་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य) **अवलोकितेश्वरचिन्तामणिचक्रवर्तिसाधन** कं.तं. २८४९

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་ལྷག་པར་དབང་དུ་བྱ་བའི་ཆོ་ག་ **लोकेश्वरवश्याधिकविधि** (पा. °रम्य वश्यधिकर°) कं.तं.३४३०

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་མགྲིན་སྔོན་ཅན་ **नीलकण्ठ लोकेश्वर** चि.च.१६९

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་འཇིག་རྟེན་གསུམ་དབང་དུ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **त्रैलोक्यवशंकर-लोकेश्वरसाधन** कं.तं.३१६५

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་དོན་ཡོད་ཞགས་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **अमोघपाशलोकेश्वरसाधन** कं.तं. ३४३५

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་དམར་པོ་ཕྱག་བཞི་པ་ **चतुर्भुज रक्त लोकेश्वर** चि.च.१६८

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་དམར་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **रक्तलोकेश्वरसाधन** कं.तं.३१६६, ३४२९

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ཕྲ་ཏི་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.त.२८१२

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ཡི་གེ་བདུན་པ་ **सप्ताक्षर लोकेश्वर** चि.पं.२३क (द्र. को.सू.१.१९७) →

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ལ་བསྟོད་པ་ **लोकेश्वरस्तोत्र** कं.तं.२७२९

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ལས་གྲུབ་པ་ཐོབ་པའི་ལོ་རྒྱུས་ [**लोकेश्वरसिद्धिलाभप्रवृत्ति**] कं.तं.४३३९

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་སེང་གེ་སྒྲ་ཞེས་བྱ་བའི་བསྟོད་པ་ **लोकेश्वरसिंहनादस्तोत्र** कं.तं.२८५९

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གསང་སྒྲུབ་ **गुह्यसाधन**

लोकेश्वर चि.पं.३९क

འཇིག་ར་དབང་ཕྱུག་ག་ལང་ལྷ།

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ཧ་རི་ཧ་རི་ལ་ཞོན་པ་ **हरि-हरिवाहन लोकेश्वर** चि.च.१६६

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ཡི་གེ་བདུན་པ།

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་ཧཱ་ལ་ཧཱ་ལའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **हालाहललोकेश्वरसाधन** कं.तं.३४२०

འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་བཀླལ་ **हालाहललोकेश्वर** चि.च.१६२

འཇིག་རྟེན་འབྱུང་བ་ **लोकसंभव** म.व्यु.६८४६

འཇིག་རྟེན་མ་གོས་འཇིག་རྟེན་དག་ལ་གནས་པ་མེད་ **न लोकलिप्तो न च लोकनिश्रितः** का.प. १३६प.

འཇིག་རྟེན་མི་རྟག་(པ་) **अशाश्वतो लोकः** म.व्यु. ४६५४

འཇིག་རྟེན་མིག་=ཉི་མ་ **लोकचक्षुस्** श.दा.

འཇིག་རྟེན་མིག་གྱུར་གྲགས་པའི་ཞབས་ द्र. གྲགས་པ་ भद्र.६९४

འཇིག་རྟེན་མེད་པ་ཡང་མ་ཡིན་པ་ **नालोकः** का.प.१३५

འཇིག་རྟེན་མེས་པོ་ **प्रपितामह** (=ब्रह्मा) श.दा. ९७४क

འཇིག་རྟེན་མོས་པ་ **लोकाभिलाषिन्** म.व्यु.१०१

འཇིག་རྟེན་གཙོ་ **लोकगुरु** लं.सू.१७५क

འཇིག་རྟེན་གཙོ་བོ་ཁེངས་པ་མེད་ द्र. ཁེངས་མེད་ भद्र.४८७

འཇིག་རྟེན་གཙོ་བོ་བསྐྱེངས་དང་བྲལ་ द्र. བསྐྱེངས་དང་བྲལ་བ་ भद्र.७३४

འཇིག་རྟེན་གཙོ་བོ་སྙན་པོའི་འོད་ द्र. སྙན་པོའི་འོད་ भद्र.८८१

འཇིག་རྟེན་.. ཚིག་རམ་ **लोकव्यवहार** लं.सू. १४३क

འཇིག་རྟེན་མཛེས་པ་ **लोकसुन्दर** भद्र.३६७

འཇིག་རྟེན་འཛིན་གྱིས་ཡོངས་སུ་དྲིས་པ་ (आर्य) **लोकधरपरिपृच्छा** (नाम सूत्र) कं.तं.१७४

འཇིག་རྟེན་གཞག་པ་ **लोकप्रज्ञप्ति** कं.तं.४०८६

འཇིག་རྟེན་གཞུག་པ་ **लोकावतारण** बो च.६.७ क (द.)

འཇིག་རྟེན་བཞག་པ་ **लोकप्रज्ञप्ति** नी.तु.१.१२ (क.तं.४०८६)

འཇིག་རྟེན་བཞུགས་པ་ **लोकावतारण** बो.च.६.७ क (ना)

འཇིག་རྟེན་ཟང་ཟིང་ཀུན་སྡུད་པ་ **लोकामिषसंग्रह** का.प.१३

འཇིག་རྟེན་ཟླ་བ་ (१) **लोकचन्द्र** भद्र.३९४ (२) **लोकेन्दु** श.दा.

འཇིག་རྟེན་བཟང་པོ་ **लोकसुन्दर** भद्र.३६७

འཇིག་རྟེན་འོད་ **लोकप्रभ** भद्र.१३७, ३१४

འཇིག་རྟེན་རིག་པ་ **लोकविद्** म.रा.१९.२२

འཇིག་རྟེན་ལ་སྙིང་བརྩེ་བ་ **लोकानुकम्पा** सं.नि.५ १

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པ་ **लोकोत्तर** का.प.५९, द.भू.१द, ए, उ, चच, उउ, ७म, ९न, फ, १०च, द, प्र.पा.१६, १७, सं.नि.०.१, ८.३२,

८.३७.१, मु.प्र.७१.२६, ३१

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྨན་ **लोकोत्तर...ज्ञानभैषज्यम्** का.प.६६

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་མཆོག་ (१) **लोकोत्तरतम** लं.सू.१२६ख

(२) सं. **लौकिक(लोकोत्तर)लोकोत्तरतमतम** लं.सू.७७F

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་ཡན་ལག་བདུན་པའི་ཆོ་ག་ **लोकातीतसप्तकांगविधि** क.तं.२४६१, ४४८

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་ཡེ་ཤེས་ **लोकोत्तरज्ञान** म.मू.१८.३३

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་ལེའུ་ **लोकोत्तरपरिवर्तं** म.व्यु.१३३४

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་ཤེས་རབ་མངོན་པར་སྒྲུབ་ **लोकोत्तरप्रज्ञामभिनिर्हर्तुम्** सं.नि.९.१०.२, ४ (°त्तरां प्र°)

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་ཤེས་རབ་འཐོབ་པོ་ **लोकोत्तरां प्रज्ञामधिगच्छन्ति** सं.नि.९.११

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་སེམས་ **लोकोत्तरचित्त** सं.नि.९.८.१

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པར་བསྟོད་པ་ **लोकातीतस्तव** कं.तं.११२०

འཇིག་རྟེན་ལས་འདས་པར་སྨྲ་བ་ **लोकोत्तरवादिनः** नी.पु.१.२७

འཇིག་རྟེན་ལུགས་ **लोकयात्रा** का.आ.१.३

འཇིག་རྟེན་ཤེས་པ་ **लोकज्ञ** द.भू.१७७, म.व्यु.२३८८

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ (१) **त्रिभुवन** ना.आ.१४

(२) **त्रिलोक** म.व्यु.९५६६, स्र.स्तो.८०

(३) **त्रैलोक्य** उद्रा.६.१, १३, बो.च.६.८१क, लं.रा.१७६क, श.पं.१४२, सु.प्र.११२.२४, स्र.स्तो.५५, ८३

འཇིག་རྟེན་གསུམ་གྱི་མགོན་མཆོག་ **त्रैलोक्यनाथ** म.व्यु.९५६६

འཇིག་རྟེན་གསུམ་མགོན་རྒྱལ་བའི་དབང་ द्र. རྒྱལ་བ་ भद्र.६००

འཇིག་རྟེན་གསུམ་མགོན་ཚངས་པ་ཆེ་ द्र. ཚངས་པ་ भद्र.५५४

འཇིག་རྟེན་གསུམ་མགོན་འོད་འཕྲོ་ཆེ་ द्र. འོད་འཕྲོ་ भद्र.५८८

འཇིག་རྟེན་གསུམ་རྒྱལ་ **त्रैलोक्यराज** चि.च.३४३

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ན་ **त्रिषु लोकेषु** श.पं.१३३

འཇིག་རྟེན་གསུམ་པོ་ (१) **त्रैलोक्य** बो.च.५.८ग, सु.प्र.६७.१, १५९.२२

(२) **भुवनत्रय** का.आ.१.४

འཇིག་རྟེན་གསུམ་པོ་ཀུན་ན་ **सर्वं त्रिलोके** भ.च.५३घ

འཇིག་རྟེན་གསུམ་པོ་དབང་དུ་བྱེད་པ་འཕགས་པ་

ཕྱུག་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (श्री)त्रैलोक्यवशंकरा-र्यभुग्नसाधन कं.तं.३४३६

འཇིག་རྟེན་གསུམ་པོ་དབང་དུ་བྱེད་པའི་འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་སྒྲུབ་ཐབས་ त्रैलोक्यवशंकर-लोकेश्वरसाधन कं.तं.३४२७, ३४२८, ३१६४ (°གསུམ་དབང་°)

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ལས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བ་རྟོག་པའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ त्रैलोक्यविजयमहाकल्पराज कं.तं.४८२

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ལས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་འགྲེལ་པ་ (आर्य) त्रैलोक्यविजय नाम वृत्ति कं.तं.२५०९

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ལས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ त्रैलोक्यविजयसाधन कं.तं.३६२४

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ལས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་སྒྲོལ་མ་ त्रैलोक्यविजयतारा चि.पं.९६ख →

འཇིག་རྟེན་བསམས་(दे. བསམ་)པ་ लोकचिन्ता बो.च.८.२२घ

འཇིག་རྟེན་ལྷ་རྣམས་མཉེས་པར་བྱེད་པ་གཏོན་གྲུབ་པ་ कं तं.३०२४

འཇིག་རྟེན་ལྷ་མིར་བཅས་པ་ सनरामरलोक° बो.च.१.९घ

འཇིག་པ་ भू. ཞིག་, བཞིག་, བཤིག་, भवि. གཞིག་, लोट् (བ)ཤིག་

(१) अभव म.व्यु.२४१७

(२) अस्तंगम(न) द.भू.९प

(३) नष्ट बो.च.९.६८घ

(४) नाश (=विनाश ह.भ.) अ.अ.५.१६

(५) प्रध्वंस लं.सू.१९४ख, २००ख

(६) प्रध्वस्त लं.सू.१९४ख

(७) भग द.भू.९द, फ, ग, प्रस.३४३.४, ग.दा.(=འཆེག་པ་)

(८) भेद द.भू.६द

(९) भेदन म.व्यु.२३३८, ७३९४

(१०) विदारण लं.सू.१७६ख

(११) विध्वंसन द.भू.६ग, म.व्यु.७३९३

རྣམ་པར་~ विध्वंसन उद्रा.११.६, २९.९

(१२) विनश्वर न्या.बि.७५.४, ६, १२ (ख)

(१३) विनाश न्या.बि.७४.१४, ७५-२, १२



འཇིག་རྟེན་གསུམ་ལས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་སྒྲོལ་མ།

(क), १४५.१, लं.सू.७७क, सं.नि.४.२, ८.२९.२

(१४) **विनाशक** लं.सू.१४९ख

(१५) **विनाशन** म.व्यु.८४३१

(१६) **विभव** द.भू.६ब, च, ८ल, ११ब, म.व्यु.६८४५, लं.सू.१७५क

(१७) **वैनाश** लं.सू.१५२क

(१८) **व्यय** द.भू.४ब, ६ल, म, म.व्यु.७०३१

(१९) **शतन** (=पूतिभाव, पञ्जिका) बो.च. ८.२९ग

(२०) **संवर्त** द.भू.१गग, व्वव, ३म, ८ल, १०इ, म.व्यु.८२७९ ८२८५-८७

(२१) **संवर्तनी** द.भू.१०इ

द्र. གོད་མ་

འཇིག་པ་སྐྱེ་ **विभवति** द.भू.६इ

འཇིག་པ་མེད་པ་ **अविनाशिता** द.भू.३न, ८ब

འཇིག་པ་ཡོངས་སུ་གྱུར་པ་ **परिणाम** लं.सू.८०क

འཇིག་པའི་སྐལ་པ་ = འཇིག་པའི་བསྐལ་པ་

འཇིག་པའི་བསྐལ་པ་ **संवर्तकल्प** म.व्यु.८२७९, श.दा.

འཇིག་པའི་ངང་ཅན་ **विनश्वर** म.व्यु.७५०२, श.दा.

འཇིག་པའི་ཆོས་ **विनाशधर्मिन्** लं.सू.६७ख

འཇིག་པའི་ཆོས་ཅན་ (१) भंगुर(?) उद्रा. २८.३१

(२) **विध्वंसनधर्मन्** म.व्य ७३९३

འཇིག་པའི་ཚོགས་ལ་ལྟ་ལས་རྣམ་པར་གྲོལ་བའི་ཡིད་ **सत्कायदृष्टे हि विमुक्तमानसः** का.प. १३७प.

འཇིག་པའི་མཚན་ཉིད་ **विनाशलक्षण** सं.नि.७.१, ८.२१.२

འཇིག་པར་འགྱུར་ (१) **अवसीदति** प्र.द.५

(२) **नश्यन्ति** सु.प्र.४३.२६

(३) **प्रलुप्यते** सु.प्र.१०८.१

(४) **भ्रश्यति** बो.च.८.८घ

(५) **वि-गम्** द.भू.६च

(६) རྣམ་པར་~ **विलुप्यन्ति** सु.प्र.११०.१६

འཇིག་པར་ལྟ་བ་ **भयदर्शिन्** श.दा.

འཇིག་པར་བྱེད་ (१) **अवहीयते(?)** बो.च. སྐྱོ་བའི་སེམས་ཀྱང་~ **संवेगादवहीयते** बो:च. ८.७ग

(२) **नाशयन्ति** बो.च.६.९८ख

(३) རྣམ་པར་~ **विनाशयेत** का.प.१०९

(४) ཕུན་སུམ་ཚོགས་པའང་~ **संपत्कोपं च कुर्वते** बो.च.६.९८घ

འཇིག་པར་བྱེད་པ་ (१) **नाशक** बो.च.६.६४ख

(२) **विगमयित्वा** द.भू.६च

(३) **विनाशयेयुः** सु.प्र.५५.२७

འཇིག་པས་ན་ འཇིག་རྟེན་ **लुज्यत इति लोकः** म.व्यु.३०६१

འཇིག་བྱེད་ **बाधक** लं.सू.१०३ख

འཇིག་བྱེད་པ་ (१) नाशन सु.प्र.१०४.७

(२) विनाशन सु.प्र.४.१३१.

འཇིག་མེད་ (१) अलुम्पन अ.अ.४.१४

(२) =འཇིགས་མེད་ निर्भय बो.च.४.३४घ (ना.)

འཇིག་མེད་འབྱུང་གནས་སྦས་པ་ अभयाकरगुप्त नी.पु.१.३२

འཇིག་མེད་ཚུལ་གྱི་མཐར་ཕྱུག་པ་ अनाशगतिनिष्ठ लं.सू.१६३ख

འཇིབ་རྫོགས་ भीषण श.दा.

འཇིག་ཚོགས་འགོག་པ་ सत्कायनिरोधक सं.नि.२.३

འཇིག་ཚོགས་ལ་ལྟ་བ་ सत्कायदृष्टि उद्रा.८.३२, ६.६, १४.२५, ४३.६, का.प., द.भू.२अअ, ४ए, क, प्र.पा.५१, प्रस.३४०.८, म.सू., लं.सू.११२ख, सं.नि.८.२६.३

~འདོར་བར་ཞུགས་ལ་ सत्कायदृष्टिं जहतीं का.प.१५४

~ལས་མ་བརྒྱུད་པ་ཡིན་ད་ सत्कायदृष्टि-रस्यानुचलिता भवति का.प.१३४

~ཉི་ཤུའི་མིང་ལ་ सं. विंशतिशिखरसमुद्गतः सत्कायदृष्टिशैलः म.व्यु.४६८४

འཇིག་ཚོགས་ལ་ལྟ་བའི་རིའི་རྩེ་མོ་ཉི་ཤུ་མཐོ་བ་ विंशतिशिखरसमुद्गतः सत्कायदृष्टिशैलः म.व्यु.४६८४

འཇིག་གསུམ་ལྷག་པར་དབང་དུ་བྱེད་པའི་འཇམ་དབྱངས་ त्रैलोक्यवश्याधिकारमञ्जुघोष चि.च.१५४

འཇིགས་ (१) त्रास बो.च.

སྙིང་ལ་འཇིགས་ हृदयत्रास बो.च.४.४७ग

(२) भय प्र.द.७, बो.च., म.व्यु.१०६८, ल.वि.१५.१६.२२, सु.प्र.२३.१८

མི་འཇིགས་ अभय बो.च.२.५६क, ७.३८क

རབ་ཏུ་འཇིགས་ प्रतिभय सु.प्र.१५६.२२

(३) भी बो.च.

མི་འཇིགས་ निर्भी बो.च.२.६ख

(४) भीत का.प., बो.च.२.५४क, लं.सू.१४१क

སྡུག་བསྔལ་འཇིགས་སེམས་ཀྱིས་ दुःखभीतः बो.च.२.६४क

མི་འཇིགས་ अभीत का.प.३६

(५) भैरव म.व्यु.७१७७

(६) =དཔལ་རྡོ་རྗེ་འཇིགས་བྱེད་ཆེན་པོའི་རྒྱུད་ཅེས་བྱ་བ་ श्रीवज्रमहाभैरव-नाम-तन्त्र नी.पु.२.२४२ (कं.तं.४६८)

(७) संत्रास ल.सू.८८क

(८) ससाध्वस ना.आ.१३.१२

(९) सं. ००

དམྱལ་བའི་འཇིགས་དྲན་ नरकान् स्मरन् बो.च.७.७०घ

ཤིན་ཏུ་འཇིགས་སུ་རུང་བ་ सुभीम सु.प्र.६७.
२६

འཇིགས་སྐྱོབས་ भयत्राण

ཀླུའི་~ नागभयत्राण चि.पं.४२क

མཁའ་འགྲོའི་~ डाकिनीभयत्राण चि.पं.
४२ख

གླང་པོའི་~ हस्तिभयत्राण चि.पं.४१ख

ཆད་པའི་~ दण्डभयत्राण चि.पं.४१ग

ཆུའི་~ जलभयत्राण चि.पं.४०ग

མི་རྒོད་~ चोरभयत्राण चि.पं.४२ग

མེའི་~ अग्निभयत्राण चि.पं.४०ख

སེང་གེའི་~ सिंहभयत्राण चि.पं.४१क

འཇིགས་ཅན་ भीरु अ.हृ.१.१८.१४

འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་ भयभीत का.प.१०५

འཇིགས་བཅས་ (१) भयान्वित बो.च.५.३२ख

(२) भीत श.दा.

(३) भीषण बो.च.८.६८घ(ना.)

(४) सभय श.दा

འཇིགས་ཆེར་ (१) महात्रास बो.च.२.४४ग

(२) महाभय बो.च.२.४५क

འཇིགས་འཇིགས་

རབ་ཏུ་~ལྟར་འདུག་པ་ सुभीम सु.प्र.६७.९

འཇིགས་འཇིགས་ལྷ་ भैरव बो.च.२.४४क

འཇིགས་ལྷ་ भैरव म.व्यु.७१७७

འཇིགས་ལྟ་བ་ भयदर्शक उ.व.१०

འཇིགས་སྟེར་ भयदा श.दा.

འཇིགས་དང་བྲལ་བ་ गतभय सु.प्र.२०.२५

འཇིགས་སྣང་=ཚང་ཧྲམ་ भयंकर श.दा.

འཇིགས་སྡེ་ (१) भयानक श.दा.

(२) भीमसेन म.व्यु.३६५९, श.दा.

(३) भीष्म श.दा.

(४) वृकोदर श.दा.

འཇིགས་གནས་=འབྱོར་བ་ विभव श.दा.

འཇིགས་པ་ (१) त्रास बो.च.

གསོད་བསྡིགས་~ सं. मरणत्रास बो.च.७.
७२ग

(२) भय उद्रा.३४.२३, उ.व.२, च.श.५, १९, द.भू.१क्ष, य, २अअ, ८च, न्या.बि.८०.२, प्र.द.१, ७, बो.क.१०, बो.च., म.व्यु.१८२२, २४१०, ६४४७, लं.सू.१४९क, श.दा. (=བསྙེངས་པ་), सं.नि.९.१८.२.३, सु.प्र.४.२६, २६.८.... स्त्र.स्तो.८१

(३) भयानक बो.च.५.८घ

(४) भी श.दा., सु.प्र.१५७.५

(५) भीत बो.च.५.५३क, स्त्र.स्तो.६५

(६) भीति बो.च.५.३०ग

(७) भीरु उद्रा.

བསྙེན་བཀུར་མ་ཡིན་པས་~ असत्कारभीरु
उद्रा ४८.११

(८) भीषण बो.च.८.६८घ(दे.)

(९) भैरव म.व्यु.९२५४

(१०) विभव (?) म.व्यु.६४६९

(११) सं. ००

ལྕི་དང་ཡང་བ་མ་དཔྱད་པར། སྤོངས་པས་བདག་ནི་འཇིགས་པར་ཟད ॥ गुरुलाघवमूढत्वं तन्मे स्यादविचारतः बो.च.७.२०गघ

མི་~ वैशारद्य ग दा.८८४क

མི་~མེད་པ་ अविशारद उद्रा.३६:८

འཇིགས་པ་ཀུན་སྐྱོབ་སྒྲོལ་མ་ भद्र.००(११४४)

ༀ། །འཇིགས་པ་ཀུན་སྐྱོབ་སྒྲོལ་མོ། །

འཇིགས་པ་ཀུན་སེལ་ सर्वत्रासहर बो.च.२.४७ग

འཇིགས་པ་སྐྱེ་བ་ भयावह बो.च.९.१२१ग

འཇིགས་པ་བརྒྱད་སྐྱོབ་ अष्टभयत्राण

བཅུ་གཅིག་ཞལ་~ अष्टभयत्राण एकादशमुख चि.पं ४०क

སྤྱན་རས་གཟིགས་~ अष्टभयत्राण अवलोकितेश्वर चि.पं.८६ग

འཇིགས་པ་བརྒྱད་སྐྱོངས་པར་བྱེད་པའི་ཐབས་ अष्टभयमूलंकरणोपाय कं.तं.२४१२

འཇིགས་པ་བརྒྱད་ལས་སྐྱོབ་པ་ कं.तं.३६८७

འཇིགས་པ་བརྒྱད་ལས་སྐྱོབ་པའི་སྒྲོལ་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ अष्टभयत्राणतारासाधन कं.तं.३६८१

འཇིགས་པ་བརྒྱད་ལས་ཐར་བའི་སྒྲུབ་པ་སྡུས་པའི་གཟུ་ कं.तं.३०३२

འཇིགས་པ་རྩེ་མཐོང་ནས་ भयदर्शनात् बो.च.२.५३ख

འཇིགས་པ་ཆེན་པོ་ महाभय बो.च.१.१३ख

འཇིགས་པ་ཆེན་པོ་བརྒྱད་ལས་སྐྱོབ་པའི་སྒྲོལ་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य) अष्टमहाभयतारणीतारासाधन कं.नं.३४९२

འཇིགས་པ་ཆེན་པོ་བརྒྱད་ལས་སྒྲོལ་བ་ (आर्य) अष्टमहाभयतारणी (नाम धारणी) कं.तं. ५४१, ९३१

འཇིགས་པ་ཆེན་པོ་ལྔ་ལས་ཡང་དག་པར་འདས་པ་ पञ्चमहाभयसमतिकान्त सं.नि.०.४

འཇིགས་པ་མཆིས་སྐད་དུ་ प्रसंगभीरुत्वात् ग.पं.

१५०

འཇིགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱུན་གཅོད་པ་ **सर्वभयप्रबन्धच्छेदक** मु.प्र.४८.१८

འཇིགས་པ་དང་ཁ་ན་མ་ཐོ་བ་དང་ཁོན་ **भयावद्यवैर** म.सू.१६ १९-२०

འཇིགས་པ་མེད་ (१) **अनुद्विग्न** ना.आ.९.९

(२) **अभय** ग.दा.

འཇིགས་པ་མེད་པ་ (१) **अभय** द.भू.२ज़, अअ, ३द, ग.पं.१३८

(२) **निर्भय** म.व्यु.१८२२, मु.प्र.३१.१६

(३) **विशारद** द.भू.१क, उउ

འཇིགས་པ་མེད་པའི་གནས་ **अभयपुर** द.भू.२ज्ञ

འཇིགས་པ་མེད་པར་ **असंत्रसन्तः** का.प.३६प.

འཇིགས་པ་མེད་པར་བྱེད་པ་ **अभयकर** बो.च.१०.१३घ

འཇིགས་པ་མེད་པར་མཛད་ **निर्भयकर** श.पं.९५

འཇིགས་པ་ལས་སྐྱོབ་པའི་ཐབས་ कं.तं.३०९२

འཇིགས་པའི་ཆོས་ཅན་ **भयधर्मिक** उद्रा.२८.३१

འཇིགས་པའི་དབང་དུ་གྱུར་པ་མ་ཡིན་པ་ **अभयवशवर्तिता** म.व्यु.६४४७

འཇིགས་པར་འགྱིད་ **भयामि** मु.प्र.

སྡིག་པའི་ལས་ལ་~ **पापकर्माणां भयामि** मु.प्र.२६.९ग.

འཇིགས་པར་འགྱུར་ **बिभेति** ग.दा.

འཇིགས་པར་ལྟ་ **भयदर्शिन्** का.प.

ཁ་ན་མ་ཐོ་བ་ཕྲ་རབ་རྣམས་ལ་ཡང་~ **अणुमात्रेष्ववद्येषु भयदर्शी** का.प.१३४

འཇིགས་པར་ལྟ་བ་ **भयदर्शिन्** म.व्यु.२४१०

འཇིགས་པར་བྱ་ **भेतव्य** प्र.द.७

འཇིགས་པར་བྱེད་ (१) **उत्त्रासयति** द.भू.१०ङ (°རོ)

(२) **भाययति स्म** श.दा.

འཇིགས་པས་ཉེན་ **भयार्दित** अ.हृ.१.१७.२३

འཇིགས་པས་ཉེན་པ་ **भीरु** श.पं.९८

འཇིགས་པས་ལྟ་བ་ **भयदर्शिन्** म.सू.१९.७१

འཇིགས་བྱེད་ (१) **भयंकर** घ.श.१८

(२) **भीम** <चक्रवर्ती राजा> म.व्यु.३५८४-८५

(३) **भैरव** चि.च.४२

རྡོ་རྗེ་~ **वज्रभैरव** चि.त्रि.६१

(४) **यमान्तक** नी.पु.२.५३३

(५) **रभेयक** तु.५७७

(६) **विध्वंसक** म.व्यु.३१२२ (पा. འཇིག°)

འཇིགས་བྱེད་དཀར་མོ་ **भैरवी** ग्र.चि.२४

འཇིགས་བྱེད་སྐྱེས་ **भीष्मज** श.दा.

འཇིགས་བྱེད་ཆེན་པོ་ **महाभैरव** नी.पु.२.४४२

འཇིགས་བྱེད་བསྡུས་པ་ **संक्षिप्त भैरव** चि.पं.२४ग

འཇིགས་བྱེད་བཞུགས་པ།

འཇིགས་བྱེད་དཔའ་གཅིག་ **एकवीर भैरव** चि च. ४६

འཇིགས་བྱེད་རོ་ལངས་བརྒྱད་སྐོར་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ **भयकरवेतालाष्टकसाधन** ग.दा.

འཇིགས་བྱེད་ཤིང་རྟ་ **भीमरथ** <राज-नाम> नी.पु.१ १३, म.व्यु.३५८५ <चक्रवर्ती राजा>

འཇིགས་མེད་ (१) **अभय** सु.प्र.२०.२४, २५

(२) **निर्भय** बो च.४.३४घ(दे.)(°म्), ८. २८घ, १०.२२क

འཇིགས་མེད་ལྟ་བུ་ **अभीतवत्** प्र.द.७

འཇིགས་མེད་གནས་ **अभयगिरिवासिन:** नी पु.१. ३०

འཇིགས་མེད་པ་ **निर्भय** बो च.१०.२५ग

འཇིགས་མེད་འབྱུང་གནས་སྦས་པ་ **अभयाकरगुप्त** प्र.पा.१०, ११

འཇིགས་མེད་རི་གནས་སྡེ་ **अभयगिरिवासिन:** म.व्यु.९०९८(°རིར°), ग दा.

འཇིགས་མེད་རི་ལ་གནས་པ་ **अभयगिरिवासिन:** ना पु १.३१

འཇིགས་ཚོགས་ལ་ལྟ་བ་ **सत्कायदृष्टि** म व्यु. १९५५

འཇིགས་མཛད་ **भीषण** भद्र.६२६

འཇིགས་ཞི་ **शान्तभय** मृ.प्र २०.२७ग.

འཇིགས་གཟུགས་ **भीष्मरूप** भद्र.६२६

འཇིགས་རུང་ **कट** म्र म्नो ६३

འཇིགས་རུང་(བ་) **प्रतिभय, बीभत्स, भयानक, भीम, भीरुक, भैरव, रौद्र** ग.दा

འཇིགས་ལ་ **त्रासित** का.प.१०५

འཇིགས་ཞིག་ **भ्रष्ट** म.व्यु ६७२४

འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་པ་ (१) **त्रासभय** सु प्र १२५. २५

(२) **भयभीति** म.व्यु ७३३५

(३) **भयभैरव** सु.प्र.१२७.९

འཇིགས་སུ་རུང་བ་ **भयानक** म.व्यु.५०४१

འཇིགས་སུ་རུང་བ་མ་ (१) **भीलुक** श.दा.

(२) **रोषण** श.दा.

(३) **रोषणी** ग.दा.

འཇིགས་སུ་རུང་བར་(བ)སྒྱུར་བ་ **विकृत** म.व्यु. ४३८६

འཇིགས་(སུ་)རུང་བྲ་མ་ भीमोत्तर <कुम्भाण्ड-नाम> म.व्यु.३४४१

འཇིགས་སུ་རུང་ཞིང་ विकृत म.व्यु.४३८५

འཇིང་ द्वितीयप्रहर म.व्यु.८२४१

འཇིང་ཐུབ་ अग्रीव म.व्यु.८८६७, श.दा.

འཇིང་པ་ ≈མཇིང་པ་ कृकाटक श.दा.

འཇིངས་ मण्ड, मध्य श.दा.

འཇིབ་པ་ भू. བཞིབས་, གཞིབས་, भवि. བཞིབ་, གཞིབ་

འཇིམ་པ་ (१) कर्दम श.दा.

(२) मृद् लं.सू.६४क

འཇིམ་པའི་གོང་བུ་ मृत्पिण्ड लं.सू.७६क

འཇིམ་པའི་གོང་བུ་འཇིམ་པའི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ सं. मृत्परमाणु लं.सू.७६क

འཇིལ་བ་ भू. བཅིལ་, भवि. གཞིལ་

(१) °घ्न उद्रा.

དུག་~ विषघ्न उद्रा.३.२२, ३१

(२) निर्वाप्य अ.हृ.१.३०.२४

འཇུ་ परिपाकं गच्छन्ति म.व्यु.७०४०

འཇུ་བ་ भू. འཇུས་, བཞུས་, भवि. (བ)ཞུ་ विलीन का.प.

འཇིག་ཅིང་འཇུ་བའི་ भग्नविलीन का.प.६८

འཇུ་བའི་དུས་ན་ जीर्यमाणे मु.प्र.१४०.२२

འཇུ་བར་འགྱུར་ जीर्यते मु.प्र.१४०.३

འཇུ་བར་བྱེད་པ་ पाचनी म.व्यु.७०३६

འཇུ་བྱེད་ पाचक जद्शि पृ.६७

འཇུག་ भू. ཞུགས་

(१) སྙོམས་འཇུག་ समापत्ति बो.च.६.४८ग

(२) ओतरि भ.च.३४घ, ३५घ

(३) प्रवर्तते बो.च.८.१००ख

(४) प्रवर्तन्ते न्या.बि.३.१७

(५) प्रवेक्ष्यामि मु.प्र.१५६.११

(६) प्रवेक्ष्ये मु.प्र.४५.११

(७) प्रवेश बो.च.६.६४क

(८) वर्तते न्या.बि.१२६.१५

(९) विशति म.व्यु.६७१२

(१०) विशन्ति बो.च.

གཡུལ་དུ་འཇུག་ रणं...विशन्ति बो.च.८.७७ग

(११) वृत्तिमत् अ.अ.४.२१

(१२) व्युत्थान लं.सू.२००क

(१३) क्षेप म.व्यु.७५५५

(१४) <संस्कृते णिजन्तः>

སྐྱེད་འཇུག་ जनेति का.प.२०प.

བྱེད་འཇུག་ कारयति उद्रा.२४.१६प.

བྱེད་དུ་འཇུག་ན་ यदि...कारयथ उद्रा.४१.१२

འཇུག་འགྱུར་

མངལ་ན་འཇུག་མི་འགྱུར་ न गर्भशय्यामावसन्ति उद्रा.२३.१८प.

རྗེས་~ अनुवर्तते उद्रा.२१.१०प.

འཇུག་འགྱུར་དེ་ प्रवेक्ष्यति सु.प्र.१०५.१२प.

འཇུག་བརྒྱ་པ་=གློག་ शतावर्त ण.दा.

འཇུག་ངོགས་ तीर श.दा.

འཇུག་ཅིང་ प्रविशते सु.प्र.१०८.२१

འཇུག་ཏུ་བཅུག་གོ་(°ཅིང་, °སྟེ་) प्रवेशित उद्रा.७.५, १०.११, १७.३२

འཇུག་ཏུ་གཞུག་གོ་ प्रवेशयामि उद्रा.१७.२९

འཇུག་ཏུ་གཞུག་པ་ प्रवेशयेयम् उद्रा.१७.२८

འཇུག་སྟེ་ (१) अवतरामः का.प.१४२

(२) अवतराव: का.प.१४१

(३) अवतरेत् बो.च.९.५९क

(४) प्रतिपद्यते का.प.

རབ་ཏུ་སྦྱོང་བ་ལ་~ निग्रहाय प्रतिपद्यते का.प.१०८

(५) प्रवर्तते का.प.

ཆོས་བཤད་པ་~ धर्मदेशना प्रवर्तते का.प.६

(६) साधनी न्या.बि.(भा.)६४

འཇུག་ངོ་=མཇུག་ངོ་ त्रिक म.व्यु.४००३

འཇུག་འདོད་ (१) प्रवेष्टुकाम बो.च.६.१०१क

(२) विविक्षु का.आ.१.१२

འཇུག་སྡུད་=མཇུག་སྡུད་ निगमन श.दा.

འཇུག་ནས་ प्रविशति उद्रा.३६.३२

འཇུག་པ་ भू. བཅུག་, ཞུགས་, भवि. གཞུག་, लोट् ཞུག་, ཞུགས་

(१) अनुप्रवेश द.भू.९ए, अ, १०ज, ह

(२) अनुवृत्ति म.व्यु.२१२४

(३) अवक्रमण ल.सू.८८क

(४) अवक्रमति म.व्यु.६९१५

(५) अवक्रान्ति अ.अ.१.६८, म.व्यु.७१५३

(६) अवतार द.भू. (°ण) १द, हह, झझ, कक, ६प, ७ब, ए, १०ज, ११ब, नी.पु.२.४७५, बो.च., म.व्यु.७५५, ८३५, ८५६, ८५८, १३९०, ६३४७, लं.सू.११०क, श दा.

བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་པ་ལ།~ बोधिचर्यावतार बो.च.१०.१ख

(७) अवतारण लं.सू.९२क, द.भू.

(८) अवलम्बिन् लं.सू.१४४क

(९) आपन्न म.व्यु.५१३२

(१०) आभोग म.व्यु.२०९२

(११) उपग लं.सू.९५क

(१२) ऋद्धि म.व्यु.८४४८

(१३) कारण म.व्यु.८४७५

(१४) गमन श.दा.

(१५) निवेश ग.दा.

(१६) प्रचार सु.प्र.

བྱིས་པའི་བློ་ཡི་~ बालबुद्धिप्रचार सु.प्र.२३.५

(१७) प्रतिपन्न म.व्यु.५१३१, ५१३३, ५१३७

(१८) °प्रतिपन्नक म.व्यु.५१३५

(१९) **प्रयाण** म.व्यु.५११७

(२०) **प्रयोग** नी.पु.२.१०७६

(२१) **प्रवर्तते** न्या.बि.१४.५, म.व्यु. (**वर्तते**) १५१-५३, ५३४१, ६४५३, श.पं.६६, सु.प्र. १०१.२०

(२२) **प्रवर्तन** म.व्यु.२६६४, लं.सू.१७९क

(२३) **प्रवर्तसे** श.पं.८१

(२४) **प्रवर्तिका** (=साधनी) न्या.बि.६४.७

(२५) **प्रविशन्ति** बो.च.६.१२०क

(२६) **प्रवृत्त** न्या.बि ७.१३, ५२.११, लं.सू. १३०ख, सु.प्र., स्र.स्तो.५३

སྐད་ཅིག་གཅིག་ལ་~ **एकक्षणप्रवृत्त** सु.प्र. ४७ २

(२७) **प्रवृत्ति** अ अ.५.५, ९, २७, च.ग.४, न्या.वि २.१६, ८.१६ ५.१, १५..., प्रम. ४३५.३, ४४८ ५, म व्यु.२०००, लं.सू.६१ख, मं.नि १०.७.४

(२८) **प्रवेश** उद्रा.१२ ४, द भू.१अ, फ, ब्व, इइ, नन, ब्वब्व, ४अ, ५ल,..., भ.च.३३क, म.व्यु.५१७, ५२२, ५७६, ५९७, ७५४, ४३०९, ७९८७, श.दा., स.नि.०.१, सु.प्र. १२१.९, १२४.२३

(२९) **प्रस्कन्द** म.व्यु.६८१५

(३०) **प्रस्थान** अ.अ.१.४५, ५.११, (=गमन ह.भ.), म.व्यु ८५९, १४१९, ६६५२

བྱང་ཆུབ་~ **बोधिप्रस्थान** बो.च.१.१५घ

(३१) **प्रस्थिति** (=प्रस्थान ह.भ.) अ.अ.१.६

(३२) **वर्तते** न्या.बि.१७८.५, म.व्यु.५३४१

(३३) **वर्तन** श.दा.

(३४) **वर्तनी** म.व्यु.४३७

(३५) **वर्तमान** न्या.बि.१५८.२

(३६) **विशत्** स्र.स्तो.६०

(३७) **विशेत्** बो.च.

མེར་~ **विशेद् वह्नि** बो.च.९.१६४ख

(३८) **वृत्त** न्या.बि.१०.१८, १२६.१६

(३९) **वृत्ति** म.व्यु.२४५५, ६५५९, लं.सू. ८०क

(४०) **वृत्तिन्** लं मू १३८क

(४१) **व्यपदेश** लं.सू.१५३ख

(४२) स. ००

སྙོམས་པར་~ (क) **समापत्ति** (ख) **समापद्** का.प.१४४

ཡང་དག་པར་འཛིན་དུ་~ **समादापनता** का.प. १२

འཇུག་པ་བཅུ **दशावतार**—(१) ཉ་ **मत्स्य**, (२) རུས་སྦལ་ **कूर्म**, (३) ཕག་ **वराह**, (४) མིའི་སེང་གེ་ **नृसिंह**, (५) མིའུ་ཐུང་ **वामन**, (६) སྲུག་པ་ནག་པོ་ **कृष्ण**, (७) དགའ་བྱེད་ར་མ་ཎ་ **परशुराम**, (८) རྒྱས་པ་ར་མ་ཎ་ **रामचन्द्र**, (९) སངས་རྒྱས་ **बुद्ध**, (१०) ཀིང་གི་རྒྱ་ **कल्कि** श.दा.

འཇུག་པ་མེད་ **अप्रवृत्ति** लं.सू.६८ख

འཇུག་པ་ཡིན་

(१) རབ་ཏུ་~ प्रविशन्ति सु.प्र.१२४.२४

(२) वर्तते न्या.बि.१७८.४

(३) सं. ०० न्या.बि.१८९.१८

འཇུག་པ་ལས་འབྱུང་བ་ अन्तिक म.व्यु.१२०८

འཇུག་པ་ཤེས་པ་

རྒྱུ་རྐྱེན་ལ་~ हेतुप्रत्ययज्ञान का.प.९७

འཇུག་པའི་སྒྲུབ་པ་ = འཇུག་སྒྲུབ་ प्रस्थानप्रतिपत्ति प्र.पा.७३

འཇུག་པའི་རྟེན་ प्रतिष्ठा अ.अ.१.३८

འཇུག་པའི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ प्रवृत्तिविज्ञान ल.मू. ७६ख

འཇུག་པ(འི་ཕྱོགས་ཀྱི་རྟེན་ཅན་གྱི་)གཟུང་རྟོག་ प्रवृत्तिपक्षाधिष्ठानग्राह्यविकल्प प्र.पा.५२

འཇུག་པའི་མཚན་ཉིད་ प्रवृत्तिलक्षण लं.सू.७५ख

འཇུག་པའི་སེམས་ प्रस्थानचेतस् बो.च.१.१७ग

འཇུག་པར་གྱུར་པ་ वर्तमान बो.च.५.४५ग

འཇུག་པར་བགྱི་ (१) ओतरि भ.च.३१घ

(२) प्रविशेयम् भ.च.३३ख

འཇུག་པར་འགྱུར་ (१) अवगाहन्ते बो.च.८. १०७घ

(२) आविशन्ति सु.प्र.१९.८

(३) आवेक्ष्यन्ति सु.प्र.९५.१०

(४) प्रवर्तन्ते न्या.बि.५.११, १४

(५) प्रवेक्ष्यति सु.प्र.६१.३

(६) प्रवेक्ष्यन्ति सु.प्र.१०५.१४

(७) प्रवेक्ष्यन्ते उद्रा.३७.३१

འཇུག་པར་འགྱུར་བ་

རབ་ཏུ་~ अभिनिविशन्ति सु.प्र.७२.२९

གསོད་ང , प्रघात्यते उद्रा.२५.२१

འཇུག་པར་བྱ་ (१) प्रविशामि उद्रा.४६ २०

(२) प्रवेष्टव्य सु.प्र.१२१.१०

(३) युज्यध्वम् उद्रा.

སངས་རྒྱས་བསྟན་ལ་~, युज्यध्वं बुद्धशासने उद्रा.५.२६, ३१.१३

འཇུག་པར་བྱ་བ་མ་ཡིན་པ་ अक्रम ल.वि.१६.१. ६,७

འཇུག་པར་བྱས་(པ་) प्रवर्तित न्या.बि.६८.४

འཇུག་པར་བྱེད་ (१) अभिक्रमन्ति सु.प्र.४२.२६

(२) अर्पयति न्या.बि.१९.१०

(३) निमज्जेत् बो.च.८.६७घ(दे. བྱ་)

(४) प्रवर्तते का.आ.१.३, न्या.बि.६७.७

(५) प्रवर्तयति न्या बि.६८.२

(६) प्रविशामि ना आ.३.१४

འཇུག་པར་བྱེད་པ་ (१) प्रवर्तक न्या.बि.६७.८, म.व्यु.७२४३, ल.सू.२०४क

(२) प्रवर्तकत्व न्या.बि.६.२, ५(ख)

(३) प्रवर्तयत् न्या.बि.६.५(क)

(४) प्रवर्तिन् न्या.बि.६८.५

འཇུག་པར་མེད་ अभेद्य लं.सू.२०६क

འཇུག་ཐོད་ विष्टि म.व्यु.४३६७

འཇུག་མ་ = མཇུག་མ་

འཇུག་རིངས་ = མཇུག་རིངས་ केतु श.दा.

འཇུག་སེལ་ विष्णु लं.सू.१४५क, सु.प्र.१२५.१३

འཇུགས་ पृष्ठ म.व्यु.२३१६

འཇུགས་པ་ आपन्न म.व्यु.१००६

འཇུངས་པ་ (१) कदर्य म.व्यु.२४८५,श.पं.१२४

(२) = སེར་སྣ་ཅེ་བ་ कृपण श.दा.

(३) मात्सर्य द.भू.१कुकु, क्षक्ष, लं.सू.१६४क

འཛུད་མཐུར་མ་ = སྨད་འཚོང་མ་ = འཛུད་འཕྲུན་མ་ गणिका श.दा.

འཛུད་འཕྲུན་མ་ = འཛུད་མཐུར་མ་

འཛུར་བ་ भू. བཙུར་, भवि. གཞུར་

འཛུས་པ་ भू. བཙུས་, भवि. གཞུས་, लोट ཚུས་

འཛུར་འགེགས་ (१) प्रेत Ligeti's Cat. Kanj. Mong. 362

(२) सं. ०० कं.नं.६४८, १०८१

འཛུར་འགེགས་སེལ་བའི་ཚོགས་བདག་ आज्ञा-विनिवर्त गणपति चि.पं.११४क (द्र.को.सू.२.८८)

➔

འཛུར་བ་ भू. བཙུར་

འཛུས་ འཛུ་བ་ इत्यस्य भू.

འཛུས་ཏེ་ लग्न उद्रा.

ཆོས་གོས་ཀྱི་གྲྭ་ནས་~ चीवरकर्णिके लग्नः उद्रा.४२.६

འཇུས་པ་ अवलम्बन म.व्यु.६७०८, श.दा. (= སྦྲངས་པ་)

འཇོ་ (१) लास्य म.व्यु.७१३२

(२) འདོད་འཇོ་ कामधेनु बो.च.३.२०घ

འདོད་འཇོའི་བ་ कामधेनु श.दा.४६१ख

འཇོ་བགས་ཕྱུས་པ་ = འཇོ་བག་ཅན་ = འཆོས་པ་ सलील श.दा.

འཇོ་བ་ भू. བཞོས་, भवि. བཞོ་, लोट् འཇོས་

(१) दोहन श.दा.

(२) = སྒེག་པ་ लास्या श.दा.

འཇོ་བག་ཅན་ सलीलम् म.व्यु.७३४२, श.दा.

འཛུར་འགེགས་སེལ་བའི་ཚོགས་བདག།

(= འཇོ་བགམ་ཕྱོས་པ་, འཆོས་པ་)

འཇོག་ (१) (प्र)भावयन्ति म.व्यु.७४३०

(२) सं. ००

མཉམ་འཇོག་ समाधि बो.च.८.६ख

བཏང་སྙོམས་འཇོག་ཅིང་ सं. उपेक्षक का प १०७प.

རྡོ་འཇོག་ तक्षशिला श दा.४६२क

འཇོག་སྡེ་ अवस्थाप्यते न्या.बि.३५.२०

འཇོག་པ་ भू. བཞག་, (བ)ཞོགས་, भवि གཞག་, གཞོག་, लोट् ཞོག་

(१) अवक्षेपण म.व्यु.४६२१, श.दा.

(२) आरूढ श.दा.

(३) तक्षको नागराजा म.व्यु.३२३४

(४) निक्षिपति म.व्यु.५१७६

(५) निक्षेप म.व्यु.८३८७, श.दा.

(६) प्रक्षेप म.व्यु.५१२२, श.दा.

(७) स्थापित श.दा.

(८) གཞན་གྱི་དྲིང་མི་འཇོག་པ་ अ-परप्रणेयता द.भू.२न, य, ५ह

द्र. འགོག་པ་

འཇོག་པར་འགྱུར་

གྲོང་ཁྱེར་...རྡོ་བ་...མེད་པར་རྣམ་པར་~ རོ་... नगरमपगतपाषाण...म् व्यवस्था-पयिष्यति उद्रा.३७.२५, ३८.१३

འཇོག་པར་བྱེད་པ་ संनिधापयति प्रस ४२६.१०

འཇོག་པོ་ = འཇག་པོ་ तक्षक श.दा.

འཇོམས་ (१) आघात बो.च.५.२०ग(ना.)

(२) °उपह म.व्यु.७१

(३) घ्नन्ति बो.च.१.२८घ

(४) निहन्ति बो.च.६ ७घ

(५) भग्न श.दा.

(६) हनिष्यति उद्रा.२२.१८

(७) རྣམ་པར་འཇོམས་ विहन्यते (पा °से) बो.च.७.४३घ

(८) हन्तु म.व्यु.४८

(९) हन्त्री स.स्तो.५३

(१०) བསྡུས་འཇོམས་ संघात बो.च.५.२०ग (दे)

བསྡུས་འཇོམས་རི་བོ་ संघातमहीधर बो.च. १० ८ग

འཇོམས་གྱུར་ हनन्तु सु.प्र.२१.११

འཇོམས་འགྱུར་ हन्यते सु,प्र.१०६.२२

འཇོམས་པ་ भू· བཅོམ་, བཅོམ(ས་), ཆོམས་, ཞོམ་, भवि. གཞོམ་, लोट् ཆོམ་

(१) उन्मूलन श.दा.

(२) घात श.दा..

(३) घातक म.व्यु.३८४८-४९

(४) °घ्न श.पं.३७

(५) जयन्ति (?) बो.च.६.२०ख

(६) ध्वंस ग.दा.

(७) རྣམ་པར་~ विनाश बो.च.८.४ख

(८) परिघ श.दा.

(९) =འགེམས་པ་ प्रत्यस्त्रित श.दा.

(१०) प्रमर्दिन् म.व्यु.३३७५

(११) प्रहसन श.दा.

(१२) मथन लं.सू.६४क

(१३) विघमति म.व्यु.२५८३

(१४) विनाशन श.दा.

(१५) विहेठन श.दा.

(१६) समतिक्रम का.प.

(१७) हन्ति बो.च.६.६ग

(१८) हान अ.अ.८.४२

(१९) རྣམ་~ °घ्न श.पं.७८

रབ་ཏུ་~ प्रमर्दक उद्रा.७.२६

འཇོམས་པའི་མཆོག་ (१) जिनज्येष्ठ भद्र.८४३

(२) वनज्येष्ठ भद्र.८४३

འཇོམས་པར་བགྱིད་པ་

རབ་ཏུ་~ प्रणाशयितृ मु.प्र.४८.२४

འཇོམས་པར་འགྱུར་ (१) उपहता भविष्यन्ति मु.प्र.४६.२३

(२) विनक्ष्यन्ति मु.प्र ७०.२४

(३) हनिष्यते श.दा.

འཇོམས་པར་འགྱུར་བ་སྟེ་ समतिक्रमाय संवर्तन्ते का.प.२१

འཇོམས་པར་བདག་ प्रहरेत् बो.च.७.६९घ

འཇོམས་པར་བྱེད་ (१) प्रतिहन्ति बो.च.६.१घ

(२) ཀུན་ཏུ་~ परिमर्दयमान भ.च.३१ख

(३) हन्ति बो.च.५.२८घ

འཇོམས་པར་བྱེད་པ་ (१) प्रतिबध्नत् न्या.बि. १५५.१८

(२) समतिक्रमाय संवर्तन्ते का.प.२१

འཇོམས་པས་

(१) མཐོང་~ अभिविदारयत् श.पं ७४

(२) नुवत् श.पं.७४

འཇོམས་བྱེད་ (१) घातानुबन्धिन् बो.च.४.४३ घ

(२) शमनीय श.दा.

འཇོམས་བྱེད་པ་ विनाश बो च.३.२९क

འཇོམས་བྱེད་བུ་ཉི་མ་དགའ་ सूर्यनन्दन श.दा.

འཇོར་=ཏོག་ཙེ་=ས་ཀོ་བྱེད་ཀྱི་འཇོར་ खनित्र श.दा.

འཇོལ་ འཇལ་བ་ इत्यस्य लोट्

འཇོལ་གོས་ क्षौम श.दा.

འཇོལ་ཐབས་སུ་མ་ཡིན་ नोज्जंकिकया म.व्यु. ८५४६

འཇོལ་བེར་ क्षौम श.दा.

འཇོས་ འཇོ་བ་ इत्यस्य लोट्

ཇཱི་ परार्ध <संख्या-नाम> म.व्यु.८०६८

ཇི་སྲིད་ मेहबु <संख्या-नाम> म.व्यु.७८११

ཇུད་པ་=ཆུད་པ་ आपद् श.दा

ཇུས་ལེགས་=བྱུས་ལེགས་ अर्हत् श.दा.

རྗེ་ (१) = རྗེ་བོ་ आर्य श.दा.

(२) प्रभु श.दा.

(३) स्वामिन् ना.आ.२.७, म.व्यु.१८, ४५८१. श.दा.

(४) स.००

སྙིང་རྗེ་ कारुण्य सु.प्र.

གཤིན་རྗེ་ यम सु प्र.

द्र. ཁ་རྗེ་, ནང་རྗེ་

རྗེ་དགེ་འདུན་གྲུབ་ स्वामि-सिद्धसंघ चि.त्रि ४३

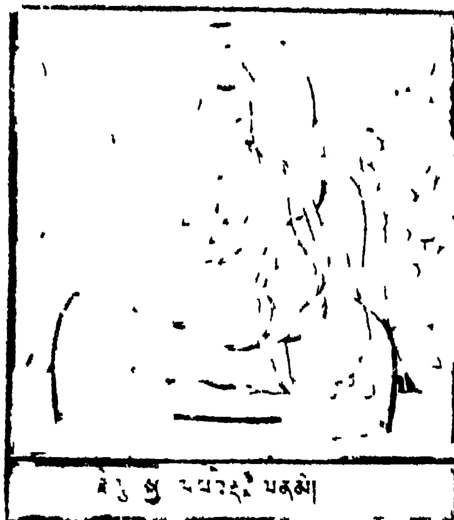


རྗེ་དགེ་འདུན་གྲུབ་ལ་ན་མོ།

རྗེ་ངག་དབང་བློ་བཟང་རྒྱ་མཚོ་ स्वामि-वागीश्वर-सुमतिसागर चि.च.२६

རྗེ་ངར་ जंघा म.व्यु.४०१४, श.दा.

རྗེ་ལྕང་སྐྱ་རོལ་པའི་རྡོ་རྗེ་ *ललितवज्र चि.त्रि.५३

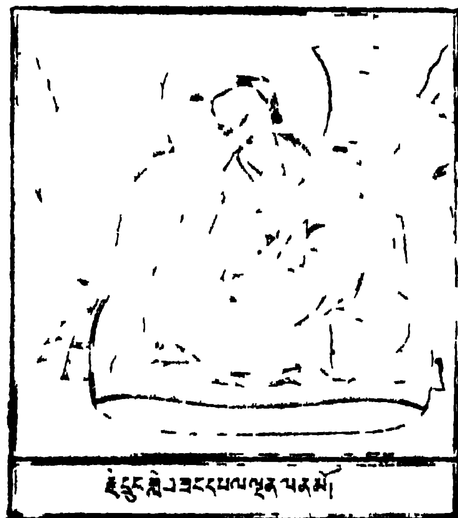


རྗེ་ཆེན་པོ་ལེགས་སྐྱེས་ = ལེགས་སྐྱེས་ नी.पु २.८०३

རྗེ་འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་སྐྱབས་ཐབས་ कं तं. २७४२

རྗེ་ཉིད་ प्रभुत्व श दा.

རྗེ་དྲུང་བློ་བཟང་དཔལ་ལྡན་ चि.त्रि.५४



རྗེ་དྲུང་བློ་བཟང་དཔལ་ལྡན་ལ་ན་མོ།

རྗེ་པོ་ आर्य म.व्यु.३७५०

རྗེ་དཔོན་ स्वामिन् बो.च.६.४घ, ८.१३२ग

རྗེ་དཔོན་ཉིད་ स्वामित्व बो.च.८.१२८घ

རྗེ་བ་ भू., लोट् བརྗེས་, भवि. བརྗེ་

(१) निधन प्रज्ञ.(बृ.)४६ख१

(२) परिवर्त म.व्यु.२६८३

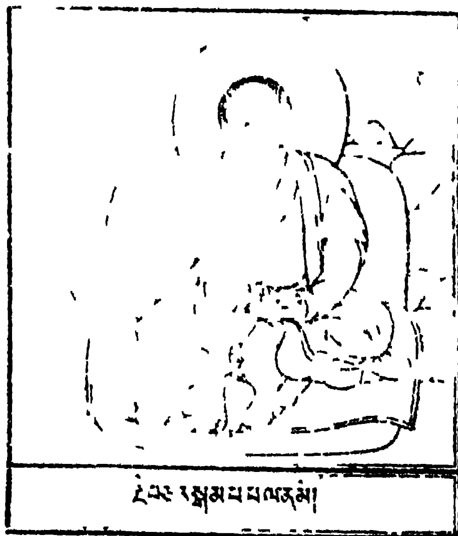
(३) परिवर्तन श.दा.

རྗེ་བོ་ आर्य, ईश्वर, प्रभु, स्वामिन् श.दा.

རྗེ་མོ་ ईश्वरी श.दा.

རྗེ་བཙུན་ भट्टारक म.व्यु.७०५७, श.दा.

རྗེ་བཙུན་སྒམ་པོ་པ་ चि.त्रि.३३



རྗེ་བཙུན་ཆོས་གྲགས་ भट्टारक धर्मकीर्ति चि.त्रि.६



རྗེ་བཙུན་འཇམ་པའི་དབྱངས་ भट्टारक मञ्जुघोष चि.त्रि.३



རྗེ་བཙུན་འཇམ་དཔལ་གྱི་དོན་དམ་པའི་བསྟོད་པ་

(आर्य) भट्टारकमञ्जुश्रीपरमार्थस्तुतिनाम कं.तं.११३१

རྗེ་བཙུན་འཇམ་དཔལ་ཤེས་རབ་འཁོར་ལོ་འི་སྒྲུབ་ཐབས་ मञ्जुश्रीभट्टारकप्रज्ञाचक्रसाधन कं.तं. २७०४

རྗེ་བཙུན་འཇམ་དཔལ་གཤིན་རྗེ་གཤེད་མཆོད་པའི་ཆོ་གའི་རིམ་པ་ भट्टारकमञ्जुश्रीयमारिपूजाक्रमविधि (नाम) कं.तं.१९४५

རྗེ་བཙུན་འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་སེང་གེ་སྒྲ་ལ་བསྟོད་པ་ सिंहनादलोकेश्वरभट्टारकस्तुति (पा.°भट्टारकस्य°) कं.तं.११७३

རྗེ་བཙུན་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལ་བསྟོད་པ་ भट्टारकमहाकारुणिकस्तोत्र कं.तं.२७४०

རྗེ་བཙུན་ཐོགས་མེད་ भट्टारक असंग चि.त्रि.६



རྗེ་བཙུན་རྡོ་རྗེ་རྣལ་འབྱོར་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.तं. १५५८

རྗེ་བཙུན་དཔལ་ श्रीभट्टारक दा.दा.

རྗེ་བཙུན་དཔལ་ཛྙཱན་ཨ་དི་ཤ་ मङ्ग. ०० (११२७)



རྗེ་བཙུན་དཔལ་ནག་པོ་ཆེན་པོ་ལ་བསྟོད་པ་ श्रीभट्टारकमहाकालस्तोत्र कं.तं.१७७६

རྗེ་བཙུན་དཔལ་ཧེ་རུ་ཀ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་མདོར་བསྡུས་པ་ (श्री) हेरुकभट्टारकसाधनविधिपिण्डक (नाम) कं.तं.१४८२

རྗེ་བཙུན་ཕྱོགས་གླང་ भट्टारक दिङ्नाग चि.त्रि.८

རྗེ་བཙུན་ཐོགས་མེད་ལ་ན་མོ།

རྗེ་བཙུན་འཕགས་པ་འཇམ་དཔལ་གྱི་སྙིང་རྗེ་ལ་བསྟོད་པ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीभट्टारककरुणास्तोत्र** कं.तं.११३२

རྗེ་བཙུན་འཕགས་པ་འཇམ་དཔལ་གྱི་ཤེས་རབ་དང་བློ་འཕེལ་བ་ (आर्य) **मञ्जुश्रीभट्टारकप्रज्ञाबुद्धिवर्धन** (नाम धारणी) (पा. °कस्य°) कं.तं.५४६, ८६५

རྗེ་བཙུན་འཕགས་པ་འཇམ་དཔལ་བསྒོམ་པའི་མན་ངག་ **आर्यमञ्जुश्रीभट्टारकभावनोपदेश** कं.तं.३४५१

རྗེ་བཙུན་འཕགས་པ་གདོང་འཛིན་ཆུ་དབང་གི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ **भट्टारकार्यजम्भलजलेन्द्रसाधन** कं.तं.१८६१

རྗེ་བཙུན་འཕགས་པ་སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་ཕྱུག་ཞལ་བཅུ་གཅིག་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **भट्टारकार्यैकादशमुखावलोकितेश्वरसाधन** (पा. °आर्याव...रैकदशमुखस्य°) कं.तं.२७३७

རྗེ་བཙུན་བྱམས་པ་ **भट्टारक मैत्रेय** चि.त्रि.१, **चि.पं. स४ख**

རྗེ་བཙུན་བྱམས་པ།

རྗེ་བཙུན་དབྱིག་གཉེན་ **भट्टारक वसुबन्धु** चि.त्रि.७

རྗེ་བཙུན་དབྱིག་གཉེན་ལ་ན་མོ།

རྗེ་བཙུན་མ་ (१) देवी श.दा.

(२) भट्टारिका कं.तं., चि.पं.

(३) सं. वज्रवाराही नी.पु.१.१८३, २.९६८

རྗེ་བཙུན་མ་ཀ་པཱ་ལི་ཏཱ་ར་ भट्टारिका कपालतारा चि.पं.५४क



རྗེ་བཙུན་མ་ཀ་པཱ་ལི་ཏཱ་ར

རྗེ་བཙུན་མ་ཀུ་རུ་ཀུལླེ་ཕྱག་དྲུག་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ षड्भुजकुरुकुल्लेभट्टारिकासाधन (पा. °षट...रिकाया:°) कं.तं.३५७०

རྗེ་བཙུན་མ་ཐོད་པ་རྒྱན་ चि.पं.७२ख →

རྗེ་བཙུན་མ་འཕགས་མ་སྒྲོལ་མ་ महामाहारिका(?) आर्या तारा श.दा.

རྗེ་བཙུན་མ་འཕགས་མ་སྒྲོལ་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ भट्टारिकार्यतारासाधन कं.तं.२३२७

རྗེ་བཙུན་མ་འཕགས་མ་སྒྲོལ་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ ཉི་ཤུ་རྩ་གཅིག་པའི་ལས་ཀྱི་ཡན་ལག་དང་བཅས་པ་མདོར་བསྡུས་པ་ कं.तं.१६८६

རྗེ་བཙུན་མ་འཕགས་མ་སྒྲོལ་མའི་ཆོ་ག་ (आर्य) ताराभट्टारिकाकल्प (पा. °काया°) क.तं. ३५०७

རྗེ་བཙུན་མ་འཕགས་མ་སྒྲོལ་མའི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་ आर्यताराभट्टारिकानामाष्टशतक कं.तं.७२७, ७४५, १०००



རྗེ་བཙུན་མ་ཐོད་པ་རྒྱན།

རྗེ་བཙུན་མ་མར་པ་ चि.त्रि.३२



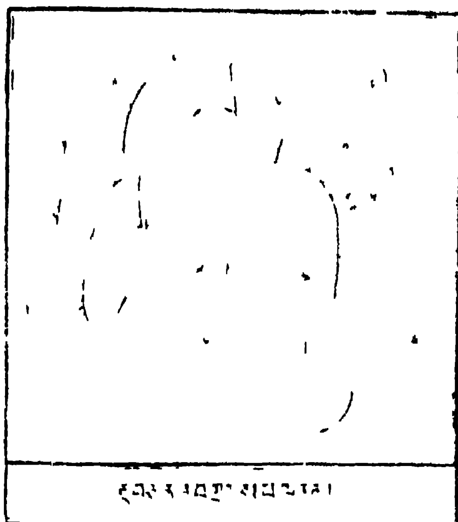
རྗེ་བཙུན་མི་ལ་ चि.त्रि.३१

རྗེ་བཙུན་མཚོ་སྐྱེ་རྡོ་རྗེ་ भट्टारक सरोरुहवज्र

चि.त्रि.२६ (द्र. को.सू.१.७८)

རྗེ་བཙུན་ཞི་བ་ལྷ་ भट्टारक शान्तिदेव चि.त्रि.२४

ཇོ་བཙུན་ཟླ་བ་གྲགས་པ་ भट्टारक चन्द्रकीर्ति
चि.त्रि.२२

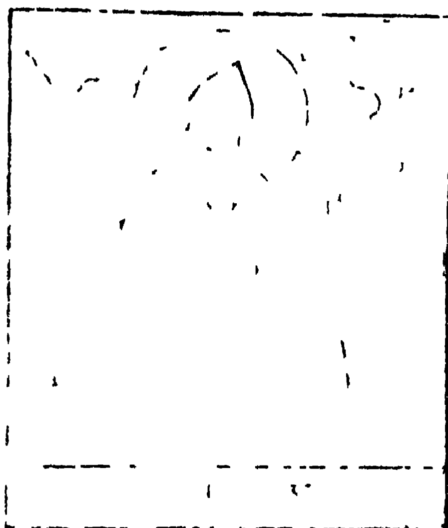


ཇོ་བཙུན་ཡི་གེ་བརྒྱ་པའི་སེམས་དཔའ་གསུམ་
གྱི་བསྒོམ་པའི་ཐབས་ शताक्षरभट्टारकसत्त्व-
त्रयभावना कं.तं.२३८३

ཇོ་བཙུན་སངས་རྒྱས་བསྐྱངས་ भट्टारक बुद्धपालित
चि.त्रि.२३ 

ཇོ་བཙུན་ཨཱ་ཙ་ཪྻ་རའི་མན་ངག་ལ་བརྟེན་ནས་འཆི་
ཀ་མའི་ཉམས་ལེན་ कं.तं.१७२१

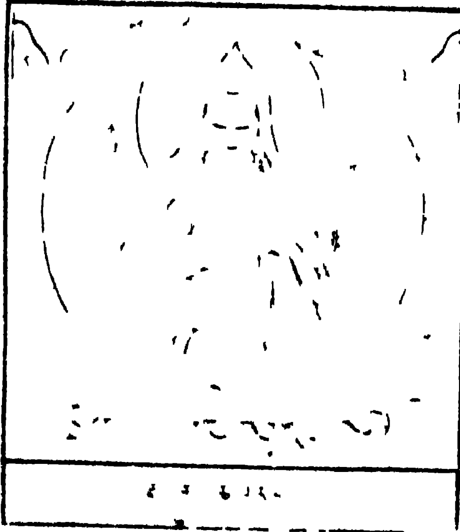
ཇོ་བཙུན་ཨཱ་ཙ་དེ་བ་ भट्टारक आर्यदेव चि.त्रि.४



ཇོ་རིགས་ वैद्य ग.दा.११८१ख



རྗེ་རིན་པོ་ཆེ་ आर्यमहारत्न चि.त्रि.४१, चि.पं.०ख
(ཇ བཙོང་ཁ་པ་ཆེན་པ་)



རྗེ་ལེགས་སྐྱེས་ सुजात नी.पु २.८००

རྗེ་ཤེས་རབ་སེང་གེ་ स्वामि-प्रज्ञासिंह चि त्रि ४४

རྗེ་ས་དང་བཅས་པར་ सप्रतीश का.प १०

རྗེ་སར་བཅས་པ་ सप्रवेश (=सप्रतीश) का.प १०प

རྗེད་

ཕྲུག་རྗེད་ भृत्य उद्रा.२७.१२

རྗེད་ངེས་ཅན་ मुषितस्मृति श.दा.

རྗེད་པ་ भू., भवि. བརྗེད་
अचंभा, अस्मृति श.दा.

རྗེད་པར་བྱ་བ་ मान्य उद्रा.११.१८, २६.२१

རྗེད་བྱེད་ = རྗེད་བྱེད་ཀྱི་གདོན་ अपस्मार श.दा.

རྗེད་བྱེད་ཀྱི་གདོན་ = རྗེད་བྱེད་

རྗེན་པ་ अचेल, नग्न श.दा.

རྗེའི་སྲས་མོ་ भर्तृदारिका ना.आ.१३ २

རྗེའུ་ (१) आर्य म.व्यु.३७५०
(२) वैश्य द.भू ८म
(३) श्रावक सु.प्र.१६४.१६

རྗེའུ་རིགས་ वैश्य म.व्यु.३८६०

རྗེར་གྱུར་ स्वामिन् बो.च ६.१२१क

རྗེས་ (१) = རྗེས་སུ་ अनु° बो.च.
(२) अनुवर्तिन् बु च.३
(३) आनु° बो.च.
(४) पव उद्रा., श.प.



གནག་རྗེས་ गोष्पद श.पं.३५

མིའི་རྗེས་ मनुष्यपद उद्रा.४५.३३

རྗེས་སྐྱེས་ भीमसेन, वृकोदर श.दा.

द्र. རྗེས་སུ་སྐྱེས་

རྗེས་ཁྲིགས་པ་ अनुवर्तं श.दा.

རྗེས་ཁོལ་གྱི་(རྗེ་གོལ་གྱི་)མཚན་ཉིད་ཀྱི་འབྲེལ་པ་ स्वस्वामिलक्षणसंबन्ध म.व्यु.४५८१

རྗེས་ཁྲིད་ किल, ननु श.दा.

རྗེས་གཅོད་པ་ अनुच्छेद श.दा.

རྗེས་ཆགས་ अनुरक्त श.दा.

द्र. རྗེས་སུ་ཆགས་

རྗེས་ཆགས་ཀྱི་སྦྱོར་བས་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ཀྱི་རྣལ་འབྱོར་ལ་འཇུག་པའི་མན་ངག་ कं.तं.१७४५

རྗེས་འཇུག་འགྱུར་ अनुवर्तते उद्रा.२१.१०प.

རྗེས་བརྗོད་ अनुवाक् श.दा.

རྗེས་སྐྱོགས་ཞིང་ अनुसारिन् द.मू.७अ., ११अ.

རྗེས་བསྐྱོགས་དེ་ अनुयामि बो.च.

བདག་གིས་མཁས་པའི་~ पण्डितामनुयास्यहम् बो.च.८.१८५ख

རྗེས་བསྟན་པ་ अनुशासन प्रस.३६९.१५

རྗེས་ཐོབ་པ་ अनुलाभ, पृष्ठलब्ध श.दा.

རྗེས་ཐོབ་ཡེ་ཤེས་ पृष्ठलब्धज्ञान नी.पु.१.२९०, २.९३३, प्र.पा.२१, ३८, ४०, ४३

རྗེས་མཐུན་ अनुरूप प्र.व.१५

རྗེས་མཐུན་པ་ (१) अनुकाय श.दा.

(२) आनुकूल्य बो.न.

བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་དང་(དེ. པའི་)~ས་ बोधिचर्यानुकूल्येन बो.च.९.३७क

རྗེས་མཐུན་པར་ अनुरोधतः अ.अ.४.५

རྗེས་དྲན་ अनुस्मृति नी.पु.२.५२६, बो.च.८.३६ग, श.दा.(= རྗེས་སུ་དྲན་པ་)

རྗེས་དྲན་དེ་ अनुस्मरामि मु.प्र.१६६.१प.

རྗེས་དྲན་པ་ अनुस्मृति बो.च.

སངས་རྒྱས་~ बुद्धानुस्मृति बो.च.५.३२ग

རྗེས་དྲན་པ་ན་ अनुस्मृत्य त्र.स्तो.६१

རྗེས་གནང་ (१) अनुज्ञा नी.पु.२.४६६, ५८६, श.दा

(२) अनुमति, आज्ञप्ति, समस्ति श.दा.

རྗེས་གནང་འགོག་པ་ अनुज्ञाक्षेप का.आ.२.१३४

རྗེས་པ་ व्यतिवृत्त म.व्यु.२९८०

རྗེས་(རྗེ་)པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་མཚན་ स्वामिमहापण्डित सुमतिधर्मध्वज चि.च.२५ (द्र. པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་མཚན་ चि.त्रि. ४७)

རྗེས་དཔག་ अनुमान न्या.इ.२८०, २९८, श.दा., हे.त.१

द्र. རྗེས་སུ་དཔག་པ་

རྗེས་དཔག་ལྟར་སྣང་ अनुमानाभास न्या.इ.२९८

རྗེས་དཔག་ལྟར་སྣང་བ་ अनुमानाभास हे.त.१

རྗེས་འབྲང་ अनुगत, अन्वित श.दा.

རྗེས་འབྲང་བ་ अनुसारिन् बो.च.५.२७ख (ना. རྗེས་འབྲངས་པ་)

རྗེས་འབྲེལ་ (१) अनुबन्ध बो.च., ल.स्तो.६८, ७६

སྟོབས་ཉམས་པ་དང་~ར་ बलनाशानुबन्धे बो.च.७.६८क

(२) ध्येनुसृत ग.पं.६

རྗེས་མ་ चरम ग.दा.

རྗེས་བཟུང་ अनुग्रह ग.दा.

རྗེས་ཡིད་རང་ अनुमोदित सु.प्र.१११.२२

རྗེས་ལ་ (१) अनन्तर प्र.द.१०

(२) ऊर्ध्वम् न्या बि.२१२.१०

(३) पश्चात् न्या.बि.१४.३, ४२.१६

(४) पृष्ठतः (=पश्चाद् ह.भ.) अ.अ.५.१२

རྗེས་ལ་མངོན་རྟོགས་ ऊर्ध्वाभिसमय प्र.पा.२४

རྗེས་ལ་ཐོབ་པ་ पृष्ठलब्ध म.व्यु.६५७२

རྗེས་ལས་སྐྱེས་པ་ सहज द.भ.६द

རྗེས་ཤེས་ (१) अनुज्ञप्ति श.दा.

(२) अनुज्ञान ग.दा.

(३) अन्वयज्ञान प्र.पा.२३

རྗེས་སུ་ अनु॰ उद्रा., का.प., बो.च., सु.प्र.

द्र. ལུགས་སུ་

རྗེས་སུ་སྐྱེས་ (१) = རྒྱུད་པར་སྐྱེས་ = རྗེས་སྐྱེས་ अनुज ग.दा.

(२) करण श.दा.

རྗེས་སུ་སྐྱེས་པ་ अनुजात म.व्यु.७४०७

རྗེས་སུ་བྲིད་ प्रतिमा श.दा.

རྗེས་སུ་ཕྲིད་ अनुप्रास का.आ.१.५५

རྗེས་སུ་བགྱིད་ अनुकरोमि म.व्यु.८७०७

རྗེས་སུ་འགྱུར་བ་ (१) = རྗེས་སུ་བྱེད་པ་ अनुकरण ग.दा.

(२) अनुविधान म.व्यु.७५००

རྗེས་སུ་འགྲོ་སྟེ་ अनुगम(न) द.भू.२म

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་ (१) अनुगमन न्या.बि.१६६.१४

(२) अनुत्सर्ग द.भू.१फ

(३) अन्वय न्या.प्र.४५, न्या.बि.१५.६, ४२ १०, ४३.१६..., म.व्यु.४४२४, श.दा., हे.त.८५-८८

(४) अन्वेति न्या.वि.१७७.१८, म.व्यु.५११८

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་དང་ལྡོག་པ་ལ་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ संदिग्धान्वयव्यतिरेकिन् हे.त.४४

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་ཕྱིན་ཅི་ལོག་ विपरीतान्वय न्या.बि.(भा.)२०४, हे.त.६७

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་ཕྱིན་ཅི་ལོག་པ་ विपरीतान्वय न्या.इ.२६७, न्या.प्र.४०, ४६

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་འབའ་ཞིག་པ་ केवलान्वयिन् हे.त. ४५

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་མ་བསྟན་པ་ अप्रदर्शितान्वय हे.त. ६६

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་མེད་ अनन्वय न्या.इ.२६७

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་མེད་པ་ **अनन्वय** न्या.प्र.४१, ४५, ४७, न्या.बि.२०२.१७, २०३.४, ६, ९, १७, हे.त.६५

རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་རབ་ཏུ་མ་བསྟན་པ་ **अप्रदर्शितान्वय** न्या.बि.(भा.)२०२

རྗེས་སུ་འགྲོ་བའི་སྒོ་ **अन्वयमुख** न्या.बि.(भा.) ११७

རྗེས་སུ་འགྲོ་བའི་ཡེ་ཤེས་ **अन्वयज्ञान** द.भू.९ख

རྗེས་སུ་འགྲོ་བར་བརྗོད་ **(अन्वयवचन)** न्या प्र.१०

རྗེས་སུ་འགྲོ་བར་བྱས་པ་ **अनुगन्तव्य** म.व्यु.५३३७

རྗེས་སུ་སྒྲུབ་པ་ (१) **अनुप्राप्स्यामि** उद्रा.२८.३३

(२) **अनुविधान** श.दा.

(३) **अनुष्ठान** न्या.बि.१०.१२, १३

རྗེས་སུ་སྒྲུབ་པར་བྱ་བ་ **अनुष्ठिति** न्या.बि.१०.१५

རྗེས་སུ་སྒྲུབ་པོ་ **अनुविधीये** म.व्यु.८७०६

རྗེས་སུ་བསྒྲགས་པ་ **अनुरव(ण)** द.भू.९क्ष, १०द

རྗེས་སུ་བསྒྲུབས་པ་ **अनुष्ठान** न्या.बि.३४.१

རྗེས་སུ་བསྔགས་པ་ **अनुशंस** बु.च.१२

རྗེས་སུ་བཅས་པ་ **अनुप्रज्ञाप्ति** म.व्यु.९२१४

རྗེས་སུ་ཆགས་ (१) **अनुनय** बो.च.८.१८०ग

(२) =རྗེས་ཆགས་ **अनुरक्त** श.दा.

(३) =རྗེས་ཆགས་ **अनुराग** श.दा.

རྗེས་སུ་ཆགས་བཅས་ **सवंग** श.दा.

རྗེས་སུ་ཆགས་པ་ (१) **अनुनय** उद्रा.२.२०, का.प.१०१, म.व्यु.२१३१, २५९४, श.पं.४८

(२) **अनुरक्त** उद्रा.१६.२९, २६.२८, २७.४

རྗེས་སུ་ཆགས་པ་བསྡོ་བར་མ་བྱས་པ་ **अनुनया-संपृक्षणता:** (°संपृक्षणता) म.व्यु.२५९४

རྗེས་སུ་འཇུག་པ་ (१) **अनुग** म.व्यु.४३२३

(२) **अनुगत** लं.सू.७८क

(३) **अनुगमन** लं.सू.७८क

(४) **अनुपरिवर्तिन्** म.व्यु.२१६८

(५) **अनुबन्ध** न्या.बि.१९५.१, १९६.८, ११, १४

(६) **अनुबन्धिन्** न्या.बि.१८८.१९, १८९.९

(७) **अनुवर्तक** म.व्यु.७२४४

(८) **अनुवर्तन** म.व्यु.२१७३

(९) **अनुवर्तिन्** श.दा.

(१०) **अनुविधान** म.व्यु.७५००

(११) **अनुविधीयमान** म.व्यु.२४२५

(१२) **अनुसारिन्** श.दा.

(१३) **अवधारण** लं.सू.७८ख

(१४) **उपगत** लं.सू.७८क

རྗེས་སུ་འཇུག་པ་རྗེས་སུ་འགྲོ་བ་ **अनुबन्धोऽनुगमनम्** न्या.बि १९६.१४

རྗེས་སུ་འཇུག་པ་ཡིན་ **अनुप्रविशति** द.भू.७अ

རྗེས་སུ་འཇུག་པའི་ངང་ཅན་ **अनुबन्धिन्** न्या.बि. १८९ १५

རྗེས་སུ་འཇུག་པའི་སྤྲུལ་པའི་གཟུགས་ **निर्माणविग्रह** लं.सू.७८ख

རྗེས་སུ་བརྗོད་ (१) **अनुब्रूयात्** बो.च.५.७६ख

(२) अनूद्येत न्या.बि.१५.८

རྗེས་སུ་བརྗོད་ནས་ (१) अनूद्य न्या.बि.१५.११, २१४.७

(२) अनूद्य न्या.बि.१५.२, १००.३, १०१.२, १५...

རྗེས་སུ་བརྗོད་(པ་) (१) अनुवाद न्या.बि. ११२ ६, १०, १२१.१३

(२) अनूद्यते न्या.बि.६८.३

རྗེས་སུ་གཉེར་བ་ समनुबन्ध म.व्यु.२१६७

རྗེས་སུ་སྙིང་རྗེ་བ་ अनुकम्प उद्रा.४६.१५

རྗེས་སུ་སྙིང་བརྩེ་བ་ अनुकम्पक उद्रा.४५.६,. ४७ ३८

རྗེས་སུ་སློག་=སློགས་པ་ अनुयान्ति श.दा.

རྗེས་སུ་བསླེགས་ཏ་ समनुबन्ध म.व्यु.२१६७

རྗེས་སུ་རྟོག་པ་ सं. अनुगम्यते न्या.बि.६.१८,२६. १४, १५(द्र. རྗེས་པར་རྟོག་པ་)

རྗེས་སུ་རྟོགས་པ་ अन्वय म.व्यु.१२१६-२०, १२२३-२४, १२२७-२८, १२३१-३२, १२३६

རྗེས་སུ་རྟོགས་པ་ཤེས་པའི་བཟོད་པ་ अन्वयज्ञान-क्षान्ति म.व्यु.१२१६

རྗེས་སུ་རྟོགས་པའི་ཤེས་པ་ अन्वयज्ञान म.व्यु. १२२४, १२२८, १२३२, १२३६

རྗེས་སུ་རྟོགས་པར་བྱ་ (१) अनुगन्तव्य म.व्यु. ७४६३

(२) अनुमन्तव्य श.दा.

རྗེས་སུ་རྟོགས་པར་བྱ་བ་ अनुगम(न) द.भू.८द

རྗེས་སུ་རྟོགས་པར་བྱས་པ་ अनुगन्तव्य म.व्यु. ५३३७

རྗེས་སུ་རྟོགས་པར་ཤེས་པ་ अन्वयज्ञान म.व्यु. १२३६, श.दा.१२४३ख

རྗེས་སུ་ལྟ་བ་ (१) अनुदर्शिन् द.भू.४च

(२) अनुशयना का.प.६५

རྗེས་སུ་ལྟ་བ་ཅན་ अनुपश्यिन् का.प.६५

རྗེས་སུ་བརྟགས་པ་ अनुवितर्कित म.व्यु.६६८४

རྗེས་སུ་བསྟན་ (१) अनुशिष्ट का.आ.१.३

(२) आज्ञापित ना.आ.७.१५

རྗེས་སུ་བསྟན་པ་ (१) अनुशासन का.प.६, १०, सं.नि.८.१२

(२) अनुशासना म.व्यु.१४३६, श.दा.

(३) अनुशासनी उद्रा.११.२, २६ ६, म.व्यु. २३४, म.सू.

(४) अनुशासिन् बो.च.५.३०ख

(५) आज्ञा ना.आ.७.१०

རྗེས་སུ་བསྟན་པའི་ཆོ་འཕྲུལ་ अनुशासनीप्राति-हार्य म.व्यु.२३४(पा.°རྗེ་འཕྲུལ་གྱི་°), श.दा. (°शासन°)

རྗེས་སུ་བསྟན་པའི་ཆོས་ཉིད་ आनुशासनि का.प. ६प.

རྗེས་སུ་ཐ་སྙད་གདགས་པ་ अनुव्यवहार सं.नि. ८.१९, १०.७.४.७

རྗེས་སུ་ཐ་སྙད་འདོགས་པར་ཡང་བྱེད་དེ་ अनु-व्यवहारं प्रज्ञापयन्ति सं.नि.१.४(द्र. सं.नि. ७.१०)

རྗེས་སུ་ཐོག་པ་ पृष्ठलग्न म.व्यु.६५७२

རྗེས་སུ་ཐོབ་པ་ अनुप्राप्त म.व्यु.१०८६, सु.प्र.१३६.९ (°ཐོབ་པོ་), १३८.१६

རྗེས་སུ་ཐོས་ अनुश्रुत्य श.दा.

རྗེས་སུ་མཐུན་ सं. अनाकुल(?) श.पं.७५

རྗེས་སུ་མཐུན་པ་ (१) अनुगत म.व्यु.२१८१
(२) अनुगुण्य म.व्यु.२६७३
(३) अनुरूप ना.आ.१३.१८, लं.सू.८८क (°འཐུན་°)
(४) अनुलोम म.व्यु.२६४९, श.दा.
(५) अनुलोमिक सं.नि.१०.७.११
(६) आनुलोमिक म.व्यु.२६७८ (°की). ७०१८
(७) अद्धा श.दा.

རྗེས་སུ་མཐུན་པའི་ཆོས་ अनुधर्म का.प.९ (°འཐུན་°), म.व्यु.११२४ (°འཐུན་°), १८०१

རྗེས་སུ་མཐུན་པའི་ཆོས་དྲུག་ (१) [पा. °འཐུན་°] षडनुधर्माः म.व्यु.९ः२१
(२) षडनुलोमिकधर्म श.दा.

རྗེས་སུ་མཐུན་པའི་བཟོད་པ་ आनुलोमिकी क्षान्तिः म.व्यु.६५७१, श.दा.

རྗེས་སུ་མཐོ་རིས་ अनुस्वर्ग ग.दा

རྗེས་སུ་མཐོང་ང་ समनुपश्यति म.व्यु.२६७६, श.दा. (°त्)

རྗེས་སུ་འཐུན་པ་ =རྗེས་སུ་མཐུན་པ་

རྗེས་སུ་དྲན་ (१) अनुस्मरति द.भू.१ख, ३म, ८फ
(२) अनुस्मरति स्म सु.प्र.१९.१२
(३) अनुस्मरमाण सु.प्र.१० ११, १९.१२ (°ནས་)

རྗེས་སུ་དྲན་པ་ (१) अनुस्मरण लं.सू.९८क
(२) अनुस्मरति म.व्यु.२२९
(३) अनुस्मृति म.व्यु १२७ २०८, ८६०, ११४८, ११४९-५४, १५७९, श.दा.
द्र. རྗེས་དྲན་

རྗེས་སུ་དྲན་པ་དྲུག་གི་མིང་ལ་ षडनुस्मृतयः म.व्यु. ११४८

རྗེས་སུ་དྲན་པ་བླ་ན་མེད་པ་ अनुस्मृत्यनुत्तर्यं म.व्यु. १५७९

རྗེས་སུ་དྲན་ཞིང་ अनुस्मरमाण सु.प्र.१०.१२

རྗེས་སུ་དྲན་ལ་ अनुस्मरमाण सु.प्र.१०.११

རྗེས་སུ་གདུང་བ་ अनुताप श.दा.

རྗེས་སུ་བདག་ཡི་རང་ अनुमोदयमी अहं भ.च. १०ख

རྗེས་སུ་བདག་སློབ་ཅིང་ अहं अनुशिक्षयमाणो

म.व.५६ग

རྗེས་སུ་འཇོག་བ་ **समनुगच्छन्ति** उद्रा.३१.२२

རྗེས་སུ་འཚོལ་བ་ **अन्वेषण** श.दा.

རྗེས་སུ་ལྡན་ **अभ्यस्त** श.दा.

རྗེས་སུ་གནང་བའི་ཆོ་ག་ **अनुज्ञाविधि** कं.तं.१७६८

རྗེས་སུ་དཔག་ **अनुमान** न्या.इ.२८०, २६८,
न्या.प्र.१, श.दा.

རྗེས་སུ་དཔག་ལྟར་སྣང་ **अनुमानाभास** न्या.प्र.६०

རྗེས་སུ་དཔག་པ་ (१) **अनुमान** न्या.प्र.५३, ५५,
५६, न्या.बि.६.२०, ७.२, १३.४..., प्र.पा.
१६ (=རྗེས་དཔག་), प्रस.३४५.१, म.व्यु.
४४२०, ४६३३-३४, हे.त.६७, १०२
རྟགས་གཟུང་ཞིང་འབྲེལ་པ་དྲན་པའི་རྗེས་ལ་
དཔོག་པ་ནི་~ **लिङ्गग्रहणसंबन्धस्मरणस्य
पश्चान्मानमनुमानम्** न्या.बि.१४.३
(२) सं. ०० न्या.बि.७८.१५, ६२.७,
२०६.१
द्र. རྗེས་དཔག་

རྗེས་སུ་དཔག་པ་ལྟར་སྣང་བ་ **अनुमानाभास** हे.त.
१०३-१११

རྗེས་སུ་དཔག་པ་བརྟག་པ་ **अनुमानपरीक्षा** न्या इ.
२२७

རྗེས་སུ་དཔག་པ་དང་འགལ་བ་ **अनुमानविरुद्ध**
हे.त.१३

རྗེས་སུ་དཔག་པ་ཡིན་ **अनुमिमीते** न्या.बि.७४.६

རྗེས་སུ་དཔག་པའི་ཚད་མ་ **अनुमानप्रमाण** सं.नि.
१०.७.४.७

རྗེས་སུ་དཔག་པའི་ཤེས་པ་ **(अनुमानज्ञान)**
न्या.प्र.५६

རྗེས་སུ་དཔག་པར་བྱ་བ་ (१) **अनुमेय** न्या.प्र.
६०, न्या.बि.३६.१५, ४०.६, ८, १५,
४२.२०..., सं.नि.१०.७.४.७
(२) सं. ०० न्या.बि.३६.१८

རྗེས་སུ་དཔག་པར་བྱ་བ་ལྟར་སྣང་བའི་ཤེས་པ་
(अनुमेयाभासज्ञान) न्या.प्र.६०

རྗེས་སུ་དཔག་པར་བྱ་བ་ལ་ཡོད་པ་ **अनुमेये सत्त्वम्**
म.व्यु.४४४६

རྗེས་སུ་དཔག་པས་གནོད་པ་ **अनुमानविरुद्ध**
न्या.प्र.१३

རྗེས་སུ་དཔག་པས་བསལ་བ་ **अनुमानविरुद्ध**
न्या.प्र.११

རྗེས་སུ་དཔགས་པ་ **अनुमित** न्या.बि.७४.६

རྗེས་སུ་དཔོག་པ་ (१) **अनुप्रमाण** लं.सू.८६ख
(२) **अनुमान** म.व्यु.४६३३-३४

རྗེས་སུ་དཔོག་པར་བྱེད་ནུས་པ་ सं. **अनुमापक**
न्या.बि.८२.२

རྗེས་སུ་དཔོག་པར་བྱེད་(པ་) (१) **अनुमान**
न्या.बि.१०६.३
(२) **अनुमापक** न्या.बि.७४.६
(३) **अनुमित** न्या.बि.८२.३

རྗེས་སུ་དཔོག་པར་བྱེད་པར་འགྱུར་ सं. **अनुमापयेत्**

न्या.बि.२०६.१३

རྗེས་སུ་སྤྱོད་པ་ (१) अनुचरित द.भू.१कुकु, २ व्व, अअ, बब

(२) अनुचारिन्

སངས་རྒྱས་~ अनुचारी बुद्ध वि.व.११७

རྗེས་སུ་སྒྲོགས་པ་ (१) अनुवर्तक म.व्यु.८३७६

(२) अनुवृत्ति म.व्यु.८४८०

རྗེས་སུ་འགྲོགས་པ་ अनुच्छेद श.दा.

རྗེས་སུ་འགྲོད་པ་ आनुच्छविक म.व्यु.७०१६

རྗེས་སུ་བྱེད་པ་ (१) = རྗེས་སུ་འགྱུར་བ་ अनुकरण श.दा.

(३) अनुविधान म.व्यु.७५००

རྗེས་སུ་འབབ་པ་ अनुवाहिन् द.भू.३ए

རྗེས་སུ་འབྱུང་བ་ अनुभव श.दा.

རྗེས་སུ་འབྲང་བ་ (१) अनुगम(न) द.भू २म

(२) अनुगामिन् उ.व.२६

(३) अनुचार द.भू.५ल

(४) अनुचारिन् द.भू.६च

(५) अनुपरिवर्तन द.भू.६ग

(६) अनुपरिवर्तिन् द.भू.८प, म.व्यु.१४८-५०

(७) अनुबद्ध द.भू.८र, म.व्यु.२१६३

(८) अनुवर्तन द.भू.५इ, ६म, ७ग

(९) अनुवृत्ति द.भू.७ग

(१०) अनुसन्धि द.भू.६म

(११) अनुसरण म.व्यु.५२४५, श.दा.

(१२) अनुसार श.दा.

(१३) अनुसारिन् न्या.बि.६७.१४, म.व्यु. १०२१, १०२२, ६२५६, लं.सू.६६क

(१४) उपग द.भू.

ལས་ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དུ་~ यथाकर्मोपग द.भू. ३म

(१५) सं. वर्तिन् न्या.बि.२४.१८

(१६) समनुबन्ध म.व्यु.२१६७

རྗེས་སུ་འབྲང་བ་ཡིན་ अनुसरति न्या.बि.६७.१३

རྗེས་སུ་འབྲང་བར་བྱ་བ་ अनुक्रममाण द.भू.६अ

རྗེས་སུ་འབྲངས་(པ་) अनुसरण न्या.बि.७४.१२

རྗེས་སུ་འབྲེལ་ अनुबद्ध श.पं.२२

རྗེས་སུ་འབྲེལ་པ་ (१) अनुबध्नाति न्या.बि. १०९.१९, १८९.९

(२) अनुबन्ध न्या.बि.१०५.२, ७, ८, १०६। १७, १९, १०७.३…

(३) अनुबन्धिन् न्या.बि.१०६.१२, १०८.१५, १०९.१४…

རྗེས་སུ་འབྲེལ་པ་ཅན་ संबन्धिन् न्या.बि.१८९.१६

རྗེས་སུ་འབྲེལ་པ་དང་ལྡན་པ་ अनुबन्धवत् न्या.बि. १०७.३

རྗེས་སུ་འབྲེལ་བ་ (१) अनुगत प्रम.४१२.६

(२) अनुपरिवर्तिन् म.व्यु.२१६१-६२

(३) अनुषंग म.व्यु.६३२३

(४) अनुसहित म.व्यु.२१६९

(५) अनुस्यूति म.व्यु.७५०५

(६) अर्पना श.दा.

རྗེས་སུ་སྦྱང་བར་བྱ་ अनुयोज्य लं.सू.८८क

རྗེས་སུ་སྦྱིན་པར་བྱེད་པ་ अनुप्रदास्यामि म.व्यु. २८६८

རྗེས་སུ་སྦྱོར་བ་ अनुयोग अ.अ.४.४६

རྗེས་སུ་མ་གོས་པ་ अनुपलिप्त म.व्यु.८७३

རྗེས་སུ་མི་མཐུན་པ་ प्रतिलोम म.व्यु.२६८४ (पा. °འཐུན་པ་), श.दा.

རྗེས་སུ་མི་མཐོང་བ་ न समनुपश्यति म.व्यु.२६७७

རྗེས་སུ་མྱོང་ अनुभूयते सु.प्र.१२१.२०

རྗེས་སུ་བརྩེ་བཅས་ सानुक्रोश बु.च.४१

རྗེས་སུ་བརྩེ་བ་ अनुकम्पा श.दा.

རྗེས་སུ་བརྩོན་པ་ अनुयुक्त म.व्यु.२४३८

རྗེས་སུ་ཚོལ་བ་ (१) अनुप्रार्थिन् श.दा.

(२) अन्वेषणा म.व्यु.७२७७, श.दा.

རྗེས་སུ་འཚོ་ एषण, सेवक श.दा.

རྗེས་སུ་འཛིན་པ་ (१) अनुग्रह प्रम.४३१.७

(२) अनुधारण श.दा.

རྗེས་སུ་ཞུགས་ प्रविष्ट श.दा.

རྗེས་སུ་ཞུགས་པ་ (१) अनुगत म.व्यु.२१८१

(२) अनुगमन न्या.बि.१७५.७

(३) अनुप्रतिपन्न द.भू.

ད་བཞིན་ཉིད་ཀྱི་~ तथतानुप्रतिपन्न द.भू. ५ख

(४) अनुप्रविष्ट म.व्यु.४८८

(५) अनुप्रवेश म.व्यु.६००

རྗེས་སུ་གཟུང་ अनुग्रह सु.प्र १७६.१२

རྗེས་སུ་གཟུང་བའི་དོན་དུ་ अनुग्रहार्थम् प्र.पा.१००

རྗེས་སུ་གཟུང་བྱ་ अनुग्राह्य बो.क.२५

རྗེས་སུ་བཟུང་བ་ अनुग्रह ना.आ.२.१४

རྗེས་སུ་འོངས་ अनुगच्छत् बु.च.५

རྗེས་སུ་ཡི་རང་ (१) अनुमोदन (पा. मोदन) भ.च.१३ख

(२) अनुमोदनी ल.वि.१५.१८.१५

(३) अनुमोदन्ते सु.प्र.६.७ग.

(४) अनुमोदयामि सु.प्र.३३.२४

(५) अनुमोदित बो.च.२.२६ख (ना.)

(६) अनुमोदे बो.च.३.१घ

(७) अभ्यनुमोदित (=अनुज्ञात ह.भ.) अ.अ.२.२२

རྗེས་སུ་ཡི་རང་བ་ अनुमोद अ.अ.१.८ (=अनु-मोदना ह.भ.), २ २४, प्र पा.४३, ७५

རྗེས་སུ་ཡིད་རང་ (१) अनुमोदन सु.प्र.३३.२६, ११६.४ (°རང་བ་)

(२) अनुमोदन्ते सु.प्र.६.७

(३) अनुमोदयामि सु.प्र.३३.२४

(४) अनुमोदित सु.प्र.११८.२ (°རང་སྟེ་)

རྗེས་སུ་ཡིད་རངས་ अनुमोदित बो.च.२.२६ख (दे.)

རྗེས་སུ་ཡོངས་སུ་སྐྱོང་(བ་) अनुपरिपालयति म.व्यु.७३८६

རྗེས་སུ་རབ་ཏུ་དྲོག་པ་ अन्वोवहन म.व्यु.७४७४

རྗེས་སུ་རབ་མོས་ཤིང་ अनुप्रार्थयमान भ.च.४९ख

རྗེས་སུ་ཤེས་པ་ अन्वयज्ञान अ.अ.३.११

རྗེས་སུ་ཤེས་པའི་བཟོད་པ་ अन्वयज्ञानक्षान्ति प्र.पा.
२२

རྗེས་སུ་བཤད་པ་ अन्वाख्यान म.व्यु.४७०६,
श.दा. (अनुव्याख्यान)

རྗེས་སུ་སེམས་བྱེད་ अनुचिन्तयति द.भू.५अ.

རྗེས་སུ་སོང་ अनुसारित्व लं.सू.९५ख

རྗེས་སུ་སོང་སྟེ་ अनुगच्छति सु.प्र.१४५.२०

རྗེས་སུ་སོང་བ་ अनुगत द.भू.११अ, म.व्यु.५३२,
२१८१

རྗེས་སུ་སྲུང་ར་ अनुरक्ष्य सं.नि ९.११

རྗེས་སུ་སློབ་གྱུར་ཏེ་ अनुशिक्षयमाण भ.च.१८क

རྗེས་སུ་སློབ་པ་ अनुशिक्षा श दा.

རྗེས་སུ་སློབ་པོ་ अनुशिक्षे म.व्यु.८७०५

རྗེས་སུ་གསུངས་པ་ अनुगीत लं.सू ७८ख

རྗེས་སུ་བསམ་ནས་ अनुविचिन्तयत् उद्रा.
རབ་ཏུ་འབྱུང་བ་~ प्रव्रज्यामनुविचिन्तयन्
उद्रा.१६.२

རྗེས་སུ་(བ)སྲུང་བ अनुरक्षण द.भू.१चच, २क,
५ङ, लं.सू.१६८ख

རྗེས་སུ་བསླབ་ अनुशिक्षा सं.नि.८.१६

རྗེས་སུ་བསླབས་ཏེ་ अनुशिक्षित्वा रा.प.१२१.१५

རྗེས་བསམས་ན་ अनुचिन्तयत् श.पं.४२

རྗེ་ཟར་ काचक म.व्यु ५९७१

རྗོད་ཅིང་ कथेन्मि का प ८ग.

རྗོད་དེ་ आचष्टे का.ग.८

རྗོད་པ་ भू, भवि. བརྗོད་
(१) अभिधान न्या.बि ११५.१२, ११६.११
(२) आख्यान न्या.बि.९२.१०, ११
(३) उद्भावन न्या.बि.२२१.१(ख)
(४) उद्भावित न्या.बि.२२ १७
(५) उद्भाव्यते न्या.बि २२१.१(क)
(६) प्रलाप द.भू.६द
(७) वाचक न्या.बि ६९.७

རྗོད་པ་ཟེར་བ་ उक्त न्या.बि.८.३

རྗོད་པ་ཡིན་ आख्यायते न्या.बि.९३.१

རྗོད་པར་ वक्तुम् न्या.बि.१३९.१५

རྗོད་པར་འདོད་པ་ (१) वक्तुकाम न्या.बि.
१३९ १५
(२) विवक्षा म.व्यु.७५५८

རྗོད་པར་བྱེད་ उच्यते न्या.बि.१०२.३

རྗོད་པར་བྱེད་པ་ (१) अभिधान न्या.बि.१८ १,
३, ४
(२) अभिधायिन् न्या.बि.१०३.१६, १७
(३) अभिलप्यते न्या.बि.१७.१८
(४) वाचक न्या.बि.१३५.६

རྗོད་བྱེད་ (१) अभिधान न्या.बि.६६.३, ६४.१६

(२) लिख्यते बो.च.६.६०घ

རྗོད་བྱེད་ཉིད་ वाचकत्व न्या.बि.६६.१३

ལྗགས་ (१) °जिह्व म.व्यु.२४७, ३१६-१८

(२) जिह्वा अ.अ.८.१६, २८, श.दा., सु.प्र. ३५.२३

(३) रसना श.दा.

ལྗགས་ཀྱི་དབང་པོ་ जिह्वेन्द्रिय म.व्यु.६४४६, श.दा.

ལྗགས་ཀྱི་དབང་པོར་ཕྱུང་སྟེ་ जिह्वेन्द्रियं निर्णमयामास म.व्यु.६४४६

ལྗགས་མཉེན་པ་ मृदुजिह्व म.व्यु.३१६

ལྗགས་ནི་ཆེ་ཞིང་ལེགས་པ་ལ་པད་མའི་མདོག་ पद्मसुवर्णविशालसुजिह्वम् सु.प्र.३५.२३

ལྗགས་དམར་པ་ रक्तजिह्व म.व्यु.३१८

ལྗགས་ཤིན་ཏུ་རིང་ཞིང་སྲབ་པ་ प्रभूततनुजिह्व म.व्यु.२४७

ལྗགས་སྲབ་པ་ तनुजिह्व म.व्यु.३१७

ལྗང་ཁུ་ = ལྗང་གུ་ श्याम, हरित श.दा.

ལྗང་ཁུ་བ་ हरित म.व्यु.८८०१

ལྗང་གུ་ = ལྗང་ཁུ་

ལྗང་སྔོ་རི་བུ་ हारीत <महर्षि-नाम> म.व्यु. ३४४६

ལྗང་ནག་ कालश्यामल श.दा.

ལྗང་པ་ स्तम्बक म.व्यु.१४०२

ལྗན་ལྗིན་ परिक्लेद श.दा.

ལྗབ་ལྗིབ་ हबल <संख्या-नाम> म.व्यु.७६१०

ལྗི་ = ལྕི་ भार श.दा.

ལྗི་བ་ (१) उत्पात म.व्यु.४८५६

(२) = ལྗི་མོ་ गुरु श.दा.

(३) द्रव म.व्यु.५६३०

ལྗི་བུ་ उपाकु म.व्यु.४८५८

ལྗི་མོ་ द्र ལྗི་བ་ श.दा.

ལྗིད་ཀྱིས་ཕབ་སྟེ་འགྲོ་བ་ बलेन अनुप्रस्कन्द्य म.व्यु ६४४७

ལྗིད་ཀྱིས་དབབ་ समवधाय म.व्यु.८५५७

ལྗིད་ནོར་ = ལྗིད་གནོན་

ལྗིད་གནོན་ साद्य म.व्यु.७४८४, श.दा.

ལྗིད་པ་ गुरुत्व श.दा.

ལྗིབས་པར་མི་འགྱུར་ न कल्को भवति म.व्यु. ७१५६

ལྗོངས་ (१) जनपद द.भू.१तत, म.व्यु.५५०८, सु.प्र.५२.२१, ६३.६, ११...

ལྗོངས་ཕྱིར་གྲོང་ནི་གཏང་བྱ་སྟེ་ ग्रामं जनपदस्यार्थे...त्यजेत् उद्रा.२६.२४प.

(२) प्रदेश श.दा.

ཁ་བ་ཅན་གྱི་ལྗོངས་ हिमवत्प्रदेश श.दा.

(३) རིའི་སྐྱན་ལྗོངས་ गिरिकन्दर सु.प्र.

ལྗོངས་སུ་ཞིང་མཆི་བ་ जनपदचारिकां चरितुम्

उद्रा.२७.१८

ལྗོངས་ཀྱི་ཞིང་ག་ཤེགས་ནས་ जनपदचारिकां चरमाणः सु.प्र.।५४.७

ལྗོངས་ཀྱི་ཞིང་སོང་བ་ན་ जनपदचारिकां चरन् उद्रा.४५.१५, ४८.१

ལྗོངས་འཇོམས་པ་ जनपदघातक म.व्यु.३८४९

ལྗོངས་སུ་ལྗོངས་ཀྱི་ཞིང་ག་ཤེགས་ནས་ जनपदेषु जनपदचारिकां चरमाणः सु.प्र १५४.६

ལྗོན་ वृक्ष सु.प्र.८८.२१

द्र. ཤིང་ལྗོན་

ལྗོན་པ་ (१) द्रुम तु.५०२, भद्र.८३, ९२८, म.व्यु.१३५२, ३३८२, ३३८९, ३४१४ <किन्नर-राजा>, ३४१९

(२) =ས་སྐྱེས་=ཤིང་ महीरुह श.दा.

(३) वृक्ष म.व्यु.४२२५, ६८७९

(४) वृक्षक ना.आ.१०.६

द्र. སྡོང་པོ་, ཤིང་, ཤིང་ལྗོན་པ་

ལྗོན་པ་ལས་འཁྲོ་ पारिजात ल.स्तो.७७

ལྗོན་པ་སེར་པོ་=ཐང་ཤིང་ देवदारुवृक्ष श.दा.

ལྗོན་པའི་འོག་ वृक्षतल म.व्यु.६८७९

ལྗོན་པའི་རིན་ཆེན་ཡན་ལག་འོད་ द्रुमरत्नशाखा-प्रभ<किनर-नाम> म.व्यु.३४१९

ལྗོན་ཤིང་ (१) तरु न्या.बि.४२.१४,१५, श.दा.

(२) द्रुम श.दा.

(३) पादप बो.च.३.३०घ

(४) लता बो.च.२.३ग

(५) वृक्ष न्या.बि १६.३, ५, १०, १५, बो.च. १.१२ग. श.दा., सु प्र.३२.१९

བྱང་ཆུབ་སེམས་ཀྱི་~ बोधिचित्तवृक्ष बो.च. १.१२ग

ལྗོན་ཤིང་དྲུང་དུ་ वृक्षमूले बो.च.८.२६ख

ལྗོན་ཤིང་དབང་(པོ་) द्रुमेन्द्र भद्र.७४८

བརྗིད་ (१) ऊर्जित श.पं.१३१

(२) दीप्तता ग.पं.११२

(३) मं. ००

ཧོམ་བརྗིད་ཏེ་བ་ ऊर्जित ग.ग.५२

གཟི་བརྗིད་ (क) ओजस् बो.च.१०.२९क,ख

(ख) द्युति बो.च.७.४४ख

བརྗིད་ཅན་=གཟི་བརྗིད་ཅན་ कान्त ग.दा.

བརྗིད་ཅིང་ प्रतपति म्र.स्तो.५४

བརྗིད་པ་ཡོན་དན་གྱི་མཚན་མ་ आजोगुणलक्षण का.आ.१.८१

བརྗེ་ བརྗེ་བ་ इत्यस्य भवि. परिवर्त श.दा.

བརྗེ་བ་ (१) नैमेय अ.को.२४०.८०

(२) परिवर्तन बो.च ७.१६घ

ཡང་དག་~ परिवर्त बो.च.८.१३१ख

(३) व्यतिवृत्त म.व्यु.२९८०

བརྗེ་བར་བྱ་ परिवर्तन बो.च.८.१२०ग

བརྗེ་བྱ་བ་ परिवर्तन बो.च ८.१२०ग(दे.)

བརྗེད་ བརྗེད་པ་ इत्यस्य भू., भाव.

བརྗེད་ངས་པ་ (१) मुषितस्मृति का.प., श.दा.

(२) मुषितस्मृतिता म.व्यु.१९७६

བརྗེད་པ་ (१) अर्चना म.व्यु.१७५७

(२) उपन्नोतृ म.व्यु.२९५९

(३) བར་མ་དོར་~ར་མི་འགྱུར་རོ་ न

चान्तरा (मु)ह्यति का.प.४

(४) विस्मरण म.व्यु.७८४

(५) विस्मृति श.दा.

(६) संप्रमोष म.व्यु ५२६, २०९५, २३५१. श.दा.

བརྗེད་པ་མེད་པ་ असंप्रमोष श.दा.

བརྗེད་པ་མེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ असंप्रमोषो नाम समाधिः म.व्यु.५७६

བརྗེད་པར་འགྱུར་ मुह्यति का.प.३

བརྗེད་པར་བྱེད་དེ་ विस्मारयति द.भू.९य

བརྗེད་བྱེད་ अपस्मार द.भू ५ल, म.व्यु.४७६२, ९५०८, श.दा.

བརྗེད་མི་འགྱུར་ न मुह्यति का.प.४प.

བརྗེས་ རྗེ་བ་ इत्यस्य भू, लोट्

བརྗོད་ རྗོད་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

(१) अभिधीयते न्या.बि.३.१९

(२) अभिहित न.आ.१

(३) आरोषित उद्रा २५.१६

(४) उक्त ना.आ.१२.१०, श.दा., श.प.१३८

(५) उक्त्वा बु.च.११

(६) उच्चारयितव्य सु.प्र ८८.१६, ८९.८, ११

(७) उच्यते अ.अ.१.१८, ५.१८, न्या.बि.१.५, ५.२०, १९ २०..., बो.च.९.१०८घ...

(८) उच्यन्ते न्या.प्र.१०

(९) उदाहार का.प.

མི་བརྗོད་ अनुदाहार का.प.५९

(१०) उदाहृत सु.प्र.११.२

(११) उदीरित अ.अ.२.२८(= कथित ह.भ.), श.दा.

རབ་ཏུ་བརྗོད་ उदीरन्ति सु.प्र.१७२.२४

(१२) कथ्यते (पा. उच्यते) बो.च.९.२१घ

རབ་བརྗོད་ कथ्यन्ते बो.च.९.१२७ग

(१३) कथ्यमान बो.च.९.२२घ

(१४) जल्प म.व्यु.४५३६

(१५) निगदित श.दा

(१६) निर्देश ल.सू.११६क

(१७) निश्चारयति द.भू.२ए

(१८) पठित्वा म.व्यु ९५६६

(१९) प्रकीर्तित सु.प्र.४४.१८

(२०) प्रभाष्यते द.भू.७फ

(२१) प्रोच्यते सु.प्र १११.१८

(२२) ब्रूयात् प्र.द.३

རྗེས་སུ་བརྗོད་ अनुब्रूयात् बो.च.५.७९ख

(२३) भाषितुम् सु.प्र.३८.६

(२४) वक्तव्य सु.प्र.८९.१२

(२५) वर्णयन्ति का.प.२२प.

(२६) वर्णित सु.प्र.

(२७) विवीयते अ.अ.२.२४

(२८) व्यवहार लं.सू.१६०ख

(२९) व्याहार त्र.स्तो.८६

(३०) संगीति श.दा.

(३१) སྒོག་ན་ཡོན་ཏན་བརྗོད་བྱ་ཞིང་། ཡོན་ཏན་བརྗོད་ན་རྗེས་སུ་བརྗོད། सं. परोक्षं च गुणान् (पा. गुणं) ब्रूयादनुब्रूयाच्च तोषतः बो.च.५.७६

འགའ་ཞིག་མིག་ལམ་སྣང་གྱུར་ན། བལྟས་ནས་འོངས་པ་ལེགས་ཞེས་བརྗོད།। स आभासमात्रं दृष्ट्वा च स्वागतार्थं विलोकयेत् बो.च ५.३६

ཕྱོགས་གཅིག་བསྒྲིམས་ཏེ་བརྗོད་ एकदेश-प्रणयः क्रियते श.प.७

མི་སྙན་བརྗོད་ (क) अयशस्कर, (ख) अवर्ण

མི་སྙན་བརྗོད་ (दे. རྗོད་) མི་བྱེད་ नावघ्या-यन्ति बो.च.८.२३, २५ख

གཞན་ལ་མི་སྙན་བརྗོད་ལ་ परायशस्करे बो.च.६.६२ग

བཟླས་བརྗོད་ (क) जाप मु.प्र.

(ख) आपिन् यो.च.१०.४०ख

ཡོངས་སུ་བརྗོད་ परिदीपित सु.प्र.७४.२

བརྗོད་ཀྱིས་ प्रवक्ष्यामि द.भू.१कु

བརྗོད་དགོས་ वक्तव्य न्या.बि.४५.१६

བརྗོད་དང་གྲགས་འདོད་དགེ་སློང་ कीर्तिलोक-श्रमण का.प.१२६प.

བརྗོད་དམ་ आरोचयेरन् सु.प्र.६६.१६, ६७.६

བརྗོད་དུ་མ་མཆིས་ཟ་ अनभिलाप्य सं.नि.४.१

བརྗོད་དུ་མེད་ (१) अनभिलाप्य सं.नि.२.४

(२) अनुदीरित द.भू.

ཚིག་གིས་~ वचसा अनुदीरित द.भू.१कु

(३) अवाच्यता अ अ.१.२८

བརྗོད་དུ་མེད་པ་ (१) अनभिलाप्य द.भू.१अ, ७अ, ६ज, १०ह्-ज, प्र.पा.६४, भ.च.०, म.व्यु. <संख्या-नाम> ७८१८-२०, ७६५०-५३, ८०४८, ल.सू.६३क, श.दा., सं.नि.१.१, २.२

(२) अपरिमित <संख्या-नाम> म.व्यु. ८०४३

(३) निरभिलाप्य लं.सू.६३क

(४) निरालाप (=अनभिलाप्य ह्.भ., अ. सा.) अ.अ.४.५६

བརྗོད་དུ་མེད་པ་ཉིད་ अवाच्यता प्रस.४१५.४

བརྗོད་དུ་མེད་པ་ལ(ས་) བསྒྲེས་པ་ अनभिलाप्य-परिवर्त <संख्या-नाम> म.व्यु.७८१६, ७६५१, श.दा.

བརྗོད་དུ་མེད་པའི་ཆོས་ཉིད་ . अनभिलाप्यधर्मता स.नि.१.२, ५

བརྗོད་དུ་མེད་པའི་སྟོང་པ་ཉིད་ निरभिलाप्य-शून्यता लं सू.६३क

བརྗོད་དུ་མེད་པས་ཀྱང་(པའི་ཡང་)བརྗོད་དུ་

མེད་པ་ལ(ས་)བསྒྲེས་པ་བསྟན་པ་ **अनभि-लाप्यानभिलाप्यपरिवर्तनिर्देश** <संख्या-नाम> म.व्यु.७८२०

བརྗོད་དུ་མེད་པས་ (པའི་) ཡང་བརྗོད་དུ་མེད་པ་ **अनभिलाप्यानभिलाप्य** <संख्या-नाम> म.व्यु. ७९५२

བརྗོད་དུ་མེད་པས་(པའི་)ཡང་བརྗོད་དུ་མེད་པ་ ལ (ས་) བསྒྲེད་པ་ **अनभिलाप्यानभिलाप्य-परिवर्त** <संख्या-नाम> म.व्यु.७९५३

བརྗོད་འདོད་དཔེ་ **आचिख्यासोपमा** का.आ.२.३२

བརྗོད་ན་ (१) གདམ་བགྱིད་~ **कथासंबन्धं कुर्वीरन्** मु.प्र ९७.७

(२) **भणमान** भ.च.५२ग

(२) **भाष्यमाने** बो.च ५.७६ग

བརྗོད་ནས་ (१) རྗེས་སུ་བརྗོད་ནས་ **अनूद्य** न्या.बि.२१४.१६

(२) **अभिधाय** न्या.बि.१३९.१५, २०४.७

(३) **कथयति** मु.प्र.१४९.७

(४) **वर्णित** मु.प्र.४८.१४

བརྗོད་པ་ (१) **अनुव्याहरत्** द.भू.११अ.

(२) **अभिधान** न्या.बि.९३.८, १०, ९४.१४, ९६.१३..., लं.मू.७७ख

(३) **अभिधायिन्** न्या.बि.१०४.५

(४) **अभिधीयते** अ.अ.८.६

(५) **अभिलाप** न्या.बि.१७.१६, १८, १९, १८.७, १२, १४, १५, १६, १९, १९.१५, सं.नि.१.२

(६) **अभिलाप्य** म.व्यु.४४६६

(७) **अभिहित** न्या.बि.१२६.८

(८) **आख्यान** न्या.बि.९२.६, ७, ११४.१०, १३९.१९...

(९) **आचक्षते** म.व्यु.१४८०

(१०) **आम्नात** म.व्यु.६८५९

(११) **आम्नायते** म.व्यु.६७०६

(१२) **आरोचन** म.व्यु.८४२४-२५

(१३) **आह** न्या.बि.१२०.५

(१४) **ईरित** अ.अ.४.३९

(१५) **उक्त** न्या.प्र.५६, ६०, न्या बि.३.३, ४६.१२, १०१.१०...

(१६) **उच्चारण** न्या.बि.१३६.१४

(१७) **उच्चारयितव्य** मु.प्र.८८.२३

(१८) (°པ་) **उच्यते** न्या.बि.१०.११, २३.१३ ३१.१६...

(१९) **उच्यमान** न्या.बि.३.४

(२०) **उदाहार** का.प.१२५, द.भू १लल, ७ब, म.व्यु.२७९२

ལྷ་བའི་ཚིག་གི་ལས་ནས་~ར་ལྷ་ཨུ་སློས་ **क: पुर्वावि उत वाक्ययोदाहारेण** का.प.१२५

(२१) **उदीरयति** म.व्यु.२७७९

(२२) **उद्दिष्ट** म.व्यु.२७८२

(२३) **उद्भावक** न्या.बि.२१९.१५

(२४) **उद्भावन** न्या.प्र.६१, ६३, ६४,

न्या.बि.२१९.१०, २२०:१६, १८

(२५) उद्भावना श.पं.६३

(२६) उद्भावित न्या.बि.२३.६

(२७) उपदिश्यमान न्या.प्र.२६

(२८) कथयत् न्या.बि.११७.१२, ११८.८

(२९) कथ्यते (=अभिधीयते ह्.भ.) अ.अ. ५.२०, ८.११

(३०) कीर्ति का.प.१५प., म.व्यु.२६१०, सु.प्र.६०.१६

(३१) ख्याप्यते न्या.बि.२१५.११

(३२) जल्प न्या.हृ.५४टि.२

(३३) जल्पते म.व्यु.२७६८

(३४) निश्चारयति म.व्यु.२६२१

(३५) पठन्ति म.व्यु.७०८४

(३६) पर्याय म.व्यु.४६६७

(३७) पाठ बो.च.५.१०९ख

(३८) (°པ་) प्रकाशित न्या.बि.२१५.१२, १३

(३९) प्रभावना म.व्यु.६९१७

(४०) सं. प्रयुक्त न्या.बि.११८.१

(४१) प्रलाप लं.सू १०८क

(४२) प्रव्याहार (=वचनोदाहरण ह्.भ.) अ.अ.३.१३

(४३) प्रशंसा म.व्यु.२६०९

(४४) भणामि ना.आ.६.६

(४५) भाषते म.व्यु.२७६७

(४६) भाषिन् म.व्यु.११००

(४७) मत लं.सू.२०३क

(४८) मन्त्रणा म.व्यु.७०२६

(४९) सं. युक्त न्या.बि.१२६.१८

(५०) लपति म.व्यु २७६९

(५१) वक्तव्य न्या.बि.१४४.१९

(५२) वक्ति न्या.बि.१३५.१७

(५३) वक्तुम् सु.प्र.३८.४, ८

(५४) वचन न्या.प्र.२, १०, २१, ५२, ६४, न्या.बि.१३२.४, १३५.१५, १६, सु.प्र.७९.८

(५५) वर्ण म.व्यु.२०१५

(५६) वर्णित सु.प्र.३४.३, ५

(५७) वाचक न्या.बि.१०२.१०

(५८) वाचना म.व्यु.८६६३-६६

(५९) वाचिन् न्या.बि.१०२.१२, १२५.७

(६०) वाद बो.च.८.१६३क, म.व्यु.२७३९

(६१) व्यपदेश प्रम.३४३.६, म.व्यु २८०५

(६२) व्याहरमाण सु.प्र.१४१.२१

(६३) व्याहार म.व्यु.१८११

(६४) सूचयसि द.भू.११ग

(६५) ཆེད་དུ་~ उदान सु.प्र.१४८.१३

ཚི་སླར་~ आक्रोष्टृ श.पं.१२२

ལེགས་ཞེས་~ साधुकार सु.प्र.७७.२२प.

བརྗོད་པ་ཉིད་དུ་འགྱུར་ उच्चारयेत् न्या.बि.१३५.१[illegible]

བརྗོད་པ་ནི་ཚིག་སྔ་ཕྱི་འགལ་བ་ पूर्वोत्तरवचन-व्याघातबोध लं.सू.१०९ख

བརྗོད་པ་མ་ཡིན་ अनभिलाप्य सं.नि.७.२४

བརྗོད་པ་ཡིན་ (१) अभिवदति न्या.बि.८४.३

(२) उक्त न्या.बि.टी.८.४

(३) उक्तवत् न्या.बि.६४.६

(४) उच्चारयति न्या.बि.१३५.८, १३६.६

(५) उच्चार्यते न्या.बि.१३७.११

(६) उच्यते न्या.प्र.६. न्या.बि.४१.१५, ५०.१६, ११३.१०

(७) कथित श.दा.

(८) निरुच्यते का.प.१३७प.

བརྗོད་པའི་སྒྲ་དང་སྒྲ་བ་ལྷུར་བྱེད་པ་མ་ཡིན་ (པའི་) म व्याहाररतवाक्यपरमः म.व्यु.१८११

བརྗོད་པའི་སྒྲ་ཚིགས་སུ་བཅད་པའི་དགེ་སློང་ कीर्तिशब्दश्लोकश्रमणः का.प १२१, १२४

བརྗོད་པའི་རྣམ་པས་ उच्चारणाकारेण सं.नि.७.१७

བརྗོད་པའི་སྤྱི་ अभिलाप्यसामान्य म.व्यु.४४६६

བརྗོད་པའི་སྤྱོད་ཡུལ་ वाग्गोचर सं.नि.२.२

བརྗོད་པའི་ཕྱིར་ (१) अभिधानात् न्या.बि.(भा.)१२५

(२) उदाहर्तुम् न्या.बि.४८.१६

(३) परिदीपयमान सु.प्र.१२०.१२

(४) वक्तुम् न्या.बि.१७२ १५

བརྗོད་པའི་ཚེ་ कीर्त्यमाने बो.च.६.७६क, ग

བརྗོད་པར་ वक्तुम् न्या.बि.४.१८. २६.६, ६३.१५...

བརྗོད་པར་བགྱི་ (१) भाषिष्यामि सु.प्र.८०.५

(२) वक्तव्य उद्रा.२६.३३

བརྗོད་པར་བགྱིད་པ་ कथ्येत ग.पं.४१

བརྗོད་པར་འགྱུར་ उक्त न्या.बि.१२७.७

བརྗོད་པར་འདོད་པ་ (१) विवक्षा म.व्यु.७५५८, श.दा.

(२) विवक्षित न्या.बि.१५१.१३, १५२.२, २०६.१५...

(३) सं. ०० न्या.बि.१५२ १

བརྗོད་པར་བྱ་ (१) उदीरयेत् बो.च.५.७५ख

(२) कथयिष्यामि बो.च.१.१घ

(३) निरुच्यते उद्रा.२१.१२

(४) प्रवक्ष्यामि सु.प्र.४.१६

(५) ब्रवीति सु.प्र.८६.२४

(६) भणिष्यामि भो.प्र.

(७) वक्तव्य उद्रा. ६.२, ४, ६, १६, च.श.८, सं नि ८ ५

བརྗོད་པར་བྱ་དགོས་(པ་) (१) वर्णनीय न्या.बि.१६७.७

(२) वक्तव्य न्या.बि.१६४.५, १६६.६, २१७.४

(३) व्याख्येय न्या.बि.६३.१७(ख)

བརྗོད་པར་བྱ་བ་ (१) अभिधीयमान न्या.बि.६८.२०

(२) अभिधेय न्या बि.२.५, ७, ८, १२, ३.२, ४, ७, ६, ११, १३, ४.६, १४, २०...

(३) सं अभिहित न्या.बि.१२५.६

(४) उच्यते न्या.बि.२१६.५

(५) प्रभाष्यते द.भू.८ग

(६) **वक्तव्य** न्या.प्र.४६, न्या.बि.३८.६, ४८.५...

(७) **वाच्य** न्या.बि.१५.७, ११, १२७.६, १३४.४, म.व्यु.४४७७, श.दा.

(८) **व्याख्येय** न्या.बि.९३.१७(क)

(९) **व्युत्पादयितव्य** न्या.बि.१२.१

བརྗོད་པར་བྱ་བ་ཉིད་ (१) **वाच्यता** न्या.बि.१३४.१७

(२) **वाच्यत्व** न्या.बि.१३४.१०, १५, १९

བརྗོད་པར་བྱ་བ་མ་ཡིན་ **अवाच्यत्व** न्या.बि.१३५.१

བརྗོད་པར་བྱེད་ (१) **अभिवदति** न्या.बि.८४.४

(२) **आरोपयति** उद्रा.११ २८

(३) **उच्यते** उद्रा.२१.१६

(४) **निश्चारयन्ति** सं.नि.

མི་བསྔགས་པ་~ **अवर्णं निश्चारयन्ति** सं.नि. ७.२३

(५) **भणते** का.प.४प.

བརྗོད་པར་བྱེད་པ་ (१) **वद्** श.दा.

(२) **वाचक** म.व्यु.४४७८. श.दा.

བརྗོད་པས་ཅི་ཞིག་ཀྱ་ **किमुच्यते** बो.च.९.१२०घ

བརྗོད་པ་ཉུང་བར་འགྱུར་ **मन्त्रमन्त्र एवाभूत्** म.व्यु.६७७१

བརྗོད་བྱ་ (१) **अभिधेय** न्या.बि.९५.१२, ११९.६, श.दा.

(२) =དོན་ **अर्थ** श.दा.

(३) **परिघोष** श.दा.

(४) **वाक्य** श.दा.

(५) **वाच्य** श.दा.

བརྗོད་བྱ་ལྡན་ **वराक, सुलक** श.दा.

བརྗོད་བྱ་བྲལ་=བརྗོད་བྱ་མེད་པ་ **अवाच्य** श.दा.

བརྗོད་བྱ་མེད་པ་=བརྗོད་བྱ་བྲལ་

བརྗོད་བ་ཞིང་ (१) **उच्यते** बो.च.१.९ग

(२) **ब्रूयात्** बो च.५.७६क

བརྗོད་བྱའི་རྟགས་ **प्रत्यर्पण** श.दा.

བརྗོད་བྱའི་རབ་=བརྗོད་བྱེད་རབ་ **प्रवचनीय** श.दा.

བརྗོད་བྱེད་ **शंसति** का.आ.१.६

བརྗོད་བྱེད་ཀྱི་གདོན་ལས་ཐར་བར་བྱེད་པའི་སྔགས་ ངག་ कं.तं.२९८८

བརྗོད་བྱེད་ན་ **कथ्यते** बो.च.९.२१ख

བརྗོད་བྱེད་རབ་=བརྗོད་བྱའི་རབ་ **प्रवचनीय** श.दा.

བརྗོད་མ་ཐག་ཏུ་ **समनन्तरोदाहृत** सु.प्र.११.२

བརྗོད་མིན་ (१) **अकीर्ति** का.प.७प.

(२) **अवर्ण** का.प.

བསྔགས་པ་མིན་དང་~མི་སྙན་བརྗོད་ **अकीर्त्यवर्णं अयशं च वारयी** का.प.७प.

བརྗོད་མེད་ (१) **अनभिलाप्य** सं.नि.१.६

(२) **अव्याहार** (=अवचनीय ह.भ.) अ.अ. ३.१३

(३) न...वाच्यम् बो.च.१.२क

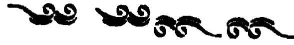
(४) निरभिलाप्य स.रा.२२.३३

བརྗོད་མཚུངས་ वर्ण्यसमा न्या.इ.२८८, २८९

བརྗོད་མཛད་ सूचक अ.अ.४.२१

བརྗོད་ཡས་ सरट (°ब, °त) <संख्या-नाम> म.व्यु.७७६९, ७८९८ (सरल <संख्या-नाम>)

བརྗོད་ལེའུ་ अध्याय म.व्यु.१४७२



ཉ

ཉ་ (१-४) **अण्डज, अनिमिष, अर्भक, पक्षिणी** श.दा.

(५) **पूर्ण** का.प.६६प:, बो.क.१६

(६) **पूर्णिमा** श.दा.

(७) **पौर्णमासी** श.दा.

(८) **मत्स्य** का.प., बो.च.५.११क, ७.११क, ८.१२२ग, म.व्यु.४४८६, ४८३९, श.दा. ४६०क <अवतार-नाम>, १०४८क <देश-नाम>, सु.प्र.१४४.११, १२, १८...

(९) **मीन** लं.सू.१५५क, श.दा.

ཉ་གང་བ་ **पूर्णिमा** श.दा.

ཉ་གྱུ་ **आनाय** श.दा.

ཉ་ཕྱིབས་ **शुक्तिका** श.दा.

ཉ་ཕྱིབས་པ་ཐོག་གནམ་སྐྱེས་ **शुक्तिबीज** श.दा.

ཉ་ཉི་མ་དགའ་ **संवाल** श.दा.

ཉ་འདུལ་བ་ **मत्स्यवैनेय** सु.प्र.१५३.२६

ཉ་སྟོན་ **पाञ्चवार्षिक** म.व्यु.५७६०, श.दा. (°र्षीक)

ཉ་དོལ་ **क्षारक** श.दा.

ཉ་པ་ (१) **कैवर्त** बो.च.४.४०क

(२) **बाडिशिक** बो.च.६.८९क

(३) **मात्सिक** म.व्यु.३७५६

द्र. ཉ་བ་

ཉ་ཕྱིས་བདབ་པ་ **बाडिशिकार्पित** बो.च.६.८९क

ཉ་ཕྱིས་ (१) **शुक्ति** म.व्यु.९०१५, श.दा.

(२) **शुक्तिका** म.व्यु ५९९३

ཉ་འཕར་བ་ **मत्स्यविकार** म.व्यु.४४८६

ཉ་བ་ (१) **कैवर्त** म.व्यु.३८५५, लं.सू.६८क

(२) **पूर्णचन्द्र** का.प ८८

(३) ཟླ་བ་ཉ་བ་ **पूर्णशशांक** सु.प्र.८६.११, ११६.२०

ཉ་འཛིགས་བྱེད་ **कलहंस** श.दा.

ཉ་ཟན་ **मत्स्याशन** श.दा.

ཉ་གསོན་ **जीवमत्स्य** बो.च.७.११क

ཉག་ཕྲན་=མདའ་ **शर** श.दा.

ཉག་མ་=གཟེག་–གཟེགས་ **आटक** श.दा.

ཉག་མི་བཞེས་སུ་གསོལ་ **अलं कोपेन** उद्रा: २७.११

ཉན་ (१) **कर्णिन्** म.व्यु.३६६३

(२) **शृणुयात्** सु.प्र.६३.१

(३) **श्रव** का.प.१७प.

(४) **श्रवण** का.प.

ཆོས་ཉན་ **धर्मश्रवण** का.प.२७प.

(५) **श्रूयते** न्या.बि.३.१८, ४.२

द्र. མཉན་པ་

ཉན་ཅིང་ (१) **शृणुयात्** सु.प्र.६३.८

(२) **शृणोति** का.प.१०

(३) གུས་པར་~ **आश्रव** उद्रा.२०.४

ཉན་ཏེ་ **शृणुयात्** सु.प्र.५०.१२

ཉན་ཏོ་ **शृणुयामः** उद्रा.१२.१

ཉན་ཐོས་ (१) **शिष्य** अ.अ.५.३७

(२) **श्रावक** अ.अ.१.११, २६, २.२, ५, ५.१२, ८.७, उद्रा., का.प.१३प., ४६,८४, ८५, १५९, द.भू.२म, ५म, ६र, म, ७ब, ९ब, ज, ल, ञ, १०द, फ, ह, ज, ११ब, बो.च.७.२९घ, १०.५०ग, म.व्यु.१८६, ८०३, १११९, लं.सू. ६४क, श.दा., ग.पं.१११, सं.नि.७.३३, ८.२१.४, सु.प्र.३.७, १३.१३, २४४...

(३) **श्रावकत्व** लं.सू १०३ख

ཉན་ཐོས་ཀྱི་གང་ཟག་གི་རིམ་པའི་མིང་ལ་ **श्रावकपुद्गलक्रमाः** म.व्यु.१००८

ཉན་ཐོས་ཀྱི་དགེ་འདུན་ཚད་མེད་པ་ **अप्रमाणश्रावकसंघ** स नि.०.३

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པ་ (१) **श्रावकयान** म.व्यु.१२५२, ल.मू.१६६क, ग.दा.५८६ख, सं.नि.७.२८, ९ ३२

(२) सं. **श्रावकीय** लं.सू.१२०क

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པ་མངོན་པར་རྟོགས་པའི་རིགས་ **श्रावकयानाभिसमयगोत्र** म.व्यु.१२६१

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པ་མངོན་པར་རྟོགས་པར་འགྱུར་བ་དང་ལྡུ་ཕྱོགས་ཅན་གྱི་རིགས་ **श्रावकाभिसमयगोत्रक** लं.सू.८७ख

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པ་མངོན་པར་རྟོགས་པར་འགྱུར་བའི་རིགས་ **श्रावकयानाभिसमयगोत्र** लं.सू. ८७क

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པ་པ་ **श्रावकयानीय** का.प.१३

[ཉན་ཐོས་ཀྱི་]ཐེག་པ་ལ་ཡང་དག་པར་ཞུགས་པ་ **श्रावकयानसंप्रस्थित** सं.नि.७.३०

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པའི་རིགས་ **श्रावकयानगोत्र** लं.सू.१०८क

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཐེག་པའི་རིགས་ཅན་ **श्रावकयानगोत्रक** सं.नि.७ १४

ཉན་ཐོས་ཀྱི་བདེན་པ་མངོན་རྟོགས་དང་རྗེས་སུ་མཐུན་པ་ प्र.पा.२०

ཉན་ཐོས་ཀྱི་བྱང་ཆུབ་ **श्रावकबोधि** उद्रा.१०.२७, ३१.३३, सं.नि.८.२०.२

ཉན་ཐོས་ཀྱི་སྦྱོར་ལམ་ཆོས་མཆོག་ प्र.पा.५८

ཉན་ཐོས་ཀྱི་གཞི་ཤེས་ प्र.पा.८९

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་གྱི་མིང་ལ་ **श्रावकगुणाः** म व्यु.१०७४

ཉན་ཐོས་ཀྱི་རིགས་ **श्रावकगोत्रक** सं.नि.७.१६

ཉན་ཐོས་ཀྱི་རིགས་ཅན་གང་ཟག་ **श्रावकगोत्रपुद्गल** सं.नि.७.१५

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ལམ་གྱི་བགྲོད་པ་མཐར་ཕྱིན་པའི་

མངོན་རྟོགས་ प्र.पा.२६

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ལམ་ཤེས་པའི་ལམ་ཤེས་ श्रावकमार्गज्ञानमयी मार्गज्ञता प्र.पा.७४

ཉན་ཐོས་ཀྱི་ས་བདུན་ सप्त श्रावकभूमयः श.दा.

ཉན་ཐོས་ཀྱི་སའི་མིང་ལ་ श्रावकभूमयः म.व्यु. ११४०

ཉན་ཐོས་ཅིག་ཅར་བ་ प्र.पा.२६

ཉན་ཐོས་དང་རང་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་ ཐམས་ཅད་ལས་རིང་དུ་གྱུར་པ་ सर्वश्रावकप्रत्येकबुद्धमनसिकारदूरस्थित सं.नि.०.४

ཉན་ཐོས་དང་རང་སངས་རྒྱས་དང་མུ་སྟེགས་ཅན་ श्रावकप्रत्येकबुद्धतीर्थ्य लं.सू.६४क, ८१क(°र्थं)

ཉན་ཐོས་དང་རང་སངས་རྒྱས་དང་མུ་སྟེགས་བྱེད་པ་ श्रावकप्रत्येकबुद्धतीर्थंकर लं.सू.८१ख

ཉན་ཐོས་དང་རང་སངས་རྒྱས་དང་སངས་རྒྱས་ बुद्धश्रावकप्रत्येकबुद्ध लं.सू.१२५क

ཉན་ཐོས་དང་རང་སངས་རྒྱས་དང་སངས་རྒྱས་ རྣམས་ཀུན་རྣམ་པར་འཇིག་པ་ बुद्धश्रावकप्रत्येकबुद्धवैनाशिक लं.सू.१२५क

ཉན་ཐོས་པ་ श्रावक श.दा.

ཉན་ཐོས་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་འགྱུར་བ་ बोधिपरावृत्तश्रावक सं.नि.७.१६

ཉན་ཐོས་མ་ श्राविका उद्रा., श.दा.

ཉན་ཐོས་མ་ཆེན་མོ་ महाश्राविका उद्रा.१२.३२

ཉན་ཐོས་རང་རྒྱལ་སྤྱོད་ལམ་ श्रावकचर्यां तथा प्रत्ययानाम् द.भू.७अ.

ཉན་ཐོས་སོ་སོའི་མིང་ལ་ नानाश्रावकनामानि म.व्यु.१०२९

ཉན་འདོད་པ་ (१) शुश्रूषमाण म.व्यु.२४२४, श.दा.

(२) शुश्रूषा अ.अ. (=श्रवणेच्छा ह.म.) २.७, श.दा.

ཉན་ན་ (१) शृणुयात् सु.प्र.५३.३

(२) शृणुयुः सु.प्र.६७.१९

ཉན་ནས་

བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ལྟར་~ भगवतः प्रतिश्रुत्य सु.प्र.१५५.१४

ཉན་རྣ་ (१) चर म.व्यु.३८०६

(२) हेरि म.व्यु.३८०५

ཉན་རྣ་བ་ उपश्रव श.दा.

ཉན་རྣ་བ་ལས་གྱུར་པ་ उपश्रवणगत म.व्यु.८५०१

ཉན་པ་ लोट् ཉོན་

(१) शृणुयात् का.प.१६८

(२) शृण्वन्ति सु.प्र.६.५, ७.३, १२४.२६...

(३) श्रवण न्या.बि ३.१५, ४.३, ९, म.व्यु. ९०६, २७५९. श.दा., सु.प्र.१२४.१६

ཆོས་~ धर्मश्रवण का.प.२६

ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་དྲུག་~ षट्पारमिताश्रवण का.प.१७

ཆོས་~ धर्मश्रवणिक सु.प्र.८०.३, १००.१८

(४) श्रुणीयते सु.प्र.१२१.२१

(५) श्रुत सु.प्र.१००.२०

(६) श्रूयते न्या.बि.टी.११.१८

(७) श्रोतृ न्या.बि., म.व्यु.२७६६, लं.मू. १११क, श.दा., श.पं.७६, सु.प्र.५४.२, ५५.६, ५६.२०...

(८) श्रोष्यन्ति सु.प्र.६६.७

(९) मं..००

བཀའ་~ आज्ञाकर उद्रा.२७.१२

སྨན་པའི་ངག་ས་ཉན་ (ཏེ. མཉན་) ན་ वैद्योपदेशाक्षमतः (कुतोऽस्ति भैषज्यसाध्यस्य निरामयत्वम्) बो.च.४.४८ग

द्र. མཉན་པ་, ཐོས་པ་, གསན་པ་, གསོན་པ་

ཉན་པ་པོ་ श्रोतृ ना.आ.२.११, न्या.बि.३.१५, १८

ཉན་པའི་སྐྱེ་བོ་ श्रोतारः उद्रा.३२.१५

ཉན་པར་ श्रुणितुम् सु.प्र.१२१.२८

ཉན་པར་གྱིས་ शृण्वन्तु सु.प्र.८५.१६

ཉན་པར་འགྱུར་བ་ शृणुयुः सु.प्र.८७.१५, ९८.२१, १०२.६

ཉན་པར་བྱེད་ (१) आकर्णयन्ति ना.आ.११.५, १२

(२) शृणोति श.दा.

(३) शृण्वन्ति सु.प्र.५.८, ७७.२६

ཉན་པར་འདོད་ श्रोतुकाम लं.सू.६२क

ཉན་པར་འཚལ་བ་ श्रोतुकाम सु.प्र.५८.१

ཉན་བྱེད་=རྣ་བ་ श्रव श.दा.

ཉན་འཚལ་བ་ श्रोतुकाम सु.प्र.५८.१

ཉན་ཞིར་ अशृणोत् श.दा.

ཉམ་ང་ (१)= ཉམས་ང་ उपायास श.दा.

(२) कृच्छ्र बो.च.७.६१क, ग

(३) (पन्थानो) विषमाः श.पं.११५

(४) संकट सु.प्र.२७.२३, २७, २८, २८.१, ३-८, ३३.१४

ཉམ་ང་བ་ (१) =དོགས་པ་ आतंक श.दा.

(२) आतंकता म.व्यु.६२८५

(३) आधि अ.अ.२.१४ (आधिव्याधि= बाह्याभ्यन्तर-उपद्रव ह.भ.)

(४) =དོགས་པ་ विपद् श.दा.

(५) विषम म.व्यु.१७९

(६) संकट बो.च.१०.२६क, श.द'.(=དོགས་པ་), श.पं.१३४

(७) संबाध म.व्यु.६४६८

(८) སྐྲག་དུ་~ར་གྱུར་ནས་ व्यथित उद्रा. ४.१७

ཉམ་ང་བ་ཆུང་ अल्पातंकता म.व्यु.६२८५

ཉམ་ང་བ་ཉུང་ अल्पातंकता म.व्यु ६२८५

ཉམ་ང་བ་ཉུང་བ་ अल्पातंकता श.दा.

ཉམ་ཆུང་ (१) कृश (?) बो.च.७.५७क

(२) दुर्बल का.प.२०प., बो.च.१.६क, ७.

५२ग..., श.दा., मु.प्र १६१.८

ཉམ་ཆུང་བ་ (१) दुर्बल उद्रा.३४.५, १४, १६, २१, बो.च.६.१२६ग, मु.प्र.१५७ १७, १६०.२

(२) दौर्बल्य म.व्यु.६४६१, ७५८१

ཉམ་ཆུང་བ་རྣམས་ལ་ दुर्बलेषु सत्त्वेषु का ७.७०

ཉམ་ཆུང་དབང་པོ་ भृंग श.दा.

ཉམ་ཐག་ (१) आपन्न श.पं.१०४

(२) आर्त बो च.१०.५क(दे.), घ(दे.), ल.वि.१५.१६

མྱ་ངན་~ शोकार्त बो.च.१०.२०ख

ཤིན་ཏུ་~ सं. आर्तरव बो.च.७.४५क

(३) निराक्रन्द श.पं.१०

(४) वराक बो.च.१.६ख

द्र. ཉམས་ཐག་(པ་)

ཉམ་ཐག་ང་རོ་ आर्तरव बो.च २.५०ग

ཉམ་ཐག་པ་ आर्त म.व्यु.४९५१, ७३३४, श.दा.

ཉམ་ཐག་པའི་ང་རོས་འབྱིན་པ་ आर्तस्वरं क्रन्दन्ति म.व्यु.४९५१

ཉམ་སྣང་=སྣང་ཚོ་ आभास श.दा.

ཉམ་ཡོད་པ་ बल म.व्यु.७५८०

ཉམས་ (१) उपहत द.भू.

མ་ཉམས་ अनुपहत का.प.३९, द.भू.१ज

(२) क्षत ल.स्तो.५३

(३) क्षति (=व्याघात ह.भ.) अ.अ.५.१४

(४) क्षीण मु.प्र ३०.२५

(५) खण्डित बो.च.

མི་ཉམས་ अखण्डित बो.च.१०.४५घ

(६) च्युत का.प.

དམ་བཅས་ཉམས་ च्युतप्रतिज्ञ का.प.९प.

དམ་བཅས་པ་ལས་ཉམས་ च्युतप्रतिज्ञ का.प.९

ཚུལ་ཁྲིམས་དང་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་མ་ཉམས་པ་ अच्युतशीलसमाधिः का प.१०

(७) ज्यानि बो.च.

བདེ་བ་(दे. བདེ་ལས་) ཉམས་མ་གྱུར་ सुखज्यानिर्मा भूत् बो.च.१०.३ख

(८) རབ་ཏུ་ཉམས་ཆུང་བ་ परमदुर्बल मु.प्र. १५८ १

(९) नष्ट मु.प्र.१६७.१६

རབ་ཏུ་ཉམས་ प्रणष्ट का.प.६४

(१०) नाश बु.च.१५

(११) निर्° बु.च.५२

(१२) विहीन मु.प्र.

དྲན་པའི་དབང་པོ་རྣམས་པར་ཉམས་ स्मृती-न्द्रियविहीन मु....१६९.५

དྲན་དབང་ཉམས་ཤིང་ स्मृतीन्द्रियविहीन मु.प्र.१६७.१८प.

(१३) भ्रंस च.श.१७

(१४) हत मु.प्र.४.१७, १८

(१५) हान (=प्रहाण हृ.भ.) अ.अ.२.२९

(१६) हानि बो.च.६.९३ग

(१७) हीन अ.अ.४.५६ (=परित्यक्त हृ.भ.), सु.प्र.३०.२३

དགེ་སྦྱོང་ཉམས་ श्रामण्यहीन का.प.१२७प.

བཞིན་གཞན་དུ་གྱུར་ཅིང་ཉམས་ཏེ་ सं. हीनदीन-वदन उद्रा.२६.८

(१८) དགེ་བ་གཞན་ཡང་ཉམས་གྱུར་ཡི། སེམས་ནི་ནམས་ཀྱང་ཉམས་མི་བྱ།། नश्यत्व-न्यच्च कुशलं मा तु चित्तं कदाचन बो.च.५.२२गघ

ཉམས་གྱུར་ (१) ज्यानि श.पं.११३

(२) विमुह्यति सु.प्र.१६३.२४प.

ཉམས་དགའ་ (१) रम्य ग्रो.च.

དབེན་ཞིང་~ विवेकरम्य बो.च.२.३ख

(२) हृद्य बो.च.१०.७घ

ཉམས་...དགའ་འགྱུར་ रमणीय सु.प्र.७६.२०

ཉམས་དགའ་བ་ (१) रमणीय सु.प्र ७३.१, ९४.२१

(२) रम्य बो.च ८.८६ख

(३) लक्ष्मन् श.दा.

ཉམས་འགྱུར་ (१) काम्यता श.दा.

(२) नश्यति बो.च.६ ६१ख

ཉམས་འགྱུར་ན་ हतो भवेत् बो.च.४.१०ख

ཉམས་འགྱུར་བ་ व्यवन्ते उद्रा.२१.२५

ཉམས་སྨྲོལ་

ཞལ་བཞི་པ་སྨྲོན་པོ་~ चि.पं.१३३क

ཉམས་ང་=ཉམ་ང་ उपायास श.दा.

ཉམས་ཆུང་ (१) दुर्बल सु.प्र.३०.२५, १६१.८

(२) दौर्बल्य म.व्यु.६४६१

(३) सुदुर्बल सु.प्र.१६७.५

ཉམས་ཐག་ (१) आर्त श.दा., सु.प्र.१६३.१८

(२) उच्चाटन श.दा.

(३) व्यसनागत सु.प्र.३१.६ (पा. ཉམ་°)

द्र. ཉམ་ཐག་

ཉམ (ས་)ཐག་པ་ आर्त सु.प्र.७७.८, १६१.१७, १६३.१८

ཉམ(ས)་ཐག་པ་སྨྲ་ཕྱུང་ངོ་ आर्तस्वरं मुमुचतुः सु.प्र.१६१.१७

ཉམས་ཐག་པའི་ང་རོ་འབྱིན་པ་ आर्तस्वरेण क्रन्दति श.दा.

ཉམས་དང་ལྡན་པ་ बलान्वित बो.च.१०.५२ख

ཉམས་བདེ་བ་ (१) कम्य श.दा.

(२) कल्यता म.व्यु ७०६३

ཉམས་འདུས་ शोक श.दा.

ཉམས་པ་ (१) མི་~ अनपायिन् श.पं.५०

(२) आपद् म.व्यु.८७७३

(३) उपहत उद्रा.४६.६. म.व्यु.३३८, ७२०, ७३५४

(४) खण्ड म.व्यु.१६२१

(५) च्युत म.व्यु.७६६, ८८०-८१, ३२६२

(६) छिन्न म.व्यु.६४२५

(७) जन्मसंकर लं सू.१७७क

(८) ध्वस्त म.व्यु.६१२६

(९) नश्यति का.आ.१.५

(१०) नष्ट श.दा.

གཅིག་ཏུ་~ अत्यन्तनष्ट श.पं.१३४

(११) नाश बो.च.७.६८क

(१२) निधन बु.च.५२

(१३) न्यंग का.आ.३.१६१

(१४) प्रच्युति न्या.बि.१५९.७, १६१.२, ३

(१५) भंग बो.च.८.१७६ख

བསམ་པ་~ आशाभंग बो.च.८.१७६ख

(१६) ཡོངས་སུ་~ परिभ्रष्ट सु.प्र.. ९.११

(१७) भिन्न का.आ.३.१५६

(१८) मोष बो.च.

དྲན་པ་~ स्मृतिमोष बो.च.५.२७ख

(१९) विकोपित म.व्यु.९३२६

(२०,२१) विनष्ट, विनाश श.दा.

(२२) विपन्न म.व्यु.९१४५-४८, श.दा.

(२३) विहीन म.व्यु.२५८०

(२४) शतन उद्रा.११.५, २९.८

(२५) ཡོངས་སུ་~ परिहाण का.प.

(२६) हानि अ.अ.४.५६, म.व्यु.१४२-४७, लं.सू.७७ख

(२७) हीन श.दा., सु.प्र.१०.३, ११०.७

(२८) हीयते सं.गा.१८.८

ཉམས་པ་དང་ལྡན་པ་ प्रच्युतिमत् न्या.बि.१६१.३

ཉམས་པ་རྣམ་པར་སྤངས་པ་ उपघातविवर्जित अ.अ.८.३०

ཉམས་པ་མེད་ (१) अखण्ड बो.च.१०.४४घ

(२) न नश्यति का.आ.१.५

ཉམས་པ་མེད་པ་ (१) अच्युत म.व्यु.८८०-८१, श.दा.

(२) अभ्रष्ट न्या.बि.६६.२

(३) असंप्रमोष द.भू.१द, फ, ४च, ५ह, ८प

ཉམས་པ་ཟ་མ་ वर्षवर अ.को.१९२.९

ཉམས་པའི་ཕུང་པོ་ལྔ་ पञ्चस्कन्ध–

(१) གཟུགས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ रूपस्कन्ध,

(२) ཚོར་བའི་ཕུང་པོ་ वेदनास्कन्ध,

(३) འདུ་ཤེས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ संज्ञास्कन्ध,

(४) འདུ་བྱེད་ཀྱི་ཕུང་པོ་ संस्कारस्कन्ध,

(५) རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཕུང་པོ་ विज्ञानस्कन्ध श.दा

ཉམས་པའི་མ་ནིང་ आपत्पण्डक म.व्यु.८७७३, श.दा. (पण्डक)

ཉམས་པའི་ཡིད་ दौर्मनस्य द.भू.३क

ཉམས་པའི་སྒྲོག་གཞན་ཞིག་ཙེ་ཆེ་ भद्र.०० (११५५)



། ཉམས་པའི་སྒྲོག་ཁད་ནེ་ཀ་ཙོ་ཏེ།

ཉམས་པར་གྱུར་ उपहत उद्रा.

ཉམས་པར་གྱུར་པ་ (१) पतित श.पं.१०५

(२) प्रतिहत प्रम.३७०.३

ཉམས་པར་འགྱུར་ (१) अवहीयते बो.च.६.९घ

(२) क्षण्यते म.व्यु.७०३०

(३) मोहेति का.प.३प.

(४) हतं भवेत् बो.च.६.७८घ

(५) हीयते (पा. क्षीयते) बो.च.६.५१ग

ཉམས་པར་འགྱུར་བ་ (१) ध्वस्यते म.व्यु. ६१२७

(२) प्रहाण का.प.१प.

ཉམས་པར་བྱ་ ग्लाप्यते, ग्लायत् श.दा.

ཉམས་པར་བྱ་བ་ विनाश उद्रा.४५.११

ཉམས་པར་བྱེད་པ་ (१) सीदति श.दा.

(२) हतक ना.आ.७.२

ཉམས་པར་མི་འགྱུར་བ་ असंप्रमोष म.व्यु.९६१

ཉམས་པོ་ हानि श.दा.

ཉམས་བྱ་ व्यापनीय बो.च.८.१५४क

ཉམས་བྱེད་ नष्ट श.दा.

ཉམས་བྱེད་པ་ नाशयति बो.च.६.६२क

ཉམས་མི་དགའ་བ་ सु.प्र.७०.२५

ཉམས་མི་འགྱུར་ (१) न खण्डयते बो.च.५.२१घ

(२) न हापये का.प.६प.

ཉམས་མི་མངའ་ अनपायिन् श.पं.३

ཉམས་མི་མྱོང་ न गृह्णाति बो.च.६.३ख

ཉམས་མེད་ अपहानि श.दा.

ཉམས་མྱོང་ अनुभव बो.च.९.८९ग

ཉམས་སྨད་ कर्शयित्वा श.पं.३०

ཉམ(ས་)སྨད་ནས་ परिकर्षित सु.प्र.१५७.१७

ཉམས་སྨད་པ་ अपवृत श.दा.

ཉམས་ཡོད་པ་ बल म.व्यु.७५८०, श.दा.

ཉམས་སུ་བབ་ संवास द.भू.३ज

ཉམས་སུ་བབ་པ་ निपात द.भू.६द

ཉམས་སུ་འབབ་པས་ उपनिपातितत्वात् द.भू.५च

ཉམས་སུ་མྱོང་ अनुभवत् ना.आ ५.२

ཉམས་སུ་མྱོང་ནས་ सं. अनुभूयमान न्या.बि. ३५.१६

ཉམས་སུ་མྱོང་བ་ (१) अनुभव न्या.बि.२६.१, १७, प्रस.३४३.९, श.दा.
(२) अनुभूत बो.च.
རྨི་ལམ་~བཞིན་ स्वप्नानुभूतवत् बो.च. २.३६क
(३) अनुभूति म.व्यु.७४८५

ཉམས་སུ་མྱོང་བ་ན་ अनुभूयमान न्या.बि.४०.१७

ཉམས་སུ་མྱོང་བར་འགྱུར་ अनुभवति श.स्तो.७७

ཉམ(ས)་སུ་མྱོང་བར་བྱས་པ་ स्वीकृति म.व्यु. ९१२६

ཉམས་སུ་མྱོང་བར་བྱོས་ अनुभूयताम् ना.आ.५.४

ཉམས་སུ་ལེན་པ་ (१) आस्थितिक्रिया म.व्यु. १७९७
(२) उपावर्त्ते द.भू.३ज

ཉའི་མཆིལ་པ་ मत्स्यबडीश का.प.१००

ཉའི་ཚེར་ झष श.दा.

ཉར་ཉེར་ (१) तेल <संख्या-नाम> म.व्यु.७७६१
(२) भेलु <संख्या-नाम> म.व्यु.७८९३, श.दा.

ཉལ་ (१) सुप्त सु.प्र.१२७.२१
(२) स्वपन्ति ल वि.७.११.१०

ཉལ་གྱུར་ཏེ་ आवसेत का.प.
སྐྱེས་བུ་དབུལ་པོ་དང་~ दरिद्रसत्त्वेन सहावसेत का.प.८०प.

ཉལ་གྱུར་པ་ शयान उद्रा.२०.१प.

ཉལ་དུས་ (१) विप्रतिपद्येत का.प.
བཙུན་མོ་དམ་པ་སྐྱེས་པ་དབུལ་པོ་དང་~ अग्रमहिषी दरिद्रपुरुषेण सार्धं विप्रतिपद्येत का.प.८०
(२) शायित्वा उद्रा.१९.३३

ཉལ་པོ་ ग्राम श.दा.

ཉལ་པོ་བྱེད་པ(ར)་ཞོམ་པ་ सभोजन म.व्यु. ८४६५-६६

ཉལ་པོ་བྱེད་པ(ར)་ཞོམ་པའི་ཁྱིམ་ན་གནས་པ་ सभोजनकुलनिषण्णा म.व्यु.८४६५

ཉལ་པོ་བྱེད་པ(ར)་ཞོམ་པའི་ཁྱིམ་ན་གནས་པ་ (འགྲོང་པ་) सभोजनकुलस्थानम् म.व्यु. ८४६६

ཉལ་བ་ लोट् ཉོལ་
(१) गत सु प्र.
མལ་ན་~ शयनतलगत सु.प्र.१६२.४
(२) निपन्न म.व्यु.८६०२
(३) प्रतिपद्येत का.प.
རྒྱལ་པོ་...བྲན་མོ་དང་~ राजा चेटिकया सह प्रतिपद्येत का.प.८१
(४) प्रपतित सु.प्र.१५९.२५
(५) विश्रान्त श.स्तो.६०
(६) °शाय उद्रा.
བག་ལ་ཉལ་ अनुशय उद्रा.१०.२१, १४.२३, ४३.८

(७) शयन श.दा.

(८) शयान द.भू.७द

(९) शयित सु.प्र.१४९.१०, १६७.५

(१०) शय्या श.दा.

(११) शायिन् का.प.९३

(१२) सुप्त उद्रा.४५.२५, म.व्यु.६९२५

(१३) स्वपिति श.दा.

(१४) स्वप्न म.व्यु.८४७८, ८४९०

(१५) स्वाप न्या.बि.४२.१५, १६

ཉལ་བའི་རྨི་ལམ་ན་.. རྒྱ་བོ་ཆེན་པོ་ལ་...ཉལ་བ་

स्वप्नपुरुषोद्योत्तरण लं.सू.१५४क

ཉལ་བར་གྱུར་པ་ संवासं गत्वा का.प.८१

ཉལ་བར་བགྱིད་ अशेरत श.पं.१२६

ཉལ་བར་བྱ་ शयित बो.च ५.९६ख

ཉལ་བར་བྱེད་ शेरते स्म बो.च.८ः५३घ

ཉལ་ཞིང་འདུག་རས་ शयित उद्रा.१५.२६

ཉལ་ཞིང་འདུག་ང་ शयित सु प्र.

ཕལ་ན་~ उपशयने शयिनः मु.प्र.१५०.३

ཉལ་ལས་སད་བ་ सुप्तबुद्ध लं.सू १८०ख

ཉལ་སྐྱོང་ प्रज्ञा (=ཤེས་རབ་), शेमुषी श.दा.

ཉི་ (१) अर्क बो.च., मु प्र.

(२) भास्कर द.भू ७अ.

(३) ཟླ་བ་སུམ་ཁྲི་ཉི་སྟོང་ द्वात्रिंशद्वर्षपुत्र-

सहस्राणि सु.प्र.१७.७

ཉི་དཀྱིལ་ अर्कमण्डल सु.प्र.१७८.१०प.

ཉི་སྐྱེས་ ब्राह्मण, शनैश्चर, सूर्यपुत्र श.दा.

ཉི་ཁྲིམ་ जामातृ, भ्रामक श.दा.

ཉི་ཁྲི་ (१)=ཉི་ཁྲི་ལྔ་སྟོང་པ་ विंशतिसाहस्रिका

(=पञ्चविंशतिसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता)

नी.पु.१.३७९, २.९४०

(२) ལོ་~ विंशतिवर्षसहस्राणि सु.प्र.

१०३.२१

ཉི་ཁྲི་ལྔ་སྟོང་ पञ्चविंशतिसाहस्रिका म.व्यु.१३२७

ཉི་ཁྲི་ལྔ་སྟོང་པ་=ཉི་ཁྲི་ पञ्चविंशतिसाहस्रिका

प्र.पा.८

ཉི་ཁྲི་མདོ་འགྲེལ་ पञ्चविंशतिसाहस्रिकाप्रज्ञापार-

मिता नी.पु.१.२३३ (कं.तं.३७९०)

ཉི་ཁྲི་སྣང་བ་ विंशति-आलोका (=आर्यपञ्च-

विंशतिमाहस्रिकाप्रज्ञापारमिनोपदेशशास्त्राभि-

ममयालंकारवृत्ति) नी.पु.१.२०९, २४९(कं.तं.

३७८७

ཉི་ཁྲི་གཞུང་འགྲེལ་ आर्यपञ्चविंशतिसाहस्रिका-

प्रज्ञापारमितोपदेशशास्त्राभिसमयालंकार-

कारिकावार्तिक नी.पु.२.१०५४(कं.तं.३७८८)

ཉི་གུང་ माध्यन्तिक तु.५०९

ཉི་སྒྲོལ་བྱེད་ भानुतार नी पु.२.८१६

ཉི་ཕྱུ་བ་=ཉི་ཤུ་པ་

གྲོ་བཞིན་སྐྱེས་བུ་བ་~ श्रोणकोटीविंशः

(°वीष) म.व्यु.१०५५

ཉི་སྦྲས་ शबलो नागराजा म.व्यु.३२८६

ཉི་སྙིང་ सूर्यगर्भ भद्र.२१

ཉི་ལྟར་སྣང་བྱེད་ सूर्यवैरोचन वि.पं.१३ग


ཉི་ལྟར་སྣང་བྱེད།

ཉི་སྐྱོན་ ककुभ श.दा.

ཉི་གདུགས་ (१) = གདུགས་ छत्र श.दा.

(२) दिवाकर उद्रा.३२.७

ཉི་གདུགས་ཐོགས་པ་ छत्रधर श.दा.

ཉི་གདུགས་འདལ་བར་གྱུར་པ་ दिवाकरेणोदयता उद्रा.३२ ७

ཉི་མ་ (१) अरुण श.दा.

(२) अर्क अ.अ.१.१६(=आदित्य ह.म.), च.श.२२, ल.स्तो.५१, ८०

(३) अहन् बो.च., म.व्यु.८२४८(°अह्न)

(४) आतप म.व्यु.१८७४, ६४४५

(५) आदित्य बु.च.१३, म.व्यु.३१७७, लं.सू.७१ख, श.दा.

(६) तिग्मांशु ल.स्तो.५४

(७) दिनकर म.व्यु.६११०, ल.वि.७.१३: २५

(८) दिवस उद्रा.१३.२०, १४.१, ३७.२३..., ना.आ.५.१३, बो.च.४.१६क, ल.स्तो.५४

(९) दिवाकर सु.प्र.३७.१३, १४, १६०.८

(१०) द्युमत् श.दा.

(११) भानु श.पं.४५

(१२) भास्कर लं.सू.७१क, सु.प्र.२६.८, ३७.११

(१३) भास्वत् ल.स्तो.७३

(१४) रवि बो.च., श.पं.३७

(१५) = འཇིག་རྟེན་མིག་ लोकचक्षुस् श.दा.

(१६) सूर्य का.प., भद्र.६८६, म.व्यु.७६, २२७. ४५२, ६७१, ६६०, ३३२३, ४३६२, ६२६८, ८२४५, लं.सू.७२ख, ल.वि.१५.६.४, ७.१, श.दा., सु.प्र.१२.२३, २०.५, २८.१७, २०, २६...

དབང་པོ་~ सूर्येन्द्र सु.प्र १३०.१५

སོ་ཚའི་རྡོ་རྗེ་~ वि.पं.१६ग

(१७) सं. ०० व्या.वि.२११.१५

द्र. འཇིག་རྟེན་དབང་པོ་, ཉིན་མོ་, གཉི་བཞེས་, གདུགས་, ཞག་, གཟའ་བདག་

ཉི་མ་འཁྲིགས་པ་ सूर्यपरिवेश श.दा.

ཉི་མ་གུང་བ་ मध्याह्निक <ऋषि-नाम> नी.पु.१.२३

ཉི་མ་དགའ་ सूर्यनन्दन श.दा.

ཉི་མ་དགྱེས་(པ་) सूर्यप्रिय भद्र.६११

ཉི་མ་མགོ་ सूर्यप्रभ म.व्यु.३३२३

ཉི་མ་རྒྱལ་མཚན་ सूर्यकेतु नी.पु.२.७५६

ཉི་མ་...སྒྲ་གཅན་གྱིས་ཟིན་པ་བཞིན་དུ་ राहुग्रस्त इव दिवाकरः सु.प्र.१६०.८

ཉི་མ་བརྒྱའི་འོད་ཟེར་སྣང་བའི་སྙིང་པོ་ [शतरश्मि-भासगर्भ] सु.प्र.६२.८

ཉི་མ་ཆེན་པོ་ महारवि बो.च.३.३२ख

ཉི་མ་འཆར་བ་ सूर्योदय म.व्यु.८२४५

ཉི་མ་ལྟ་བུ་ (१) तप लं.सू.६३ख
(२) सूर्यप्रतिरूपक सु.प्र.७०.१६

ཉི་མ་ལྟ་བུར་གཤེགས་པ་ भानुमत् भद्र.८०७

ཉི་མ་ལྟར་གཤེགས་ भानुमत् भद्र.८०७

ཉི་མ་འདྲ་བ་ प्रतिसूर्य सु.प्र १०८.८

ཉི་མ་ལྡན་ भानुमत् भद्र.८०७

ཉི་མ་ནུབ་ཀྱི་བར་དུ་སྡོད་པ་ अस्तमितावबाद म.व्यु.८४४३

ཉི་མ་དཔལ་ सूर्यश्री नी.पु.२.७६४

ཉི་མ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་ = འགྲུབ་ཐོབ་ཉི་མ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་ नी.पु.२.८००

ཉི་མ་ཕྱི་དྲོ་ पराह्ण श.दा.

ཉི་མ་ཕྱེད་ मध्याह्न बो.च.७.६७ख

ཉི་མ་ཕྱེད་དུས་གདུངས་པ་ मध्याह्नसंतप्त बो.च.७.६७ख

ཉི་མ་ཕྱེད་ལྷག་ अभ्यर्धसूर्य श.दा.

ཉི་མ་སྦས་ (१) रविगुप्त न्या.इ.३२२
(२) सूर्यगुप्त श.दा.

ཉི་མ་སྦས་པ་ रविगुप्त नी.पु.१.३४६, २.८६६, १०५०, १०५१

ཉི་མ་མང་པོ་དྲ་ भास्करजाल सु.प्र.३७.११

ཉི་མ་ཟླ་བ་ सोमभास्कर लं.सू.१७६क

ཉི་མ་བཟང་པོ་ सुदिन श.दा.

ཉི་མ་རེ་རེ་ཞིང་ (१) दिने दिने उद्रा.३३.३३
(२) प्रतिदिनम् उद्रा.४५.१०

ཉི་མ་ཤར་བ་ (१) उदयभास्कर लं.सू.६५ख
(२) सूर्योदय श.दा.
(३) सौर्योदयिका म.व्यु.७६६३

ཉི་མ་སོ་སོར་ प्रतिदिवस त्र.स्तो.५५

ཉི་མའི་དཀྱིལ་འཁོར་ सूर्यमण्डल का.प.३५, सु.प्र.१६.२

ཉི་མའི་ཁྱིམ་(འཁྱིམས་)པ་ सूर्यपरिवेश म.व्यु.४३६२

ཉི་མའི་འཁོར་ལོ་འི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ (श्री) सूर्यचक्रतन्त्रराज कं.तं.३६७

ཉི་མའི་གུང་ मध्याह्न न्या.बि.८.१६, म.व्यु.८२४८, श.दा.

ཉི་མའི་རྒྱུད་ आंगिरस म.व्यु.७७, ग.दा.

ཉི་མའི་གཉེན་ (१) आदित्यबन्धु श.दा.

(२) सूर्यमित्र तु.५७७

(३) सूर्यवंश नी.पु.१.८

ཉི་མའི་སྙིང་པོ་ सूर्यगर्भ नी.पु.८.७३० < सिद्ध-नाम>, भद्र.२१, म.व्यु.६७१, ७०८, १३५३ (~वैपुल्यसूत्रम्)

ཉི་མའི་མདོ་ सूर्यसूत्र कं.तं.४१

ཉི་མའི་དཔལ་ सूर्यश्री श.दा.

ཉི་མའི་བུ་ (१) वैवस्वती म.व्यु.४३३६

(२) सूर्यपुत्र श.दा.

ཉི་མའི་ཞལ་ सूर्यानन भद्र.८५९

ཉི་མའི་གཟའ་ सूर्यग्रह सु.प्र.७०.१७

ཉི་མའི་འོད་ सूर्यप्रभ भद्र.१२१, १६४, ४४३, ४८४, म.व्यु.६९०, ७४२, ३३२३

ཉི་མའི་འོད་ཀྱི་གཟི་བརྗིད་ सूर्यप्रभतेजस् म.व्यु.७४२ (ཉི་འོད་བརྗིད་), ग.दा.

ཉི་མའི་འོད་བྱེད་པ་(སྒྲོན་མ་)ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ सूर्यप्रदीपो नाम समाधिः म.व्यु.५५२

ཉི་མའི་འོད་ཟེར་ सूर्यरश्मि भद्र.५३९

ཉི་མའི་འོད་ཟེར་མང་པོ་རྣམས་ཀྱིས་ भास्कर-रश्मिजालैः सु.प्र.२९ ८

ཉི་མའི་རིགས་ सूर्यवंश म.व्यु.७६

ཉི་མའི་རུས་ सूर्यवंश श.दा.

ཉི་མའི་ལུས་ सूर्यांग श.दा.

ཉི་མའི་ཤིང་རྟ་ (ऋषि) सूर्यरथ नी.पु.२.१०४५

ཉི་མའི་ཀླ་མོ་ सूर्याणी ग.दा.

ཉི་མས་སྦས་པ་ रविगुप्त <पूर्वोपाध्याय-नाम> म.व्यु.३५१०

ཉི་ཚེ་ (१) किंच (किंचन ?) मु.प्र

རུས་པ་~ལུས་ (अङ्गं) किंचास्थिशेषम् मु.प्र.१७२.६

(२) प्रवेश ग.दा.

(३) सं. १०

སྒྲོན་མེད་~ཞིག་ अकल्मष (?) ग.प.२४

ཕྱུང་བཟེད་ལ་སོགས་~དང་། ཀུན་ལ་མི་མགོ་དི་གོས་འཆང་ཞིང་། सं मृतपात्रमात्र-विभवश्चौरासंभोग्यचीवरः बो.च.८.२८क

ཉི་ཚེ་བ་ (१) केवल न्या.बि.(°བ་)३७.२,६७.१२, १४

(२) प्रवेशि श.पं.३३

(३) प्रावेशिकत्व (=प्रादेशिककारित्व ह्.भ.) अ.अ.५.११

ཉི་ཚེ་(བ་)སྤྱོད་པ་ प्रवेशकारिन् म.व्यु.१६१०

ཉི་རེ་བའི་ཐེག་པ་ .का.".४

ཉི་ཚེ་བའི་སྤྱི་ अवान्तरसामान्य म.व्यु.४६२८

ཉི་ཚེ་བའི་སེམས་ प्रावेशिकचित्तता द.भू. २म

ཉི་ཚེ་བའི་སེམས་ཅན་དམྱལ་བ་ प्रत्येकनरक म.व्यु.४९४४

ཉི་ཚེའི་སེམས་ཅན་དམྱལ་བ་ **प्रत्येकनरक** म.व्यु. ४९४४

ཉི་ཚོད་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ **वेलाचक्र** म.व्यु.९१५७, श.दा.

ཉི་ཞོན་ **अरुण** स्र.स्तो.८४

ཉི་ཟེར་ **अर्कांशु** बो.च.८.५७क

ཉི་ཟེར་གྱི་རྡུལ་ **वातायनच्छिद्ररजः** म.व्यु.८१९७, श.दा.

ཉི་ཟླ་ (१) **चन्द्रसूर्यौ** मु.प्र.११३.१३प.
(२) **चन्द्रार्क** भद्र.१२१, २५४, स्र.स्तो.५३
(३) **सूर्यशशी** भ.च.२१घ

ཉི་ཟླ་སྒྲུབ་པ་ **श्रीकालचक्रोपदेशसूर्यचन्द्रसाधन** नी.पृ.२.५३३ (कं.तं.१३६९)

ཉི་ཟླ་སྐྲོན་པའི་ཚོགས་ कं.तं.२८०२

ཉི་ཟླ་བཅིང་བའི་ཐབས་ **सोमसूर्यबन्धनोपाय** कं.तं.२३९७

ཉི་ཟླ་ཟླུས་དྲལ་
དཀར་མོ་ ֶ चि.पं.१३९ख

ཉི་ཟླ་དང་སྐར་མ་མེད་པའི་ཚིག་ **असोमभास्करनक्षत्रपद** लं.मू ७५क

ཉི་ཟླ་དང་སྐར་མའི་ཚིག་ **सोमभास्करनक्षत्रपद** लं.मू.७५क

ཉི་ཟླ་འབར་ **चन्द्रार्कप्रभावती** नी.पु.२.८४७

ཉི་ཟླ་འཛིན་པའི་རྩིས་ कं.तं.१३८५

ཉི་ཟླའི་འོད་ **चन्द्रार्कप्रभ** भद्र.१२०

ཉི་འོག་ **अपरान्त** श.दा.

ཉི་འོག་གི་གོས་ **अपरान्तक** म.व्यु.९१७९, श.दा.

ཉི་འོག་གི་རྒྱལ་ཁམས་ **अपरान्तक** श.दा.

ཉི་འོད་ (१) **सूर्यप्रभ** भद्र.१२१, १६४, ४८४
(२) **सूर्यप्रभा** श.दा.
(३) **सूर्यरश्मि** भद्र.५३९
(४) **सूर्यांशु** श.दा.

ཉི་འོད་བརྗིད་ **सूर्यप्रभतेजस्** म.व्यु.७४२

ཉི་ཤུ་ (१) **विंश** म.व्यु.८४९८
(२) **विंशतिः** उद्रा.८.३३, ९.९, १४.२५, म.व्यु.४६८४, ८०८८, ९३७५(सं.००), श.दा., सु.प्र.१४६.१९

ཉི་ཤུ་པ་ (१) **विंश** (पा. वीष) म.व्यु.१०५५
(२) **विंशतितम** सु.प्र.१७८.२३
(३) **विंशिका** प्र.पा.९६

ཉི་ཤུ་པའི་འགྲེལ་པ་ **विंशकवृत्ति** कं.तं.४०५७ (पा. विंशिक°)

ཉི་ཤུ་པའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ **विंशककारिका** कं.तं.४०५६ (पा. विंशिक°)

ཉི་ཤུ་རྩ་བརྒྱད་ **अष्टाविंशतिः** म.व्यु.३१८६, ८०९६, मु.प्र.६३.२७, ६८.२०, १००.२...

ཉི་ཤུ་རྩ་བརྒྱད་པོ་ **अष्टाविंशतिः** मु.प्र.१००.११

ཉི་ཤུ་རྩ་ལྔ་ **पञ्चविंशतिः** म.व्यु.८०९३

ཉི་ཤུ་རྩ་གཅིག་ **एकविंशतिः** म.व्यु.८०८९

ཉི་ཤུ་རྩ་གཉིས་ **द्वाविंशतिः** म.व्यु.२०५९

ཉི་ཤུ་རྩ་དྲུག་ षड्विंशतिः म.व्यु.८०९४

ཉི་ཤུ་རྩ་དྲུག་པ་ षड्विंश ल.वि.१६

ཉི་ཤུ་རྩ་བདུན་ सप्तविंशतिः म.व्यु.८०९५

ཉི་ཤུ་རྩ་བཞི་ चतुर्विंशतिः म.व्यु.८०९२

～ར་བསྐུར་བ་ चतुर्विंशतिगुणाः म.व्यु. ८२०२

ཉི་ཤུ་རྩ་གསུམ་ त्रयोविंशतिः म.व्यु.८०९०, ८०९१

ཉི་ཤུ་ཞིག་ विंशतिः सु.प्र.१४६.१२, १४,१६

ཉིང་ཁུ་ (१) कारोत्तर श.दा.

(२) मण्ड म.व्यु.५६८३, श.दा., श.पं.११२

(३) མར་གྱི་～ नवनीत बो.च.३.३२घ

ཉིང་མཚམས་སྦྱོར་བ་ (१) प्रतिसंदधाति म.व्यु. २१७१

(२) प्रतिसन्धि उद्रा.३१.१, म.व्यु.२१६४, ल.वि.१५.१७.२४

(३) प्रतिसंदधाति म.व्यु.२१७१

(४) प्रतिसिध्यति श.दा.

ཉིང་མཚམས་སྦྱོར་ཞིང་སྦྲེལ་བ་ प्रतिसन्धिबन्ध म.व्यु.७६९५

ཉང་འོག་གི་གོས་ अपरान्तक म.व्यु.९१७९

ཉིང་ལག་ प्रत्यंग उद्रा.१.२९, द.भू.३ज, ५ल, म.व्यु.२९९, ३९२९, ४०३७, ५१९९, श.दा.

द्र. ཡན་ལག་ अंग

ཉིད་ (१) आत्मन् बो.च.२.७घ

བདག་གི་དོན་སྐད་ཉིད་ཀྱི་མཐུས་བཞེས་ཤིག་... ममार्थाय...गृह्णन्तु (गाथा)

इवमात्मलक्ष्या बो.च.२.७घ

(२) एव उद्रा , का.आ.१.३, का.प.६, च.श., ना.आ.३.५, न्या.बि.२.७, ४.६, ७, १८, ६.६, १२..., न्या.प्र.१, ६, ८, १०, ३९, ५७, प्र.द २ बु.च.३..., बो.क.४, बो.च.१.६क, ७ख, ८घ..., भ.गी.५, म.व्यु.५४०६, ६३७२, ८२३५, ल.वि.१६.२.२४, श.दा., सु.प्र.१७४.२०, स.स्तो.५४, ५६, ५७

དེ་ཉིད་ཀྱིས་ तेनैव बो.च.९.११४ख

དེ་ཉིད་དུ་ तत्रैव सु.प्र.१३५.७

འདི་ཉིད་ལ་ इहैव बो.च.२.३७क

(३) सं. एवम् बो.च.६.३७ख

(४) खलु उद्रा.४५.४

(५) तत्त्व श.दा., सु.प्र.

ཐམས་ཅད་མཁྱེན་པ་ཉིད་ सर्वज्ञतत्त्व सु.प्र. ४.१४

(६) तद् श.दा.

(७) °ता उद्रा., का.प., बो च., स.स्तो.६९

མཁྱེན་པ་ཉིད་ सर्वज्ञता का.प.४१

དགེ་སློང་ཉིད་ भिक्षुता बो.च.९.४४क

ང་རྒྱལ་ཉིད་ मानिता बो.च.७ ४९घ

ཆོས་ཉིད་ धर्मता उद्रा.

སྟོང་པ་ཉིད་ शून्यता बो.च.९.५३क

བདེན་ཉིད་ सत्यता बो.च.९.१४४ख

ཕྲ་ཉིད་ सूक्ष्मता बो.च.९.९०घ

ཚད་མ་ཉིད་མིན་ अप्रमाणता बो.च.९.१३७ग

ཡོད་ཉིད་ अस्तिता बो.च.९.६७ख

ལེགས་པར་གསུངས་པ་ཉིད་ स्वाख्याततता उद्रा.१८.११

ཤེས་ཉིད་ ज्ञानता बो.च.९.६६ग

སངས་རྒྱས་ཉིད་ बुद्धता बो.च.८.८३ख

(८) °त्व उद्रा., बो.च., म.व्यु.१८४२-४५

བཀོལ་བར་བྱ་བ་ཉིད་ कर्मोपकरणत्व बो.च.५.६६घ

སྐྱེས་བུ་ཉིད་ पुरुषत्व बो च.१०.३०ख

དགྲ་བཅོམ་པ་ཉིད་ अर्हत्त्व उद्रा.१०.२६...

རྒྱུ་ཉིད་ हेतुत्व न्या.बि.

གཅིག་ཉིད་ एकत्व बो.च.९.९३ग

དེ་ཉིད་ཁོ་ན་ तत्त्व सु.प्र.१७.५

དེང་སང་ཉིད་དུ་ अद्यत्वे उद्रा.३५.२१

མི་རྟག་ཉིད་ अनित्यत्व बो.च.९.१३३घ

མེད་པ་ཉིད་ असत्त्व बो.च.१०.११३घ

གཞན་ཉིད་ परत्व बो.च.८.१४०ख

ཡོད་ཉིད་ अस्तित्व बो.च.९.१२९ख

རང་བཞིན་གསུམ་ཉིད་ त्रिस्वभावत्व बो.च.९.१२८क

སངས་རྒྱས་ཉིད་ बुद्धत्व बो.च.८.१३१ग

(९) सं. स्वयमेव बो.च.१.२०ख

དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཉིད་ཀྱིས་གསུངས་ उक्तवान्...स्वयमेव तथागतः बो.च.१.२०ख

(१०) हि प्र.द.१४, बो.क.२२, बो.च.९.९१ग (हि?)

(११) ཆེ་བ་ཉིད་ माहात्म्य सु.प्र.१६.९

མི་ཉིད་ मानुष्य बो.च.४.२०घ

སེམས་མེད་ཉིད་ अचैतन्य (पा. आचैतन्य) बो.च.९.६८ख

(१२) सं. ००

དེ་ཉིད་དུ་ स्वभावतः बो.च.९.१५२ग

བདག་ཉིད་ (क) अहम् बो.च.४.२६ग

(ख) स्वयम् उद्रा.६.१५

བདག་ཉིད་ཀྱིས་ मया बो.च.४.३ग

द्र. ཐོག་མ་ཉིད་དུ་, བདག་ཉིད་, དེ་ཉིད་

ཉིད་ཀྱི་སྐུ་ आत्मभाव लं.सू.६३क

ཉིད་ཀྱི་ཆོས་ स्वधर्म अ.अ.४.२०

ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ °त्वात् न्या.बि.(भा.)७९

ཉིད་ཀྱི་ཤ་ स्वमांसानि श.पं.१२

ཉིད་ཀྱིས་ °त्वेन न्या.बि.(भा.) १५८

ཉིད་ཁོ་ན་ एव बो.च.

དེ་~ एतदेव बो.च.५.१०८ग

ཉིད་དུ་ (१) एव का.आ.१.११, ना.आ.७.१६, न्या.प्र.(४), ६. न्या.बि.(भा.) ४४, १४१, बु.च.२२, २३, बो.च.६.३८घ(दे.)

(२) सं. एवम् बो.च.

བྱས་པ་ཉིད་དུ་བསྒོམ་པར་བྱ་ भावयित्वैव-मादरात् बो.च.७.४६ख

རུས་གོང་ཉིད་དུ་མཐོང་ནས་ནི་ कंकाला-वेवमीक्षितात् बो.च.८.४७क

(३) हि (?) बो.च.६.२८घ

ཉིད་མཚམས་སྦྱོར་བ་ (१) प्रतिसंबधाति (प्रति-संबधति) म.व्यु.२१७१

(२) प्रतिसन्धि म.व्यु.२१६४, २१७१

ཉིད་ལ་མ་གཟིགས་པར་ आत्मनिरपेक्ष श.पं.२०

ཉིན་ (१) अहन् बो.क.३

(२) दिव द.भ.१वब, बो.च.

(३) दिवस द.भू.८क, बो.च.१.३२ग, सु.प्र.३६.२

द्र. ཉིན་མོ་

ཉིན་གྱུར་ཚེ་ཡང་ दिवसगतोऽपि सु.प्र.३६.२

ཉིན་གཅིག་པ་ एकाहिक म.व्यु.६५३१

ཉིན་གཉིས་པ་ द्वैतीयक म.व्यु.६५३२

ཉིན་མཐར་བྱེད་ दिनान्तक श.दा.

ཉིན་དང་མཚན་མོ་ (१) दिवारात्री सु.प्र.५.२७

(२) रात्रिदिवम् बो.च.५.६८क

ཉིན་པར་ दिवा न्या.बि.६७.४

ཉིན་ཕྱེད་ स. दिवस त्र.स्तो.६५

ཉིན་ཕྱེད་འགྲངས་(དེ འདངས་) པར་བྱེད་པ་ दिवसावंयापन बो.च.२.३२ग

ཉིན་བྱེད་ (१) कुंकुम श.दा.

(२) दिनकर म.व्यु.६६६०

(३) दिवाकर श.दा.

ཉིན་བྲལ་ व्यहन् श.दा.

ཉིན་མོ་ (१) अहन् श.दा.

(२) दिन श.दा.

(३) दिवस उद्रा.४८.४, म.व्यु.८२४६

དེའི་ཉིན་མོ་ तस्मिन् दिवसे उद्रा.४५.२७

(४) दिवा उद्रा.४५.१८

(५) महारोहा श.दा.

(६) °वार श.दा.

(७) वासर बो.क.२

द्र. ཉི་མ་, ཞག་, གདུགས་

ཉིན་མོའི་སྔོ་ प्रत्यूष श.दा.

ཉིན་མོ་འི་སྔོང་ दिनान्त श.दा.

ཉིན་མོའི་མཐའ་ मध्याह्न श.दा.

ཉིན་མོ་འི་བདག་ अहःपति, दिनपति, सूर्य श.दा.

ཉིན་མོ་འི་ནོར་བུ་ दिनमणि श.दा.

ཉིན་མཚན་ (१) अहोरात्र श.दा.

(२) रात्रिदिवम् बो.च.२.३६क

ཉིན་མཚན་མཉམ་པ་ विषुव श.दा.

ཉིན་མཚན་དུ་ अहोरात्रौ सु.प्र.५६.११

ཉིན་ཞག་ (१) अहोरात्र म.व्यु.८२५१, श.दा.

(२) प्रतिदिवा श.दा.

ཉིན་ཞག་གི(ས)་ཚུང་བ་ अहोरात्रकल्प म.व्यु. ९१२१

ཉིན་ཞི་མཚན་ཁྲི་

སྒྲོལ་མ་~ चि.पं.४५क

ཉིན་བཞི་པ་ चातुर्थक म.व्यु.९५३४

ཉིན་རངས་ལས་ विनागतव्यापार बो.च.८.७३ख

ཉིན་རེ་ཉིན་རེ་ཞིང་ दिने दिने उद्रा.११.२५, १३.९

ཉིན་གསུམ་པ་ त्रैतीयक म.व्यु.९५३३

ཉིས་ द्वा° का.प.

སྲོག་ཆགས་སུམ་ཁྲི་ཉིས་སྟོང་ནི་ द्वात्रिंश- तीनां च प्राणसहस्राणाम् का.प.१३८

द्र. གཉིས་

ཉུག་ परामृशति द.भू.३म

ཉུག་པ་ (१) निर्मथ ल.मू.१४०क

(२) परामृशति म.व्यु.९३६९

ཉུག་རུས་པ་ (१) अन्तःपुर म.व्यु.३८२१

(२) कञ्चुकिन् (कञ्चुलि) म.व्यु.३८२०

(२) महल्ल म.व्यु.३८२२

ཉུང་ अल्प का.प.१२३

ཐོས་ཉུང་ अल्पश्रुत का.प.४३प.

དོན་ཉུང་ཞིང་བྱ་བ་ཉུང་བ་ अल्पार्थोऽल्पकृत्यः का.प.१३

འདོད་པ་ཉུང་ལ་ अल्पेच्छः का.प.१२४

བྱེད་ཉུང་ अल्पकृत्य का.प.१३प.

ཉུང་ང་=ཟུང་ང་ नागबन्तक म.व्यु.९०४६

ཉུང་དུ་ (१) अल्प उद्रा., श.दा.

དོན་~དག་ अल्पार्थं उद्रा.४४.२२

(२) स्वल्प श.दा.

ཉུང་དུ་སྨྲ་བ་ཡིན་ मन्दभाष्यो भवति म.व्यु. २३७८

ཉུང་བ་ (१) अल्प प्र.द.४, म.व्यु.२३६८-६९, २४५८, ६२८४-८५, श.दा., सु.प्र.१४२.११

ཐོས་པ་~ अल्पश्रुत का.प.४३, ५०

ཤིན་ཏུ་མི་~ अनल्पक का.प.१९प.

(२) कनिष्ठ श.दा.

(३) बभ्र म.व्यु.२७०६-७

(४) मन्द म.व्यु.६७७१

द्र. ཆུང་བ་

ཉུང་བ་བསྐྱུར་=བསྐྱུངས་ संलोप श.दा.

ཉུང་མའི་ལོ་མ་ गुग्गुल श.दा.

ཉུང་ཙམ་=བག་ཙམ་, ཆ་ཙམ་ लेश श.दा.

ཉུང་ཞིག་ किञ्चिन्मात्रम् सु.प्र.१६७.१२

ཉུང་ཞིང་ अल्प सु.प्र.१४३.६

ཉུང་ཟད་ कतिपय बो.च.१.३२क

ཉུང་ཙམ་ काञ्चुकीय ल.वि.१५.५.१०, ६.२, ७.१

ཉུང་ཤས་ཤིག་ कतिपय प्रव.

ཡི་གེ་~ कतिपयानि अक्षराणि प्रव.(न.) १४.९

ཉེ་ (१) अन्तिक द.भू.३म

(२) आसन्न अ.अ.४.१०

(३) उप° बो.च:

ཉེ་ཉོན་མོངས་ उपक्लेश बो.च.५.४४ग

(४) संनिधान बो.च.

གལ་ཏེ་སྨྲ་མི་ཉེ་ཕྱིར་ན་ शब्दस्यासंनिधाना-द्भवेत् बो.च.९.६२ग

ཉེ་སྐོར་=ཕྲོག་སྐོར་ समन्तक श.दा.

ཉེ་མཐོན་ पक्ष सु.प्र.११२.१८

~བྱ་བར་མི་བྱའོ་ मा पक्षपतितो भवेत् सु.प्र.११२ १८

ཉེ་འཁོར་ (१) अंगण म.व्यु.६७९५

(२, ३) उपवर्तन, उपवर्तिक श.दा:

(४) उपविचार म.व्यु.५५०५, श.दा.

(५, ६) उपालि, निकट श.दा.

(७) पारिसमन्त म.व्यु.६४९३

(८) समन्त श.दा.

(९) समीप सं.नि.

བདག་གི་ཉེ་འཁོར་ན་ मत्समीपे सं.नि.४.१

(१०) सामन्त उद्रा.३७.३०, ३८.१६, ३९ १६

ཉེ་འཁོར་གྱི་མཁར་གྱི་གྲོལ་པོ་ प्रातिसीम उद्रा. ३.१९, २५

ཉེ་འཁོར་དུ་གདགས་ म.व्यु.६७९५

ཉེ་འཁོར་བའི་དམྱལ་ प्रत्येकनरक श.दा.९८३ख

ཉེ་དགའ་ उपनन्द श.दा., सु.प्र. <यक्ष-नाम> १२७.६ (पा. उपनन्दक)

ཀླུ་རྒྱལ་~ नागराज उपनन्द चि.त्रि.२९१

ཉེ་དགའ་བོ་ उपनन्द म.व्यु.९४७२

ཉེ་འགྲོ་ उपयाति म.व्यु.६७५४

ཉེ་རྒྱལ་ उपतिष्य म.व्यु.१०४७

ཉེ་བསྒྱུར་ उपसर्ग श दा.

ཉེ་རྐྱེས་ अन्तिक, समय श.दा.

ཉེ་ཉོན་མོངས་ उपक्लेश बो.च.५.४४ग

ཉེ་དུ་ (१) कुटुम्ब श.दा.

(२) ज्ञाति उद्रा.२१.२०, २३.९, २५.१०, म.व्यु.३९१२, ६४३७, श.दा.

(३) ज्ञातृ उद्रा.११.२२

(४) बन्धु बो.च.७.९ग

(५) बान्धव उद्रा.२७.१०

ཉེ་དུའི་ནང་ན་འདུག་ཀྱང་རུང་ ज्ञातिमध्यगतो वा म.व्यु.६४३७, श.दा.(°गनकल्प)

ཉེ་འདབ་ स्वजन श.दा.

ཉེ་སྡེ་ उपसेन म.व्यु.१०५३

ཉེ་ནག་ उपकालो नागराजा म.व्यु.३२५२

ཉེ་གནས་ (१) अन्तेवासिन् म.व्यु.८७३६

(२, ३) उपस्थ, उपस्थानीय श.दा.

ཉེ་ཕན་ पुरोहित (ཉེ་=पुर:, ཕན་=हित) सु.प्र. १६४.४

ཉེ་བ་ (१) अन्तिक-भू श.दा.

(२) आसन्न ना.आ.६.२

(३) निकट न्या.बि.३२.१०, १५६.४, १५७.१८

(४) प्रत्यासन्न न्या.बि.१२६.१७

(५) संनिकट-भू श.दा.

(६) संनिकृष्ट म.व्यु.४५७५ ५१०१

(७) संनिधान न्या बि.३०.२, ५, ६, १६, ३१.१६, ३२.८, ११, बो.च.६.१४८क

(८) संनिधि न्या.बि.१९ ८

(९) संनिहित न्या.बि.१९ १६, ३०.८, ५२.११...

(१०) समीपवर्तिन् न्या.बि.१५६.१३

(११) सामीप्य लं.सू.१३५क

(१२) དགྲ་ཟླ་འདབ་ཉེ་བའི་རྒྱལ་པོ་ साम-न्तक: प्रतिशत्रुराज: सु.प्र.५४.३, ४...

ཉེ་བ་ཉིད་ आसन्नता अ.अ.३.२

ཉེ་བ་མ་ཡིན་པ་ (१) असंनिहित न्या.बि.१९.१३, २८.८, ३० ९

(२) असंनिहितत्व न्या.बि.१९.१२

ཉེ་བ་ལས་ समीपे न्या.बि.३०.१२

ཉེ་བའི་ཀ་བ་ उपस्थूणो (ग्राम:) म.व्यु.४११७

ཉེ་བའི་ཀུ་ཤ་ उपकुश <चक्रवर्ती राजा> म.व्यु. ३५६७

ཉེ་བའི་ཉོན་མོངས་པ་ उपक्लेश का.प., द.भू.३ग, म.व्यु.२१३८, सं.नि.८.१८, ८.३४.२, ८.३७.१

ཉེ་བའི་ཉོན་མོངས་པ་དང་བཅས་ सोपक्लेश का.प. ९३

ཉེ་བའི་ཉོན་མོངས་པ་མེད་པ་ निरुपक्लेश का.प. ९३

ཉེ་བའི་རྣ་རྒྱན་ उपकर्णिक श.दा.

ཉེ་བའི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ उपपारमिता सं.नि. ६.२७

ཉེ་བའི་དབྱངས་ उपगीत श.दा.

ཉེ་བའི་མ་མ་ उपमाता, धात्री श.दा.

ཉེ་བའི་ཙེ་ལྔ་ उपवेला तु.४६५

ཉེ་བའི་ཚུར་སྡོར་ उपच्छन्दन श.दा.

ཉེ་བའི་ཚལ་=སྐྱེད་ཚལ་, ཉེ་ཚལ་ उपवन श.दा.

ཉེ་བའི་ཡན་ལག་ उपांग द.भू.१गग

ཉེ་བའི་རི་མོ་ཅན་=ཕྲར་ནུ་ उपचित्रक श.दा.

ཉེ་བའི་ས་ उपत्यका श.दा.

ཉེ་བའི་སར་གྱུར་=བསྙེན་ आसन्नीभूत श.दा.

ཉེ་བའི་སྲས་ उपपुत्र श.दा.१२८८क

ཉེ་བའི་སྲས་ཆེན་བརྒྱད་ अष्ट-महाउपपुत्र श.दा.

(१) འཇམ་དཔལ་དབྱངས་གཞོན་ནུར་གྱུར་པ་ मञ्जुश्रीकुमारभूत, (२) ཕྱག་ན་རྡོ་རྗེ་ वज्रपाणि, (३) སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་ཕྱུག་ अवलोकितेश्वर, (४) ས་ཡི་སྙིང་པོ་ क्षितिगर्भ, (५) སྒྲིབ་པ་རྣམ་སེལ་ सर्वनिवरणविष्कम्भिन्, (६) ནམ་མཁའི་སྙིང་པོ་ आकाशगर्भ, (७) བྱམས་པ་ मैत्रेय, (८) ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ समन्तभद्र श.दा.

ཉེ་བར་ (१) उप° उद्रा., बो.च., सु.प्र.
(२) प्रत्युप° बो.च.

ཉེ་བར་བཀོད་ (१) उपन्यस्त प्रस.३४१.५
(२) उपन्यास श.दा.

ཉེ་བར་སྐྱེ་བར་འགྱུར་ उपजायते बो.च.७.३घ (दे.)

ཉེ་བར་མཁོ་བ (१) उपयुक्त ना.आ.७.१३
(२) सं. ०० म.व्यु.५६२९

ཉེ་བར་མཁོ་བ་མ་ཡིན་ निरुपयोग न्या.बि.२०४.१४

ཉེ་བར་འཁོར་ उपालि म.व्यु.१०६२

ཉེ་བར་འཁྱུད་ उपासिक श.दा.

ཉེ་བར་གུས་ उपनिषत् श.दा.

ཉེ་བར་གྱུར་ (१) आसन्नीभूत म.व्यु.५१०९
(२) བདག་ནི་སངས་རྒྱས་དང་ཉེ་བར་གྱུར་ཏོ་ अवतीर्णोऽस्मि बुद्धभूमिसमीपम् द.भू.१क्ष

ཉེ་བར་གྱུར་ཏོ་ आसन्न द.भू.१क्ष

ཉེ་བར་གྱུར་པ་ संनिहित न्या.बि.५२.१०

ཉེ་བར་དགོངས་ उपन्यास श.दा.

ཉེ་བར་འགོད་ང་ उपन्यास का.प.
དཔེ་ ~བཤད་པ་ उपमोपन्यासनिर्देश का.प. ८६

ཉེ་བར་འགྲོ་ उपयाति म.व्यु.६७५४

ཉེ་བར་...འགྲོ་ उपैति म.व्यु.५०८८

ཉེ་བར་འགྲོ་བ་ (१) उपग म.व्यु.१८५, ६३८५-८६
(२) उपसंक्रमितुम् उद्रा.१४.१२, १४...
(३) उपसर्पति म.व्यु ५१०४

ཉེ་བར་སྒྱུར་བ་ཉི་ཤུ་པའི་འགྲེལ་པ་ विंशत्युपसर्गवृत्ति कं.तं.४२७०

ཉེ་བར་སྒྲུབ་པར་བགྱི(འོ་) उपसंहरिष्यामि, °मः सु.प्र.५४.२७, ७६.७, १०१.२८

ཉེ་བར་བརྒལ་བ་ अतिक्रम, उपक्रम श.दा.

ཉེ་བར་(བ)སྒྱུར་བ་ उपसर्ग म.व्यु.४७१०

ཉེ་བར་བསྒྲུབ་པ་ उपसंहार द.भू.६ब, म.व्यु.६३९५ सु.प्र.५१.१६

ཉེ་བར་བསྒྲུབ་པ་མཛད་ उपसंहरति द.भू.१फ

ཉེ་བར་བསྒྲུབ་པ་མཛད་པ་ उपसंहारं कुर्वन्ति द.भू.८द

ཉེ་བར་བསྒྲུབ་པར་གྱུར་ उपसंहरति द.भू.६ज

ཉེ་བར་བསྡུབ་པར་བགྱི་ उपसंहरिष्यामि सु.प्र. १०१.२८

ཉེ་བར་བསྡུབ་བོ་ उपसंहरति द.भू.९ल, १०द

ཉེ་བར་བསྡུབས་ उपार्जित बो.च.२.४२घ, ६.४२ घ

ཉེ་བར་བསྡུབས་ཏེ་གནས་སོ་ उपसंपद्य विहरति द.भू.३क, ल

ཉེ་བར་ཆགས་པ་ उपराग, ग्रहण श.दा.

ཉེ་བར་མཆོད་པ་ सत्कृत, समुत्कृत श.दा.

ཉེ་བར་འཇལ་བ་ (१) उपमा म.व्यु.२८४२

(२) उपमान प्रम.३९३.१, ४५९.३

द्र. དཔེ་

ཉེ་བར་འཇོག་པ་ (१) उपसंहार म.व्यु.८५०२

(२) उपस्थान श.दा.

ཉེ་བར་ཉོན་མོངས་པ་ संक्लिश्यते का.प.९९

ཉེ་བར་བསྙེར་བ་ उपसेवा श.दा.

ཉེ་བར་གཏོང་བ་ औपनायिक म.व्यु.१२९।

ཉེ་བར་བཏགས་ནས་ उपचारात् न्या.बि.४६.१२, ९३.१४

ཉེ་བར་བཏགས་པ་ औपचारिक म.व्यु.७०८८

ཉེ་བར་རྟོགས་པ་ उपपरीक्षण म.व्यु.७४५६ (पा. °རྟོག་པ་), श.दा.

ཉེ་བར་རྟེན་པ་ उपस्तम्भन द.भू.६ग

ཉེ་བར་སྟོན་ (१) उपदेश बो.क.१७

(२) उपदेशिन् अ.अ.४.४४

ཉེ་བར་སྟོན་པ་ उपदर्शन न्या.बि.१०४ १३

ཉེ་བར་བརྟག་པར་བྱ་དགོས་པ་ उपपरीक्ष्य सं.नि. १.४

ཉེ་བར་བརྟག(ས)་པ་ उपलक्षण म.व्यु.७४६९

ཉེ་བར་བརྟན་པ་ उपस्तब्ध द.भू.४द

ཉེ་བར་བརྟེན་པ་ (१) उपसेवन श.दा.

(२) उपसेवा स्त्र.स्तो.६४

ཉེ་བར་བསྟན་ (१) उपदर्शित सु.प्र.७४.१

(२) उपदिश्यते मू.का.८

(३) उपदेश प्र.द.२७, श.दा.

ཉེ་བར་བསྟན་པ་ (१) उपदर्शित न्या.बि.५.१९

(२) उपदिष्ट म.व्यु.९५६६

(३) उपप्रदर्शन न्या.बि.४९.५

ཉེ་བར་བསྟེན་པ་ (१) उपसेवन म.व्यु.१७८३, श.दा.(=འཁོར་བ་)

(२) उपसेविन् ना.आ.२.४

ཉེ་བར་འདུག་པ་ (१) उपोषध श.दा.

(२) समीपवर्तिन् न्या.बि.१५६.१४

ཉེ་བར་འདྲེན་ उपकर्षति श.पं.७९

ཉེ་བར་སྡུད་པ་ उपसंहार न्या.बि.१११.१

ཉེ་བར་གནས་གྱུར་ཅིག་ उपतिष्ठेयम् बो.च. ३ १०घ

ཉེ་བར་གནས་པ་ (१) आसन्नस्थित ना.आ.७.२

(२) उपवसन्ति म.व्यु.१६२९

(३) उपस्थित सं.नि.०.१

(४) निकटस्थ न्या.बि.१५६.४

(५) नैकटिक श.दा.

(६) प्रत्युपस्थान नी.पु.२.९८२, म.व्यु.१८५, ७२३३

(७) प्रत्युपस्थित द.भू.९ज, ११द, सं.नि. ९.१८.२.३

འོད་པ་བཞིན་དུ་ཉེ་བར་གནས་པ་ ओघवत् प्रत्युपस्थितानि उद्रा.४४.३३, ४७.२०

(८) संनिहित न्या.बि.२७.१३

ཉེ་བར་སྤྱད་པ་ उपभोग प्रस.३७७.१४

ཉེ་བར་སྤྱོད་ (१) उपभोग म.व्यु.७३६८

(२) उपासना श.दा.

ཉེ་བར་སྤྱོད་ཀྱི་ उपचरति का.प.३

ཉེ་བར་སྤྱོད་པ་ (१) उपचार द.भू १०अ, ९क

(२) उपभोग श.दा.

ཉེ་བར་སྤྱོད་པ་དང་བཅས་པ་སྨན་མ་ཁའི་ཞལ་གྱི་གཟུངས་ कं.तं.३४६४

ཉེ་བར་སྤྱོད་པ་ལ་སྐྱོན་མེད་པ་ अच्छिद्रोपचार म.व्यु.२४०६

ཉེ་བར་ཕན་ समुपहित श.दा.

ཉེ་བར་ཕན་འདོགས་ उपयुज्यते श.दा.

ཉེ་བར་འཕར་འགྲོ་=སྒྲ་གཅན་ राहु श.दा.

ཉེ་བར་བྱས་པ་ उपकर्तव्य न्या.बि.१६७.१६

ཉེ་བར་བྱེད་=གུས་པ་ उपाश्रित श.दा.

ཉེ་བར་བླང་བ་ उपादान प्रस.३४२.३

ཉེ་བར་འབུལ་ उपनामयति म.व्यु.७४३४

ཉེ་བར་སྦྲམ་=ཉེར་སྦྲམ་ उपगुप्त श.दा.

ཉེ་བར་སྦྱར་བ་ (१) उपनय म.व्यु.४४५६

(२) उपयोगिन् न्या.बि.२०४.११

(३) उपसंहार म.व्यु.४४०७, ४४१४

ཉེ་བར་སྦྱོར་ उपनय श.दा.

ཉེ་བར་སྦྱོར་བ་ (१) उपयुज्यते म.व्यु.२८७५

(२) उपसंहार म.व्यु.६३९५

ཉེ་བར་སྦྱོར་མ་=སྒྲུབ་པ་ उपसंहार ग.दा.

ཉེ་བར་མ་གོས་པ་ अनुपलिप्त म.व्यु.३९५

ཉེ་བར་མ་བསྡད་པ་ अनुपविष्ट म.व्यु.७८७-९२

~འི་སྦྱིན་པ་ཅན་རྣམས་ अनुपविष्टदानाः म.व्यु.७८७

~འི་བརྩོན་འགྲུས་ཅན་རྣམས་ अनुपविष्टवीर्याः म.व्यु.७९०

~འི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཅན་རྣམས་ अनुपविष्टशीलाः म.व्यु.७८८

~འི་བཟོད་པ་ཅན་རྣམས་ अनुपविष्टक्षान्तयः म.व्यु.७८९

~འི་ཤེས་རབ་ཅན་རྣམས་ अनुपविष्टप्रज्ञाः म.व्यु.७९२

~འི་བསམ་གཏན་ཅན་རྣམས་ अनुपविष्ट-

व्याला: म.व्यु.७६१

ཉེ་བར་མི་འགྲོ་ (१) नोपगच्छति म.व्यु.६४८३

(२) नोपैति द.भू. (न उपेति) ८क, १०द, ह, ज, म.व्यु.५०८८, सं.नि.

བརྒྱའི་ཆར་ཡང་ཉེ་བར་མི་འགྲོ་ शततमीमपि कलां नोपैति सं.नि.७.३२

ཉེ་བར་མི་གནས་ असंनिधान का.आ.१.५

ཉེ་བར་མི་རིག་ नोपगच्छति म.व्यु.६४८३

ཉེ་བར་དམིགས་ उपलम्बन श.दा.

ཉེ་བར་སྤོགས་སྐྱེ་ उपचिनोति द.भू.६च

ཉེ་བར་སྤོགས་པ་ उपचय द.भू.५ज

ཉེ་བར་སྤོགས་ཤིང་ཡང་དག་པར་སྡུད་པ་ उपसंहरति द.भू.६ओ

ཉེ་བར་ཚིམ་ཚོགས་ संतोष श.दा.

ཉེ་བར་མཚན་པ་ उपलक्षणा म.व्यु.११७० (पा. མཚོན་པ་)

ཉེ་བར་མཚོན་པ་ (१) अवलोकयाव: ना.आ. १०.१

(२) उपलक्षण म.व्यु ७४६९

(३) उपलक्षणा म.व्यु.११७०

(४) उपलक्षित न्या.बि.१३.१५

ཉེ་བར་འཚོ་བ་ (१) उपजीविन् उद्रा.

(२) उपजीव्यता द.भू १अ, लं.सू.११२क

ཉེ་བར་མཛེས་ཤིང་ उपशोभित ना.आ.९.७

ཉེ་བར་ཞི་ (१) उपशम श.दा.

(२) उपशान्त श.पं.५२

(३) प्रशान्त द.भू.१कु, ८ए

(४) व्युपशम द.भू.६ह, बो.च.९.७६ग

ཉེ་བར་ཞི་བ་ (१) उपशम श.दा.४८८ख

(२) उपशान्त का.प.१३६प., बो.च.८.८९ग

(३) उपशान्ति (=प्रहाण ह.भ.) अ.अ.१.७१

ཉེ་བར་ཞི་བའི་བྱིན་གྱིས་བརླབས་ उपशमाधिष्ठान श.दा.

ཉེ་བར་ཞི་བའི་བྱིན་གྱིས་བརླབས་པ་ उपशमाधिष्ठान म.व्य.१५८३

ཉེ་བར་ཞི་བར་འགྱུར་རོ་ व्युपशमं गमिष्यन्ति उद्रा.४१.१

ཉེ་བར་ཞི་བར་བྱ་བའི་ཕྱིར་མ་ཡིན་གྱི་ नोपशमाय का.प.१२३,१२४

ཉེ་བར་གཞག་ प्रत्युपस्थाप्य बो.च.५.२९घ

ཉེ་བར་གནག་པ་ उपस्थान का.प.९५, १५३, म.व्यु.१८७

ཉེ་བར་གཞག་པས་ཁ་བསྒྱུར་བ་ उपधानोपराग म.व्यु.७६३२

ཉེ་བར་བཞག་(གཞོག་)སྐྱེ་ उपस्थापयति द.भू. २च, ३ए

ཉེ་བར་བཞག་པ་ (१) उपधा ल.स्तो.८४

(२) उपधानोपराग म.व्यु.७६३२

(३) उपस्थान म व्यु.९५२-५६, श.दा.

དྲན་པ་~ स्मृत्युपस्थान श.दा.

ཉེ་བར་བཞག་ནས་ उपस्थापित्वा का.प.४प.

ཉེ་བར་གཟིགས་པར་འགྱུར་ उपलप्स्यते उद्रा. २८ १६

ཉེ་བར་བཟུང་ནས་ उपेत्य ना.आ.१

ཉེ་བར་བཟུང་བ་ (१) उपात्त द.भू.३ज

(२) उपादाय द.भू १०द

ཉེ་བར་ལེན་ उपानयेय बु व.३०

ཉེ་བར་ལེན་པ་ उपादान द.भू.१२ग, ६च, द, फ, ग-ह, ६फ, प्रस.३४५.२, म.व्यु.१८३१, २१४४, २२५०, ४४६२, ४५०१. ल.वि. १६.४.२४

ཉེ་བར་ལེན་པ་ལས་བྱུང་བ་ उपादेय न्या.बि.२३. १४, २५.२

ཉེ་བར་ལེན་པའི་རྒྱུ་ उपादानकारण म.व्यु.४४६२, ४५०१

ཉེ་བར་ལེན་པའི་ཕུང་པོ་ उपादानस्कन्ध नी.पु. २.८०५

ཉེ་བར་ལེན་པའི་ཕུང་པོ་ལྔ་ पञ्चोपादानस्कन्ध म.व्यु.१८३१, २२४०, लं.सू.१६३ख

(१) གཟུགས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ रूपस्कन्ध,

(२) ཚོར་བའི་ཕུང་པོ་ वेदनास्कन्ध,

(३) འདུ་ཤེས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ संज्ञास्कन्ध,

(४) འདུ་བྱེད་ཀྱི་ཕུང་པོ་ संस्कारस्कन्ध,

(५) རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཕུང་པོ་ विज्ञानस्कन्ध

ཉེ་བར་ལེན་པོ་ उपादातृ प्रस.३४२.३

ཉེ་བར་ལེན་དོན་ उपादातृ लं.सू.२०३क

ཉེ་བར་ལོངས་སྤྱོད་ उपभोग अ.अ.८.१२

ཉེ་བར་ལོངས་སྤྱོད་པ་ उपभोग न्या.बि.१३१.५

(ཉེ་བར་)སོ་སྦྱོང་བྱེད་པ་ उपोषध म.व्यु.७१३७

ཉེ་བར་སོང་ (१) उपगत म.व्यु.६६१६

(२) उपजगाम म.व्यु.६६१५

ཉེ་བར་སོང་བ་ (१) उपगत द.भू.६च, सु.प्र.६४. २६

(२) उपसंक्रमित्वा सु.प्र.१६७.६

ཉེ་བར་སོང་བར་གྱུར་ནས་ उपसंक्रमित्वा सु.प्र. ११७.१५

ཉེ་བར་སྨྲེག་པར་བྱེད་པ་ उपवाहृ श.दा.

ཉེ་བར་གསོ་སྦྱོང་བྱེད་ उपोषध म.व्यु.७१३७

ཉེ་བར་གསོགས་པ་ उपसंहार प्रस.३७२.३

ཉེ་བར་བསགས་པ་ उपचित सं.नि.५.३

ཉེ་དབང་ (१) उपेन्द्र उद्रा., श.दा.

དབང་པོ་དང་~ इन्द्रोपेन्द्र उद्रा.११.१८

(२) उपेन्द्रो नागराजा म.व्यु.३२६५

ཉེ་ཚེའི་སྤྱི་ अवान्तरसामान्य म.व्यु.४६२८

ཉེ་རྩེར་ལྔ་ उपपञ्चक तु.५७७

ཉེ་ཚལ་=ཉེ་བའི་ཚལ་ उपवन श.दा.

ཉེ་ཚིག་ उपपद श.दा.

ཉེ་ཚེ་བ་ प्रादेशिक श.दा.

ཉེ་ཚེ་བའི་ཐེག་པ་ प्रादेशिकयान म.व्यु.१२५४

ཉེ་ཚོད་སངས་རྒྱས་ प्रत्येकबुद्ध श.दा.

ཉེ་ཚོང་བྱེད་པ་ क्रयविक्रय म.व्यु.८४०५

ཉེ་འཚོ་

བདག་ནི་ཉེ་(ཟེ. ཉེར་)འཚོད་གྱུར་ཡང་ཤོག་
भवेयमुपजीव्योऽहम् बो.च.३.२२घ

ཉེ་མཛེས་ उपचारु <चक्रवर्ती राजा> नी.पु.१.
४, १२, १४, म.व्यु.३५६०

ཉེ་བོ་ཀུན་ལས་རྣམ་རྒྱལ་མཆོད་རྟེན་ཆེ་ भद्र.००
(११७३)



ཉེ་ཞོ་མེད་པ་ पूरित श.दा.

ཉེ་ཟླ་ उपभोज <गज-नाम> नी.पु.१.१५

ཉེ་ཟུང་ उपयम अ.को.१८८.५५

ཉེ་རེག་ उपस्पृश्य म.व्यु.४३५५

ཉེ་འཁོགས་=ཐག་ཉེ་བ་ (१) संनिकर्ष श.दा.
(२) समीप अ.को.२७७.१६, श.दा.

ཉེ་ཤིང་ उपवृक्ष श.दा.

ཉེན་ आर्ति, परिक्षाम श.दा.

ཉེན་ནས་
ཡོངས་སུ་~ परिपीडित सु.प्र.१४७.३

ཉེན་པ་ (१) अर्दित सु.प्र.२३.२३
(२) सं. कृत न्या.बि.८०.१
(३) पीडा सु.प्र.४ २८
(४) व्यथा बो.क.३
(५) འཇིགས་པས་~ भीत श.पं.६८

ཉེའུ་ཤིང་ हरितशाड्वल म.व्यु.७१०८

ཉེར་ (१) उप° बु.च.६७, बो.च., सु.प्र.
(२) प्रत्युप° बो.च.
(३) विंशति म.व्यु.
(४) सं° बो.च.
द्र. ཉེ་བར་

ཉེར་བསྐྱོད་ उपपत्ति श.दा.

ཉེར་བསྐྲུན་ आत्मा (=བདག་ཉིད་), उत्पत्ति
श.दा.

ཉེར་འཁོད་ आसन्न श.दा.

ཉེར་གྲོལ་ उपनिष्कर अ.को.७६.१८

ཉེར་དགའ་ (१) उद्धर्ष अ.को.५६.२१३

(२) उपानन्द श.दा.

ཉེར་དགུ་ एकोनत्रिंशत् म.व्यु.८०१७

ཉེར་འགྲོར་(ཏེ. འགྲོ་)མི་འགྱུར་བ་ नोपसर्पेयुः बो.च.८.३०ग

ཉེར་སྡུབ་ उपसंहरन्ति का.ग.३प.

ཉེར་བརྒྱད་ अष्टाविंशतिः म.व्यु.८०१६

ཉེར་བསྐྱུར་ (१) उपप्लव श.दा.

(२) उपसर्ग अ.को.२१७.१०९

ཉེར་ལྔ་ पञ्चविंशतिः म.व्यु.८०१३

ཉེར་བསྒོགས་ द्र. སྔ་གོན་

ཉེར་གཅིག་ एकविंशतिः म.व्यु.८०११

ཉེར་བཅིང་ उपगूढ श.स्तो.६५

ཉེར་འཇལ་ उपमान न्या.टी.२८७

ཉེར་གཉིས་ द्वाविंशतिः म.व्यु.८०१०

ཉེར་བསྟན་ उपदेश बो.क.८, श.स्तो.८७

ཉེར་དྲུག་ षड्विंशतिः म.व्यु.८०१४

ཉེར་བདུན་ सप्तविंशतिः म.व्यु.८०१५

ཉེར་བསྒོགས་ सामन्तक म.व्यु.१४८५

ཉེར་གནས་ उपस्थित बो.च ३.३३ग

ཉེར་གནས་པ་ (१) उपस्थित बो.च.६.१०३ग. गा.पं.८०

(२) प्रत्युपस्थित बो.प.६.११ख

ཉེར་གནས་པ་མེད་ན་ असंनिहित बो.प.९.६१गघ

ཉེར་སྤྱད་ उपचार श.स्तो.७४

ཉེར་སྤྱོད་ उपचार श.दा.

ཉེར་བྱུང་ उद्भव श.दा.

ཉེར་སྤྲངས་ उपात्त श.स्तो.७१

ཉེར་འབུལ་ उपादान अ.को.३५६.२५५

ཉེར་འབྲེལ་ उपश्लेष अ.अ.५.१३

ཉེར་སྦྲས་ उपगुप्त चि.च.२९३, तु.५१०, श.दा. (=ཉེ་བར་སྦྲས་), गा.पं.४२

ཉེར་དམིགས་པ་ उपालम्भ अ.को.४४.१६४

ཉེར་ཚད་ उपद्रव, उपराग, विप्लव श.दा.

ཉེར་མཚོན་ उपलक्ष्य का.आ.१.२

ཉེར་འཚེ་=ཟླ་གཟའ་ उपप्लव श.दा.

ཉེར་འཚོ་

བདག་ནི་ཉེར་(ཏ. ཉེ་)འཚོའི་རྒྱུར་ཡང་ཤོག་ भवेयमुपजीव्योऽहम् बो.प.३.२२ख (दे.)
སེམས་ཅན་དཔག་ཏུ་མེད་པ་ཡི། །རྣམ་མང་
ཉེར་འཚོའི་གཞིར་ཡང་ཤོག ॥ सं. सत्त्वाना-
मप्रमेयाणां यथा भोगान्यनेकधा बो.प.३.२१

ཉེར་འཚོ་ཀུན་སྐྱོབ་བ་ཀུ་ལ་ मह.००(१०९६)

ཉེར་ཉི་ उपशम मू.का. पृ.१७६

ཉེར་ཞི་བ་=ཉེ་བར་ཞི་བ་ उपशम श.दा.

ཉེར་ཞི་ལ་གནས་ उपशमस्थ श.पं.६२

ཉེར་བཞག་ उपस्थान म.व्यु.१४०१

ཉེར་བཞག་ནས་ उपस्थाप्य सु.प्र.६.२३

ཉེར་བཞི་ चतुर्विंशतिः म.व्यु.८०१२

ཉེར་ལེན་ (१) उपादान प्रस.४३३.९, बो.च. ९.४६क, लं.सू.२०२ख

(२) सं. उपादानप्रत्यय श.दा.

(३) सोपादान लं.सू.२०२ख

ཉེར་ལོགས་ समीप बु.च.६०

ཉེར་སོང་སྟེ་ (१) उपसंक्रमत् सु.प्र.१३०.२

(२) उपसंक्रमित्वा सु.प्र.१६८.५

ཉེར་གསུམ་ त्रयोविंशतिः म.व्यु.८०११

ཉེར་བསགས་ उपचित्य बो.च.५.२७ग

ཉེར་བསགས་ན་ उपचिन्वतः बो.च.४.१९ख

ཉེར་བསགས་ནས་ उपार्ज्यंते बो.च.८.१८०ख

ཉེས་ (१) अपराध सु.प्र.१११.६

(२) दुस्°

(३) दोष का.प.११६, बो.च.७.३४क, ८.१६८ग(ना), १८४ग, ९.८क, लं.सू.६३क

(४) स. ००

འདོད་ཆགས་ལ་སོགས་ཉེས་བརྒྱ་ཡི་(दे. ཉེས་པ་བརྒྱའི་) །ནད་ཀྱི་(दे. ཀྱིས་)དག་བདབ་སློས་ཅི་དགོས॥ सं. किमु व्याधिशतैर्ग्रस्तश् चतुर्भिश्चतुरुत्तरैः बो.च.२.५४गघ

ཉེས་དང་བཅས་པ་ सापराध सु.प्र.१११.६

ཉེས་པ་ (१) अत्यय म.व्यु.७०५३, ९२२४, श.दा.

(२) अनभ्युपगम श.दा.

(३) अपक्षण श.दा.

(४) अपराध का.प.८, न्या.बि.२०६.१, २१५.१४क, २१७.१४क..., बो.च.६.८५क, ४५ग, म.व्यु.७३११, श.दा.

བདག་གིས་ཉེས་པར་སེམས་བྱེད་ आत्मा-पराधिन् का.प.८

(५) अवलेप श.दा.

(६) आदीनव का.प.१०७प., श.दा.

(७) आपत्ति श.दा.

(८) आविल श दा.

(९) कलंक अ.अ.१.६१, श.दा.

(१०) छल बो.च.७.७४क

(११) दुष्ट उद्रा.१५.१, न्या.बि.२०४.१७, २१५.२, १४ख, २१६ ८...

(१२) दोष का.प ११६, द.भू.१ वख, ५क, ७फ, ल, म, न्या.बि.२५.१२, १३९ १२, १४०.१३.., प्रस.३४१ ९, ३८७.५, ३९५.५, बो.च.२.३१क, म.व्यु ७१, २३७९ २६२९, श.दा., श पं.३, ३० ३१, ७९, सु.प्र.२३.११, १५, ११०.१९ ११२.१४

(१३) सं. दोषनिर्धारण लं.सू.२०६ख

(१४) सं. द्वेष बो.च.५.७८ग

(१५) नूनम् न्या.प्र.६

(१६) प्रप्राप्ति श.दा.

(१७) प्रसंग लं.सू.१४३क

(१८) सं.००

ལུས་ཀྱིས་ཁྱོད་ལ་ཅི་ཞིག་བྱ།།༦༥། ཉེས་(དེ. ཉེས་)ན་ཁྲ་དང་ཅ་གོད་ཀྱི་(དེ.ཀྱིས་)། ཟས་ཀྱི་དོན་དུ་འདི་བསྲུང་རིགས། किं कायेन करिष्यसि॥६५॥ युक्तं गृध्रशृगालादेराहारार्थं तु रक्षितुम् (पा. रक्षितम्) बो.च.५.६५-६६

द्र. ངན་པ་, ནོང་བ་

ཉེས་པ་ངོར་(བརྗོད་པ་) अन्वक्ष द.गु.२ग

ཉེས་པ་ཉིད་ दुष्टत्व न्या.बि.२१७.१६

ཉེས་པ་དུ་མ་འགྲོབ་པར་བྱེད་པ་ अनेकदोषावह लं.सू १९.९ख

ཉེས་པ་སྤྱད་པ་སྤྱོད་པ་ दुश्चरितचारिन् सं.नि.१०:१२

ཉེས་པ་བྱེད་ अपराध्यन्ति बो.च.६.६७क

ཉེས་པ་སྦོམ་པོ་ स्थूलात्यय म.व्यु.९२२४, श.दा.

ཉེས་པ་མང་ལྡན་པ་ बहुदुःखयुक्त उद्रा.१५.१प.

ཉེས་པ་མང་པོའི་སྐྱོན་ཅན་ बहुदोषदुष्ट द.भू.६ओ

ཉེས་པ་མེད་ निरत्यय श.पं.८२

ཉེས་པ་མེད་པ་ अदूषिन् उद्रा.३७.१५, ४४.२४

ཉེས་པ་གསུམ་འཇོམས་ त्रिदोषोपह म.व्यु.७१

ཉེས་པའི་སྐྱོན་བྲལ་སྐུ་ངན་མེད་པའི་དཔལ་ भद्र.००(१०४९)

ཉེས་པའི་སྐྱོན་བྲལ་ཟླ་བའི་འོད་ द्र. ཟླ་བའི་འོད་ भद्र ४८९

ཉེས་པའི་སྤྱིབ་པའི་སྤྱིབ་པ་ कर्मदोष लं.सू.१७१ख

ཉེས་པའི་ལྷ་ कुदृष्टि लं.सू.७७ख

ཉེས་པའི་བག་ཆགས་ वासनता लं.सू.१७०क

ཉེས་པའི་དམིགས་ आदीनव सु.प्र.२३.३

ཉེས་པའི་དམིགས་སུ་མ་བལྟས་པས་ अनादीनवदर्शिना सु.प्र.२३.३

ཉེས་པའི་རིམ་བཞིན་ दोषानुक्रम सु.प्र.११२.१४

ཉེས་པར་ दुष्° सु.प्र.

ཉེས་པར་བགྱིས་པ་ दुष्कृत सु.प्र.२३.२

ཉེས་པར་འགྱུར་བ་ दोषप्रसंग लं.सू.१५४ख

ཉེས་པར་ཐོས་པ་ दुःश्रुत का.प.६

ཉེས་པར་འཇོར་ एति दोषात् का.प.८

ཉེས་པར་སྤྱོད་པ་ दुश्चरित सु.प्र.२३.३०

ཉེས་པར་སྨྲོད་ दुष्कृत उ.व.१७

ཉེས་པ(ར་)སྤྱོད་པ་ दुश्चरित म.व्यु.१६८२-८४

ཉེས་པར་བྱས་པ་ दुष्कृत सु.प्र.१०५.२३, १०६.६, १३, ११०.२७...

ཉེས་པར་བྱེད་པ་ दुष्कृत सु.प्र.१०५.३०

ཉེས་པར་བྱེད་མི་ནུས་ दोषं क्रिययासमर्थम् का.प. ४८

ཉེས་པར་སྦྱར་ दुष्प्रयुक्त का.आ १.६

ཉེས་པར་མང་པོ་རྣམ་པར་སྤངས་པ་ अनेकदोषविवर्जित लं.सू.१६९ख

ཉེས་པར་སྨྲས་པ་ दुरुक्त सु.प्र.२३.१

ཉེས་སྤྱོད་ दुश्चर्या श.दा.

ཉེས་བྱས་ दुष्कृत म.व्यु.९२२५, सं.नि.९.२५, सु प्र.१०४.७...., स.स्तो.५४

ཉེས་བྱེད་ दुष्कृत सु.प्र.१०६.९, १९, १०७.१३, ११०.१८, २४, ३०...

ཉེས་དམིགས་ (१) आदीनव बो.च.८.८०ख, म.व्यु.७३०९, श.दा.

(२) उपालम्भ श.दा.

ཉེས་བྲལ་ दोषक्षय बो.च.७.३४क

ཉེས་བཤད་ दुरुक्त श.पं.२४

ཉེས་བསགས་ནས་ उपार्ज्यते बो.च.८.१८०ख

ཉེས་བསམས་ दुश्चिन्तित सु.प्र.२३.१५.

ཉོ་དང་བཙོང་བ་ क्रयविक्रय लं.सू.१८७क

ཉོ་ན་

དེ་ཉི་རིན་གྱིས་ཉོ་ནའང་དཀོན་ सा विसैरपि दुर्लभा बो.च.५.७७ख

ཉོ་བ་ भू., भवि., लोट् ཉོས་ क्रय श.दा.

ཉོ་འཚོང་བྱེད་པ་ क्रयविक्रय श.दा.

ཉོག་པ་=ཉོག་མ་ कलुषित श.दा.

ཉོག་མ་=ཉོག་པ་

ཉོད་པ་=ཟས་ अन्न श.दा.

ཉོན་ ཉན་པ་ इत्यस्य लोट्

ཉོན་སྒྲིབ་=ཉོན་མོངས་ཀྱི་སྒྲིབ་པ་ प्र.पा.

ཉོན་སྒྲིབ་ཀུན་བཏགས་ परिकल्पितक्लेशावरण प्र.पा २२

ཉོན་སྒྲིབ་ཀུན་བཏགས་ཀྱི་དངོས་གཉེན་དུ་གྱུར་པའི་ཉན་ཐོས་ཀྱི་བདེན་པ་མཐོང་རྟོགས་ प्र.पा. २२

ཉོན་སྒྲིབ་ཀུན་བཏགས་སྤངས་ངའི་རྣམ་གྲོལ་ལམ་དུ་གྱུར་པའི་ཉན་ཐོས་ཀྱི་བདེན་པ་མཐོང་

ཏྟོགས་ प्र.पा.२२

ཉོན་སྒྲིབ་ལྷན་སྐྱེས་ सहजक्लेशावरण प्र.पा.२४

ཉོན་ཅིག་ (१) शृणु, शृण्वन्तु उग्रा.६.२५, १६.
 २४, ३५.३१, सु.प्र.१३.१६
 (२) श्रूयताम् बु.च.५१

ཉོན་པ་ श्रोतृ म.व्यु.२७६६

ཉོན་མོངས་ (१) =ཕྲ་རྒྱས་ अनुशय श.दा.
 (२) सं. अन्धकार (?) बो.च.६.३७क
 (३) आयास बो.च.८.८५ग, सु.प्र.३१.११
 (४) उपक्लेश बो.च.७.४१क
 (५) कृपण श.पं.१२६
 (६) सं. क्रोध बो.च ६.२३घ
 (७) ཀུན་ནས་~ संक्लिष्ट बो.च.५.५४क
 (८) क्लेश अ.अ.१.५६ २.१७, २६, ४.२६, ५.३४, ८.७, का.प.४८प., ११४प., १४८, नी.पु.८.६८२, बो.क.१, १०, ११, बो.च.३. ३१ग, ४.३१क, ३२क..., भ.च.२१क, ४७ग, लं.सू.६५क, श.पं.१६, ४४, ५८, १३८, सु.प्र. २१.११, २३ ८, २७, २६.१७...
 ཉེ་བའི་~ उपक्लेश का.प.६३
 (६) तपस्विन् श.पं.३६
 (१०) वराक बो.च.४.४६क
 (११) संक्लेश बो.च.७.६०क, ६.३१ख
 द्र. ཉེ་~

ཉོན་མོངས་ཀྱི་སྒྲིབ་པ་=ཉོན་སྒྲིབ་ क्लेशावरण
 प्र.पा.३२

ཉོན་མོངས་སྐྱེས་ཞ་ क्लेशोत्पाद बो.च.५.५६ग
 (ना)

ཉོན་མོངས་ཅན་ क्लिष्ट श.पं.१६

ཉོན་མོངས་ཅན་མ་ཡིན་པའི་ཡིད་ अक्लिष्टमनस्
 म.व्यु.२०२०

ཉོན་མོངས་ཅན་མིན་ अक्लिष्ट बो.च.६.४६ग

ཉོན་མོངས་བཅོམ་པའི་(ཕྱིར་)དགེ་སློང་ भिन्न-
 क्लेशत्वाद् भिक्षुः म व्यु.८७५३

ཉོན་མོངས་ཉེས་པའི་སྐྱོན་ क्लेशदोष लं.सू.१४६ख

ཉོན་མོངས་སྟོབས་ क्लेशबल भ.च.३६ख

ཉོན་མོངས་དྲ་བ་ क्लेशजाल लं.सू.१८६ख

ཉོན་མོངས་གདུང་བ་ क्लेशसंताप सु.प्र २३.२७

ཉོན་མོངས་གདུངས་སེལ་ཟླ་བའི་མཚན་ द्र. ཟླ་བ་
 भद्र.७८

ཉོན་མོངས་དྲལ་བྲལ་རྒྱུ་བོ་སྦྱོངས་ द्र. རྒྱུ་བོ་སྦྱོང་
 भद्र.६२७

ཉོན་མོངས་དྲལ་བྲལ་ཐ་བ་སྤྲངས་ द्र. ཐ་བ་སྤྲངས་
 भद्र.२४१

ཉོན་མོངས་ནད་ क्लेशव्याधि का.प.१३०प.

ཉོན་མོངས་ནད་འཇོམས་ཙན་དན་དཔལ་ द्र. ཙན་དན་
 भद्र.६६६

द्र. ཚོན་དན་ भद्र.६६९

ཉོན་མོངས་ནད་སེལ་སྨན་པའི་ཞབས་ द्र. སྨན་པ་ भद्र.३३

ཉོན་མོངས་པ་ (१) **अंगण** म.व्यु.२१५७, २६०७

(२) **आयास** सु प्र.४८.२२, ७०.२५...

(३) **उपधि** म.व्यु.६४९९

(४) **°क्लिष्ट** का.प., द.भू.

ཀུན་ནས་~མེད་པ་ **अपरिक्लिष्ट** द.भू.४ग, ङ

ཀུན་ནས་~ **संक्लिष्ट** का.प.१२५

(५) **क्लेश** उद्रा.१०.२६, ११.७, १३.२४..., का.प.२१, ९९, द.भू २क्ष. ३म, ४क, ६र, ७अ, ८न, ९च, ग, ल, ज्ञ, १०फ, ह, नी.पु. २.८?९, प्रम.३४०.३, बो.च.४.४३ग. ४४ग, ७.६२ग, म.व्यु.८६८, २३३८, श.दा., सं.नि. ८.३७.१, ९.२७, १०.८

ལས་དང་~འི་མུན་པ་ **कर्मक्लेशतमस्** का.प. ८४

(६) **तपस्विन्** उद्रा.४६.६, म.व्यु.६८०५, श दा.

(७) **तपोधन** श.दा.

(८) **परिक्लेश** बो.च.८.४४क

(९) **रण** म.व्यु.५३५, ६१७, ११२५, २१५८, ७५२८

(१०) **व्यसन** म व्यु ६६७७

(११) **संक्लेश** ल.सू ११.९ख

द्र. སྡུག་བསྔལ་

ཉོན་མོངས་པ་སྐྱེ་བ་ **उत्पन्नक्लेश** सं.नि.९.३१

ཉོན་མངས་པ་ཅན་ **संक्लेश** सं.नि.८.३७.१

ཉོན་མོངས་པ་ཅན་གྱི་ཆོས་ **क्लिष्टधर्म** सं.नि. १०.७.८

ཉོན་མོངས་པ་ཅན་གྱི་ཡིད་ **क्लिष्टमनस्** म.व्यु. २०१९

ཉོན་མོངས་པ་ཅན་གྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ **आदानविज्ञान** श.दा.७६१ख

ཉོན་མོངས་པ་བཅོམ་པ་ **भिन्नक्लेश** म.व्यु.४१९

ཉོན་མོངས་པ་ཆེ་བ་ **क्लेशबहुल** म.व्यु.७२६३

ཉོན་མོངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དྲི་མ་ **सर्वक्लेशमल** का.प.१०४

ཉོན་མོངས་པ་ཐམས་ཅད་དུ་བྲལ་བ་ **सर्वत्र विगत-क्लेश** सं.नि.७.९

ཉོན་མོངས་པ་དང་བཅས་པ་ (१) **संक्लेश** (सक्लेश?) द.भू ९द

(२) **स-रण** म व्यु.६१८, २१५८

ཉོན་མོངས་པ་དང་། སྡུག་བསྔལ་གྱི་གཉེན་པོ་ **क्लेशदुःखप्रतिपक्ष** सं.नि.९ १२

ཉོན་མོངས་པ་དང་བྲལ་བ་ **अनंगण** द.भू.१ल

ཉོན་མོངས་པ་དང་ཤེས་བྱའི་སྒྲིབ་པ་ **क्लेशज्ञेया-वरण** सं.नि.८ ३५

ཉོན་མོངས་པ་སྤོང་བ་ **क्लेशप्रहाण** सं.नि.१०.७.६

ཉོན་མོངས་པ་སྤོང་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **रणजहो नाम समाधिः** म.व्यु.५३५

ཉོན་མོངས་པ་མང་བས་ **क्लेशबाहुल्यात्** सं.नि.

९.१०.२

ཉོན་མོངས་པ་མེད་པ་ (१) **अनंगण** म.व्यु.२६०७

(२) **अरण** म.व्यु.६१७-१८, ११२५, म.सू. (**°णा**)

(३) **निष्क्लेश** म.व्यु.१०७६

ཉོན་མོངས་པ་མེད་པ་དང་ཉོན་མོངས་པ་དང་བཅས་པ་ཐམས་ཅད་ཡང་དག་པར་འདུ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **अरणसरणसर्वसमवसरणो नाम समाधि:** म.व्यु.६१८

ཉོན་མོངས་པ་མེད་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **अरणसमाधि** म व्यु.११२५

ཉོན་མོངས་པ་མེད་པར་གནས་པ་རྣམས་ཀྱི་མཆོག་ **अग्रोऽरण.विहारिणाम्** म.व्यु.६३६६

ཉོན་མོངས་པ་མེད་པར་ཡང་དག་པར་འདུ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **अरणसमवसरणो नाम समाधि:** म.व्यु.६१७

ཉོན་མོངས་པ་ལ་མི་མཛེད་པ་ **क्लेशाधिवासनता** का.प.११४

ཉོན་མོངས་པ་ལྷན་ཅིག་སྐྱེས་པ། ཀུན་དུ་འབྱུང་བ་ **सहजसमुदयक्लेश** सं.नि.९.२८

ཉོན་མོངས་པ་ལྷན་ཅིག་སྐྱེས་པ་མ་ཡིན་པ་ཀུན་དུ་འབྱུང་བ་ **असहजसमुदयक्लेश** सं.नि.९.२८

ཉོན་མོངས་པའི་ཀུན་ནས་ཉོན་མོངས་པ་ **क्लेश-संक्लेश** सं.नि.७.१०, १२, १३

ཉོན་མོངས་པའི་སྐོམ་པས་འཆི་བའི་དུས་བྱེད་པར་འགྱུར་ཏེ་ **क्लेशतृषाया कालगता** का.प.१२८

ཉོན་མོངས་པའི་དགྲ་ **क्लेशवैरिन्** बो.प.४.४४ग

ཉོན་མོངས་པའི་སྤྱོད་སྟོང་ཕྲག་བརྒྱད་ཅུ་རྩ་བཞི་ **चतुरशीतिक्लेशचरितनानात्वसहस्र** द.मू.९ए

ཉོན་མོངས་པའི་སྒྲིབ་པ་ (१) **क्लेशावृति** श.दा.

(२) **क्लेशावरण** लं.मू.१६६क, स.नि.७.१६

ཉོན་མོངས་པའི་ཆུ་ཀླུང་ཆེན་པོ་བཞི་ **चतुर्महौघ** द.मू.८ च

ཉོན་མོངས་པའི་ཉེས་པའི་བག་ཆགས་ཐམས་ཅད་མེད་པ་ **सर्वक्लेशदोषवासनापगत** लं.मू.१७१ख

ཉོན་མོངས་པའི་གཉེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ **क्लेशप्रति-पक्षत्वात्** सं.नि.९ ९.४

ཉོན་མོངས་པའི་སྙིགས་མ་ **क्लेशकषाय** म.व्यु.२३३८, श.दा.५०१ख

ཉོན་མོངས་པའི་དུག་ **क्लेशविष** का.प.४८

ཉོན་མོངས་པའི་དྲི་མའི་གནོད་པ་ཐམས་ཅད་དང་བྲལ་བ་ **सर्वक्लेशमलोपद्रवविगत** सं.नि.०.१

ཉོན་མོངས་པའི་བདུད་ **क्लेशमार** श.दा.६६६ख, श.पं १३८

ཉོན་མོངས་པའི་འདམ་དུ་བྱིང་བ་ **क्लेशपंकनिमग्न** उद्रा.४६.१२

ཉོན་མོངས་པའི་ནད་ **क्लेशव्याधि** का.प.१२९, १३०

ཉོན་མོངས་པའི་བག་ལ་ཉལ་ क्लेशानुशय सं.नि. ६.२८

ཉོན་མོངས་པའི་རྨོངས་པ་ क्लेशसंमोहित रा.प. ११०.२५

ཉོན་མོངས་པའི་ཤིང་བསྲེག་པའི་ཕྱིར་ क्लेशकाष्ठ-प्रदहनात् सं.नि.६.४.४

ཉོན་མོངས་པས་འབར་བ་ क्लेशेन्धन लं सू.६५क

ཉོན་མོངས་སྤངས་པ་ क्लेशप्रहाण बो.च.६.४५क

ཉོན་མོངས་ཕྱོགས་དང་བྲལ་ निःक्लेश लं.सू.२०७क

ཉོན་མོངས་བག་ཉལ་ सानुशयंगण लं.सू.१९२ख

ཉོན་མོངས་བྱུང་བའི་ནད་ क्लेशसमुत्थिता रुजा का.प.१२९प.

ཉོན་མོངས་བྱེད་ क्लेशयन्ति अ.हृ.१.१३.२१

ཉོན་མོངས་བྲལ་(བ་) अपगतक्लेश भद्र.२६७

ཉོན་མོངས་དབང་གྱུར་པས་ क्लेशवश्यत्वात् बो.च.६ ३७क

ཉོན་མོངས་དབང་འགྲོ་ क्लेशवशानुग रा.प. ८९.३२

ཉོན་མོངས་དབང་མེད་ क्लेशास्वतन्त्र बो.च.७.५० क (पा. क्लेश°)

ཉོན་མོངས་མ་ तपस्विनी सु.प्र.१५७.१९, २२, २५

ཉོན་མོངས་མ་མཆིས་ आरण सं.गा.१७.१

ཉོན་མོངས་མེ་ क्लेशाग्नि सु.प्र.२८.२१, ४५.२१, २३

ཉོན་མོངས་མེད་(१) अक्लेश (पा. निःक्लेश) बो.च. ६.४५ग

(२) अरण तु.३५५

(३) निरंगण का.प.१३६प.

ཉོན་མོངས་མེད་པ་ (१) अनंगन श.दा.

(२) अरणा अ.अ.८.३, ७

(३) निष्क्लेश श.दा.

ཉོན་མོངས་མེད་པའི་ལྷ་བ་ अरणवृष्टि प्र.पा.८५

ཉོན་མོངས་མེས་གདུངས་ (१) क्लेशाग्नितप्त सु.प्र.२८.२१

(२) क्लेशाग्निदाह सु.प्र.४५.२३

ཉོན་མོངས་མེས་གདུངས་ཡིད་ཅན་ क्लेशाग्नितप्त-मनस् सु.प्र.२८.२१

ཉོན་མོངས་ཚོགས་ (ना. ཚུགས་) क्लेशगण बो.च.७.६०घ(दे.)

ཉོན་མོངས་གཞོམ་པ་ क्लेशवध बो.च.४.४२ग

ཉོན་མོངས་ཟིལ་ནོན་ क्लेशाभिभूत रा.प.९५.१९

ཉོན་མོངས་བཟོད་ क्लेशक्षम अ.हृ.१.१६.१०

ཉོན་མོངས་བཟོད་པ་ दान्त अ.को.२८४.४७

ཉོན་མོངས་ཤེས་བྱ་ क्लेशज्ञेय लं.सू.१७३ख

ཉོན་སྨོངས་ समुदय श.दा.

ཉོར་(ཤིག་) भुङ्क्ष्व म.व्यु.६३१५

ཉོལ་ ཉལ་བ་ इत्यस्य लोट्

ཉོས་ ཉོ་བ་ इत्यस्य भू, भवि., लोट्

ཉོས་པ་ क्रीत म.व्यु.९४४१

ཉོས་ལ་ क्रीत्वा बो.च.९.१३६ख

གཉན་སྒྲོལ་ཡན་ལག་དྲུག་པ་ °षडंगतारा चि.पं. २ग



གཉན་སྒྲོལ་ཡན་ལག་དྲུག་པ།

གཉན་པ་ = གཉན་པོ་ चण्ड ग.दा.

གཉན་ཡོད་ (མཉན་ཡོད་) श्रावस्ती म.व्यु.४११०, श.पं.८१, १०३, १०५, ११५, १२२, १३०

གཉན་ལུགས་སྒྲོལ་དཀར་ चि.पं.१ग

གཉའ་ (१) ग्रीवा म.व्यु.५००२
(२) प्रतिभू म.व्यु.७६५४
(३) मन्या म.व्यु.६५५०
(४) सं. ०० म.व्यु.८५४३, ८६०६

གཉའ་གོང་
མི་ན་བར་～དུ་བསྒོལ་བ་ལ་ཆོས་མི་བཤད་
न व्यस्तिकाकृतायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः म.व्यु.८६०६

གཉའ་གོང་དུ་མི་བསྒོལ་ नोद्व्यस्तिकया म.व्यु. ८५४३

གཉའ་དྲག་ मुखर बो.च.८.१६६क

གཉའ་བ་ (१) कण्ठ उद्रा.१७.३१
(२) ग्रीवा उद्रा.२०.७, २६.१
(३) = སྐྱིང་སྐྱེ་ प्रतिभूजम श.दा.

གཉའ་བ་སྣུད་དེ་ कण्ठे परिष्वज्य उद्रा.१७.३१

གཉའ་རེངས་པ་ मन्यास्तम्भ म.व्यु.६५५०

གཉའ་ཤིང་ युग उद्रा.२०.१६, बो.च.४.२०ख, म.व्यु.५६३६, ८५३६, श.दा., श.पं.५

གཉའ་ཤིང་གང་དུ་བལྟ་བ་ युगमात्रानुसारिन् लं.सू: २८६क

གཉའ་ཤིང་ཙམ་དུ་བལྟ་བ་(ལྟ་བ་) युगमात्रदर्शिनः म,व्यु.८५३६

གཉའ་ཤིང་འཛིན་ (१) युगंधर द.भू.११ख



གཉན་ལུགས་ སྒྲོལ་དཀར།

(२) युगंधार <गिरि-नाम> म.व्यु.४१४५

གཉི་ द्र. ཉི་མ་

གཉི་ག་ (१) उभ न्या.बि.१८१.२

(२) उभय का.प.७०, ८०, न्या.बि.१८.१७, ४४.१६, ५२.६, १४, १८..., बो.च.५.४४ख(दे.), ६.४ग, श.दा.(=གཉིས་ཀ་)

(३) उभौ सु.प्र.३६.१३, १२७.६, १४८.१०...

(४) द्वय न्या.बि.१५.२०, ११६.६, १४४.१७..., बो.च.६.४३ख(दे.)

(५) द्वि न्या.बि.१०.२०, ४५.२, ३, ११, १३, ५०.१०..., बो.च.

དེ་དག་~ལ་ द्वयोः बो.च ६.५८क

(६) संस्कृते द्विवचनम् न्या.बि.१४.६, ११६.५, १८०.१६, बो.च.६.५८ग

(७) संस्कृते द्वन्द्वम्

ལུས་ཅན་རྣམས་ལ་སེམས་ཡོད་དང་། སེམས་མེད་གཉི་གས་གནོད་བྱས་ན། चेतनाचेतनकृता देहिनां नियता व्यथा बो.च.६.६६कख(दे.)

(८) सं ००

གང་ཚེ་བདག་དང་གཞན་~། བདེ་བ་འདོད་དུ་མཚུངས་པ་ལ། यदा मम परेषां च तुल्यमेव सुखं प्रियम् बो.च.८.९५कख

द्र. གཉིས་ཀ་

གཉི་ག་བསྐྱེབས་པ་ उभयजन्मा का.आ.३.१०५

གཉི་ག་དང་ལྡན་པ་ उभयवत् न्या.बि.५२.६, ८८.४

གཉི་ག་ལྡོག་པ་ལ་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ संदिग्धोभयव्यतिरेक हे.त.७६

གཉི་ག་ལྡོག་པར་མེད་པ་ उभयाव्यावृत्त हे.त.७२

གཉི་ག་མ་གྲུབ་པ་ अप्रसिद्धोभय हे.त.१६

གཉི་ག་མ་ཡིན་པའི་ཚིག་ अनुभयपद लं.सू.१२८क

གཉི་ག་མེད་པ་ལ་ (१) नोभयमन्तरेण का.प.१४३

(२) नोभयायोमन्तराले (sic) का.प.९८

གཉི་ག་ལ་ उभयत्र न्या.बि.४३.१०

གཉི་ག་ལ་མ་གྲུབ་པ་ उभयासिद्ध न्या.बि.(भा.) १४१

གཉི་ག་ལས་ལྡོག་པ་ उभयव्यतिरेक न्या.बि.(भा.) २११

གཉི་ག་ལས་ལྡོག་པ་ལ་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ संदिग्धोभयव्यतिरेक न्या.बि.(भा.)२११

གཉི་གའི་ལྡོག་པ་ཅན་ उभयव्यतिरेक का.आ.२.१८०

གཉི་གའི་ཚིག་ उभयपद लं.सू.७४क

གཉི་གར་ཉེས་པར་འགྱུར་བ་ उभयदोषप्रसंग लं.सू.१५४ख

གཉི་གདུག(ས་)སྙིང་པོ་ आदित्यगर्भ म.व्यु.७०८

(ག)ཉི་(མ་) सूर्य द.मू.१अ, ३म, ५ल, ७न, १०ह, ११ए

གཉི་བཤེས་ सूर्यमित्र <यक्ष-नाम> सु.प्र.१२६.२१

གཉིག་ཏུ་ एकान्त श.दा.

གཉིད་ ཧྲིད་པ་ इत्यस्य भवि.

(१) तन्द्रा श.दा.

(२) निद्रा बो.च.७.३ख, ५ग, ७३ग, ९.१५१ग, लं.सू.८०ख, श.दा., स्र.स्तो.७२

(३) मिद्ध उद्रा., प्रस.२७१.१०, म.व्यु.१९८२, श.दा , सं.नि.८.३३

(४) शयन श.दा.

(५) स्त्यान बो.च ८ १८५घ

(६) स्वप्न श.दा.

གཉིད་ཀྱི་ལོག་པ་ अपस्वापन श.दा.

གཉིད་ཀྱིས་ནོན་པའི་མིག་ मिद्धावष्टब्धलोचन उद्रा.१५ २७

གཉིད་ཀྱིས་ལོག་ (१) सुप्त सु.प्र.११५.१६

(२) स्वप्न सु.प्र ११५.२१

གཉིད་ཀྱིས་ལོག་པ་ (१) अपस्वापन म.व्यु. ६६३९

(२) सुप्त सु.प्र.१९.१

གཉིད་ཀྱིས་ལོག་ལས་སད་ स्वप्नाद् विबुद्धः सु.प्र. ११५ २१

གཉིད་དཀྱིལ་ན་ सुप्तमध्ये सु.प्र.११५.१८

གཉིད་ཅན་ निद्रालु श दा.

གཉིད་ཆག་ जागरित श.दा.

གཉིད་དང་རྨུགས་པ་ स्त्यानमिद्ध बो.च.८.१८५छ

གཉིད་མ་བྱུང་བ་ जागरूक श.दा.

གཉིད་...མེད་པ་ जागरिका लं.सू.८०ख

གཉིད་མོ་ सुषुप्सा, स्वप्नालु श.द .

གཉིད་ལ་བརྟེན་ང་ निद्रापाश्रय बो.च.७.३ख

གཉིད་ལོག་ (१) निद्रा बो.च.७.६घ, ७.१४च

(२) सुप्त प्रस.३८६.७, बु.च.२, बो च.१.९क, १० २६ग

གཉིད་ལོག་པ་ (१) मिद्धमवक्रान्त उद्रा ८२ २१

(२) सुप्त उद्रा.२९.२, म.व्यु.६९२५, दा.पं. १३७

གཉིད་ལོག་པ་སེམས་མེད་པ་ अचित्तकापस्वापन स.नि.१० ९

གཉིད་སད་ प्रतिबुद्ध द.भू ८अ.

གཉིད་སད་པ་ जागरित, जागरूक श.दा.

གཉིད་སད་པར་འགྱུར་ जागृ श.दा.

གཉིས་ (१) उभ ना.आ.१३.१४, न्य.वि.७.१३ २

(२) उभय का.प., च.ग.१०, २१, बो.च९.४२ग. म.व्यु.८७७५

མཐའ་གཉིས་ལ་ उभयोरन्तयोः का.प.१५४

(३) उभावत् लं.सू.१२५क

(४) द्वय का.आ.१०.२, का.प.५६, न्या.बि. ५० ७, ५१.१४, ६०.६ ..., बो.च., श.दा., सु.प्र.४३.२४

བདེན་པ་གཉིས་ सत्यद्वयम् बो.च.९.२ख

(५) द्वि उद्रा.१.३, का.प., न्या.बि.२.६, १२.७, ८, ९(क), १०, २४.४ ..., प्रद.२, ·

बो.च., म.व्यु.८०७०, ८३८२, ८४४०, ८८२२, ९३३३, ९४६९, मू.का.१, ल.वि.७.१३.१०, श.दा., सु.प्र.८.९, १०, १२.१, २, १७.२१ ...

རྣམ་གཉིས་ द्विधा बो.च.९.३क

རྣམ་པ་གཉིས་ द्विविध बो.च.१.१५ख

རང་བཞིན་གཉིས་ द्विस्वभाव बो.च.९.१४८घ

(६) द्वितीय का.प., म.व्यु.८६६१

མཐའ་གཉིས་སོ་ द्वितीयोऽन्तः का.प.५६

(७) सं. द्विविध न्या.बि.९.९, ४.३, ७.७ ...

(८) द्वौ का.प.१११-१८, १३०

(९) संस्कृते द्विवचनम् न्या.बि.४.३, ७.७, १४.१५ ...

རྐང་པ་གཉིས་ལ་ पादयोः उद्रा.३७.१८

རེ་ཏུ་ཀ་དང་རྡེ་ཏུ་ཀ་གཉིས་ हिवभिदकौ उद्रा.३७.११

བྲིད་གཉིས་ भवन्तौ सु.प्र.१५९.१०

བྲེའུ་དེ་གཉིས་དང་ལྷན་ཅིག་ཏུ་ ताभ्यां दार-काभ्यां सार्धम् सु.प्र.१४३.२१

འདི་གཉིས་ཀྱི(ས་) अनयोः बो.च.१.१६ग

ཞབས་གཉིས་ལ་ चरणयोः सु.प्र.१२.१७

(१०) सं. ०० बो.च., म.व्यु.८३६८

ཁྱོད་དང་འདི་གཉིས་སོ་སོ་ན(ས་) त्वत्तश्चेत् पृथगेवायम् बो.च.५.६०ग

བདག་ཅག་གཉིས་ वयम् उद्रा.३३.२७

འདི་གཉིས་ཀྱི་ནི་ཁྱད་པར་ལྟོས་ सं. दृश्यतामि-दमन्तरम् बो.च.८.१३०घ

གཉིས་ཀ་ (१) उभय च.श.१०, द.भू.६ग, ९क, न्या.बि.२००.९, बो.च.५.४४ख(दे. གཉི་ག), ९.४१ग, लं.सू.८२ख, श.दा., सं.नि.८.३३, श्र.स्तो.६१

(२) उभयस्य लं.सू.१०१ख

(३) उभौ सु.प्र.१६७.२७

(४) द्वय बो.च.६.४३ख(ना.)

(५) द्वि बो.च.९.७१ग(ना.), ९.११२घ(ना.)

(६) द्वेधा उ.व.१६

(७) संस्कृते द्वन्द्वम्

ལུས་ཅན་རྣམས་ལ་སེམས་ཡོད་དང་། སེམས་མེད་གཉིས་ཀས་གནོད་བྱེད་ན། चेतनाचेतन-कृता देहिनां नियता व्यथा बो.च.६.६६कख (ना.)

གཉིས་ཀ་བརྟག་པ་ उभयपरीक्षा न्या.ह.३२६

གཉིས་ཀ་ལྡོག་པ་མེད་པ་ उभयाव्यावृत न्या.प्र.४१, ४९

གཉིས་ཀ་མ་གྲུབ་པ་ उभयासिद्ध न्या.प्र.४४

གཉིས་ཀ་མ་ཡིན་པ་ (१) अद्वय द.भू.६अ, ७अ

(२) अनुभय लं.सू.१००ख

(३) अनुभयत्व लं.सू.१०१क

(४) उभयविमुक्त द.भू.६ग

གཉིས་ཀ་མ་ལགས་པ་ नोभय लं.सू.९९क

གཉིས་ཀ་རབ་ཏུ་གྲགས་པ་མ་ཡིན་པ་ अप्रसिद्धो-

भय न्या.प्र.११, १९

གཉིས་ཀ་ལ་ (१) उभयत्र न्या.प्र.३८, ३९, ५७

(२) उभयोः न्या प्र.३४

གཉིས་ཀ་ལ་མ་གྲུབ་པ་ उभयासिद्ध न्या.प्र.२२, २४, म.व्यु.४४९७, हे.त.२६

གཉིས་ཀའི་ཆ་ལས་རྣམ་པར་གྲོལ་བ་ उभयतो भागविमुक्तः म.व्यु.१०२८, श.दा.२१०ख

གཉིས་ཀའི་ཆའི་ཉིང་ངེ་འཛིན་ उभयतो भागसमाधिः (?) सं.नि.९.१८.२.५

གཉིས་ཀའི་ཆོས་མ་གྲུབ་པ་ उभयधर्मासिद्ध न्या.प्र.४१, ४७

གཉིས་ཀའི་དོན་ उभयार्थं श दा.

གཉིས་ཀའི་ཕྱོགས་གཅིག་གི་ཡུལ་ལ་ཡོད་པ་ उभयपक्षैकदेशवृत्ति न्या.प्र.२८, ३३

གཉིས་ཀའི་བཤད་སྦྱར་ उभयनिबन्ध कं तं. १४०९

གཉིས་ཀྱི་གཉིས་སྙོད་པ་ द्वयद्वयसमाप्ति श.दा.

གཉིས་ཀྱི་མཐའ་ द्वयान्त लं.सू.१८०क

གཉིས་ཀྱིས་གཉིས་སྙོད་པ་ द्वयद्वयसमापत्ति म.व्यु.९४६९

གཉིས་ཀྱིས་གཉིས་སྙོད་པར་བྱ་བ་ द्वीन्द्रियसमापत्ति द भू.२द

གཉིས་ཀྱིས་མཐའ་བརྗོད་ उभयान्तकथा लं.सू.७० क

གཉིས་སྐྱེས་ द्विज, द्विजाति, ब्राह्मण श.दा.

གཉིས་དགའི་ཁྱིམ་ रतिगृह श.दा.

གཉིས་ཆ་ युगपत् श.दा.

གཉིས་གཉིས་ (१) द्वयाद्वयम् सु.प्र.८३.२५

(२) द्वयोर्द्वयो सु.प्र.१४०.२

གཉིས་གཉིས་སྤྲོད་ कंक, कोञ्च श.दा.

གཉིས་སྟོང་རྟོགས་པའི་རྣལ་འབྱོར་གྱི་ས་ प्र.गा. ४८

གཉིས་འཐུང་ द्विप बु.च.२६, बो.क.१९, श.दा., स्र.म्तो ६१, ७०

གཉིས་ལྡན་ द्वापर, द्विवार श.दा.

གཉིས་ལྡན་དུས་ द्वापरयुग श.दा.

གཉིས་པ་ (१) द्वय श.दा.

མི་～ अद्वय द.भू.५च

(२) द्वि न्या.बि.(भा.) १६५

(३) द्वितीय उद्रा.३७.२०, का.प., न्या.बि. २३.१५, ४३.६, ७५.१९..., बु.च.३२, बो.च.५ १०६घ(ना.), म.व्यु.१३१५, १४७९, १५०९, १५१२, १५२१, ६६७५, ८१८०, ८३९५, ८४३०, ८६६५, श.दा., सं.नि. ७.२४, ८.११, सु.प्र १८.१०, १७१.१८

གཉིས་པ་ཅན་ द्विका श.दा.

གཉིས་པ་མེད་པ་ अद्वितीय च.श.१८

གཉིས་པ་མ་ द्वितीय लं.सू.१८२क

གཉིས་པོ་ (१) उभौ सु.प्र.

གཞོན་ནུ་～དག་ उभौ कुमारौ सु.प्र.१७२.

१५

(२) द्वय अ.अ.३.१५, ७.५, उद्रा:, न्या.बि. १९६.४, बो.च.९.१०८ख, श.दा.

ཚིགས་སུ་བཅད་པ་~ गाथाद्वय उद्रा.५.२४

(३) द्वापर लं.सू.२०५क

(४) द्वि न्या.बि.१६५ ३, ४, ल.वि.१६.१.३, २.१९

(५) द्वितीय बो.च.५.१०६घ(दे.), लं.सू.१५४ ख(°या)

དཔོན་གཡོག་~ཞིག་མཆིས་སོ་ सं .आत्मना-द्वितीय आगत: उद्रा.१७.२६

(६) द्वैविध्य न्या.बि.९४ १६

གཉིས་པོ་ཀྲུ་བ་ द्वयसमुदाचार द.भू.८च

གཉིས་མེད་ अद्वय मं.नि १.६

གཉིས་མེད་ཀྱི་རྩ་བསྒོམ་པའི་རིམ་པ་ अद्वयनाडिका-भावनाक्रम कं.तं.२४२२

གཉིས་མེད་གྲུབ་པ་ अद्वयसिद्धिसाधन नी पु.२.८५६ (कं.तं.२२२०)

གཉིས་མེད་རྣམ་རྒྱལ་ཆུང་བ་ अद्वयसमताविजया-ख्याकल्पमहाराज नी.पु.२ ४१७ (कं.तं.४५२)

གཉིས་མེད་པའི་མཚན་ཉིད་ अद्वयलक्षण लं सू.९३ख

གཉིས་མེད་པའི་ཤེས་པ་ अद्वयज्ञान सं.नि.४.९

གཉིས་མེད་ཚུལ་སྟོན་མཆོད་སྦྱིན་བཟང་ द्र. མཆོད་སྦྱིན་བཟང་པོ་ भद्र ७६९

གཉིས་མེད་ཚུལ་སྟོན་འབྲུག་སྒྲའི་མཚན་ द्र. འབྲུག་སྒྲ་

གཉིས་འཛིན་ द्वयस्थ श.दा.

གཉིས་ཟུང་དུ་འབྲེལ་བ་ युगपत् द.भू.७अ.

གཉིས་ལ་ स. किंचित् (कश्चित्) न्या.बि.१५८. ६, ८

གཉིས་ལ་གནས་ द्वयस्थित सं नि.१.६

གཉིས་ལ་གནས་པ་ द्विष्ठ म.व्यु.४४८४

གཉིས་བཤེས་=གཉི་བཤེས་

གཉིས་(སུ་) द्वय अ.अ.५.३४, ८.३६

གཉིས་སུ་ག་ द्वे ल.वि.७.१४.१७

གཉིས་སུ་གྲུབ་དེར་དམར་པོ་(ལ་)བཞག་པ་ उभयतो लोहितकृतोपधानम् म.व्यु.७६६१

གཉིས་སུ་སྤྱོད་པ་མེད་པ་ अद्वयसमुदाचार म.व्यु. ३५२

གཉིས་སུ་བྱར་མེད་ཅིང་ अद्वैधीकार म.व्यु.१७२३

གཉིས་སུ་བྱར་མེད་པ་ अद्वैधीकार म.व्यु.१७१८, श.दा

གཉིས་སུ་དབྱེ་ द्विविध न्या.प्र.७, ४४

གཉིས་སུ་མེད་ཅིང་ अद्वय म.व्यु.१५३९-४०

གཉིས་སུ་མེད་པ་ (१) अद्वय अ.अ.४ ५९, ७.५, द.भू.१०ज, म.व्यु.२३, ३५२, ३६७, १७१७, १७२३, श.दा . सं.नि.०.२

(२) अद्वयि श.दा.६४४ख

(३) अद्वितीय का.प.९९, १०५, द.भू.५ग,

ग.दा.

གཉིས་སུ་མེད་པ་མཉམ་པ་ཉིད་རྣམ་པར་རྒྱལ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་རྟོག་པའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ (आर्य) **अद्वयसमताविजयाख्याकल्पमहाराज** कं.तं. ४५२

གཉིས་སུ་མེད་པ་གསུངས་པ་ **अद्वयवादिन्** ग.दा.

གཉིས་སུ་མེད་པའི་སྐད་ཅིག་མའི་སྦྱོར་བ་ **अद्वयैक-क्षणाभिसंबोध** (क्षणिकप्रयोग) प्र.पा ८३

གཉིས་སུ་མེད་པའི་སྤྱོད་པ་ **अद्वयसमुदाचार** म.व्यु. ३५२

གཉིས་སུ་མེད་པའི་མཚན་ཉིད་ **अद्वयलक्षण** सं.नि. १.१, १०.१०

གཉིས་སུ་མེད་པར་གྲུབ་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **अद्वय-सिद्धिसाधन** कं.तं.२२२०

གཉིས་སུ་མེད་པར་གསུང་བ་ **अद्वयवादिन्** म.व्यु. २३

གཉིས་སུ་རབ་ཏུ་ཕྱེ་བའི་རྣམས་སོ་སོ་ཐ་དད་པ་མ་ཡིན་ **द्वयप्रभावित** लं.सू.९३ख

གཉུག་མར་གནས་པ་ **°निवासिन्** उद्रा.४०.५, ११, २१, २७

ག;་མ་ **अन्त्रगुण** म.व्यु.४०२५, श.दा.(अन्त°)

གཉེན་ (१) **अमात्य** ना.आ.७.३

(२) **कुटुम्ब** बो.च.

(३) **बन्धु** बु.च.३५, बो.च.२.४१ख, ६१ख, ६.११९क..., भ.गी.१, म.व्यु.३४७८, श.दा., सु.प्र.११२.१९. म.स्तो.६५, ७२

སྐྱེ་བོ་གཉེན་ **बन्धुजन** सु.प्र.११२.१९

(४) **बान्धव** बु.च.२, बो.क.२, ११, श.दा.

(५) **मित्र** श.दा.

བཤེས་གཉེན་ **कल्याणमित्र** श.दा.

(६) **सालोहित** बो.च.८.६५क

(७) **सुहृत्** श.दा.

(८) **स्वजन** भ.गी.२, लं.सू.१६८क

द्र. དཔུང་གཉེན་

གཉེན་གྱི་བུ་ **ज्ञातिपुत्र** म.व्यु.३५५०

གཉེན་གྱིས་འཚོ་བ་ **कुटुम्बजीविन्** बो.च.६.८२ग

གཉེན་ཅན་=གཉེན་ **बन्धु** श.दा.

གཉེན་བཅས་ **सजन** ल.वि.१५.१२.२२

གཉེན་ཉེ་བ་=གཉེན་ཉེ་མོ་ **कुटुम्ब, निकटकुटुम्ब** श.दा.

གཉེན་མདབ་ **बन्धु** लं.सू.१७०क

གཉེན་མདབ་ཀྱི་སྐྱེ་བོ་ **ज्ञाति** लं.सू.१७०क

གཉེན་འདབ་ **स्वजन** म.व्यु.३९१३

གཉེན་འདུན་ (१) **बन्धु** म.स्तो.८६

(२) **बान्धव** श.पं.११

གཉེན་ལྡན་ **बन्धुमत्** तु.४८९, ४९२(°मती)

གཉེན་པ་ **ज्ञाति** श.दा.

གཉེན་པས་བསྲུང་བ་ **ज्ञातिरक्षित** श.दा.

གཉེན་པས་བསྲུངས་ **ज्ञातिरक्षिता** म.व्यु.९४६१

གཉེན་པོ་ (१) प्रतिपक्ष अ.अ.१.११, १४, ३४, ३७, ४७, ७१, २.३०, ३.७, ४.२९, ५.८, १४.४१, का.प., प्र.पा.६५, प्रस.३५८.८, बो.च. ५.५४ग, ८१ख, ९.५४ख ., म.सू., श.दा., सं.नि.४.५, ७.१, २७, ८.२०.८, ८.३०, ३५

ནང་གི་སེམས་ཀྱི་གཉེན་པོར་གྱུར་པ་དག།

अध्यात्मचित्तं प्रतिपक्षतदच का.प.१०७प.

(२) प्रतिहर ग.दा.

(३) प्रत्यनीक ग.दा.

(४) = རྣ་ལག་ मित्र ग.दा.

द्र. བཤེས་གཉེན་

གཉེན་པོ་ཉིད་ प्रतिपक्षत्व अ.अ.२.३१

གཉེན་པོ་ཐོབ་པས་དངོས་པོར་མི་འགྱུར་བ་ प्रतिपक्षालाभाद्वस्त्रभूतता द.भू ९ह

གཉེན་པོ་ཕྱོགས་ཀྱི་གཞི་ཤེས་ प्रतिपक्षभूतवस्तुज्ञान प्र.पा.७७

གཉེན་པོ་ལ་སྨོན་པོར་དགོངས་པ་ प्रतिपक्षाभिसन्धि म व्यु.१६७४, श.दा.७१२क (°སྨོན°)

གཉེན་པོ་འི་སེམས་ प्रतिपक्षचित्त स.नि ८.३७.४

གཉེན་བྱེད་པ་ विवाह् ग.दा.

གཉེན་མཚན་ सं. कुटुम्ब ना.आ.३.८

གཉེན་རིང་པོ་ दूरकुटुम्ब ग.दा.

གཉེན་བཤེས་ (१) बन्धु बो.च.२.४०ख

(२) बन्धुभृत लं.सू.१६७ख

གཉེན་བཤེས་དང་གཉེན་ स्वजनबन्धुभाव लं सू.१६८क

གཉེན་བཤེས་སམ་གཉེན་ स्वजनबन्धुबन्धुभूत लं.सू.१६७ख

གཉེའུ་རིངས་ मन्यास्तम्भ म.व्यु.९५५०

གཉེར་

ཁྲོ་གཉེར་ भृकुटि श.दा.४९५क

དོན་དུ་མི་གཉེར་ཞིང་ आर्थिक का.प.१२६प.

དོན་མི་གཉེར་ अनर्थिका का.प.१२६प.

द्र. ཁྲོ་གཉེར་, མགྲོན་གཉེར་, དོན་གཉེར་

གཉེར་འདོད་པ་

དོན་དུ་~ °अर्थिन् बो.च.५.५१ख

གཉེར་པ° भाण्डारिन् श.दा.

གཉེར་བ་ (१) अभ्यर्थित मु.प्र.१५९.२१

(२) शोषपति म.व्यु.३७३९

(३) རྒྱལ་སྲིད་དོན་དུ་~ राज्येनार्थी उद्रा.४२.२७

གཉེར་བའི་ཆོས་ अनुधर्म द.भू.३ह, क

གཉེར་བར་འདོད་པ་

རང་དོན་~ स्वार्थार्थिन् बो.च.५.५२ख

གཉེར་མ་ (१) वली म.व्यु.४०९९

(२) वलिका म व्यु.६९४६

(३) वली म.व्यु ४०८७, श.दा.

གཉེར་མ་དངས་ विततवलीक ग.दा.

གཉེར་མ་མང་ वलीप्रचुरता श.दा.

གཉེར་མ་མང་བ་ वलीप्रचुरता म.व्यु.४०८७

གཉེར་མ་རངས་བ་ विततवलिका म.व्यु.६९४६

(पा.°རིངས་བ་)

གཉེལ་བ་ = ངལ་བ་ श्रम, श्रान्त श.दा.

གཉོད་ (१) कुलत्थुल्क म.व्यु.६७९७

(२) सं. ०० म.व्यु.६७९६

གཉོས་ལུགས་

མགོན་པོ་དཀྲུད་~ चि.पं.१२८ख

མཉན་ श्रुणोति का.प.१०प.

མཉན་ཉེས་པ་ दुःश्रुत म.व्यु.२४७६

མཉན་ནེ་ (१) प्रतिश्रुत्य ल.वि.७.३.१०

(२) श्रुत्वा उद्रा.११.२६

མཉན་དུ་མི་རུང་(བ་) अश्रावण न्या.बि.१३३.५,

११

མཉན་དུ་རུང་བ་ श्रावण न्या.बि.१३३.१०

མཉན་(ना.མཉམ་)ན་ श्रूयते बो.च.८.११ग

མཉན་ནས་ प्रतिश्रुत्य उद्रा.

བཅོམ་ལྡན་འདས་ལས་~ भगवतः प्रतिश्रुत्य

उद्रा.१२.२३

མཉན་པ་ (१) मधुर म.व्यु.२८१०

(२) शृणुथ उद्रा.११.३१

(३) श्रवण अ.अ.४.६, सं.नि.१०.१०, सु.प्र.

३.१७, ५८.२२, १२९.५

ཆོས་~ धर्मश्रवण सु.प्र.५३.३, ६८.१६,

६९.१

(४) ཆོས་~ धर्मश्रवणिक सु.प्र.८१.२

(५) श्रुति ग.पं.७२

(५) श्रोतव्य उद्रा.१६.१७, १८

(६) श्रोतृ सु प्र.५३.१५

(७) གུས་པར་~ उपासन ग.पं.९०

द्र. ཉན་པ་, ཐོས་པ་, གསན་པ་

མཉན་པར་གྱིས་ (१) शृणुध्व सु.प्र.७.२

(२) शृणोहि सु.प्र.१६.११

མཉན་པར་གྱུར་ शृणुयुः सु.प्र.९६.४

མཉན་པར་བགྱི་ (१) शृणुमः उद्रा.११.३२

(२) शृणोमि सु.प्र.३८.२२

(३) श्रुणेय सु.प्र ३९.१

(४) श्रोतव्य सु.प्र.५८.२१, ५९.८, ७१.१६,

२५(°སྨྲེ་), ७४ ५, ९५.३०

མཉན་པར་བྱ་ (१) श्रोतव्य प्र.द.१९, सु.प्र.५.४,

७६.२६, १२०.११

(२) श्रोष्यामि सु.प्र.६१.८

མཉན་པར་བྱ་བ་ (१) श्रवण सु.प्र.७८.१

ཆོས་རྣམས་~ धर्मश्रवण सु.प्र.७८.१

(२) श्रावणत्व न्या.बि.४३.१

མཉན་པར་བྱོས་ शृणुध्वम् सु.प्र.१०४.१२

མཉན་པར་འོས་པ་ श्रवणीय द.भू.२ग, म.व्यु.

४५३

མཉན་བྱ་ཉིད་ श्रावणत्व न्या.प्र.३०. ३४

མཉན་བྱ་བ་མ་ཡིན་ **अश्रावण** न्या.प्र.१२

མཉན་འོས་ **श्रव्य** श.पं.६७

མཉན་ཡོད་ **श्रावस्ती** उद्रा.४४.१३, बो.क.११,

म.व्यु.४११०, श.दा., श.पं.८१, १०३, १०५, ११५, १२२, १३०

མཉམ་ (१) **अविषम** बो.च.

(२) **तुल्य** अ.अ.८.१६, १७

(३) **स°** बो.च.

སྐལ་བ་མཉམ་སྤྱོད་ **सभागचरित** बो.च.८.६ क

(४) **सम** प्र.द.१, बो.च.६.११६घ, ८.१२क, १०.३५ग , श.दा., म.नि.७.२४, ८.२०.२, मु.प्र ८० २३

མི་མཉམ་ **विषम** बो.च ६.१०७ग

(५) **समापन्न** श.दा.

(६) सं. ००

ཐམས་ཅད་བདག་བཞིན་བདེ་བ་འདོད་མཉམ་གཅིག་ सं. **तथा जगत्क्लिन्नमभिन्नदुःख-** (पा. °दुःखं) **सुखात्मकं सर्वमिदं तथैव** बो.च. ८ ६१घ

མཉམ་དཀར་ = མཉམ་སྐྱེས་ **समकर्म** श.दा.

མཉམ་སྐྱེས་ = མཉམ་དཀར་

མཉམ་འཇོག་ (१) = མཉམ་པར་འཇོག་པ་ **ध्यान** श दा.

(२) **समाधि** बो.च.८.६ख, श.दा (= མཉམ་པར་འཇོག་པ་)

མཉམ་འཇོག་གཟུགས་ཅན་ **समाधानरूपक** का.आ. २.६१

མཉམ་རྗེས་ = མཉམ་བཞག་ཡེ་ཤེས་ **समाहितज्ञान** + རྗེས་ཐོབ་ཡེ་ཤེས་ **पृष्ठलब्धज्ञान** प्र.पा.४१

མཉམ་ཉིད་ **समता** (१) नी.पु.२.५७२, प्र.पा.७७, श दा. (= ཐུམ་ཚད་)

(२) = ཐུམ་ཚད་ **समानता** श.दा.

མཉམ་ཉིད་དཔེ་ **समानोपमा** का.आ.२.२६

མཉམ་ཉིད་གཞིའི་སྒྲོན་མ་ **समतावस्तुप्रदीप** कं.तं. २३१६, नी.पु.२ ६०६

མཉམ་ཉིད་ཡེ་ཤེས་ **समताज्ञान** प्र.पा.४५, लं.सू: १६१क

མཉམ་མཉམ་ **समसम** श.दा.

མཉམ་ལྡན་ **समदर्शिन्** <राज-नाम> नी.पु.१.१५

མཉམ་དུ་ (१) **समम्** अ.अ.१.६५, ८.३३

(२) **समीन** ("yearly")श.दा.

द्र. ཚབས་ཅིག་

མཉམ་གནས་ (१) **अविषमस्थित** बो.च.६.१२७ ख

(२) **समस्थ** श.दा.

(३) **समान** <वायु> अ.हृ.१.१२.८

མཉམ་པ་ (१) **तुल्य** प्र.द.२१

(२) **युगपत्** म.व्यु.६५५७, श.दा.

(३) शात म.व्यु.१८८२

(४) स° बो.च.

སྐལ་མི་~ विषभाग बो.च.८.९ग

སྐལ་བ་~ར་སྐྱེས་ सभागतायामुपपन्नानि सु.प्र.१४९.१३

(५) सदृश श.पं.२७

རིགས་~ सदृशं कुलम् उद्रा.४७.३२

(६) सम अ.अ.४.३५, ८.२२. २८, ३०, उद्रा.११.१४, उ.व.६, का.प.१०३, द.भू.१कु, २त, प्र.द.१, बो.च., भ.च.६ख, म.व्यु.१०३, २३८, २४२, ३२४, ३३४, ३३७, ५७१, ५८७, ८३३, १११०, १८९६-९७, २५२९, ५६०५, ६३७९, ८५६६, श.दा., सु.प्र.१२.२१

བདག་དང་སྐལ་བ་~ मत्समभागः बो.च. १.३ग

མི་~ असम सु.प्र.१२.२१

མི་~དང་མཉམ་པ་ असमसम द.भू.४ह

སེམས་~ समचित्त° का.प.१५३, समचित्तता का.प.१२

(७) समता का.प.१०४, बो.च.

བདག་དང་གཞན་དུ་~ཉི་ परात्मसमताम् बो.च.८.९०क

(८) समाहित श.दा.

(९) सम्यक् श.दा.

(१०) སྐལ་བ་~སྐལ་པ་ सहभव्यता म.व्यु. ६७५०

ཉ་~ अल्पिक उद्रा.४७.३६

མཉམ་པ་བརྟེན་ང་ समवृत्त श.दा.

མཉམ་པ་ཉིད་ समता अ.अ.१.११, १३, ७२, २ ३१, ३ १ (=तुल्यता ह.भ.), १०, का.प. १६ग., द.भू १अ, स, कु, क्ष, कक, ४क, ५अ, ६अ. ७अ., ८ब, म.व्यु.११२, ३५५, ३६०, ३६९, ५६६, ६१५, ८४०, १६६७, ४३०१, लं.सू.७८क, सं.नि.०.२, स.रा.८.७, १९.१, ४, ५, ८ १०, १४, ३४

མཉམ་པ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ समताज्ञान म.व्यु.११२

མཉམ་པ་ཉིད་ཡོན་དན་གྱི་མཚན་མ་ समतागुणलक्षण का.आ.१ ४७

མཉམ་པ་ཉིད་ལ་དགོངས་པ་ समताभिप्राय म.व्यु. १६६७

མཉམ་པ་མེད་པ་ (१) असम म.व्यु.१११०, २५२८

(२) असमवर्तमान श.दा.

(३) མི་~ अविषम का.प.१०४

(४) समो न विद्यते का.प.१३७प. (འདི་)

མཉམ་པ་མེད་པའི་ཤེས་རབ་ असमप्रज्ञ म.व्यु. १११०

མཉམ་པའི་རྡོ་རྗེ་ सामवज्र नी.पु.२.८४३

མཉམ་པའི་གཟི་བརྗིད་ समतेजस् मद्र.४२९

མཉམ་པར་འཇོག་ समाधीयते म.व्यु.१५८९

མཉམ་པར་འཇོག་པ་ समाधि श.दा.

द्र. མཉམ་འཇོག་

མཉམ་པར་མ་གཞག་པ་ **असमाहित** म.व्यु.१३९
(पा. °བཞག་པ་)

མཉམ་པར་རྒྱུ་ངན་འདས་ **समताद्धितनिर्वृत** द.भू. १कु

མཉམ་པར་གཞག་ (१) **समाधान** बो.च.८.३८ग
(२) **समाहित** का.प.१३७प.

མཉམ་པར་གཞག་པ་ (१) **समाधान** बो.च. ८.१८७घ(दे.) (ना. °བཞག་པ་)
(२) **समाहित** म.व्यु.२११, १४८९, १४९०

མཉམ་པར་གཞག་ཕྱིར་ **समाधानाय** बो.च.८.३८ग

མཉམ་པར་གཞོག་སྟེ་ **समापद्यते** द.भू.७ह १०ब

མཉམ་པར་བཞག་ **समापन्न** द.भू.१०द

མཉམ་པར་བཞག་ར(ས་) **समाहित** म.व्यु.१५९०

མཉམ་པར་བཞག་པ་ (१) **प्रणिधान** श.दा.
(२) **प्रणिहित** श.दा.
(३) **समादधाति** श.दा.
(४) **समाहित** द.भू.३म, ९ज, म.व्यु.१४८९, श.दा., म रा २२.२२

མཉམ་པར་བཞག་པ་བདག་ཉིད་ **समाहितात्मन्** भद्र.६५७

མཉམ་པར་བཞག་པའི་བདེ་བ་ **समापत्तिसुख** लं.सू. ८५क

མཉམ་པར་བཞག་པའི་རིམ་པའི་མན་ངག་ कं.तं. २५७०

མཉམ་པར་བཞག་པའི་སེམས་ **समाहितचित्त** सं.नि.८.३६.१

མཉམ་པར་ཞུང་དུ་འཇུག་པ་ལགས་ **समाधीयन्ते** सं.नि.८.९

མཉམ་བྱེད་ =འཇལ་བར་བྱེད་, ཚད་དུ་བྱེད་ **मिमीते** श.दा.

མཉམ་བྲལ་ **तुल्यं नास्ति** श.दा.

མཉམ་སྦྱོར་ **श्रीसर्वबुद्धसमायोगडाकिनीजालशंवर नाम उत्तरतन्त्र** नी.पु.१.१६५ (कं.नं.३६६)

མཉམ་བཞག་བདག་ཉིད་ **समाहितात्मन्** भद्र.६५७

མཉམ་བཞག་མིན་པ་ **असमाहित** अ.अ.५.२४

མཉམ་བཞག་ཡེ་ཤེས་ **समाहितज्ञान** नी.पु.१.२९०, २.९३३, प्र.पा.२१, ३८, ४३

མཉམ་བཞག་ལུས་ **समाहितांग** भद्र.६५८

མཉམ་གཞུང་ **समापन** ग.दा.

མཉུང་(སྨྱུང་) **लिग** म.व्यु.८९००

མཉེ་ མཉེད་པ་ **इत्यस्य भवि.**
མི་མཉེ་འོ་ **न...मर्दयेत्** बो.च.५.९२घ

མཉེ་བ་ (१) =མཉེ་བཞིན་པ་ **परिमर्दन** श.दा.
(२) **परिमर्दनसंवहन** म.व्यु.६७७९
(३) =མཉེ་བཞིན་པ་ **संवाह** श.दा.
(४) **संवाहन** ना.आ.६

མཉེ་བཞིན་པ་ द्र. མཉེ་བ་

མཉེད་པ་ भू., लोट् མཉེས་, भवि. མཉེ་

མཉེན་ (१) आर्द्र अ.अ.८.२८

(२) मधुर म.व्यु.३२०

(३) स्निग्ध बो.च.१०.२२घ

མཉེན་པ་ (१) =མཉེན་པོ་ कोमल श.दा.

(२) मधुर म.व्यु.२८१०

(३) मार्दव म.व्यु.२३६४

(४) मृदु अ.अ.८.२८, म.व्यु.३१६, श.दा.

(५) स्निग्ध म.व्यु.४८५, श.दा.

མཉེན་པར་བྱེད་པ་ °व्यन्वयति म.व्यु.१६४६, १६४७

མཉེན་པོ་=མཉེན་པ་ कोमल श.दा.

མཉེལ་ खेद श.पं.११३

མཉེས་ མཉེད་པ་ इत्यस्य भू., लोट्

स्निग्ध श.दा.

མཉེས་པ་ (१) अभिराधना म.व्यु.२९४४

(२) तोषित श.दा.

(३) मानना अ.अ.४.२०

མཉེས་པར་བྱ་བ་ (१) अभिराधना म.व्यु.२९४४, श.दा. (=མངོན་པར་མགུ་བར་བྱ་བ་)

(२) आराधन म.व्यु.२९४३

མཉེས་པར་བྱས་ आरागित सु.प्र.६१.११ (~པ་), ९६.११, ११९.१६

མཉེས་པར་བྱེད་ आरागण का.प.

སངས་རྒྱས་~ बुद्धानमारागण का.प.१७ग.

མཉེས་པར་བྱེད་ཅིང་ आराधयत् ना.आ.१२.५

མཉེས་པར་བྱེད་པ་ (१) अनुरागणा म.व्यु.४३०२

(२) आरागणना का.प.१७

(३) आरागयति म.व्यु.२३९४

(४) आरागयेयम् उद्रा.४६.३३, ४७.७

མཉེས་པར་བྱེད་པར་འགྱུར་ आरागयिष्यसि सु.प्र. ६७.३१

མཉེས་བྱེད་ (१) आराधन बो.च.६.१२७क

(२) आराधना श.दा.

(३) मानना श.दा.

མཉེས་བྱེད་མ་ अनुरागणी म.व्यु.४३१६

མཉེས་ག་ཤིན་ प्रणयिन्, वत्सल, स्निग्ध श.दा.

མཉེས་ག་ཤིན་པ་ वत्सल म.व्यु.६७९३ (पा. °བ་ཤིན་པ་)

རྙས་བྱེད་པ་ अवज्ञा श.दा.

རྙི་ (१) जाल श.दा.

(२) पाश उद्रा.४५.१३, १४, २९, ३१

རྙིང་པ་ (१) आविल श.दा.

(२) उल्लापन म.व्यु.५२२७

(३) जरत् ना.आ.१०

(४) जीर्ण म.व्यु.४०९५, श.दा.

(५, ६) पुराण, प्रत्न श.दा.

རྙིངས་ཤྲད་པོ་ जीर्ण म.व्यु.४०९५

རྙིངས་པ་=རིངས་པ་ शीर्ण श.दा.

द्र. རྙིས་པ་

སྐྱིད་པ་ भू. བསྐྱིད་, (བ)སྐྱིས་, भवि. གསྐྱིད་

སྐྱིད་པར་གྱུར་ནས་ म्लायितुम् उद्रा.३३.२५

སྐྱེལ་ वत्समास म.व्यु.४०३५

སྐྱིས་པ་ (१) म्लान म.व्यु.७२३४, श.दा.
(=སྐྱིངས་པ་)
(२) शीर्ण म.व्यु.७२३५, श.दा.(=སྐྱིངས་པ་)

སྐྱེད་ (१) उपलभ्य सु.प्र.१६१.१६, १६४.७...
(२) उपलभ्यते सु.प्र.१४५.११
(३) ऋच्छति सु.प्र.१०८.२
(४) प्राप्त सु.प्र.३१.१२
མི་ཟད་སྐྱེད་ अक्षयप्राप्त भ.च.२८ख
(५) प्राप्ति उ.व.११
(६) लब्ध उद्रा.१५.१७, बो.च.६.८४क, ७.३६ग, सु.प्र.१६५.१
བདེ་སྐྱེད་ लब्धसुख बो.च.६.८०ग
ལེགས་སྐྱེད་ सुलब्ध बो.च.८.१४१ग
(७) °लभ बो.च.
ཤིན་ཏུ་སྐྱེད་སླ་བ་ सुलभातिशय श.पं.३३
(८) लभते श.पं.४
ཇི་སྲིད་དྲན་སྐྱེད་ལྟར་འགྱུར་བ་ सं. यावत् स्मृति न लभते (?) सु.प्र.१७०.५प.
(९) लभन्ति (?) सु.प्र.१६६.२४
(१०) སོ་སོར་སྐྱེད་ प्रतिलभन्ते सु.प्र.९.२४
(११) लभे ल.स्तो.५९
(१२) མི་སྐྱེད་ न लभ्यते बो.च.८.७१ग
(१३) लभ्यन्ते सु.प्र.१५८.११
(१४) लाभ बो.च.५.२२क, ५१क, ६.१०० ख...
སྐྱེད་དང་བཀུར་སྟི་ལ་ནི་གྱབ་ཀྱིས་ཕྱོགས་ यो लाभसत्कारपराङ्मुखश्च का.प.१२६प.
གཞན་གྱི་སྐྱེད་ परलाभ का.प.७प.
(१५) लाभिन् बो.च.८.१४१ख, सु.प्र.८६.२५

སྐྱེད་དཀའ་ (१) दुर्लभ बु.च.२०, श.पं.२०
ཤིན་ཏུ་~ सुदुर्लभ बो.च.४.२६क
(२) दौर्लभ्य बो.च.९.१६२क
(३) (सु)दुर्लभ बो.च.८.८१ग, ८८घ

སྐྱེད་དཀའ་བ་ दुर्लभ बो.च.७.१४ग, श.दा., सु.प्र.६.३, ३८.२६

སྐྱེད་གྱུར་ लभन्तु सु.प्र.३१.२१

སྐྱེད་གྱུར་ན་ (१) आसाद्य बो.च.७.७१ग(ना.)
(२) लब्ध्वा बो.च.६.८२ग

སྐྱེད་གྱུར་ནས་ (१) प्राप्य बो.च.४.२३क. ५.२८ग
(२) संप्राप्त बो.च.४.२६ख

སྐྱེད་འགྱུར་ लभन्तु सु.प्र.२१.२२

སྐྱེད་དེ་ (१) लब्ध का.प.१४०
(२) लभ्यते का.प.१०२, सु.प्र.१२.६

སྐྱེད་ལྡན་ लाभिन् बो.च.१०.४४क

རྙེད་ན་ (१) प्राप्य उद्रा.४५.३, ४७.२९
(२) མི་~ न लभ्यते बो.च.२.५५घ
རྙེད་ནས་ (१) अलभत् सु.प्र.१६०.४
(२) उपलभ्य सु.प्र.१४५.१९
(३) प्राप्त सु.प्र.१४१.२३
(४) प्राप्य बो.च.६.७ग
རྙེད་པ་ भू. བརྙེད་, བརྙེས་, भवि. (བ)རྙེད་
(१) अवाप्नुयात् बो.च.३.२८ख
(२) उदय श.दा.
(३) མ་~ अनुपलम्भ का.प.१०४
(४) परिगत श.दा.
(५) पूरण श.दा.
(६) ཟང་ཟིང་མེད་པའི་སེམས་ཀྱིས་~
निरामिषेण चित्तेनाप्रतिकांक्षयति का.प.२
(७) प्रतिलब्ध म.व्यु.७४३३
(८) प्रतिलभते सु.प्र.७७.८
(९) प्रतिलभ्यमान सु.प्र.१६२.७
(१०) प्रतिलम्भ का.प.१७
(११) प्रतिलाभिक म.व्यु.६९८२
(१२) प्राप्त का.प.८३, स्र.स्तो.५६
(१३) लब्ध प्रस.४०६.६
(१४) लभते म.व्यु.२२३९, ल.वि.१६.४.१९
(१५) མ་~ अलभमान सु.प्र.१५७.२०
(१६) लभ्यते सु.प्र.११.३१
(१७) བུ་~ सुतलम्भ (?) सु.प्र.१६३.६
(१८) लाभ उद्रा.११.१७, का.प.११२, १२५, प्रस.३७९.७, बो.च.६.५५क, ग, ५९क, ६० क, ग, ८.१४९ग, भ.च.५१क, म.व्यु.१८३, १०९१, १५७६, २३४२-४३, २३७२, २४५९, २४९७, श.श्वा.
ཆོས་ཀྱི་ ,, धर्मलाभ का.प.५
~དང་བཀུར་སྟི་དོན་དུ་གཉེར་གྱི་ लाभसत्का-
रार्थिक भवति का.प.१५
(१९) लाभिन् बो.च.८.२०क
द्र. འཚོང་བ་, སྙེད་པ་, ཐོབ་པ་
རྙེད་པ་ཅན་ लाभिन् बो.च.८.२३ख
རྙེད་པ་དང་བཀུར་སྟིའི་ཚིག་གཙང་བ་ लाभसत्कारो-
च्चार का.प.१३१
རྙེད་པ་ན་ आसाद्य बो.च.७.७१ग
རྙེད་པ་བླ་ན་མེད་པ་ लाभानुत्तर्यं म.व्यु.१५७६
རྙེད་པ་མེད་ अलाभिन् बो.च.८.२३क
རྙེད་པར་དཀའ་ (१) दुर्लभ बु.च.७
ཤིན་ཏུ་~ सुदुर्लभ बो.च.९.१६०ख
(२) सुदुर्लभ लं.सू.१६१ख
རྙེད་པར་དཀའ་བ་ दुर्लभ म.व्यु.२६५५
རྙེད་པར་(दे. प་)གྱུར་པ་ लभमान बो.च.६.८५ग
རྙེད་པར་བགྱི་ लभेय सु.प्र.३०.१८
རྙེད་པར་འགྱུར་ प्रतिलप्स्यते सु.प्र.६०.२४
རྙེད་པར་ཤིན་ཏུ་དཀའ་ सुदुर्लभ बो.च.१.४क
རྙེད་པར་ཤོག་ (१) लभन्तु सु.प्र.३१.२, १८,
२२

(२) लाभिनः लप्सु बो.च.१०.४६ख

རྙེད་པར་སླ་བ་ सुलभकल्प लं.सू.१६७ख

རྙེད་པར་སླ་བའི་རྣམ་པ་ सं. योन्यन्तभूत लं.सू.१६७ख

རྙེད་པས་རྙེད་པ་སྒྲུབ་(བསྒྲུབ)་པ་ लाभेन लाभनिष्पावना म.व्यु.२४९७

རྙེད་པས་རྙེད་པར་བྱེད་འདོད་པ་ लाभेन लाभनिश्चिकीर्षा म.व्यु.२४५६

རྙེད་མ་ཡིན་ न लभ्यते बो.च.९.१०२घ

རྙེད་མང་ लाभिन् (?) बो.च.८.१७क

རྙེད་མི་དཀའ་ न दुर्लभ का.प.६प.

རྙེད་ཤིན་ཏུ་དཀའ་ अतिदुर्लभ बो.च.९.१६२ख

རྙེད་སླ་བ་ सुलभ ना.आ.१३.१२, म.व्यु.२६५६

རྙོག་དང་བཅས་པ་ कश्मल बो.च.५.२६घ

རྙོག་དང་བཅས་པའི་སེམས་ सकषायचित्त का.प.११७प.

རྙོག་པ་ भ. བརྙོགས་, भवि. བརྙོག་

(१-४) अपक्षण, अवलेप, आदीनव, आपत्ति श.दा.

(५) आविल म.व्यु.४३४, ६७१९, ७१९१, ७२९६, श.दा.

(६) कलंक बो.च.३.२७घ, श.दा.

(७) कलह मु.प्र.८०.६, ८३.१३

(८) कल्माष द.भू.७फ

(९) कालुष्य लं.सू.१८३क

(१०) ~ དང་བཅས་པའི་སེམས་ཀྱིས་དྲུར་ སྙིག་འཆང་བ་ सकाषायस्य च काषायधारणम् का.प.११७

(११, १२) दोष, पर्याप्ति श.दा.

རྙོག་པ་ཅན་ आविल म.व्यु.६७१९

རྙོག་པ་དང་བྲལ་བ་ अनाविल म.व्यु.४३४

རྙོག་པ་དུས་ཀྱི་ཐ་མ་ कलुष लं.सू.२०५क

རྙོག་པ་མེད་དོན་ अनाविलार्थ भद्र.५२।

རྙོག་པ་མེད་པ་ (१) अनाविल म.व्यु.७२९६

(२) अलुभित द.भू.३ओ

རྙོག་པ་མེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་འགྲེལ་པ་ (श्री)अनाविलनामतन्त्रपञ्जिका कं तं.१२०४

རྙོག་པ་མེད་པའི་རྒྱུད་ अनाविलतन्त्रराज नी.पु: २.८६५ (कं.तं.४१४)

རྙོག་པ་མེད་པའི་དོན་ अनाविलार्थ भद्र.५२५

རྙོག་མི་བྱ་ न...क्षोभयेत् बो.च.६.१९ख

རྙོག་མེད་པ་ अनाविल म.व्यु.४३४

རྙོགས་པ་ आविल, कलंक श.दा.

རྙོགས་པ་ཅན་ आविल म.व्यु.६७१९

རྙོགས་པ་མེད་ निष्कलंक श.दा.

རྙོང་ (१) आलेप उद्रा.४५.१३

(२) =གལ་ जाल श.दा.

(३) लेप म व्यु.६६७१

རྙོང་བ་=ཀྱང་པ་ प्रतिपाल श.दा.

སྙོངས་ लेप म.व्यु.६६७१

སྙོངས་པ་ भुग्न म.व्यु.३०३

སྔགས་བདག་ एकजटी नी.पु.२.४८९

སྙད་ द्र. ཐ་སྙད་

སྙད་འདོགས་པ་ = སྐྱོན་བརྗོད་བྱེད་པ་ अवदेश

श.दा.

སྙད་པ་ भू., भवि. བསྙད་, लोट् སྙོད་

སྙན་ (१) कर्ण अ.अ.८.३०, म.व्यु.३३७-८,

श.दा.

(२) प्रिय प्र.द.३

(३) मधुर प्र.द.३, बो.च., श.पं.६९

རྒྱལ་བའི་གསུང་སྙན་ मधुरजिनस्वर बो.च.

७.४४ख

(४) मनोहर बो.च.

ཆོས་སྙན་སྙོག(ས་)པས་ धर्मध्वनिमनोहरः

बो.च.१०.३४ग

(५) དབྱངས་སྙན་ (पा. °བསྙན་) मृदुस्वर

सु.प्र.८६.१२

(६) यशस् का.प., बो.च.

མི་སྙན་ अयश का.प.३प., ७प.

མི་སྙན་བརྗོད་ अयशस्कर बो.च.६.६२ग

(७) वर्ण बो.च.

མི་སྙན་ अवर्ण बो.च.६.६२ख

(८) མི་སྙན་ཐོས་ विनष्टश्रवण (?) सु.प्र.

१६९.२३

(९) श्रोत्र म.व्यु.२०३, श.दा.

(१०) सु° सु.प्र.

གསུང་སྙན་ सुस्वर सु.प्र.३५.१५

(११) स. ००

མགུལ་པ་སྙན་པར་བྱེད་ स्वयं अ.हृ.१.६.७४

ཆི་སྙན་བརྗོད་ अवध्यायन्ति बो.च.८.२३ख

མི་སྙན་བརྗོད་པ་ आक्रोष्टृ श.पं.१२२

མི་སྙན་སྨྲ་བ་ अपवक्तृ श.पं.१२२

द्र. སྙད་སྙན་, དབྱངས་སྙན་

སྙན་གྱི་གོང་རྒྱན་ अवतंसक, कर्णपूर श.दा.

སྙན་གྱི་དབང་པོ་མ་ཉམས་པ་ अनुपहतकर्णेन्द्रिय

म.व्यु.३३८

སྙན་གྲགས་ (१) यशस् बु.च.३४, म.व्यु.२३४४

(२) यशःकीर्ति भद्र.९२४

སྙན་གྲགས་དགྱེས་ यशोन्विन् भद्र.३४९

སྙན་གྲགས་ཅན་ = གྲགས་པ་ཅན་ प्रतीत, प्रसिद्ध,

विश्रुत श.दा.

སྙན་རྒྱན་ (१) कर्णिक तु.३०७

(२) कुण्डल श.दा.

སྙན་བརྒྱུད་རྡོ་རྗེའི་ཚིག་རྐང་ कर्णतन्त्रवज्रपद

कं.त.२३३८ . .

སྙན་ངག་ (१) कविता श.दा.

(२) काव्य का.आ.१.२, ७, १०, १२, बु.च.,

म व्यु.६४२२, श.दा.

(३) = པ་སངས་ शुक्र श.दा.

སྙན་ངག་མཁན་ **कवि** ना.आ.३, म.व्यु.६४२१, श.दा.

སྙན་ངག་མཁན་པོ་ **शुक्र** श.दा.

སྙན་ངག་མཁས་དབང་ **कवीन्द्र** ग.दा.

སྙན་ངག་གི་རྒྱུ་ **काव्यकारण** का.आ.१.१०३

སྙན་ངག་གི་དབྱེ་བ་ **काव्यभेद** का.आ.१.११

སྙན་ངག་གི་མཚན་ཉིད་ **काव्यलक्षण** का.आ.१.१०

སྙན་ངག་བསྔགས་པ་ **काव्यप्रशंसा** का.आ.१.५

སྙན་ངག་ཆེའི་མཚན་ཉིད་ **महाकाव्यलक्षण** का.आ. १.१४

སྙན་ངག་མེ་ལོང་ **काव्यादर्श** कं.त.४३०१, नी.पु. २ ५३४, ७८६ (°སྡུགས་°)

སྙན་དངགས་ (१) **काव्य** म.व्यु.६४२२, श.दा., मु.प्र ८४.१५

(२) **सामन्** न्या.बि.२१०.६

སྙན་ཅིང་སྤྲ་བ་ **काकली** ना.आ.१२.५

སྙན་འཇེབས་པོ་ **वल्गु** म.व्यु.४५२

སྙན་བརྗོད་ (१) མི་~(ऱ्ं. རྗོད་)མི་བྱེད་ **नाव-ध्यायन्ति** बो.च.८.२५ख

(२) **वर्ण** ग दा.

སྙན་མཉམ་པ་ **समकर्ण** म.व्यु.३३७

སྙན་དང་གྲགས་ **यशोन कीर्त्या** मु.प्र ३३.३, २६.२५ (°གྲགས་པ་)

སྙན་པ་ (१) **अभिख्या** श.दा.

(२) **आस्वादनीय** म.व्यु.३६१

(३) **कल** म.व्यु.२७६१

(४) **कला** म.व्यु.४५५ (पा. काला)

(५) **कीर्ति** उ.त.११

(६) =གོར་མ་ཆག་ **नून** श.दा.

(७) **प्रिय** का.प., द.मू.२ग, म.व्यु.६२६, सु.प्र.

ཚིག་~ **प्रियवचन** सु.प्र.५६.१४, १५

(८) **मधुर** का.प.८४, द मृ.१अ, २ग, ७आ., ६त, म.व्यु.४८४, २८१०, श.पं.६७

(९) **मनोहर** श.पं.७२

(१०) **यशस्** का.प.३, बो.च., भद्र.१७, म व्यु.२३४४-४५, २६१२, श.दा.

མི་~ **अयशस्** का.प.(°श)३, ७, बो.च. ६.५३ख

(११) **°सुख** द.मू., म.व्यु.

རྣར་~, རྣ་བར་~ **कर्णसुखा** म.व्यु.४६०

རྣར་མི་~ **अकर्णसुख** द.मू.२ग

(१२) **सौष्ठव** लं.सू.१३७क

(१३) སྒྲ་མི་~ **उत्तरकुरु** बो.च.१०.१६ग

སྙན་པ་ཉིད་ཡོན་ཏན་གྱི་མཚན་ཉིད་ **माधुर्यगुणलक्षण** का.आ.१.५१

སྙན་པ་དོག་ **यशःकेतु, यशोध्वज** भद्र.१७

སྙན་པའི་ཚིག་ (१) **प्रियवचन(?)** सु.प्र.१५१.२

(२) **मधुरप्रलापिन्** ल.वि.१५.१४.३

སྙན་པར་གྲགས་(པ་) यशःकीर्ति मद्र:९२४

སྙན་པར་བརྗོད་པ་ वर्ण म.व्यु.२६१९, २६२८

སྙན་པར་བྱེད་ प्रियकार श.दा.

སྙན་པར་སྨྲ་ प्रियवादिन् प्र.द २४

སྙན་པར་སྨྲ་བ་ (१) प्रियंवद श.दा.

(२) प्रियवादिता म.व्यु.९२६, श.दा.

སྙན་པར་གསུང་བ་ प्रियभाणिन् का.प.

འཇམ་ཞིང་~ मधुरप्रियभाणिन् का प.१८०

སྙན་སྨྲ་བ་ प्रियंवद उद्रा.२०.४

སྙན་ཚིག་ सामन् ग.दा.

སྙན་ཚིག་གི་རིག་བྱེད་ सामवेद म.व्यु.५०४९, श.दा.

སྙན་ཚིག་བྱུང་ सामज श दा.

སྙན་ཞིང་(ཅིང་)འཇེབས་པ་ वल्गु म.व्यु.४५२

སྙན་ཤལ་ कर्ण म.व्यु ३३६

སྙན་ཤལ་སྦུག་ཅིང་རིང་བ་ पीनायतकर्ण म.व्यु. ३३६

སྙན་གསན་འབེབས་པ་ आमन्त्रण श.दा.

སྙམ་ (१) अवश्यम् म.व्यु.५४४५

(२) इति का.प.१४०(°མོ་), बो.च.५.५६ग, ८.१७०ख

(३) मूलम् म.व्यु.५४४६

(४) मन्ये ना.आ.११.२

(५) वेद्मि श.पं १३५

(६) सं. ००

དེ་སྙམ་བསམ་པ་ एवं संचिन्तयन्त्याः सु.प्र: १६२.१८

འདི་སྙམ་ཡོངས་སུ་སེམས་ एवं परिचिन्तयति सु.प्र.१७२.१८

འདི་སྙམ་སེམས་པར་འགྱུར་ एवं चिन्तयि-ष्यन्ति सु.प्र.१२४.८

སེམས་ཀྱི་རྣམ་པར་རྟོག་པ་སྐྱེས་ཏེ་ སྙམ་མོ་ चेतसः परितर्क उत्पन्नः सु.प्र.१४९.१५-१७

द्र སོམ་

སྙམ་སྟེ་ इति बो.च.१०.११ख

སྙམ་དུ་ (१) इति का.प.१२४, च.श.२०, न्या.बि. ५६.६, १०२.१२, १३२.२ , बो.च.१.२१ख, म.व्यु.११७३-८३

(२) इत्येतत् न्या बि.२६.२

(३) किम् म.व्यु.६३२६

(४) सं. ००

ཀུན་མཁྱེན་ཡེ་ཤེས་ལ་ནི་སེམས་གྲོལ་ཞིང་། རི་ལམ་མི་རི་སྙམ་དུ་བདག་ལ་དགོག་ सर्वज्ञ-ज्ञानोत्तरणाय किन्तु अर्थामि मार्गाम्यहं मान-माना का.प.२६प.

ཁྱོད་འདི་སྙམ་དུ་ .སྙམ་དུ་མ་སེམས་ཤིག་ मा त्वं चिन्तय सु.प्र.१०.२०-२१

དགོངས་པ་ སྙམ་དུ་དགོངས་ན(ས་) संलक्ष-यति इति उद्रा.९.२०-२२, १२.१७-१९

ད་དག་འདི་སྐམ་དུ་ . སྐམ་དུ་སེམས་སོ་ तेवा-
मेवं भवति उद्रा.३०.२८-२९
དེ་འདི་སྐམ་དུ་.. སྐམ་དུ་སེམས་སམ་།
གསོལ་པ་ मेवं तस्य...भूव् ..इति का.प.७१
དེ་འདི་སྐམ་དུ་ . སྐམ་མོ་ तस्यैतवभूत् सु.प्र.
१४७.२३
དེ་འདི་སྐམ་དུ་སེམས་དེ་...སྐམ་ནས་ तस्य
एतवभवत् सु.प्र.८.५
དེ་འདི་སྐམ་དུ་སེམས་དེ་.. སྐམ་མོ་ तस्यैतव-
भूत् सु.प्र.१४८.३-५, ५-८
དེ་འདིར་ང་དང་ང་ཡི་སྐམ་དུ་འགྱུར་བ་མེད་
अहं ममेतीह न तस्य भोति का.प.१३७प.
འདི་ཉི་སྐམ་དུ་སེམས་ तत्किं मन्यसे का.प.
६५, ८०
འདི་སྐམ་དུ་ སྐམ་དུ་སེམས་བསྐྱེད་ན་ एवं
चित्तमुत्पद्येत् सु.प्र ५४.५-७
འདི་སྐམ་དུ་. སྐམ་དུ་སེམས་བསྐྱེད་པར་བྱའོ་
एवं चित्तमुत्पादयितव्यम् सु.प्र.६१.१
འདི་སྐམ་དུ་སེམས་དེ་ एतवभूत् सु.प्र.१५८.
१६
འདི་སྐམ་དུ་སེམས་དེ་ སྐམ་མོ་ (क) एतव-
भूत् सु.प्र.१४६.१७ (ख) तवभूत् सु.प्र.१४७.
१-२, २-५ (°སྐམ་ནས་)
སེམས་པ་ སྐམ་དུ་རིག་ནས་ संलक्षयति ..
इति विचित्वा उद्रा.१७.२७-३०, २८.२८-३१

द. རྟོགས་, བསམ་
...སྐམ་དུ་བྲིད་སེམས་ན་ स्याद् युष्माकम्(ते) सु.प्र.
१५२.१०, १४, १६, २३, १५३.६, १८
སྐམ་དུ་དགོངས་(པ་) संलक्षयति उद्रा.६.२०-२२,
१२.१७-१६
སྐམ་དུ་ཉམ་ང་བར་གྱུར་ནས་ व्यथित उद्रा.४.१७
སྐམ་དུ་བརྟག་པར་བྱ་ उपपरीक्षितव्य का.प.६६
སྐམ་དུ་མ་སེམས་ཤིག་ मा एवं चिन्तय सु.प्र.१०.
२१
སྐམ་དུ་འཛིན་པ་ प्रतिजानन्तो म.व्यु.१८३
སྐམ་དུ་...ཤེས་ जानीयात् . सु.प्र.१२१.२३प.
སྐམ་དུ་སེམས་ (१) अभूत् ल.वि.१५.१.५
(२) इति च.श.१३
(३) मन्यसे द.भू.१०ह्
སྐམ་དུ་བསམ་པ་དེ་སེམས་ཤིང་ तां चिन्तां
चिन्तयमानः सु.प्र.१०.१५
སྐམ་དུ་བསམས་ནས་ विचिन्त्य ना.आ.६.३
སྐམ་ན་ इति न्या बि.१८४.१६
སྐམ་ནས་ (१) इति म.व्यु.१४६३, १५१४-१६,
१५२७
(२) इत्येव श.पं.६
(३) चिन्तयित्वा ल.वि.१५.२.१४
(४) सं.००
དེ་འདི་སྐམ་དུ་སེམས་དེ་...~ तस्या एतव-
भवत् उद्रा.१५.२२-२३

'སེམས་བསྐྱེད་པར་(སྐྱེས་པར་)གྱུར་ཏོ་...~
... चित्तमुत्पन्नं बभूव सु.प्र.१३८.९-२८
བསམ་ན ...~ संलक्षयति... [इति] उद्रा.
१३.१५-१६
སྙམ་ནས་ཡངས་ཏེ་ इत्युत्थाय सु.प्र.१६०.२
སྙམ་པ་ (१) इति उद्रा.३६.५, बो.भ.८.९८क,
१०.१४४ख, म.व्यु.१५९५, श.पं.१०
(२) मूलम् म.व्यु.५४४६
(३) सं.००
ཐུགས་ལམ་ན་...~ संलक्षयति... उद्रा.३६.
२६-२८
བསམ་པ་...~(°ན་, °ནས་)' संलक्षयति
...इति उद्रा.१५.५, १६.५-१०, २५.१९-२३,
३८.२४
द्र. སེམས་པ་, བསམ་པ་, དགོངས་པ་
སྙམ་པ་ལ་ इति न्या.बि.४६.१६
སྙམས་པ་ गर्वित म.व्यु.७३३८
སྙི་བོ་ मृदु श.दा.
སྙི་མ་ मञ्जरी म.व्यु.५७४५
द्र. སྙེ་མ་
སྙིགས་དུས་=སྙིགས་མའི་དུས་ कलि, कल्कि
श.दा.
द्र. རྩོད་ལྡན་
སྙིགས་མ་ (१) कल्क म.व्यु.७६३८
(२) कषाय म.व्यु.२३३५-४०, म.सू., श.दा.
ཞིང་.~ भूमिकषाय श.दा.
(३, ४) निकषाय, शाण श.दा.
སྙིགས་མ་ལྔ་ . .
(१) ཚེའི་སྙིགས་མ་ आयुःकषाय,
(२) ལྟ་བའི་སྙིགས་མ་ दृष्टिकषाय,
(३) ཉོན་མོངས་པའི་སྙིགས་མ་ क्लेशकषाय,
(४) སེམས་ཅན་གྱི་སྙིགས་མ་ सत्त्वकषाय,
(५) དུས་ཀྱི་སྙིགས་མ་ कल्पकषाय श.दा.
སྙིགས་མ་ལྔའི་མིང་ལ་ पञ्चकषायाः म.व्यु.
२३३५
སྙིགས་མ་ཐམས་ཅད་སེལ་བ་ सर्वं कषायं शाटयति
म.व्यु.२४२३
སྙིགས་མ་མེད་པ་ निष्पुल म.व्यु.७६३५
སྙིགས་མའི་དུས་=རྩོད་ལྡན་ कलियुग श.दा.
द्र. སྙིགས་དུས་
སྙིང་ (१) उरस् बो.भ.७.३४घ
(२-५) चित्त वृक्क, मनस्, वक्षस् श.दा.
(६) हृदय उद्रा., ५.च.६, २७, बो.भ.४.३४ग,
४७ग, म.व्यु.४६३, ३९६३, श.दा., सु.प्र.१५७.
५, १६२.८..., ल.स्तो.८७
(७) འཐབ་སྙིང་ जिगित बो.भ.७.६९क
སྙིང་ཁུ་(ཁུ་) मण्ड म.व्यु.५१६१, ५२८९

སྙིང་ཁ་ **हृदय** श.दा.

སྙིང་ག་ **हृदयप्रवेश** म.व्यु.३९९५

སྙིང་གི་དུག་སྡོང་བ་ कं.तं.२७९२

སྙིང་གི་གསེར་ཕྲིག་ཅན་

དཔལ་མོ་~ **गर्भसुवर्णसूत्रश्री** वि.पं.७१ख

སྙིང་གྲོགས་ **वल्लभ, सुहृद्** श.दा.

སྙིང་དགའ་བ་ **हृदयोल्लास** श.दा.

སྙིང་དགའ་བར་བྱེད་པ་ **हृदयसंतुष्टिकरी** म.व्यु. ४६३

སྙིང་སྤྲངས་ཏེ་ **उत्त्रस्तहृदय** सु.प्र.१६७.८

སྙིང་རྗེ་ (१) **अनुषंग** श.दा.

(२) **करुण** उद्रा.२६.९, प्रम.३६०.२, बु.च., सु.प्र १५८.१०, १५९ ९, १६६.१५(पा. करुणा)

(३) **करुणता** का.प.

སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ལ་~ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་མ་བཅད་པ་ **अपरिच्छिन्नमहाकरुणता** का.प.२४

(४) **करुणा** अ.अ.१.६२, का.प.१५३, द.भू. २न, म ओ, अअ, ३ल, ४द, ५द, ९अ, १०अ, ग, बो च.८.१४६ख, म.व्यु.१५०५, १५९८, श.दा., म.नि.८.११, ९.२४, २५, सु.प्र.१५८. १०, १५९.९, १६६.१५ (पा. **करुण**)

~ཆེན་པོ་ **करुणा . नित्यम्** का.प.१६प.

(५) **कारुण्य** बो.च.६.२१ग, सु.प्र.

(६) **कृपा** अ.अ.१.१०, द.भू.१कु, २त, ध, ५ब, ज, ७द, बो.च.८.१०४क, घ, ९.७५ख, म.व्यु.५१५६, सु.प्र.१६६.१५, स.स्तो.५८

(७) **कृपाकरुणा** द.भू.२दद, लं.सू.१५३ख

(८) **घृणा** उद्रा., लं.सू.१८०ख(घृण)

(९) **दया** बो.च.६.३८ग, श.दा.

(१०) सं. **महामैत्रीविहारिन्** लं.सू.१०८ख

(११) **सकरुण** स.स्तो.५९

སྙིང་རྗེ་ཁྲོས་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **हालाहलसाधन** कं.त.३१५८, ३१५९

སྙིང་རྗེ་བསྒོམ་པའི་བྱིན་རླབས་ **करुणाभावनाधिष्ठान** कं.तं.२३८५

སྙིང་རྗེ་ཅན་ (१) **कृपालु** बो.च.८.२८घ, म.व्यु. ६३७, श.दा.

(७) **दयालु** बो.च.७.२८घ

སྙིང་རྗེ་ཆེ་ **करुणा च तीव्रा** का.प.२०प.

སྙིང་རྗེ་ཆེ་བ་ **महाकरुणा** का.प.१६

སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་ (१) **करुणा** लं.सू.७८क

(२) **परमकारुण्य** सु.प्र १३८.८

(३) **महाकरुणा** का.प.४४, प्र.पा.३४, म.व्यु. ८१६, ८३६, १३४८, १३५१, लं.सू.७८क, म.ग.१९.६

སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་ལྡན་པ་རིམས་བསྐྱེད་ནས་ **महाक-कारुण्यचित्तं अनेत्वा** सु.प्र.१७१.२८

སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་པད་དཀར་ **करुणापुण्डरीक** श.दा.

སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་པད་མ་དཀར་པོ་ **महाकरुणा-**

पुण्डरीक म.व्यु.१३४८

སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་སེམས་ महाकरुणाचिन्तिन् <राजकुमार-नाम> स.रा.८.१२-१४

སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོའི་པདྨ་དཀར་པོ་ (आर्य) महाकरुणापुण्डरीक (नाम महायानसूत्र) कं.तं.१११

སྙིང་རྗེ་རྗེ་སྐད་དུ་ (१) करुणम् सु.प्र.१६१.२६
(२) करुणस्वरम् सु.प्र.१६३.२७

སྙིང་རྗེ་རྗེ་ལྷུར་ करुणम् सु.प्र.१४५.६

སྙིང་རྗེ་དང་སྙིང་བརྩེ་བ་ सं. करुणा द.भू ७इ

སྙིང་རྗེ་ལྡན་ कारुणिक सु.प्र.१२४.१६प.

སྙིང་རྗེ་ལྡན་པ་ कारुणिक ना.आ.१, सं.नि.७.२४

སྙིང་རྗེ་རྣམ་པར་དག་པ་ करुणाविशुद्धि सं.नि.६.६

སྙིང་རྗེ་པད་མ་དཀར་པོ་ (आर्य) करुणापुण्डरीक (नाम महायानसूत्र) कं.तं.११२

སྙིང་རྗེ་སྤྱོད་པ་ཐོད་པའི་ལྷ་བ་ करुणाचर्याकपालवृष्टि कं.तं.२४३६

སྙིང་རྗེ་བ་ (१) ཆེར་~ महाकरुणा का.प.२०
(२) རྗེས་སུ་~ अनुकम्प उद्रा.४६.१५
(३) कारुण्य म.व्यु.५०४२

སྙིང་རྗེ་བར་སྨྲེ་སྔགས་རྣམ་པ་མང་པོ་ बहुविधाकरुणापरिदेवन सु.प्र.१७४.५

སྙིང་རྗེ་བྲལ་=སྙིང་རྗེ་མེད་པ་ निष्करुण ग.वा.

སྙིང་རྗེ་མ་མཆིས་པ་ निष्करुण सु.प्र.४६.१३

སྙིང་རྗེ་མེད་པ་ (१) गतघृण लं.सू.१७०ख
(२) =སྙིང་རྗེ་བྲལ་

སྙིང་རྗེ་མེད་པའི་སྦྱོར་བ་ निर्दयप्रयोग सं.नि.६.१६

སྙིང་རྗེ་མེད་པའི་སེམས་དང་ལྡན་པ་ निर्घृणहृदय उद्रा.३०.१२, ४६.३

སྙིང་རྗེ་ཡོངས་སུ་བཅད་ करुणापरिच्छिन्न का.प.२६प.

སྙིང་རྗེ་ལ་བསྟོད་པ་ करुणस्तोत्र कं.तं.२७३४

སྙིང་རྗེ་ལས་སྤྱོད་ कृपा द.भू.७अ.

སྙིང་རྗེ་ཤིན་ཏུ་ཆུང་བ་ अत्यल्पकरुणात: सं.नि.७.१५

སྙིང་རྗེ་སེམས་ करुणाविचिन्तिन् स.रा.८.२६

སྙིང་རྗེའི་སྐད་ཀྱིས་ (१) करुणस्वरम् सु.प्र.१६६.८, १७२.११, १७३.१५
(२) करुणस्वरेण सु.प्र.१७२.२२
(३) कारुण्यम् सु.प्र.१८०.५

སྙིང་རྗེའི་གོ་བགོས་དབང་ཆེན་མཚན་ द्र. དབང་ཆེན་ भद्र.२८६

སྙིང་རྗེའི་གོ་བགོས་ཞལ་བཟང་མཚན་ द्र. ཞལ་བཟང་ भद्र.७८८

སྙིང་རྗེའི་གོ་བགོས་ཡིད་བཟང་མཚན་ द्र. ཡིད་བཟང་ भद्र.७६

སྙིང་རྗེའི་སྒྲ་ཡིས་ करुणस्वरम् सु.प्र.१६८.७

སྙིང་རྗེའི་ཆུ་ कारुण्यसलिलोदक सु.प्र.२६.२०

སྙིང་རྗེའི་མཆོག་ करुणाग्र (नाम धारणी) कं.तं.
    ६०३, ९१३

སྙིང་རྗེའི་བདག་ཉིད་ཅན་ करुणात्मक म.व्यु.८७७

སྙིང་རྗེའི་ཚིག་ करुणवचस् सु.प्र.१६१.६

སྙིང་རྗེའི་རླབས་ཆེན་ཚངས་པའི་མཚན་ द्र. ཚངས་
    པ་ भद्र.५६

སྙིང་རྗེའི་རླབས་ཆེན་ཞི་བའི་མཚན་ द्र. ཞི་བ་
    भद्र.२९४

སྙིང་རྗེའི་རླབས་ཆེན་ཡན་ལག་སྐྱེས་ द्र. ཡན་ལག་
    སྐྱེས་ भद्र.८८

སྙིང་རྗེའི་སེམས་ (१) करुणा बो च.१० ४०घ
    (२) कारुण्यचित्त सु.प्र.११७.२६
    (३) दयाचित्त बो च ८ ११०घ, ११७घ

སྙིང་རྗེའི་བསམ་པ་ करुणाशय बो.च.५.८७क

སྙིང་རྗེར་ करुणस्वरम् मु.प्र.१६७.२०

སྙིང་རྗེས་འགོག་པ་ अनुक्रोशाक्षेप का.आ.२.१५४

སྙིང་རྗེས་མི་བཀོལ་བ་ (आर्य) करुणानावृत्त(नाम
    धारणी) कं.तं.६९८, ९०८

སྙིང་རྗེས་བརྒྱུད་ आर्द्रसंतानता अ.ह्.१.२.४६

སྙིང་ཉེ་བ་ (१) कर्षापण ग.दा.
    (२) भक्ति म.व्यु.१७७४

སྙིང་སྟོབས་ (१-३) गुण, त्रिवर्ग, प्रकृति ग.दा.
    (४) सत्त्व बो.च.९.६४क, १२७क, म.व्यु.
    ४५५०, श.दा.

སྙིང་སྟོབས་ཅན་ सात्त्विक श.दा.

སྙིང་སྟོབས་ཆེ་ परिणाह, महासत्त्व श.दा.

སྙིང་སྟོབས་མཆོག་ सत्त्ववर तु.४९२

སྙིང་སྟོབས་གཏེར་ (१) सत्त्वनिधि श.दा.
    (२,३) = སྙིང་སྟོབས་ལྡན་པ་ सत्त्ववत्,
    सत्त्वशालिन् श.दा.

སྙིང་སྟོབས་ལྡན་ सत्त्ववती म.व्यु.४३२७

སྙིང་སྟོབས་ལྡན་པ་=སྙིང་སྟོབས་གཏེར་

སྙིང་ཐིག་ विमल नी.पु.२.४८१

སྙིང་དུ་སྡུག་ मनोहर श.पं.१००

སྙིང་དུ་སྡུག་པ་ (१) हृदयंगम द.भू.२ग
    (२) हृद्य म.व्यु.२७२५

སྙིང་གདེང་(གདང་) प्रतिभू म.व्यु.७६५४

སྙིང་འདར་ཞིང་ संकम्पितहृदय सु.प्र.१६२.२१,२३

སྙིང་སྡུག་=མཛའ་བོ་

སྙིང་སྡེ་=གཉའ་བ་ प्रतिभूक्षम श.दा.

སྙིང་ན་བར་བྱེད་པ་ हृदयपरिवहनी द.भू.२ग

སྙིང་ནས་ भावतः बो.च.२.५१घ

སྙིང་པོ་ (१) इन्द्रनील श.दा.
    (२) कर्कटिका म.व्यु.६२३९, ६२४४
    (३) कर्णिक द.भू.१०च, म.व्यु.६२३८(°का)
    (४) गर्भ द.भू.१अ, १०ब, ग, ११ए, प्रस.

३६०.२, बो.च., म.व्यु.६४७, ६५२, ६६३-७३, ७०८-१२, ७३४, १३४२, १३५३, ३११५, ३४९१, ५१५९, ५९६१, ६२४५, लं.सू.७०ख, श.दा., सु.प्र.

ཆུའི་~ **जलगर्भ** सु.प्र.

ནམ་མཁའི་~ **आकाशगर्भ** बो.च.२.५१क

པདྨའི་~ (क) **जलाम्बुगर्भा** सु.प्र.

(ख) **सरोरुहगर्भ** बो च.७.४४क

ས་ཡི་~ **क्षितिगर्भ** बो.च.२.५१ख

གསེར་བརྒྱའི་འོད་ཟེར་དུ་སྣང་བའི་~

सुवर्णशतरश्मिगर्भ <तथागत-नाम> सु.प्र. १३३.१२

(५) **गोकिल** श.दा.

(६) **मण्ड** बो.च. ("मण्ड"-शब्दोऽयं "सार"-वचनम्—पञ्जिका), म.व्यु.४११४, ५१६१, सु.प्र.

བྱང་ཆུབ་ཀྱི་~ **बोधिमण्ड** का.प.८, २९, ९१ प., सु.प्र.६६.२५, २६, ६७.५, ११

བྱང་ཆུབ་~ **बोधिमण्ड** का.प.९१प., बो.च. २.२६क

(७. ८) **मण्डल, वज्र** श.दा.

(९) **सार** उद्रा., का.प., बो.च.५.६३ग, ६४ख, भद्र ९४५ (पा.སྙིང་), म.व्यु ६१०, ३६४७, ५१६०, ६२५५, ७३१९, ७९८६, लं.सू. १९८क, श.दा., श.पं २४, सु.प्र ३८ २, ६७. १५, १५५.३

ཆོས་དོན་~ར་བྱེད་ཤིང་ **धर्मार्थसार** का.प. १०प.

ཉན་ཐོས་~ར་བྱེད་པ་ **प्रतिपत्तिसार** का.प. १५०

གཟུགས་ཅན་~ **बिम्बिसार** उद्रा.१.२० ..

(१०) **सारग** म ग २२.१०

(११) **सारमा** लं.सू.१९८क

(१२) **हृदय** लं.सू.७७क, श.दा.

(१३) सं. ००

འགྲོ་བ་རྣམས་ལམ་ལྟ་བུ་སྟེ། ཆུ་ཤིང་བཞིན་དུ་~མེད་(दे. རྣམ་པར་དཔྱད་ན་ཆུ་ཤིང་འདྲ་)།

सं. स्वप्नोपमास्तु गतयो विचारे कदलीसमाः बो.च.९.१५०कख

སྙིང་པོ་ཀུན་ལས་བཏུས་པའི་རབ་ཏུ་བྱེད་པ་ **सर्वसारसमुच्चयप्रकरण** कं.तं २२९८

སྙིང་པོ་ཀྱེ་རྡོ་རྗེ་ **गर्भ (?)हेवज्र** चि.च.४८, चि.पं. ५२ख (°རྡོར་)

སྙིང་པོ་ཀྱེ་རྡོར།

སྙིང་པོ་མཁྲེགས་པ་=སྙིང་པོའི་གཞི་ धरणी श.दा.

སྙིང་པོ་བརྒྱ་པ་ **प्रतिपत्तिसारशतक** नी.पु.२.८२४

སྙིང་པོ་ངེས་པར་བསྡུ་བ་ **हृदयनिक्षेप** कं.तं. ३९५०, ४४७०

སྙིང་པོ་ཅན་ (१) **गर्भित** ना.आ.९.८
(२) **सारवत्** श.दा.
(३) **हृदयालु** श.दा.

སྙིང་པོ་ལ་མཆོག་ **अग्रसारा** <मंख्या-नाम> म.व्यु. ७९८६, श.दा. (अग्रशत)

སྙིང་པོ་དང་ལྡན་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **सारवती नाम समाधिः** म.व्यु.६१०

སྙིང་པོ་དང་རང་བཞིན་ **स्वभाव** द.भू.६ओ

སྙིང་པོ་དོན་རྒྱུད་ **सारतन्त्र** श.दा.

སྙིང་པོ་རྡོ་རྗེའི་ཚིག་ **हृदयवज्रपद** कं.तं.१३७८

སྙིང་པོ་ལྡན་མ་ **सारवती** श दा.

སྙིང་པོ་བསྡུ་བ་ **सारसंग्रह** श.दा.

སྙིང་པོ་བསྡུས་པ་ **गर्भसंग्रह** कं त ३९४९, ४४६९

སྙིང་པོ་ནེ་ཡིན་དུ་ནི་ལ་ **इन्द्रनीलकर्कटिका** म.व्यु.६२४८

སྙིང་པོ་ལངས་(པ་) **सारोद्गत** भद्र.८६५

སྙིང་པོ་བྱང་ཆུབ་ **बोधिमण्ड** द.भू.१फफ, १०ब, ज

སྙིང་པོ་ བླང་ **आत्तसारं करिष्यामि** श.पं.६

སྙིང་པོ་མ་བླངས་པར་འཆི་བའི་དུས་བྱེད་པ་ **अनात्तसारस्य च कालक्रिया** का.प.१२०

སྙིང་པོ་མ་ཡིན་པ་མེད་པར་གྱུར་ **अपगतफल्गु** श.दा.

སྙིང་པོ་མ་ཡིན་པ་མེད་པར་གྱུར་པ་(°མ་ཡིན་པར་གྱུར་པ་) **अपगतफल्गु** म.व्यु.७६३६

སྙིང་པོ་མེད་ (१) सं. **अर्जुन** श.दा.
(२) **असारक** लं.सू.१७४क, सु.प्र.४३.१६
(३) **निःसार** सु.प्र.१५९.१

སྙིང་པོ་མེད་པ་ (१) **अर्जुन** श.दा.
(२) **असार** उद्रा.२८.३१, द.भू.५अ., म.व्यु. १८१, ७३१९, श.दा.
(३) **असारिक** म.रा.२२.५
(४-६) **तुच्छ, फल्गु, लघु** श.दा.

སྙིང་པོ་སོ་སོར་=ཙན་དན་དཀར་ **पीतसार** श.दा.

སྙིང་པོ་གསུམ་ **त्रियोगहृदयप्रकाश** कं.तं.१३७१

སྙིང་པོའི་མཆོག་ **सारोत्तमा** प्र.पा.१०

སྙིང་པོའི་དོན་བསྡུས་པ་བཤད་པ་ कं.तं.१५६६

སྙིང་པོའི་གཞི་=སྙིང་པོ་མཁྲེགས་པ་ **धरणी** श.दा.

སྙིང་པོ(ར་)མཁྱེན་ **सारज्ञ** श.पं.१९, २५

སྙིང་པོར་འདུ་ཤེས་པ་ **सारसंज्ञिन्** म.व्यु १८१

སྙིང་མི་བརྩེ་བ་ **अघृण** द.भू.१क

སྙིང་སྐྲོས་ཏེ་ **संभ्रान्तहृदय** सु.प्र.१६२.१८

སྙིང་རྗེ་བ་ कारुणिकता द.भू.५ल

སྙིང་བརྩེ་ (१) कृपा अ.अ.१.३७(=करुणा),
 ५१, सु.प्र.११७.२५, १५८.१०
 (२) कृपात्मक लं.सू.१७६ख

སྙིང་བརྩེ་བ་ (१) अनुकम्प सु.प्र.५६.२५, ६८.
 ७
 (२) अनुकम्पक लं.सू.१७०क
 (३) अनुकम्पा द.भू.२ज, ५ह, म.व्यु.५१५८
 (४) अपेक्षा लं.सू.८५क
 (५) कारुण्यचित्तता द.भू.१म
 (६) कृपा म व्यु.५१५६, सु.प्र.१६०.२
 (७) दया द.भू.२ब, ज, त, य
 རྗེས་སུ་~ अनुकम्पक उद्रा ४५.६, ४७.३८
 द्र. སྙིང་རྗེ་

སྙིང་བརྩེ་བ་ཉེ་བར་བཟུང་སྟེ་ अनुकम्पया ल.वि.
 ७.१२.८,९

སྙིང་བརྩེ་བ་དང་སྙིང་རྗེ་ कृपाकरुणा द.भू.१०ह

སྙིང་བརྩེ་བའི་ཕྱིར་ अनुकम्पामुपादाय म.व्यु.
 ५१५८

སྙིང་བརྩེ་བའི་བློ་གྲོས་ कृपामति सु.प्र.१६०.२

སྙིང་ཡེར་ अम्बु लं.सू.८७ख

སྙིང་ལ་ཁྲེགས་ प्रत्युरस श.दा.

སྙིང་ལ་འཛིགས་ हृदयत्रास बो.च.४.४७ग

སྙིང་ལ་འབབ་པ་ अमृत, हृदयंगम श.दा.

སྙིངས་པ་ (१) वृद्ध म.व्यु.४०९६
 (२) शीर्णं म.व्यु ७२३५
 द्र. རྙིང་པ་

སྙིད་མོ་ ननन्दृ श.दा.

སྙིམ་པ་ अञ्जलि बो.क.२३, श.दा. (= སྙིམ་པོ་,
 ཐལ་མོ་)

སྙིམ་པའི་མེ་ཏོག་ कुसुमाञ्जलि गुह्यसमाजनिबन्ध
 नाम नी.पु.२.४१५ (कं तं.१८५१)

སྙིམ་པོ་ = སྙིམ་པ་

སྙིལ་བ་ भू., भवि. བསྙིལ་
 विशीर्यते म.व्यु.४६४७

སྙུག་མ་མཁན་ वेणुकार म.व्यु.३७९८

སྙུགས་སྲིང་ आयाम श दा.

སྙུང་ (१) लिग म.व्यु.८६००
 (२) སྒོ་གཅིག་(ཅིག་)པ་། གོས་སྙུང་
 एकजोड म.व्यु.८८५६
 द्र. གསོར་

སྙུང་བུ་ द्र. གསོར་

སྙུང་བ་ भू. བསྙུངས་, भवि. བསྙུང་

སྙུང་ཟུག་ द्र. ཟུག་རྔུ་

སྙུན་ रोग श दा.

སྙུན་གྱི་གསོ་(བྱེད་) ग्लानप्रत्यय द.भू.१वव ..

སྙུན་དྲངས་པ་ आराम श.दा.

སྙུན་པ་ भू., भवि. བསྙུན་

སྐྱེ་བ་ भू. བསྐྱེས་, भवि. བསྐྱེ་, लोट् སྐྱེ་

སྐྱེ་མ་ (१) मञ्जरी म.व्यु.५७४५, ६८३७, श.दा.

(= སྐྱི་མ་, དོག་པ་)

(२) =སྐྱི་མ་, དོག་པ་ वल्लरी श.दा.

སྐྱེ་མ་ལུས་ལྡེབས་ करञ्ज श.दा.

སྐྱེ་མའི་ཕྲུང་པོ་ मञ्जरी श.दा.

སྐྱེགས་

རྡོ་སྐྱེགས་ཁྲི་མི་འདྲ་ सं. न श्वानतुल्य का.प. १०७प.

སྐྱེགས་ཀྱི་ अनुधावति का.प.१०५

སྐྱེག(ས་)པ་ भू བསྐྱེགས་, भवि. བསྐྱེག, लोट् སྐྱོག(ས་)

ཁྲི་རྡོ་ལ་སྐྱེགས་པ་དང་མི་འདྲ་བ་ न श्वलोष्टानुजवनसदृश: का.प.१०७

ཁྲི་རྡོ་ལ་སྐྱེགས་པ་དང་མཚུངས་པ་ श्वलोष्टानुजवनसदृश का.प.१०५

ཁྲི་རྡོ་སྐྱེགས་པ་འདྲ་ श्वलोष्टतुल्य का.प. १०७र.

ནམ་མཁའ་ལ་མི་སྐྱེགས་པ་ न चाकाशं परामृशति का.प १६१

སྐྱེད་ (१) इयत् अ.अ.५.२

འདི་སྐྱེད་ इयन्ति उदा.१७.६

(२) उपम भ.च.२ग, सु.प्र.

ཕྲ་བའི་རྡུལ་སྐྱེད་ सूक्ष्मरजोपम सु.प्र.३७.२२, २३, २४

(३) यथा का.प.

གང་གའི་བྱེ་མ་སྐྱེད་ यथ गंगवालिका का.प. २२प.

(४) सम का.प., द.भू.१च, सु.प्र.

གང་གཱའི་ཀླུང་གི་བྱེ་མ་སྐྱེད་དག་ गंगानदीवालुकासम सु.प्र.६५ १६, १६, २६, २६, ६६.१६

རྡུལ་དང་མཚུངས་འདྲ་སྐྱེད་ रजसमतुल्य(?) सु.प्र.३७.२१

(५) सं.००

ཞིང་རྡུལ་ཀུན་གྱི་གྲངས་སྙེད་ཀྱི། ལུས་བཏུད་པས་ནི་(དེ པ་ཡིས་)བདག་ཕྱག་འཚལ॥ सर्वक्षेत्राणुसंख्यैश्च प्रणामै: प्रणमाम्यहम् बो.च.२.२४गघ

द्र. ཇི་སྐྱེད་, དེ་སྐྱེད་

སྐྱེད་པ་=རྙེད་པ་ प्रतिलब्ध, लाभ श.दा.

སྐྱེད་པ་བླ་ན་མེད་པ་ लाभोऽनुत्तरस्य श.दा.

སྐྱེད་ཡོད་པ་ यावन्ति द.भू.८ल

སྐྱེམས་པ་ भू. བསྐྱེམས་

(१) गर्व श दा.

(२) परामृष्ट ल.सू.११३क

(३) सं.००

བདག་ནི་རྙེད་མང་བཀུར་སྟི་བཅས།
བདག་ལ་མང་པོ་དགའ་འོ་ཞེས།
དེ་འདྲའི་སྐྱེམས་པ་འཆང་གྱུར་ན།

ཤི་བའི་འོག་ཏུ་འཇིགས་པ་སྐྱེ།།

' **लाभी च सत्कृतश्चाहमिच्छन्ति बहवश्च माम्।**
इति मर्त्यस्य संप्राप्तान्मरणाज्जायते भयम्।।
बो च.८.१७

སླེམས་པ་མི་མངའ་བ་ **निर्भय** म.व्यु.६२

སློག(ས་) སླེག(ས་)པ་ **इत्यस्य लोट्**

སློགས་པ་=རྗེས་སུ་སློག་ **अनुयास्मि** श.दा.

སློངས་པ་=བྱུག་པ་ **लेप, लेपन** श.दा

སློད་=སླད་པ་ **इत्यस्य लोट्**

སློད་ཅིང་སྤྲོབས་པ་ **आहारक** म.व्यु.३८५१

སློད་པ་ भू. བསླད་, བསློད་, བསློས་, भवि. བསློད་

(१) **अभिद्रुग्ध?** म व्यु.७६४७

(२) **आख्याता भवति** द.भू.२फ

སློན་པ་ भू., भवि. བསློན་

अपलाप म.व्यु.७६४८, श.दा.

སློབ་པ་ भू. བསླབས་, भवि. བསླབ་

སློམ (१) **अव्यापार** बो.च.७.३क (दे. སློམ་ལས་)

(२-४) = སློམས་ལས་ **आलस्य, किलास, तन्द्रा** श दा.

སློམ་པ་ (१) **क्लमथ** म.व्यु.७३३६

(२) = སློམས་པ་ **तन्द्रा** श.दा.

(३) **तन्द्री** म.व्यु.६६५१

(४) སེམས་~ **समचित्तता** का.प.२३

སློམ་པར་འཇུག་པ་ (སློམས་) **समापत्ति** म.सू.

སློམ་ལས་པེད་པ་ **अशिथिल** द.भू ५ज

སློམས་ (१) **अव्यापार** बो.च.७.३क (ना. སློམས་ལས་)

(२) **आलस्य** बो च.७.७३ग

(३) = སློམས་པ་ **सम** श.दा.

མཛའ་དང་མི་མཛའ་རྣམས་ལ་སེམས་ཀྱང་ སློམས་ **मित्रे अमित्रे समचित्तता** का.प.२६प.

སེམས་སློམས་བྱ་ **समचित्त भवेत्** का.प. १२प.

(४) མགོ་སློམས་བྱེད་པར་འགྱུར་ **तुलयिष्यामि** बो.च.८.२६घ

བཏང་སློམས་སུ་འཇོག་ཅིང་ मं. **अवेक्षकाः** का.प.१०५

བསོད་སློམས་དག་ ... རྟེད་པ་ **पैण्डपातिक** बो.च.१०.४६ख

द्र. བཏང་སློམས་

སློམས་འཇུག་ **समापत्ति** बो.च.

འདུ་ཤེས་མེད་པའི་~ **असंज्ञिसमापत्ति** बो.च.९.४८ग

སློམས་འཇུག་པ་ **समापत्ति** अ.अ.५.२४, २५, ८२

སློམས་པ་ भू. བསློམས་, भवि. བསློམ་

(१) **क्लम** म.व्यु.७३३७

(२) **क्लमथ** श.दा.

(३) =སྐྱོམ་པ་ **तन्द्रा** श.दा.

(४) **सम** उद्रा.७.२६, का.प., म.व्यु.२६४, ३६३६, श.दा.

སྙོམས་པའི་སེམས་ (१) **समचित्त** का.प.८७प.

(२) **समचित्तता** का.प.८७

སྙོམས་པར་འཇུག་ (१) **समापद्यते** द.भू. (ཞུགས་སོ་) १क्ष, ३म. ७ल, १०च, द .

(२) **समाहित** ल.सू.११५क

སྙོམས་པར་འཇུག་པ་ (१) सं. **निरोधसमापत्ति** लं.सू.१५२ख

(२) **समापत्ति** का.प.१४४, द.भू.१अ, २द ३म, ६म, ७ग, न, ९ह, १०फ, ११ब, म.व्यु. १२६, ८६८, १४९१, १४९६-९८, १५०० १५०२, १९८७-८८, श.दा., सं.नि.९.३.३

སྙོམས་པར་འཇུག་པ་ལ་སྲེད་པ་ **समापत्तिस्नेह** म.नि.८.३५, ९.३.८

སྙོམས་པར་འཇུག་པ་ལ་སྲེད་པ་ཀུན་དུ་རྨོངས་པ་ **समापत्तिस्नेहसंमोह** सं नि.९.५.४

སྙོམས་པར་འཇུག་པའི་ཕུང་པོ་ **समापत्तिस्कन्ध** म.व्यु.१४९९

སྙོམས་པར་འཇུག་པའི་མིང་ལ་ **समापत्तिनामानि** म.व्यु.१४९१

སྙོམས་པར་འཇུག་པའི་རོ་མྱང་བ་ **समापत्तिरसमास्वदन्ते** सं.नि.८.३४.३

སྙོམས་པར་འཇུག་པས་ཡོངས་སུ་བཟུང་བ་ उप-पत्ति लं.सू.६४क

སྙོམས་པར་སྤྱོད་པ་ **समचर्या** का.प.२३

སྙོམས་པར་ཞུགས་པ་ **समापन्न** प्रस.३८१.१

སྙོམས་པར་ཞུགས་ཤིག་

ཚོར་བ་འགོག་པའི་སྙོམས་པར་འཇུག་པ་ལ་ ~ **वेदयितनिरोधसमापत्तिं समापद्यध्वम्** का प.१४४

སྙོམས་ཞུགས་ནས་ **समापद्य** अ.अ.५.२३

སྙོམས་ལས་ (१) **किलास** म.व्यु.६६५०

(२) **तन्द्री** म.व्य.६६५१

द्र. སྙོམ

སྙོམས་ལས་ཅན་ **उन्मनस्, तन्द्रालु** श.दा.

སྙོམས་(दे སྙོམ་) ལས་བདེ་བའི་རོ་མྱང་ **अव्यापारसुखास्वाद** बो.च.७.३क

སྙོམས་ལས་མེད་ **अतन्द्रालु, अतन्द्रित** (=སྒ་ཡེང་བ་) श.दा.

སྙོམས་ལས་མེད་པ་ **अतन्द्रित** म.व्यु.१७९२

སྙོམས་ཤིང་ **समया** म.व्यु.७०३९

སྙོལ་བ་ भू., भवि. བསྙལ་

བརྙ་བ་ भू. བརྙས་

བརྙན་ द्र. གཟུགས་བརྙན་

བརྙན་དུ་གདགས་ **प्रतिशब्द** म.व्यु.२८२४

བརྙར་པོ་

ལུས་འདི་(दे. ནི་)ཕྲང་ཅིག་~བཞིན་ सं.

कायोपाचितकोपमः बो.च.४.१६घ

བརྙས་ བརྙ་བ་ इत्यस्य भू.

(१) न्यक्कार बो.च.६.११ख, ५३क

(२) परिभव बो.च.१.३२ग

(३) प्रतिविमानना का.प

དགེ་བའི་ཆོས་ཅན་རྣམས་ལ་བརྙས་ཤིང་

कल्याणधर्मप्रतिविमानना का.प.११

བརྙས་པ་ (१) अतिमन्यना का.प.

མི་~ अनतिमन्यना का.प १८

(२, ३) अभिभव, अवज्ञा श.दा.

(४) अवमन्यना बो.च.

བདག་ཉིད་~ आत्मावमन्यना बो च.७.२घ

(५) अवमानन म.व्यु.६९५८

(६) पराभव म.व्यु.२६३९, श.दा., सं.नि.९.

१४, ९.१८.१

(७) परिभूत बो.च.१०.४१ग

ཡོངས་སུ་~ परिभूत बो.च.९.१५१घ

བརྙས་པ་བྱེད་ अवमन्यते बो.च.

ཅི་ཕྱིར་བདག་ལ་~ कस्मान्मामवमन्यते बो.च.

८.१४५ख

བརྙས་པའི་ཁྱད་དུ་བསོད་པ་ अवगणन, अवमान

श.दा.

བརྙས་པར་འགྱུར་ परिभूत बो.च.७.५८क

བརྙས་པར་ཡོངས་མི་བྱེད་ न चाभिमन्यस्तीह

का.प.१८प.

བརྙས་...བྱེད་ प्रतिमानयेत् बो.च.८.१२४घ

བརྙས་མི་བྱ་ न विमानयेत का.प.११प.

བརྙིད་ རྙིད་པ་ इत्यस्य भू.

(བ)རྙིས་ རྙེད་པ་ इत्यस्य भू.

བརྙེད་ རྙེད་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

प्राप्स्यसि मु.प्र.१६०.१९

བརྙེད་པར་དཀའ་བ་ दुरासद द.भृ.३द

བརྙེས་ རྙེད་པ་ इत्यस्य भ.

(१) आरागित मु.प्र.

(२) प्रगृह्य लं.सू.६२ख

(३) प्राप्त भ.च.११ख, श.पं.२६

བརྙེས་བགྱིད་ལ་ आराध्य श्र.स्तो.७०

བརྙེས་ནས་ प्राप्या श.पं.४०

བརྙེས་པ་ (१) अध्यगाः श.पं.३०

(२) गत म.व्यु.४३६

(३) प्राप्त म.व्यु.३६७, श.दा., सं.नि.०.२

(४) प्राप्ति म.व्यु.३५५

བརྙོག་ རྙོག་པ་ इत्यस्य भवि.

བརྙོགས་ རྙོག་པ་ इत्यस्य भू.

བརླ་ ग्लानि अ.हृ.१.५.२७, २८, १.६.१८

བརླད་ རླད་པ་ इत्यस्य भू., भवि. । རློད་པ་

इत्यस्य भू.

(१)= བཤད་པ་ आख्यात श.दा.

(२) कथा च.ग.४

བསླད་པ་ मलर ग.दा.

བསླད་ཡས་ **विवर** <संख्या-नाम> म.व्यु.७७८२

७६११

བསླན་ **मृदु** सु प्र.

དབྱངས་བསླན་ **मृदुस्वर** सु.प्र.८६.११

བསླབ་ སློབ་པ་ इत्यस्य भवि.

བསླབས་ སློབ་པ་ इत्यस्य भू.

བསླལ་ སློལ་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

ལག་པ་གཉིས་བསླལ་ཏེ་(ནས་)**हस्तौ निर्माद्य**

उद्रा.४५.२२, २४

བསླལ་ཡས་ **मलर** <संख्या-नाम> म.व्यु.

७७८४, ग.दा.(विनर)

བསླིལ་སྡུད་པ་ **नाशितसंग्रह** ग.दा.

བསླིལ་བ་ སླིལ་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

(१) **नाशनीय** म.व्यु.८६४७

(२) **नाशित** म.व्यु..८४८१

སྟོང་གི་འཁོར་བ་ཕྱིར་~ར་འགྱུར་ सं.

°**सहस्राणि संसारात् पराङ्मुखानि भविष्यन्ति**

मु.प्र.६०.५

བསླིལ་བ་སྡུད་པ་ **नाशितसंग्रह** म.व्यु ८४८१

བསླུགས་པ་ **मग्न** अ.हृ.१.२०.९

བསླང་ སླང་བ་ इत्यस्य भवि.

བསླུང་བ་ (१) **उपवास** अ.हृ.१.१३.१२, म.व्यु.

७००५

(२) **लंघन** अ.हृ.१.७.६३

བསླུང་བར་འདུགས་པ་ **उपोषध** म.व्यु.७१३७

བསླུངས་ སླུང་བ་ इत्यस्य भू.

=ཉུང་བ་བསླུར་ **संलोप** ग.दा.

བསླུངས་པ་ (१) **संलिखित** म.सृ.

(२) ཡོ་བྱད་~ **संलेख** म.व्यु.७०१२

བསླུན་ སླུན་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

བསླུལ་བ་ द्र. བསླལ་བ་

བསླེ་ སླེ་བ་ इत्यस्य भवि.

བསླེག་ སླེག(ས་)པ་ इत्यस्य भवि.

བསླེགས་ སླེག(ས་)པ་ इत्यस्य भू.

བསླེངས་དང་ནི་བྲལ་བ་ **विगतभय** भद्र.७३४

བསླེངས་དང་བྲལ་བ་ **विगतभय** भद्र.१३४, ७३४

བསླེངས་པ་=འཇིགས་པ་ **भय** ग.दा.

བསླེངས་པ་བྲལ་=བསླེངས་མེད་ भद्र.४२१

བསླེངས་པ་མེད་(པ་) **अभय** भद्र.७४०

བསླེངས་བྲལ་ **विगतभय** भद्र.१३४, २९९, ७३४

བསླེངས་མེད་ **अभय** भद्र ४२१, ४४२, ७४०

བསླེངས་སྐྲད་ **भयात्** श.पं.१४

བསླེར་(१)= ཉེ་བའི་སར་གྱུ་ **आसन्नीभूत**

ग.दा.

(२) **भक्ति** स्र.स्तो.६८

(२) རྟོགས་པར་བསླེན་ནས་ **उपसंपन्न** उद्रा.

१८.३६

བསྙེན་བཀུར་ (१) अधिकार सु.प्र.८.३

(२)= བསྔགས་པ་ उपचरित श.दा.

(३) उपस्थान उद्रा.१३.२२, ४०.८, का.प.११७, श.दा. (=བསྔགས་ང་)

(४) पर्युपासना श.दा., सं.नि.८.२९.५

(५) = བསྔགས་པ་ शुश्रूषा श.दा.

(६) = བསྔགས་པ་ श्लाघा श.दा.

(७) = བསྔགས་པ་ संवर्तन श.दा.

(८) सत्कार उद्रा.४१.३०, ३४, बो.च.६.८१ग

(९) सपर्या ना.आ.११

द्र. བཀུར་སྟི་, བཀུར་བ་

བསྙེན་བཀུར་བགྱིད་པ་ पर्युपासन सं.नि.१०.१०

བསྙེན་བཀུར་བགྱིས་པ་ पर्युपासन श.पं.९५

བསྙེན་བཀུར་བསྔགས་པ་ परिचर्यासंवर्णन म.व्यु.८३७२

བསྙེན་བཀུར་གནས་ पर्युपास्य श.दा.

བསྙེན་བཀུར་བ་ (१) उपस्थान द.भू.८क

(२) उपस्थायक उद्रा.१६.३४, ४२.२८

(३) ཤིན་ཏུ་~ सुपर्युपासित द.भू.१ल, र, अ.

བསྙེན་བཀུར་བྱ་བ་ पर्युपासन म.व्यु.१७६३

བསྙེན་བཀུར་བྱས་ (१) परिचीर्ण का.प.१४८

(२) ~ན་ पर्युपास्य म.सू.१२.१९

བསྙེན་བཀུར་བྱས་པ་ पर्युपासित सु.प्र.५१.१०

བསྙེན་བཀུར་བྱེད་ पर्युपास्ते द.भू.३ग, ७ग

བསྙེན་བཀུར་བྱེད་པ་ (१) उपस्थायक उद्रा.४१.६

(२) उपासन म.व्यु.१७८१

(३) पर्युपासन म.व्यु.१७८०

(४) समुपासयन्ते द.भू.८ज.

བསྙེན་བཀུར་མ་ཡིན་པས་འཛིགས་པ་ असत्कार-भीरु उद्रा.४८.११

བསྙེན་བཀུར་མ་ལགས་པ་(ཡིན་པ་) असत्कार उद्रा.४१.२९, ४८.११

བསྙེན་བཀུར་རིམ་གྲོ་བྱེད་དང་གུས་པར་སྨྲ་བ་དང་ परिचर्युपस्थानभिवादनं च (sic)का.प.११७प.

བསྙེན་སྒྲུབ་ से०साधन नी.पु.२.८१०

བསྙེན་སྒྲུབ་ सेवासाधन नी.पु.२.५४६, ७०२, ९१४

བསྙེན་བསྒྲུབ་ सेवासाधना श.दा.

བསྙེན་དུས་དང་འབྲེལ་བ་

དཔལ་མགོན་ཞལ་བཞི་པ་~ सेवाकालसंबद्ध चतुर्मुख श्रीनाथ चि.पं.१३१क

བསྙེན་གནས་ (१) उपवास ना.आ.१३.७, श.दा.

(२) उपवासिन् श.दा.

བསྙེན་གནས་ལ་ཉེ་བར་གནས་པ་ उपवासमुपवसन्ति म.व्यु.१६२९

བསྙེན་པ་ (१) आसेवित म.व्यु.२३२०, श.दा.

(२) निषेवन श.दा.

(३) **निवेदित** म.व्यु.६४४५

(४) **भजन** म.व्यु.१७७६, श.दा.

(५) **सं. मन्त्र** नी.पु.१.३१२

(६) **सेवा** श.दा.

(७) བསྙེན་པ་~ **उपसंपद्** उद्रा.

རྫོགས་པར་བསྙེན་པ་(པའི་)དགེ་སློང་གི་(སློང་མའི་)དངོས་པོ་ **उपसंपदं भिक्षु(णी)-भावम्** उद्रा.१० ३६, १३.३१

རྫོགས་པར་~ར་མཛད་དུ་གསོལ་ **उप-संपादयतु** उद्रा.१८.३०

བསྙེན་པར་དཀའ་བ་ **दुरासद** म.व्यु.६५७५

བསྙེན་པར་འགྱུར་ **उपसंक्रमिष्यति** सु.प्र.५०.१०

བསྙེན་པར་གནས་པ་ལ་བསྙེན་ཏེ་ **उपवासोपवासिन्** सु.प्र.६०.७

བསྙེན་པར་མ་རྫོགས་པ་དང་ལྷན་ཅིག་ཉལ་བ་ **अनुपसंपन्नसहस्वप्न** म.व्यु.८४७८

བསྙེན་པར་རྫོགས་པ་ **उपसंपन्न** म.व्यु.१०१३, ८७१५, ८७५४, श.दा.

བསྙེན་པར་རྫོགས་པར་བྱེད་པ་ **उपसंपादन** म.व्यु.८४६८

བསྙེན་རྫོགས་མཛད་པ་ **उपसंपन्न** श.दा.

བསྙེན་བསྐུར་དང་བྲལ་བ་ (अन)**नुरोधविरोध-विप्रमुक्त** म.व्यु.४२५

བསྙེམས་ སྙེམ(ས་)པ་ इत्यस्य भू.

=ང་རྒྱལ་ཆེ་བ་ **गर्व, दर्प** श.दा.

བསྙེམས་པའི་ཚུལ་ **गर्व** म.व्यु.४२६३

བསྙེལ་བ་མི་མངའི་ཆོས་ཉིད་ **असंमोषधर्मता** अ.अ.८.५

བསྙེལ་བ་མེད་པ་ **नास्ति मुषितस्मृतिता** (°स्मृतिः) १३८, श.दा.(नास्ति मुदिता, नास्ति मुषिता)

བསྙེས་ སྙེ་བ་ इत्यस्य भू.

བསྙོད་ སྙོད་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

བསྙོད་(ཀྱང་) **लावित्वा** बो.च.५.६८ग

བསྙོན་ སྙོན་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

བསྙོན་དོར་ **अपह्नुति** का.आ.२.३०१

བསྙོན་པ་ **अपलाप** म.व्यु.७६४८

བསྙོམ་ སྙོམ(ས་)པ་ इत्यस्य भवि.

བསྙོམས་ སྙོམ(ས་)པ་ इत्यस्य भू.

བསྙོས་ སྙོད་པ་ इत्यस्य भू.

བསྙོས་ལས་=གཡེལ་ **तन्द्रित** श.दा.



ཏ

ཏ་ द्र. ཁ་ཏ་

ཏ་ག་ར་ तगर म.व्यु.६१७८

ཏ་གར་ तगर श.दा.

ཏ་ཏྭ་ तत्त्व श.दा.

ཏ་ཝརྒེ་ तवर्ग श.दा.

ཏ་མཱ་ལ་ (१) तमाल ना.आ.१२.१४, श.दा.
  (२) सिन्धुवार श.दा.

ཏ་མ་ལའི་བཅུད་ तमालरस श.दा.

ཏ་མ་ལའི་འདབ་མ་ तमालपत्र म.व्यु.६२५४

ཏ་མཱ་ལའི་ལོ་མ་ तमालपत्र म.व्यु.६१८०, श.दा.

ཏཱ་མ་ལི་ཏིའི་རྒྱལ་པོ་ तामलिप्तकराजा म.व्यु. ३५६५

ཏ་མའི་བཅུད་=ཏ་མ་ལའི་བཅུད་

ཏ་ཐྱུང་ मुचिलिन्द श.दा.

ཏ་ཡས་ तेल श.दा.

ཏ་ཡིག་ तकार श.दा.

ཏཱ་ར་
  རྗེ་བཙུན་མ་ཀཱ་པ་ལི་~ भट्टारिका कपालतारा चि.पं.५४क
  འཕགས་མ་ཙུན་ད་~ आर्यचुन्दातारा चि.पं. ५४ख
  द्र. སྒྲོལ་མ་

ཏ་ར་ཎི་ तरणि <पुष्प-नाम> म.व्यु.६२०७, श दा. (°णी)

ཏ་རུཥྐ་ तुरुष्क श.दा.

ཏཱ་ལ་ ताल म.व्यु.४२३१, ८५२६, ६१३४, लं.मू. ६७क, श दा., सु.प्र.१४.८
  द्र. བུ་རམ་དང་ཏཱ་ལ་

ཏཱ་ལ་བདུན་ सप्तताल लं.मू.६७क

ཏཱ་ལ་ལ་ उल्का म.व्यु.१३७५, ६८६६, श.दा.

ཏཱ་ལའི་ཀང་ तालजंघ नी पु. १.४

ཏཱ་ལའི་ཕྲེང་ तालमाल नी.पु.१.५

ཏཱ་ལའི་བླ་མ་སྐལ་བཟང་གྱི་མཚོ་ चि.च.२८ (द्र. རྒྱལ་དབང་ བློ་བཟང་སྐལ་བཟང་གྱི་མཚོ་ चि.त्रि.५०)

ཏཱ་ལའི་འབྲུ་ तालफल सु.प्र.१४.८

ཏཱ་ལའི་ལོ་མ་ལྟར་ལྟབ་པ་(°ལྟར་མ་ཡིན་པ་) न तालवृन्तकम् म.व्य.८५२६

ཏ་ཛོར་ (ཏ་ཛེར་) གྱུར་པ་ भाजते म.व्यु.५२१२

ཏཀྵ་ཤི་ལ་ तक्षशिला श.दा.

ཏད་ द्र. ཉད་རན་

ཏབ་ཏབ་པོར་ संभ्रम श.दा.

ཏི་ཀ་=ཊཱི་ཀཱ་ **टीका** श.दा.

ཏི་སླག་ **सारिका** श.दा.

ཏི་ངའི་མཐའ་ **तिङन्त** कं.तं.४२७५

ཏི་ཏི་བྷ་ **तितिभ** श.दा.

ཏི་ཏྲིག་ **तित्तिरि** श.दा.

ཏི་ནི་ཤ་ **तिनिश** अ.हृ.१.१५.१९

ཏི་ནུ་ द्र. ཀླུ་མོ་~ चि.पं.७२क

ཏི་པུ་རཱི་ **त्रिपुरी** श.दा.

ཏི་པུ་ **ति-पु** नी.पु.१.२२६

ཏི་མུ་ཥ་ **तिमिष** श.दा.

ཏི་ལ་ **तिल** म.व्यु ५६५५, श.दा.

ཏི་ལ་ཀ་ནཱ་ཐ་ **त्रिलोकनाथ** श.दा.

ཏི་ལ་སོགས་པའི་མཐའི་བྱ་བ་རྣམ་པར་དཔྱད་པ་ **त्याद्यन्तप्रक्रियाविचारित** (पा. °अन्तस्य°) क.त.४२८९

ཏི་ལ་སོགས་པའི་མཐའི་བྱ་བའི་ཚིག་གསལ་བ་ **त्याद्यन्तक्रियापदरोहण** कं.तं.४४५२

ཏི་ལོ་པ་=ཏིལ་ལི་པ་ **त्रिलोप** श.दा.

ཏི་སེ་ **कैलास** तु.५६६, नी.पु २.४३३, ५७९, ६०२, ६६९, ७००, ७२०, ९७५

ཏི་སེའི་གངས་ **कैलास** <गिरि-नाम> म.व्यु. ४१५३

ཏིག་ཏ་ **किराततिक्त, चिरतिक्त, तिक्तक** श.दा.

ཏིང་ **ताम** श.दा.

ཏིང་ངེ་འཛིན་ (१) **शमथ** श.दा.

(२) **समाधि** अ.अ.१.३२, ३३, ४.३३, ५.४, २३, का.प.९१, द.भू.१क्षक्ष..., १अ, ३क, म, ४च, ६प, ७ह, ८ओ, ९अ, ह, १०ब, द, फ, ग, ११ब, द, न्या.बि.२८.१२, प्र.पा.१७, बो.च.८.१ख, म.व्यु.१२६, १४५, ५०६-६२३, ७३६, ८११, ८१२, ८६०, ८८१, ९०१, ९६७-९७०, ९८०, १००४, ११२५, १३५६, १३८७, १४७९, १४८७, १९३२, लं.सू.६१क, ल.वि.१६.२.४४, ७.१७, श.दा., सं.नि.८.३२, ८.३७.१, ९.४.३, ९.३४, स.रा.८.१, ४, १४-१६, १९, १९.१, ४, ५, ८, १०, १४, २७, २८-३०, २२.१, ३, ७, ८, १३, १४, २३, २४

ཚུལ་ཁྲིམས་དང་~ལས་མ་ཉམས་ཏེ་ **अच्युत-शीलसमाधिः** का.प.१०

(३) सं. **समापत्ति** ल.सू.६४क, श.दा.

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་ **समाधिमण्डल** म.व्यु.६८७७, श.दा.

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་འཁོར་ལོ་ (आर्य) **समाधिचक्र** (नाम महायानसूत्र) कं.तं.२४१

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་དགོས་པ་ **समाधिकार्य** द.भू.१०ब

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ **समाधिराज** श.दा., स.रा. १९.५

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་རྒྱལ་པོ་འི་མདོ་གཞུང་བར་འགྱུར་བའི་གཟུངས་ कं.तं.५८६, ९४२

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་རྒྱལ་བ་ **समाधिजिन** लं.सू.६६ख

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྐྱོའི་སྤྱོད་ཡུལ་ **समाधिसुखसागर** लं.सू.६७क

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྙིང་པོ་ **समाधिगर्भ** म.व्यु.६७२

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྟོབས་ **ममाधिबल** म.व्यु.९८६, श.दा.५५६क

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་བདེ་བ་ **समाधिसुख** लं.सू ९५क (°मुख), १५३ख

~ལ་སྙོམས་པར་འཇུག་པའི་ཡིད་ཀྱི་ལུས་ **समाधिसुखसमापत्तिमनोमय** लं.सू.१२०ख

~ལ་གནས་པ་ **समाधिसुखविहार** लं.सू.८८क

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་འདམ་བྱིང་བ་ **समाधिमवमग्न** लं.सू.१९१ख

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་(གྱིས་)རྣམ་པར་རོལ་པ་བརྒྱ་སྟོང་སྒྲུབ་པ་ལ་མཁས་པ་ **समाधिविक्रीडितशतसहस्रनिर्हारकुशल** म.व्यु.८६३

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྤྱོད་པ་ཚད་མེད་པས་བྱིན་གྱིས་བརླབས་པ་ **अप्रमाणसमाधिचर्याधिष्ठित** म.व्यु.८७०

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྤྱོད་ཡུལ་ **समाधिगोचर** सं.नि.८.९

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྤྱོད་ཡུལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་དང་བཅས་པའི་གཟུགས་བརྙན་ **समाधिगोचरसविकल्पकबिम्ब** सं.नि.८.१०

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྤྱོད་ཡུལ་གཟུགས་བརྙན་གྱི་མཚན་མ་ **समाधिगोचरप्रतिबिम्बनिमित्त** सं.नि.८.३०

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་ཕུང་པོ་ **समाधिस्कन्ध** म.व्यु.१०५, श.दा.८२४ख

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་བྱིན་རླབས་ कं.तं.२८३५

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་དབང་བསྐུར་ कं.तं.२८३६

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་དབང་བསྐུར་བ་ **समाध्यभिषेक** कं.तं.२४७०

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་དབང་པོ་ **समाधीन्द्रिय** म.व्यु.९८०, २०७६, ग.दा.

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་མི་མཐུན་པའི་ཕྱོགས་རྣམ་པར་གཞག་པ་ [समाधिप्रतिकूलपक्षव्यवस्थान?] कं.तं.३९३२, ४५३४

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་ཚོགས་ཀྱི་ལེའུ་ **समाधिसंभारपरिवर्त** कं.तं.३९२५, ४५३१

ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སངས་རྒྱས་ **समाधिबुद्ध** लं.सू.६६ख

ཏིང་ངེ་འཛིན་དགུ—

(१) རིན་ཆེན་ཀུན་ཏུ་འཕགས་ **रत्नसमुद्गत**, (२) ཤིན་ཏུ་གནས་པ་ **सुप्रतिष्ठ**, (३) མི་སྒུལ་བ་ **अकम्प**, (४) ཕྱིར་མི་ལྡོག་པ་ **अविनिवर्तनीय**, (५) དཀོན་མཆོག་འབྱུང་གནས་ **रत्नाकर**, (६) ཉི་མའི་འོད་ .

ཀྱི་གཟི་བརྗིད་ सूर्यप्रभातेजः, (७) དོན་ཐམས་ཅད་གྲུབ་པ་ सर्वार्थसिद्ध, (८) ཡེ་ཤེས་སྒྲོན་མེ་ ज्ञानालोक, (९) ད་ལྟར་གྱི་སངས་རྒྱས་མངོན་སུམ་བཞུགས་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ནོ་ प्रत्युत्पन्नबुद्धसंमुखावस्थितसमाधि श.दा.

ཏིང་ངེ་འཛིན་རྒྱལ་པོ་ समाधिराज म.व्यु.१३३२

ཏིང་ངེ་འཛིན་མཆོག་དམ་པ་ (आर्य) समाध्युत्तम कं.न.१३७

ཏིང་ངེ་འཛིན་ཉམས་པ་མེད་པ་ (१) अच्युतसमाधि म.व्यु.८८१

(२) नास्ति समाधिहानिः म.व्यु.१४५

ཏིང་ངེ་འཛིན་མཉམ་པ་ཉིད་ཅེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ समाधिसमता नाम समाधिः म.व्यु.६१५

ཏིང་ངེ་འཛིན་སྙོམས་པར་འཇུག་པ་ཚད་མེད་པ་དང་ལྡན་པ་ अप्रमाणसमाधिसमापत्तिसमन्वागत म.व्यु.८६८

ཏིང་ངེ་འཛིན་བདུད་བར་བྱེད་པའི་གདམས་ངག་ क.न २७८०

ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ལ་དབང་བའི་ཕ་རོལ་ཏུ་སོན་པ་ सर्वसमाधिवशितापारमिगतः म.व्यु.८७२

ཏིང་ངེ་འཛིན་དུ་མ་ अनेकसमाधि लं.सू ६१क

ཏིང་ངེ་འཛིན་རྡོ་རྗེའི་གཟུགས་ समाधिवज्रबिम्बोपम लं.सू.७८क

ཏིང་ངེ་འཛིན་དབང་བྱེད་པ་ (१) समाधिबल लं.सू.१८७क

(२) समाधिवशवर्तिन् लं.सू.११६

ཏིང་ངེ་འཛིན་སོ་སོར་སོ་ समाधिमवमस्त लं.सू.१९१ख

ཏིང་ངེ་འཛིན་སྒྱུར་དུ་བསྐྱེད་པའི་གདམས་ངག་ कं.तं.२७७९

ཏིང་ངེ་འཛིན་ཚོགས་ཀྱི་ལེའུ་ समाधिसंभारपरिवर्त कं.तं.२४६०, ३९२४ (°འཛིན་གྱི་°), ४४८५

ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡང་དག་ཀུང་ཆུབ་ཀྱི་ཡན་ལག་ समाधिसंबोध्यंग म.व्यु.९९८

ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡོན་དན་གྱི་མཚན་མ་ समाधिगुणलक्षण का.आ.१.९३

ཏིང་ངེ་འཛིན་ལ་སྙོམས་པར་འཇུག་པའི་བྱིན་གྱིས་རླབས་ཀྱིས་བྱིན་དུ་རླབས་ समाधिसमापत्त्यधिष्ठान लं.सू.१६४ख

ཏིང་ངེ་འཛིན་ལ་དབང་བྱེད་པ་ समाधिवशवर्तिता लं.सू.१६४ख

ཏིང་ངེའི་འཛིན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ལྟར་རབ་དུ་གནས་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ समाधिराजसुप्रतिष्ठितो नाम समाधिः म.व्यु.५१८

ཏིང་དུ་ཀ་ तिन्दुक श.दा.

ཏིང་འཛིན་ (१) समाधान बो.च.५.४१क

(२) समाधि उ.व.१३, का.प.१२६प., नी.पु.

२.६२८, म.व.२८ग, श.पं.२२, १४४, सु.प्र. २१.३, २५.२५, ७५.१५

ཏིང་འཛིན་ཆེན་པོ་གྲུབ་པའི་མཚན་ द्र གྲུབ་པ་ भद्र.६८६

ཏིང་འཛིན་ཆེན་པོ་རྒྱལ་ཁྲིམས་འོད་ द्र.རྒྱལ་ཁྲིམས་འོད་ भद्र.८६१

ཏིང་འཛིན་ཆེན་པོ་ལེགས་སྐྱེས་དཔལ་ द्र ལེགས་སྐྱེས་ भद्र.२२६

ཏིང་འཛིན་ཆེན་པོ་བསམ་པས་བྱིན་ द्र. བསམ་པས་བྱིན་ भद्र.४७२

ཏིན་དུ་ཀ་ तिन्दुक <पुष्प-नाम> म.व्यु.६२१०

ཏིམ་ཏིམ་ द्र. ཐུག་པ་ श दा.

ཏིར་བྷུ་ཏི་ तीरभुक्ति नी.पु.२.१०५८

ཏིལ་ तिल उद्रा.२४.१८, लं.सू.२०३ख, श.दा.

ཏིལ་གྱི་ཞིང་ཐིབས་པོ་ तिलवन द.मू.१०ज

ཏིལ་བརྡུངས་ तिलंतुद श.दा.

ཏིལ་འབྲུ་ལྟར་ ति शः श.पं.१४६

ཏིལ་འབྲུ་བཞེན་ तिलशः श.पं.१४४

ཏིལ་མར་ तैल उद्रा.२४.१६, श दा.

ཏིལ་ལི་པ་ तैलिकपाद नी.पु.२.७५४(द्र. ཏི་ལོ་པ་)

ཏིལ་སེར་ཅན་ उरण, गृष्टि, पिष्या श.दा.

ཏུ་རུ་ཀ་ तुरुष्क श दा.

ཏུ་རུས་ཀ་ तुरुष्क म.व्यु.६२५२

ཏུབ་ཏུད་པོ་ पक्ष्म म.व्यु.७४६२

ཏུར་ཏུར་ त्वरा श.दा.

ཏུལ་ཧི་ཅན་ पुलिनगम्भ श.दा.

ཏུམ་བུ་ तुम्बक म.व्यु.५३८५

ཏུར་སྐ་བས་ बेलु <संख्या-नाम> म व्यु.७८८६

ཏེ་ཏོར་ (१) = ལེགས་པར་ अतिमात्रा श.दा.

(२) अत्यर्थम् म.व्यु.६७७४ (पा ཏེ་ཏོར་)

(३) बाढम् म.व्यु ६७७६

(४) भृशम् म.व्यु ६७०८ (पा. ཏེ་ཏོར་), श.दा.(= ལེགས་པར་)

ཏེ་ལོ་པ་ तैलिकपाद चि.च.१७(द्र. གྲུབ་ཆེན་~ चि.त्रि १७)

ཏེའུ་ལོ་པའི་ཆོ་ག་ छुछुम्बरकल्प कं.तं.४७२

ཏོ་ (१) सं. इति व्या.बि.१५४.१०, २१६.७

(२) ...བྱུང་བར་གྱུར་ཏོ་ प्रादुर्भवो बभूव सु प्र.१०.५

ཏོ་ཊ་ཀ་ तोटक लं.मू.६२क

ཏོག་ (१) केतन श.दा.

(२) केतु भद्र.४१०, म.व्यु.५१०, ५१५, ५५६, ६५४, १०८६, श.दा., सु.प्र.

དཔལ་གྱི་ཏོག་ कल्पकेतु सु.प्र.१३२.२४

མཆོག་གི་དབང་པོའི་ཏོག་ वरेन्द्रकेतु <राज-नाम> सु.प्र.१०३.१६

སྟོབས་ཀྱི་དབང་པོའི་ཏོག་ बलेन्द्रकेतु सु.प्र.

१०३.१५

མཛེས་པའི་ཏོག་ रुचिरकेतु सु.प्र.८.२, १०.६, १८, ११.७...

རིན་ཆེན་ཏོག་ रत्नकेतु सु.प्र.

ཤཱཀྱའི་དབང་པོའི་རིགས་ཀྱི་ཏོག་ शाक्येन्द्रकुलकेतु सु.प्र.१७९.१४

གསེར་གྱི་མེ་ཏོག་འབར་བའི་འོད་ཟེར་གྱི་ཏོག་ सुवर्णपुष्पोज्ज्वलरश्मिकेतु <तथागतनाम> सु.प्र.९२.१२

(३, ४) पद्म, ललाम श.दा.

(५) स्फोटक म.व्यु.८५८६

द्र. ཡིད་ཏོག་

ཏོག་དཀར་ श्वेतकेतु श.दा.

ཏོག་གི་རྒྱལ་མཚན་ केतुध्वज भद्र ८२१

ཏོག་གི་འོད་ केतुप्रभ भद्र.५५३

ཏོག་ཅན་ स्तम्भ श.दा.

ཏོག་དང་ལྡན་པ་ केतुमत् भद्र.७७४

ཏོག་ལྡན་ केतुमत् भद्र ७७४, ९२५

ཏོག་ཙེ་=འཛེར་=ས་རྐོ་བྱེད་ཀྱི་འཛེར་ खनित्र श.दा.

ཏོག་ཙེ་བཀོས་པ་ कौद्दलिक, कौद्दालिक श.दा.

ཏོག་རྩེ་པ་ कोटलि नी.पु.२.८९९

ཏོག་འོད་ केतुप्रभ भद्र.५५३

ཏོང་ གཏོང་བ་ इत्यस्य लोट्

ཏོན་

ཁ་ཏོན་ स्वाध्याय बो.भ.१०.४२ख(ना.)

ཁ་ཏོན་བྱུང་བར་བྱས་ कवला परिचित सं.नि.८.३

ཁ་ཏོན་བྱེད་པ་ (क) वाचक दी.को.१४क२

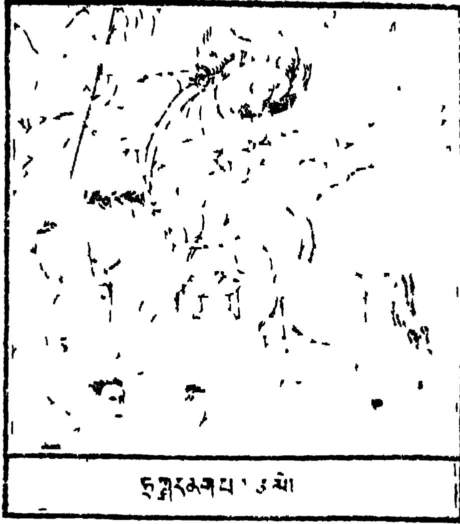
(ख) स्वाध्याय दी.को.१४क२

(ग) स्वाध्यायन म.व्यु.९१०

ཊ་ मर्कट श.दा.

ཊཀྐད་ रौद्रान्तक चि.पं.११६ग (द्र. མགོན་པོ་ཊཀྐད་, མགོན་པོ་ཊཀྐད་, ཊཀྐད་, དྲག་ཤད་མགོན་པོ་)

ཊཀྐད་ནག་པོ་ कृष्ण रौद्रान्तक चि.त्रि.२३७ (द्र. ཊཀྐད་ནག་པོ་ चि.ब.३०८)



ཏྲི་=གཟུགས་ཅན་ शरीरिन् श.दा.

ཏྲི་པུ་རཱི་=གྲོང་གསུམ་པ་ त्रिपुरी श.दा.

ཏྲི་བ་ उद्ग्रह श.दा.

ཏྲི་ཤ་ལ་ त्रिशूल श.दा.

ཏྲཻ་ལ་ཊ་ द्र. སྣང་བུ་ཏྲཻ་ལ་ཊ་

ཏྲོཎ་ द्रोण श.दा.

ཏྲུམ་བུ་ཀ་ द्र. སྣང་བུ་ཏྲུམ་བུ་ཀ་

གདགས་པ་ बद्ध बो.च.५.४०ग

གདང་ གདོང་བ་ इत्यस्य भवि.

(१) त्यजेत् बो.च.५.८३ग, १०२घ

ཡོངས་སུ་གཏང་བྱ་ཞིང་ परित्यज्य सु.प्र.११२.

१७प.

(२) शुचि न्या.प्र.१४

(३) སྐུགས་སྐྱིན་གཏང་ वमनं कुर्यात् सु.प्र.

१४१.२

གཏང་གི(ས་) त्यजेत् सु.प्र.११३ २२

གཏང་སྟེ་ त्यक्त्वा सु.प्र.१५६.४

གཏང་བ་ (१) गत बो.च.

དེར་གཏང་ (ना. བསྟང་) བ་ (ना. °པ་)ཡི་

བསམས་པ་ཡིས་ तद्गतेनान्तरात्मना बो.च.

५.४३ग (दे.)

(२) छोरिता म.व्यु.२५५३

(३) दीयताम् बो.च.३.१२घ (दे. བཏང་

བ་)

(४) प्रतिप्रस्रब्ध द.भू.

མ་~ अप्रतिप्रस्रब्ध द.भू.१अ

(५) प्रेषयितुम् उद्रा.६.११, १२.६, १५

གཏང་བར་བྱ་ (१) उत्स्रष्टव्य का.प.६३

(२) त्यजामि बो.च.

སྤོངས་པ་མེད་པར་~ निरपेक्षस्त्यजाम्येव

बो.च.३.११घ

(३) त्यजेत् उद्रा.२६.२३

(४) त्यजेय सु.प्र.१२६.१२

(५) གྲིབ་མ་~ उद्रा.५.१७

གཏང་ (ना. བཏང་) བར་མི་བྱ་སྟེ་ त्यजेन्न बो.च.

५.८७ख (दे.)

གཏང་བྱ་ त्यजेत् उद्रा.२६.२२, २६

གཏང་བྱ་སྟེ་ त्यजेत् उद्रा.२६.२४

གཏང་མི་བྱ་ न विमोच्यम् बो.च.१.८घ

གཏང་ཡས་ (१) नेल <संख्या-नाम> म.व्यु.

७७६४

(२) नेलु <सख्या-नाम> म.व्यु.७८६२

གཏང་ཞིག་ उन्मोक्षीः द.भू.८द

གཏད་ གཏོད་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

(१) ~མནན་པ་ अभिचर ग.दा.

(२) दत्त उद्रा.३८.३७

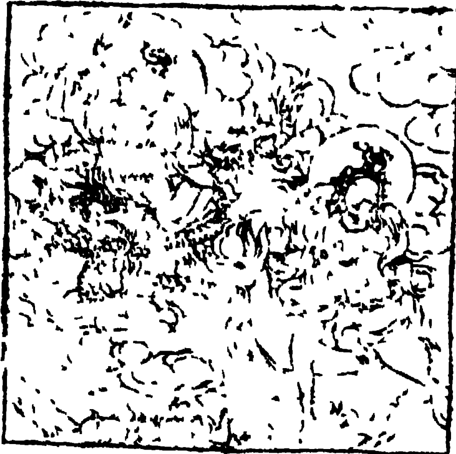
(३) प्रेषित म व्यु.६५२६

(४) समर्पित उद्रा.१३ २६

(५) ལག་པ་ལ་འགྲམ་པ་གཏད་དེ་ उद्रा.

४.१८

གཏད་དཀར་འགྲོ་བཟང་མ་ चि.प.१४२ग



གཏད་དཀར་འགྲོ་བཟང་མ ཅོད་པན་མགྲིན་བཟང་མ།

གཏད་དུ་གསོལ་ समर्पयिष्यसि उद्रा.३८.३५

གཏད་ནས་ दत्त्वा ना.आ.११.६, १३.१

གཏད་པ་ (१) गत स्त.स्तो.७८

(२) प्रणिधान न्या.बि.५०.७

(३) समर्पित म व्यु.७३७६, श.दा.

གཏད་མཛད་དེ་ संक्राम्य श.पं.१४६

གཏན་

བསམ་གཏན་ ध्यान ग.पं., मु.प्र.

སྒྲིན་བལ་གྱི་གཏན་ (སྟན་) स्यन्दरक म व्यु.

६१८२

གཏན་དུ་ (१) अत्यन्त का.प.

(२) ཀུན་~ सर्वेण सर्वम् बो.च.२.८ख

གཏན་དུ་བ་ आत्यन्तिक म.व्यु.७५८६, श.दा.

གཏན་དུ་མི་སྐྱེ་བ་ अत्यन्तानुत्पन्न का.प.१०४

གཏན་དུ་མེད་པ་ अव्यपदेश्य म.व्यु.४५४४

གཏན་དུ་མཛའ་བ་ अत्यन्तमित्रता का.प.२३

གཏན་དུ་ཟད་པ་ अत्यन्तक्षयत्व का.प.१४८

གཏན་དུ་རབ་ཏུ་མཛའ་ अत्यन्तसुमित्रता का.प.

२६प

གཏན་ནས་ (१) सं. निरन्वय न्या.बि.१४५.१

(२) सर्वथा श पं.१

གཏན་ནས་ཟད་པར་འགྱུར་ पर्यादानं गच्छति

म.व्यु.२५७६

གཏན་པ་ (१) अर्गड उद्रा. (पा.°ल, °ळ),

म.व्यु.५५८१

(२) **कपाट** श.दा.

གཏན་པ་དབྱེ་བའི་ལྕགས་སྒྲུ་གུའི་ **कुञ्चिका** म.व्यु. ६४४१

གཏན་པ་སྤྲི་བ་མེད་པའི་མཆོད་སྦྱིན་ **निरर्गडयज्ञा.** म.व्यु.२८६७

གཏན་པར་ **केवल** श.दा.

གཏན་ཕེབས་ **निर्णय** श.दा.

གཏན་མེད་ **अत्यन्ताभाव, असर्वतः** श.दा.

གཏན་མེད་པ་ **अत्यन्ताभाव** म.व्यु.४५६१

གཏན་ཚིག་དང་བཅས་པར་སྨྲ་བ་ **सनिदानवर्ती (वाचं) भाषते** द.भू.२ह

གཏན་ཚིག་རིག་ **न्याय** श.दा.

གཏན་ཚིགས་ (१) **उपपत्ति** म.व्यु.४४२२, श.दा.

(२,३) **प्रत्यय, प्रमाण** श.दा.

(४) मं. **मिथ्यावितर्क** (?) लं.सू.१७१क

(५) **लिंग** न्या.इ.२९०

(६) **साधन** न्या.बि.११५.७

(७) **हेतु** न्या.इ.२५८, २८६, २९०, न्या.प्र. २, ४, ६, ८, ५२, न्या.बि.४३.१, १४, १५, ४४.१२, १४, ४५.४, ६..., प्रस.४१४.३, म.व्यु.१५५६, ४४२३, ४४५८-६०, ४९६३, ७६२४, श.दा., सु.प्र., हे.न.३

མདོ་སྡེའི་ **सूत्रान्तहेतु** सु.प्र.९७.५

(८) **हेतुत्व** न्या.बि.१३७.३

གཏན་ཚིགས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་གཏན་ལ་དབབ་པ་ **हेतुचक्रडमरु** कं.तं ४२०९, न्या.इ.२८९, २९९ टि.१ २. ३

གཏན་ཚིགས་ཀྱི་ཐིགས་པ་ **हेतुबिन्दुविवरण** न्या इ.३१८

གཏན་ཚིགས་ཀྱི་ཐིགས་པ་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ **हेतुबिन्दुटीका** क.तं.४२२४, न्या.इ.३२१

གཏན་ཚིགས་ཀྱི་ཐིགས་པ་ཞེས་བྱ་བའི་རབ་ཏུ་བྱེད་པ་ **हेतुबिन्दुनामप्रकरण** (पा. हेतुबिन्दुप्रकरण नाम) कं.तं.४२१३

གཏན་ཚིགས་ཀྱི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་བསྟན་པ་ **हेतुतत्त्वोपदेश** कं.तं.४२६१, न्या.इ.३३७

གཏན་ཚིགས་ཀྱི་རིག་པ་ **हेतुविद्या** म.व्यु.१५५६

གཏན་ཚིགས་ཉིད་ **हेतुत्व** न्या.बि.४३.१२, ५६.५, ६, १३७.४ .

གཏན་ཚིགས་ཉིད་མ་ཡིན་པ་ **अहेतुत्व** न्या.बि. ५६.६, ७

གཏན་ཚིགས་ལྟར་སྣང་བ་ **हेत्वाभास** न्या.इ.२९३ टि.१, २५८, न्या.प्र २२, न्या.बि.१३९.१५, १४०.१८, १४१.?, ४, ९..., हे.न.२१-२५

གཏན་ཚིགས་ཐིགས་པའི་འགྲེལ་པ་ **हेतुबिन्दुविवरण** कं.तं.४२३५, न्या.इ.३३२(°བ་)

གཏན་ཚིགས་དང་དཔེ་ **हेतुदृष्टान्त** न्या.इ.२७६

གཏན་ཚིགས་(ཀྱི་)ཚུལ་གསུམ་ **लिंगस्य त्रैरूप्यम्**

न्या.इ.२९१टि.१

གཏན་ཚིགས་མ་ཡིན་(པ་) **अहेतु** न्य.बि.१४३.
१६

གཏན་ཚིགས་ཡིན་པའི་ཕྱིར་ **हेतुत्वात्** न्या.बि.
(भा.)१०७

གཏན་ཚིགས་རིག་པ་ (१) **हेतुविद्या** न्या.इ.७टि.
७

(२) **हेतुशास्त्र** न्या.इ.७टि.७

གཏན་ཚིགས་སུ་སྣང་བ་སྟོན་ **आभासा** लं.सू.
१७१क

གཏན་ཚིགས་སུ་བྱས་པ་ मं. **हेतूकृत्य** न्या.बि.
१०१.६

གཏན་ཡོངས་སུ་མ་གྲུབ་པའི་ཕྱིར་ **अत्यन्तापरि-
निष्पन्नत्वात्** सं.नि.१.२

གཏན་ལ་ཕབ་པ་ (१) **उपदेश** म.व्यु.१२७८

(२) **निर्णय** न्या.इ.२५८

(३) मं. **प्रश्ननिर्णय** श.दा.

(४) मं.०० न्या.बि.२२२.४, ७, बो.च.

གཏན་ལ་བབ་(དབབ་)པར་བསྟན་པ་ **उपदेश**
म.व्यु.४४०९

གཏན་ལ་དབབ་པ་ **निर्णय** न्या.इ.५४टि.२, म.व्यु.
४५३४, ६८८८

གཏན་ལ་དབབ་པ་བསྡུ་བ་ = རྣམ་པར་གཏན་ལ་
དབབ་པའི་བསྡུ་བ་ **निर्णयसंग्रह** प्र.पा.९६

གཏན་ལ་དབབ་པར་བསྟན་པའི་སྡེ་ **उपदेश** सं.नि.
८.३, १४

གཏན་ལ་དབབ་པར་བྱ་ **निश्चेतव्य** न्या.बि.१०६.
३

གཏན་ལ་འབབས་པ་ (१) **इट्टा** <संख्या-
नाम> म.व्यु.७९८२

(२) **निश्चेतव्य** न्या.बि.४६.२

(३) **विनिश्चय** म.व्यु.७६७६

གཏབ་པ་ **मुद्रितता** द.भू.१ग

གཏམ་ (१) **आख्यान** द.भू.५ल

(२) **आख्यायक** लं.सू.६४क

(३) = ཚིག་ལྷ་བུ་ = སྨོལ་ **आलाप** श.दा.

(४) **कथा** बो च., म.व्यु.५०९१, ६२७२,
७६७४, लं.सू.६५क, श.दा.(= ཚིག་ལྷ་བུ་
= སྨོལ་), श.पं.१२८, सु.प्र.१४९.७

དགའ་འདུན་གཏམ་ **गोष्ठीकथा** अ.हृ.१.३.२५

(५) **किल** बु.च.५२, श.दा.

(६,७) = ཚིག་ལྷ་བུ་ = སྨོལ་ **वार्ता, वृत्तान्त**
श.दा.

(८) **संकथा** बो.च ८.१३ग

(९) འདི་སྐད་ཅེས་...གཏམ་བྱེར་བར་
འགྱུར་རོ་ **एवं कथयेरन्** सु.प्र.९६.७-१६

བྲེ་མོའི་གཏམ་ **प्रलाप** बो.च.५.४५क

གཏམ་གྱི་གནས་ **कथाधिष्ठान** सु.प्र.१५४.१२

གཏམ་གྱི་གཞི་ **कथावस्तु** म.व्यु.७६७४

གཏམ་གླེང་བ་ **कथालाप** सु.प्र.१७.६

གཏམ་རྒྱུད་ **आख्यान** म.व्यु.७१२८, श.दा.

གཏམ་རྒྱུད་ཀྱི་རྟོག་པ་ कं.तं.४७१, २००६

གཏམ་བརྒྱུད་ **कथासंबन्ध** सु.प्र.६७.७

གཏམ་བརྒྱུད་བརྗོད་ན་ **कथासंबन्धं कुर्वीरन्** सु.प्र. ६७.७

གཏམ་ཅན་ **काक, वायस** श.दा.

གཏམ་སྙན་ **मधुरकथा, मधुरालाप** श.दा.

གཏམ་དང་སྒྲུང་ **इतिहास** लं.सू.६४क

གཏམ་འདྲིས་པ་ **आलप्तक** म.व्यु.२७११, ग.दा. (°का)

གཏམ་པ་ **थान, निक्षेप, ववन** श.दा.

གཏམ་(བྱ་བ་) **सांकथ्य** द.भू.

ཆོས་ཀྱི་~ **धर्मसांकथ्य** द.भू.९ज

གཏམ་བྱར་རུང་བ་མ་ཡིན་ **असंकथ्य** लं.सू.८६ख

གཏམ་གཞོར་ **तरस्** ग.दा.

གཏམས་ (१) **कंकर** <संख्या-नाम> म.व्यु. ७७०४, ७८३०, ७९५७-५८, ८००४ (२) **धन** ल.स्तो.७०

གཏམས་ཆེན་པོ་ **महाकंकर** <संख्या-नाम> म.व्यु. ८००५

གཏམས་པ་ **निक्षेप** म.व्यु.७२२२

གཏམ(ས)་པ་ཕྲག་བརྒྱ་ན་དཀྲིགས་པ་ཞེས་བྱའོ་ **शतं कंकराणां विवरं नामोच्यते** म.व्यु.७९५८

གཏད་གམ(ས་)པ་ **कम्बलीच्छिन्न** म.व्यु ८७९७

གཏི་མུག་ (१) **मोह** का.प.६४, ब.श.१६, द.भू. १कुकु, २क्ष-ज, ३ज, म, ५फ, ७आ., प्रस. ३५०.८, बो.च ७.३८ग, म.व्यु.१७०, १९३८, ७२६६, लं.सू.९४क, श.दा., सं.नि.३.६, ८.२१.४, मु.प्र.२१.१२, २४.२०, २८.६...
(२) **मोहित** बो.च.
ཤིན་ཏུ་~ **अत्यन्तमोहित** बो.च २.५६घ
(३) **समोह** बो.च.१.३०क
द्र. འདོད་ཆགས་

གཏི་མུག་འཁྲུལ་པས་ **मोहतः** बो.च.२.२९क

གཏི་མུག་བཅོམ་མཛད་ཀླ་བའི་ཞལ་ द्र. ཀླ་བའི་ཞལ་ भद्र.२०२

གཏི་མུག་བརྡོ་བ་ **तीव्रमोह** म.व्यु.७२६६

གཏི་མུག་པ་ (१) **मूढ** बो.च.२.६३क
(२) **संमोह** बो च.१.२८ग

གཏི་མུག་པར་འགྱུར་བ་ **मुह्यति** का.प.६७

གཏི་མུག་བྲལ་བ་ **विगतमोह** श.दा. (°བྲལ་) ग.प.४६

གཏི་མུག་བྲལ་བའི་རྒྱལ་པོ་ **विमोहराज** भद्र.८२३

གཏི་མུག་དབང་གིས་ **मोहवशेन** भ.च.६क

གཏི་མུག་མེད་གནས་ **अमोहविहारिन्** भद्र.८१९

གཏི་མུག་མེད་པའི་དགེ་བའི་རྩ་བ་ **अमोहः कुशलमूलम्** म.व्यु.१९३८, ग.दा.

གཏི་མུག་མེད་(པའི་)རྒྱལ་(པོ་) **विमोहराज** भद्र.८२३

གཏི་མུག་མེད་པའི་རྒྱལ་པོ་ཆེ་ द्र. གཏི་མུག་མེད་(པའི་)རྒྱལ་(པོ་) भद्र.८२३

གཏི་མུག་མེད་པར་གནས་པ་ **अमोहविहारिन्** भद्र.८१६

གཏི་མུག་མེད་པར་གནས་པའི་ཞབས་ द्र. གཏི་མུག་མེད་པར་གནས་པ་ भद्र.८१६

གཏི་མུག་རྨོངས་པ་ **मोहमूढ** सं.नि.१.६

གཏི་མུག་སྨྲ་བ་ **मोहवादिन्** लं.सू.१७२ख

གཏི་མུག་ཟད་པ་ **मोहक्षय** का.प.१४३

གཏི་མུག་རབ་ཟད་ **सुप्रणष्टमोह** भद्र.६२६

གཏི་མུག་ལ་སྲེད་པ་ **मोहतृष्णा** का.प.१२८

གཏི་མུག་ལས་ཡང་དག་པར་འདས་པ་ [**मोह-समतिक्रान्त**] म.रा.२२.१०

གཏི་མུག་ཤས་ཆེ་བ་ **तीव्रमोह** श.दा.

གཏིང་ འདིང་བ་ इत्यस्य भवि.

पाताल श.पं.१२६

གཏིང་དཔག་དཀའ་བ་ **दुरवगाह** अ.अ.४.८, म.व्यु.२६२२

གཏིང་དཔོགས་པ་མྱུར་བ་ **नावगाह्यते** (पा. न विग्राह्यते) बो च.६.५१ख

གཏིང་བ་ **संस्तृत** म व्यु.६०६६

གཏིང་མེད་ **अगाध** श पं.३५

གཏིང་ཟབ་ = གཏིང་རིང་བ་ **गभीर, निगूढ** श.दा.

གཏིང་ར་ **अंगण** म व्यु.६७६५

གཏིང་རིང་བ་ **दुरवगाह** द.भू.११च (द्र. གཏིང་ཟབ་)

གཏིབས་ འཐིབས་པ་ इत्यस्य भू.

གཏིབས་ཤིང་ **बद्ध** स्त्र.स्तो.६७

གཏུག་པ་ भू. གཏུགས་ =བཏུག་པ་ **निपत्, स्पृष्ट** श.दा.

གཏུགས་ གཏུག་པ་ इत्यस्य भू.

महल्लक मु.प्र.१३८.१५

གཏུགས་ཏེ་ (१) **निपत्य** उद्रा.

ཀང་པ་གཉིས་ལ་~ **पादयोर्निपत्य** उद्रा. १३.२१, ३७.१८ .

(२) सं. ०० न्या.बि.२२२.६, बो.च.

གཏུགས་ནས་ **निपत्य** सु.प्र.

ཞབས་གཉིས་ལ་~ **चरणयोर्निपत्य** सु.प्र. १२.१७

གཏུགས་པ་ (१) **पर्यन्त** म.व्यु.३७०

(२) **महल्लक** म.व्यु.७६५७

(३) **वृद्ध** म.व्यु.७६५६

(४) མཐར་~ **अवसान** (?) **बो.च.** ८.१७८क

མཐས་~ (क) **अवधि** बो.च.२.५ग

(ख) **निष्ठा** बो.च.३.२२ख

ཡོངས་སུ་~ **पर्यादान** उद्रा.

གཏུང་བུ་ **शिलापुत्र** म.व्यु.७५१७

གཏུན་ मुसल, शिला, शिलापत्र श.दा.

གཏུན་གྱི་གཞི་ निशावाशिला म.व्यु.७५१५

གཏུན་འོས་ मुसल्य श.दा.

གཏུན་(ཤིང་) मुसल म.व्यु.५८९०

གཏུབ་ འཐུབ་པ་ इत्यस्य भवि.
  सं. ०० म.व्यु.४९१९

གཏུབས་ छिन्द्येयुः म.व्यु.५१९९

གཏུབས་ཀྱང་ छिद्यमान श.पं.१८

གཏུབས་ཏེ་
  བཅད་~ छिन्वित्वा सु.प्र.४६.१०

གཏུམ་ चण्ड बो.च.६.१३०ग

གཏུམ་ཆུང་
  ཕྱག་རྡོར་~ चि.च.७३, चि.त्रि.१६९
  ཕྱག་རྡོར་~དམར་པོ་ चि.पं.५६ख

གཏུམ་ཆེན་ महाचण्ड श.दा.१२४९क

གཏུམ་ཆེན་དྲག་པོའི་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ चण्ड-महारोषणाभिसमय कं.तं.१७८२

གཏུམ་ཆེན་བསྐྱུང་བའི་མཁར་རས་ཆུང་ལུགས་
  ཕྱག་རྡོར་~ चि.पं.५५ग

གཏུམ་པ་ (१) कराल श.दा.
  (२) चण्ड म.व्यु.२९४८, श.दा.
  (३) =གདོལ་བ་ चण्डाल श.दा.
  (४) सं. ०० म.व्यु.२९४६

གཏུམ་པའི་འོད་ प्रचण्डरश्मि (=सूर्य) श.दा.

གཏུམ་པོ་ (१) अन्तेवासिन् श.दा.
  (२) क्रूर श.पं.१२४
  (३) चण्ड चि.प., श.दा.
  (४) चण्डाल नी.पु.२.४३७
  (५-७) वैश्य, नाग, रोषण श.दा.
  (८) रौद्र श.पं.१०५
  ཕྱག་རྡོར་~ཁྲ་ཐོགས་ चि.पं.५६क

གཏུམ་པོ་དཀར་པོ་(ཁྲོ་བོ་)ཆེན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ शुक्लचण्डमहारोषणसाधन कं.तं.३०६४

གཏུམ་པོ་ཁྲོ་བོ་ཆེན་པོའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་དཔའ་བོ་གཅིག་པ་ एकवीराख्यश्रीचण्डमहारोषण-तन्त्रराज (नाम) कं.तं.४३१

གཏུམ་པོ་ཆེན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ चण्डमहारोषण-साधन कं.तं.३२६३, ३३५८ (གཏུམ་པོ་ཁྲོ་བོ་°), ३४७९, ३४८०, ३४८१

གཏུམ་པོ་ཆེན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ཚོ་ག་དང་བཅས་པ་ चण्डमहारोषणसाधन सकल्प कं.तं.३४७८

གཏུམ་པོ་ཆེར་ཁྲོས་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ चण्डमहा-रोषणसाधन कं.तं.३८६२

གཏུམ་པོ་མྱ་ངན་མེད་ चण्डाशोक श.पं.७५, ९९

གཏུམ་པོ་ཞལ་གསུམ་ཕྱག་དྲུག་པ་ त्रिमुख षड्भुज चण्ड चि.च.७५

གཏུམ་པོ་རབ་སྣང་ प्रचण्डप्रभ श.दा.

གཏུམ་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीवज्रचण्डचित्तगुह्यतन्त्र

नी.पु.२.८४५(कं.तं.४५८)

གཏུམ་བྱེད་ **चण्डाल** म.व्यु.३८६८

གཏུམ་མ་ **चण्डी, रौद्री** श.दा.

གཏུམ་མོ་ (१, २) **कौलिकी, क्रोधना** श.दा.

(३) **चण्डालिका, चण्डिका** <यक्षिणी-नाम> सु.प्र.१२७.२३, २४

(४) **चण्डाली** तु.६१५, श.दा.

(५) **दुर्गा** श.दा.

གཏུམ་མོ་འཁོར་ལོ་གཅིག་པ་ **एकचण्डालीचक्र** नी.पु.२.८८७

གཏུམ་མོ་ཐིག་ལེ་བཀྲམ་པ་ **चण्डालिकाबिन्दु-प्रस्फरण** कं.त.२४०६

གཏུམ་མོ་མ་མ་ **अम्बिका, चण्डिका** श.दा.

གཏུམ་མོའི་ཆ་ཤས་ **चण्ड** श.दा.

གཏུར་བུ་ **वृषिका** म.व्यु.९००५

གཏེར་ (१) **कोश** श.दा.

(२) **निधान** का.प., बो.च.३.२९घ, म.व्यु.३७६, ७३०४, श.दा.

(३) **निधि** अ.अ.१.१६(=निधान ह.भ.), उद्रा २२.२५, बो.च.३.१०ख, ६.१०७ख, म.व्यु.४१६५, श.दा., श.पं.१४६, सु.प्र.३१.२२, स.म्नो ७१

གཏེར་ཆེན་ **महापद्म** श.दा.

གཏེར་ཆེན་པོ་ **महानिधि** नी.पु.२.१०३६

གཏེར་ཆེན་པོ་རྙེད་པ་ **महानिधानप्रतिलम्भ** का.प. བཞི་པོ་འདི་དག་ནི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་ ~སྟེ་ **चत्वार इमे...बोधिसत्त्वस्य महानिधान-प्रतिलम्भाः** —

(१) སངས་རྒྱས་འབྱུང་བ་མཉེས་པར་བྱེད་པ་ **बुद्धोत्पादारागणता**, (२) ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་དྲུག་ཉན་པ་ **षट्पारमिताश्रवणः**, (३) ཆོས་སྨྲ་བ་ལ་ཁོང་ཁྲོ་བ་མེད་པའི་སེམས་ཀྱིས་ལྟ་བ་ **अप्रतिहतचित्तस्य धर्मभाणकदर्शनम्**, (४) བག་ཡོད་པར་དགོན་པ་ལ་གནས་པར་མངོན་པར་དགའ་བ་ **अप्रमत्तस्यारण्य-वासाभिरतः** का.प.१७

གཏེར་ཆེན་པོའི་བུམ་པ་ **धनकुम्भ** श.दा.

གཏེར་བལྟ་ཤེས་པ་ **खनिवादिन्** श.दा.

གཏེར་དུ་བཅུག་(འཇུག་)པ་ **संनिहित** म.व्यु.९४११

གཏེར་བདག་ **धनाधिप** श.दा.

གཏེར་(བུ་)ལྟ་ཤེས་པ་ **खन्यवादिन्** म.व्यु.३७५३

གཏེར་མ་ द्र. མགོན་པོ་བེང་~ चि.पं.१२४क

གཏོགས་

མ་གཏོགས་ (क) **अगम्यमान** बो.च.१०.५०क(दे.)

(ख) **अन्यत्र** बो.च.४.४३घ

གཏོགས་ར་ सं. **मध्ये** बो.च.७.५८ग

གཏོགས་པ་ (१) **अन्तर्भूत** न्या.बि.२३.१६, २४.१५

(२) आप्त अ.अ.५.२४

(३) སེམས་ཅན་མགུ་བྱ་མ་~ (दे. པར་) सत्त्वाराधनमुत्सृज्य बो.च.६.११९ग

(४) गत न्या.बि.५४.६

(५) निष्ठ न्या.बि.२१८.६

(६) पतित म.व्यु.७१३६

(७) पर्यापन्न द.भू.९ज, म.व्यु.२१५३, ६७२८, श.दा.(पा. पर्यासन्न)

(८) ཆོས་གོས་གསུམ་མ་~ཕྱིན་ त्रिचीवर-बहिस्त्यजेत् बो.च.५.८५घ

མ་~ बहिः बो.च.५.८५घ

(९) संघात म.व्यु.८२२६

(१०) समन्वागत लं.मू.७७क(?)

(११) सं.०० म.व्यु.४७५३, ५६२९, ५७७१

སྟེང་གོ་ཁང་བཟངས་ཀྱི་གཞིར་~ན་ गृहस्योपरितलके उद्रा.१५.२६

བློན་ཆེན་པོ་ལ་~ महामात्य उद्रा.१.३१, ४.२१

མ་~ (क) ऋते श.पं.५६

(ख) मुक्त्वा उद्रा.४०.३१, बो.च.५.१८ग

གཏོགས་པ་ཉིད་ निष्ठत्व सं.नि.९.२०

གཏོགས་པ་མ་ཡིན་ (१) अपर्यापन्न का.प.१३५

(२) अप्रपन्न (=अपर्यापन्न हृ.भ.) अ.अ. २.२३

གཏོགས་པར་

མ་གཏོགས་པར་ (क) ऋत अ.हृ.१.५.१४

(ख) नान्यत्र का.प.९८

(ग) उत्सज्य बो.च.६.११९ग

(घ) स्थापयित्वा सु.प्र.१०.२३

གཏོང་ (१) उत्सर्ग का.प.

ལུས་དང་སྲོག་གཏོང་ཞིང་ कायजीवितोत्सर्गः का.प.१९

(२) उत्सृजेत् बो.च.७.३९घ

(३) ཡོངས་སུ་གཏང་བར་བྱ་བའི་དངོས་པོ་ཐམས་ཅད་...ཡོངས་སུ་གཏོང་ सर्ववस्तुपरित्यागानि परित्यक्ष्यन्ति सु.प्र.१३४.१०

(४) ཡོངས་སུ་གཏོང་མི་བྱེད་ न परित्यजन्ति का.प.१८प.

(५) त्यजेत् बो.च.७.२५घ

(६) ལུས་...ཡོངས་སུ་གཏོང་ངོ་ आत्मपरित्यागं भवितव्यम् सु.प्र.१५४.२

(७) मं. भिन्दन्ति बो.च.६.१२०क

(८) मुक्त म.व्यु.३३८८

(९) རབ་གཏོང་ प्रमुञ्चन सु.प्र.१३०.२४ग.

(१०) མི་གཏོང་ नमुचि <असुर-नाम> सु.प्र.१२७.११

(११) सं. ०० का.र., बो.च.

བདག་ནི་སྡུག་བསྔལ་འདུག་འདོད་ལ། སངས་རྒྱས་ཀྱིས་ནི་བྱིན་བརླབས་བཞིན། མི་གཏོང་སྒོ་འཕར་ཉིད་གྱུར་པ། དེ་ལ་བདག་ནི་ཇི་ལྟར་འགྲོ།།

दुःखं प्रवेष्टुकामस्य ये कपाटत्वमागताः ।
बुद्धाधिष्ठानत इव द्वेषस्तेषु कथं मम ॥
बो.च.६.१०१

ཕྱིར་ཁ་གཏོང་ उत्प्रासक बो च.३.१७ग

སྦྱིན་པ་ཡང་གཏོང་ལ་རྣམ་པར་སྨིན་པ་ལ་ཡང་མི་རེ་བ་སྟེ་ दानं विपाकाप्रतिकांक्षणता का.प.१६

གཏོང་ཕོད་ वदान्यता ग प.१२४

གཏོང་ཕོད་ཅན་ वदान्य श.दा.

གཏོང་བ་ भू བཏང་, भवि. གཏང་, लोट् ཐོང་

(१) आनयति म.व्यु ७६५२

(२) उत्सर्ग का.प

མི་~ अनुत्सर्ग का.प १८

ཡོངས་སུ་མི་~ अनुत्सर्गं द भू ६ओ, ८प

(३) उत्सृजति द.भू.५फ

(४) उत्सृज्यते म व्यु २५५८

(५) उत्सृष्ट द.भू.

མི་~, अनुत्सृष्ट द भू ७म, ८अ

(६) सं त्यक्तव्य बो च ३ १२ग

(७) त्यजत् बो च

(८) त्याग अ अ.१.४१ (=सर्वस्वपरित्याग ह.भ.), १.५८, ४ ५१, का प.२७प., द भू.२ एए, म व्यु.११५३, १५७१, १५८२, २८४३

ཡོངས་སུ་མི་~ अपरित्याग द.भू.२ओ, ५ब, ६फ

(९) दातृ प्र.द.९

(१०) निराकृत म.व्यु.२४३६

(११) मुञ्चन्ति न्या.बि.२१२.१४

(१२) विजहाति उद्रा.४२.२४

(१३) विसर्जन म.व्यु.६५९१

(१४) स्रंसन म.व्यु.७६५१

གཏོང་བ་ཆེ་ལྡན་པ་ महात्यागवन्तः सु.प्र.१६६.३प

གཏོང་བ་རྗེས་སུ་དྲན་པ་ त्यागानुस्मृति प्र.पा.८१, म.व्यु.११५३, श.दा.

གཏོང་བ་དང་མཆོད་སྦྱིན་བྱེད་པ་ལ་སོགས་པའི་མིང་ལ་ सं. त्यागादयः म.व्यु २८४३

གཏོང་བ་དང་ལྡན་པར་འགྱུར་ परित्यागवन्ति भविष्यन्ति सु.प्र.५६.१५

གཏོང་བ་ལ་སོགས་པ་ལ་ त्यागादयः म.व्यु.२८४३

གཏོང་བའི་ངང་ཅན་ त्यागशालिन्, त्यागशील श दा.

གཏོང་བའི་ནོར་ त्यागधन म व्यु.१५७१

གཏོང་བའི་བྱིན་གྱིས་བརླབས་པ་ त्यागाधिष्ठान म व्यु १५८२, श.दा.८८८ख (°བརླབས་)

གཏོང་བར་འགྱུར་ त्यजति स्र.स्तो ६५

གཏོང་བར་བྱེད་

ཡོངས་སུ་~ उत्सर्गं का.प १९

གཏོང་བར་མི་བྱེད་ न उत्सृजंया का.प.२८प.

གཏོང་བར་མཛད་དེ་ विसर्जयति उद्रा.

སྤྲུལ་པ་~ निर्मितं विसर्जयति उद्रा.३०.३०

གཏོད་ अर्पणा म.व्यु.७४२८

གཏོད་སྟེ་

བློ་ཤིན་ཏུ་~ बुद्धिं धारयति द.भू.८ल

གཏོད་པ་ भू. གཏད་, བཏད་, भवि. གཏད་, लोट् ཐོད་

དོན་མེད་དགྲ་ཡིས་ཀྲ་སྤྲོལ་གཏོད་(दे. བཏོད་) པ་ཡང་། ལུས་ལ་རྒྱན་དང་འདྲ་བར་བསྒྲེལ་བར་ བྱེད་(दे. སྒྲེལ་བྱེད་ན་)। अकारणेनैव रिपु- क्षतानि गात्रेष्वलंकारवदुद्वहन्ति बो.च.४.३९कख

གཏོད་པར་བྱེད་པ་ (१) अर्पणा अ.अ.२.२५

(२) སོ་སོའི་སྐྱེ་བོ་ནི་རྫུ་འཕྲུལ་ལ་མྱུར་དུ་ སེམས་~ཡིན་པས་ सं. आशु पृथग्जनस्य ऋद्धिरावर्जनकरी उद्रा.४६.१०

གཏོན་བལྟ་ཉེས་པ་ दुःप्रेक्षित म.व्यु.४३८३

གཏོར་ འཐོར་བ་ इत्यस्य भवि.

(१) མངོན་པར་གཏོར་ अभिकिरति सु.प्र. ११७.४

(२) कीर्ण बो.क.२३

རབ་ཏུ་གཏོར་ विप्रकीर्णं सु.प्र.१६४.१८

(३) विक्षेप बु.च.५७

(४) सिञ्च(न्)ति सु.प्र.१७०.६, १७२.१६

(५) རབ་ཏུ་གཏོར་ सिञ्चित सु.प्र.१७२. १९

(६) स्रक्याम: म.व्यु.८५९३

གཏོར་ཁང་ उत्कजम म.व्यु.९२९०

གཏོར་ཤིག་ क्षिपतु उद्रा.३७.४

གཏོར་ཏེ་

བཅོམ་ལྡན་འདས་ལ་མེ་ཏོག་དག་གིས་མངོན་ པར་~ भगवन्तं पुष्पैरवकीर्य (अभिकीर्य?) उदा.१४.१९

གཏོར་དོ་ क्षिप्त उद्रा.३७.५

གཏོར་ནས་ प्रक्षिप्य सु.प्र.१४७.२२

གཏོར་བ་ (१) अभ्यवकीर्ण म.व्यु.६०१९

(२) =བཀྲམ་པ་ अवकीर्ण ग.दा.

(३) क्षिप्त उद्रा.३७.६

(४) क्षेपण ल.वि.७.७.९

(५) विस्तीर्ण श.दा.

(६) = བཀྲམ་པ་ व्यवकीर्ण श.दा.

(७) མཆོད་ལ་~ कव्य म.व्यु.६८४८

ལྷ་ལ་~ हव्य म.व्यु.६८४७

द्र. འཐོར་བ་

གཏོར་མ་ बलि उद्रा.४१.४, म.व्यु.४३५४, श.दा., श.पं.६५, स.म्तो ८५

གཏོར་མ་ཀྲུས་ बलिपुष्ट, वायस श.दा.

གཏོར་མ་ཆེན་པོའི་ཆོ་ག་ महाबलिविधि कं.तं. १८७६

གཏོར་མ་ཆེན་པོའི་ལས་ཀྱི་རིམ་པའི་འགྲེལ་པ་

महाबलिकर्मक्रमवृत्ति कं.तं.३७७३

གཏོར་མ་སྤྱོད་པ་ **बलिभुज** स्त्र.स्तो.८५

གཏོར་མ་བྲ་བ་ कं.तं.१६००

གཏོར་མ་བཞེས་ནས་ **बलि भुक्त्वा** ग.दा.

གཏོར་མ་ཟ་ **बलिभुक्** ग.दा.

གཏོར་མའི་འགྲེལ་པ་ **बलिवृत्ति** कं.तं.३७७७

གཏོར་མའི་རྒྱན་ **बल्यलंकार** कं.तं.२२०८

གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ (१) **बलिविधि** कं.तं.१२८५,
१२९५, १७७०, २६१०, २६२२, २९१८,
३२८८
(२) म.०० क.तं.१२८६, १८२१, २११४,
३०९५

གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ཉུང་ངུ་ **बल्यल्पविधि** कं.तं.
१७१२

གཏོར་མའི་ཆོ་ག་རིན་ཆེན་ཨརྻ་ཀར་ལྷ་ कं.तं.१५१८

གཏོར་མའི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་བསྡུས་པ་ **बलितत्त्वसंग्रह**
कं त.१२८१

གཏོར་མའི་ཕྲེང་བ་ **बलिमालिका** क त.३७७१,
४६५६

གཏོར་མའི་ལས་ཀྱི་རིམ་པ་ **बलिकर्मक्रम** कं.त.
१२९९

གཏོར་ཕྲིང་ **हारयन्ति** बो.च.६.९२क

གཏོལ་ **प्रहर** ग.दा.

གཏོལ་པོའི་བུ་མོ་བྲན་བཟང་(ས་)མོ་ **प्रकृतिर्मातंग-
दारिका** म व्यु.३६६५

གཏོལ་མེད་ (१) **न ज्ञात:** बो.च.
གང་དུ་འདོང་བའི་~དོ་ **न ज्ञाता: क्व गता
इति** बो.च.८.२०घ
(२) सं. ००
བདེ་བའི་དོན་དུ་ལས་བྱས་ཀྱང་། བདེ་འགྱུར་
མི་འགྱུར་~ཀྱི། **सुखार्थं क्रियते कर्म तथापि
स्यान्न वा सुखम्** बो.च.७.६५ख

བདག་ འཐག་པ་ इत्यस्य भवि.
प्रहरेत् बो.च.७.६९घ(दे. བདེག་)

བདག་པར་བགྱི་ **पेषयेत्** सु.प्र.८०.२४

བདགས་ འཐག་པ་, འདོགས་པ་ इत्येतयोर् भू.
प्रज्ञप्तिवस्तु ल.सू.१७७क

བདགས་ན་ (१) **आबद्ध** द.भू.९ज, १०ज
(२) **बद्ध** बो.च.
སེམས་ཀྱི་གླང་པོ་དམ་~ **बद्धश्चेच्चित्तमातंग:**
बो.च.५.३ख
(३) **भवेत्** का.प.
མིང་~ **नामधेयं भवेत्** का.प.१२७

བདགས་ནས་ **आरोप्य** स.नि.७.१०

བདགས་པ་ (१) **उपचार** न्या.बि.९३.६, ७, ११,
म व्य.६९७७
(२) **उपनीत** म.व्यु.७५७१(द्र.६०५८)
(३) **औपचारिक** न्या.बि.९३.१३
(४) **गौण** म.व्यु.७०८७
(५) **बल** स्त्र.स्तो.८४

(६) **परिकल्पित** प्रस.३७०.११

(७) **प्रज्ञप्ति** अ.अ.१.२८, ३५, २.६, ५.६, १४, ३०, ३२, स.रा.८.११

(८) **बन्धन** बो.च.५.५क

(९) सं. ००. का.प., म.व्यु.६५५८

དཔེར་ན་མི་རོ་འི་མགོ་ལ་གསེར་གྱི་འཕྲེང་བ་~ **तद्यथापि नाम...मृतकस्य शिरसि सुवर्णमाला** का.प.१३२

དབུལ་ལ་ཕྱུག་ཅེས་བཏགས་པའི་དཔེ་དང་མཚུངས་ **दरिद्र आढयेतीव उच्यमानः** का.प. १२७प.

བཏགས་པ་ཙམ་ **प्रज्ञप्तिमात्र** लं.सू.७१क, ७३ख (°मात्रक)

བཏགས་པའི་ཚིག་ (१) **औपचारिकपद** सं.नि.१.२

(२) **प्रज्ञप्तिपद** ल.मू.७४ख

བཏགས་པར་འགྱུར་ **बद्धा भवन्ति** बो.च.५.५ख

བཏགས་པར་སྨྲ་བ་ **प्रज्ञप्तिवादिन**: नी.पु.१.२७

བཏགས་པར་སྨྲ་བའི་སྡེ་ **प्रज्ञप्तिवादिनः** म.व्यु. ९०९४, श.दा.

བཏགས་བྲལ་པ་ **व्यस्त** का.प.१३२प.

བཏང་ གཏོང་བ་ **इत्यस्य भू.**

(१) མི་བཏང་(दे. གཏོང་)ངོ་ **नापनेया** ५.२९ख

(२) **उत्सर्ग** बो.च.७.१९ग

(३) **उपयुज्य** का.प.

རྒྱལ་པོ་ལ་འདོམས་པའི་སྨན་བཏང་ལ་ **राजार्हं भेषज्यमुपयुज्य** का.प.१३०

(४) **त्यक्त** मु.प्र ११५.२, ७, ८

ཡོངས་སུ་བཏང་ (क) **त्यक्त** मु.प्र ११८.२४, १६५.२६ (ख) **परित्यक्त** मु.प्र.८.१६(°स्ये), १२३.२१, २४, २७, १३४.१ .

(५) **त्यजसि** मु.प्र.१६०.१४

(६) **त्यजेत्** मु.प्र.१११.२६

(७) **वस्त** ना.आ.११.५

(८) **निर्मुक्त** बो.च.८.३८क

(९) **परित्यजित्वा** मु.प्र.४६.६प.

(१०) **प्रेषित** मु.प्र.६.२७, १२.३३

(११) **विसृष्ट** मु.प्र १६१ ३

(१२) **व्युपनाम्यन्ते** का.प.८७

(१३) མེ་བཏང་ **ज्योतिः समाधाय** उद्रा. २३.८प.

(१४) मं. ०१ बो.च.

སྐྱེ་བོ་རྣམས་ལ་བཏང་ **मानितो जनः** श.पं.१२

དེ་ནི་དམ་བཅས་བྱས་གྱུར་ཀྱང་། བྱ་འམ་བཏང་ཞེས་བཏག་ (दे. བཏགས་) པའི་རིགས།। **तत्र कुर्यान्न वेत्येवं प्रतिज्ञायापि युज्यते** बो.च. ४.२गघ . .

སེམས་ཅན་སོ་སོ་པ་སྣ་ཚོགས་པ། ཀྱལ་བས་ཀྱང་ནི་མི་མགུ་ན། བདག་འདྲ་ངན་པས་སྨོས་ཅི་དགོས། དེ་བས་འཇིག་རྟེན་བསམས་(दे. བསམས་) པ་བཏང་།। **नानाधिमुक्तिकाः सत्त्वा** .

जिनैरपि न तोषिताः । किं पुनर्मादृशैरज्ञै-
स्तस्मात् किं लोकचिन्तया ॥ बो.च.८.२२

བཏང་དགོས་ त्यक्तव्य बो च ७.२०ख

བཏང་སྙོམས་ उपेक्षा द.भू.३क, ल, ४च, म.व्यु. १४१, ८७६, १४८०-८१, १५०७, १६४२, २०७२, म.सू., ग.दा., सं.नि.८.१८, ८.३६.१, ३, ६.३.४, ५, ८, व.स्तो.८६

द्र. སྙོམས་པ་

བཏང་སྙོམས་ཀྱི་དབང་པོ་ उपेक्षेन्द्रिय म.व्यु. २०७२

བཏང་སྙོམས་ཅན་ उन्मनस् ग.दा.

བཏང་སྙོམས་འཛིན་བྱེད་ उपेक्षक का.प.१०७प.

བཏང་སྙོམས་པ་ उपेक्षक म.व्यु.१४८०

བཏང་སྙོམས་བྱ་ उपेक्ष्य का.आ.१.७

བཏང་སྙོམས་[བྱ་བ་] उपेक्षण बो.च.५ ४२घ (टे.)

བཏང་སྙོམས་ཚད་མེད་པའི་ उपेक्षा अप्रमाणम् सं.नि ८ ११

བཏང་སྙོམས་མཛད་ (१) अभ्युपेक्षसे उद्रा.३४.६

(२) उपेक्षक ग.पं.१०३

བཏང་སྙོམས་[བཞག་པ་] उपेक्षण बो.च.५.४२ घ(ना.)

བཏང་སྙོམས་ཡང་དག་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཡན་ལག་ उपेक्षासंबोध्यंग म.व्यु.९९५

བཏང་སྙོམས་ལ་གནས་པ་ उपेक्षाविहारिन् म.व्यु. ८७६

བཏང་སྙོམས་སུ་འཛིན་བྱེད་ उपेक्षकाः का.प.१०५

བཏང་སྙོམས་སུ་བྱ་བ་ उपेक्षणीय न्या.बि.१०.६

བཏང་སྟེ་ (१) उत्सृज्य का.प.६०

(२) उत्सृष्ट उद्रा.

གྲིབ་མ་~ छाया उत्सृष्टा उद्रा.५.१६

(३) तिरस्कृत्य न्या.बि.३७.६

(४) त्यक्त्वा ना.आ.४, सु.प्र.१५६.४

(५) त्यज (त्यजन्?) का.प.६०प.

(६) त्यजेत् सु.प्र.११३.२४

(७) रिङ्खित्वा का.प.६०

(८) འཛུམ་པ་སྔོན་དུ་~ स्मितपूर्वंगम प्रज्ञ (ले.)३१.११

བཏང་ན་

ཡོངས་སུ་མ་~ अपरित्यज्य बो च.८.१३५क

བཏང་ནས་ (१) उपरत न्या.बि.१६.१०

(२) त्यजतः ग.पं.१७

(३) वधात् का.प.६५

(४) སྣུན་~ पीत्वा भेषजम् का.प.१३०प.

བཏང་བ་ (१) उत्सर्जन म.व्यु.२६०४

(२) उत्सृष्ट म.व्यु.२६०२

(३) उपनाम्यन्ति का.प.८७प.

(४) त्यक्त ना.आ.६

འཇིག་རྟེན་ཕ་རོལ་~ त्यक्तपरलोक उद्रा.

३०.१३, ४६.३

(५) त्याग प्रस.४०४.१७, बो.च.३.१२क, ४.७क...

རང་གི་ལུས་ཡོངས་སུ་~ आत्मपरित्याग सु.प्र.१५८.४

(६) प्रत्याख्यात म.व्यु.२६०३

(७) प्रेषण श.दा.

(८) मुचि <चक्रवर्ती राजा> म.व्यु.३५६२, ६४६६

(९) विनिवृत्ति द.भू.

མི་~ अविनिवृत्ति द.भू.९क

(१०) स्रंसन म.व्यु.६३६५

(११) སོ་མ་~འི་སྣོད་ बालभाजन का.प. ५१

བཏང་བ་ལགས་ विक्षिप्तवती श.पं.६५

བཏང་བ་ལས་ बयात् का.प.६५

བཏང་བར་དཀའ་བ་ दुस्त्यज सु.प्र.१५९.१८

བཏང་བར་གྱུར་ तत्याज बो.क.२२

བཏང་བར་བྱ་ (१) त्यजेय सु.प्र.१६६.१२

(२) (दे. གཏང་བྱ་) बवामि बो.च.८.१३६ (ना.)

བཏང་བར་མི་བྱ་སྟེ་ त्यजेन्न बो.च.५.८७ख(ना.)

བཏང་བྱ་ सं. त्यक्त बो.च.८.१८४ख

བཏང་བྲང་ शीतवन नी.पु.१.२०

བཏང་ཟུང་ मुचिलिन्द स.रा.१९.१९

བཏང་ཟུང་ཆེན་པོ་ महामुचिलिन्द स.रा.१९.१९

བཏང་གཟུང་ मुचिलिन्द म.व्यु.३५६३ <चक्रवर्ती राजा>, ६१६७ <पुष्प-नाम>

བཏང་གཟུང་ཆེན་པོ་ महामुचिलिन्द <पुष्प-नाम> म.व्यु.६१६८

བཏང་བཟུང་ मुचिलिन्द श.दा., सु.प्र.१२७.५ <नाग-नाम>

རི་བོ་~ मुचिलिन्द श.दा.११७५क

བཏང་བཟུང་ཆེན་པོ་ महामुचिलिन्द श.दा.

བཏང་ཡས་ नेलु <संख्या-नाम> म.व्यु.७८९२

བཏང་སེམས་ त्यागचित्त बो.च.५.१०ख

བཏད་ གཏོད་པ་ इत्यस्य भू.

प्रेषित म.व्यु.६५२९

བཏད་པ་ =ཕུལ་བ་ समर्पित श.दा.

བཏབ་ འདེབས་པ་ इत्यस्य भू.

(१) उप्त श.दा.

(२) प्रस्त(?) बो.च.२.५४ख

(३) हत न स्तो.७४

(४) परिसृष्ट द.भू.६म

(५) भवेत् ल.वि.१५.१५.१७

(६) रोपित श.दा.

(७) ནད་བཏབ་ व्याधित सु.प्र.३०.२५ग.

བཏབ་ཅིང་

ཙན་དན་གྱི་ཆུས་ཆག་ཆག་~ उद्गा.६.३६

གསོལ་~ कृताञ्जलि बो.च.८.४०ख

བཏབ་སྤྲི་

ཆུས་~ जलपरिषेक उद्रा.३३.११

བཏབ་ན་ सृष्ट द.भू.५म

བཏབ་ནས་ (१) उत्पद्येत का.प.

དེ་ནད་ཅིག་གིས་~ तस्य कश्चिदेव व्याधि उत्पद्येत का.प.१२६

(२) ཡར་~ विसर्जयन्तानां का.प.१४६

བཏབ་པ་ (१) अकार्षीत् भ.च.०

(२) अर्पित बो.च.६.८६क

(३) उत्पन्न का.प.

ནད་ཀྱིས་~ उत्पन्नव्याधि का.प १२६प.

(४) उप्त म व्यु.५३१०

(५) कृत उद्रा.

སྨོན་ལམ་~ प्रणिधानं कृतम् उद्रा.४६.२६-३४

(६) चकार मु.प्र.

སྨོན་ལམ་~(བོ་) प्रणिधि (प्रणिधानं) चकार मु.प्र ११८ ८, १५६ २४

(७) परिगत म.व्य ७१५५

(८) ཤིན་ཏུ་~ सुपरिबद्ध द.भू.८अ

(९) विसर्जयति म.व्यु.६५६०

(१०) स्पृष्ट म.व्यु ६३०८

ནད་ཀྱིས་~ रोगस्पृष्ट मु प्र.१०.२, १३८.३, ७, १० (°བཏབ་ཅིང་)

(११) हत म.व्यु.५३५३

རླུང་གིས་~ वातहत सु.प्र.१६४.३

བཏབ་པ་ཡི་ सं. पठित्वा भ.च.६२क

བཏབ་པས་ भ.च.५०क

བཏབ་པོ་ अभूत् सु.प्र.

སྨོན་ལམ་དེ་སྐད་~ एवं प्रणिधानमभूत् सु.प्र. १४८.१७

བཏབ་ཤིང་ उत्सृज्य म.व्यु.१८६

བཏས་པ་ निक्षेप म.व्यु.७२२२

བཏིག་པ་ भू. བཏིགས་

བཏིགས་ བཏིག་པ་ इत्यस्य भू.

བཏིང་ འདིང་བ་ इत्यस्य भू.

གདན་བཏིང་ངོ་ आसनं प्रज्ञप्तम् सु.प्रः १५४.१४

བཏིང་ནས་ प्रज्ञप्य सु.प्र.१५४.१४

བཏིང་བ་ (१) अवस्तर श.दा.

(२) आस्तरक म.व्यु.८६८६

(३) आस्तरण म.व्यु.८६८५

(४) प्रज्ञप्त सु.प्र ६ ४

(५) संस्तृत म व्यु.६०६६, श.दा.

(६) स्तृत श.दा.

(७) རྩ་~འི་གནས་མལ་ तृणशय्या श.पं. १२६

བཏུ་ འཐུ་བ་ इत्यस्य भू.. लोट्

བཏུག་པ་ द्र. གཏུག་པ་

བདུང་ འབྲུང་བ་ इत्यस्य भवि.

(१) आस्वाद्य अ.हृ॰१.३.२१

(२) पान अ.हृ.१.८.२४, १४.३३

(३) पेय बो.च.२.१६ग

བདུང་དུ་མི་རུང་ न पेयम् बो.च.५.६५ख

བདུང་བ་ (१) पान म.व्यु.५६६०, ८६१७, श.दा.

सु.प्र.२३.२५, ६४.१३, ६५.२१...

(२, ३) पीत, पेय श.दा.

བདུང་བ་འདོད་ पिपासिन् श.दा.

བདུངས་ འབྲུང་བ་ इत्यस्य भू.

བདུངས་པ་ कुट्टित श.दा.

བདུད་ འདུད་པ་ इत्यस्य भू.

(१) प्रणम्य म.व्यु.६२७८

(२) भुग्न त्र.स्तो.५२

བདུད་ནས་ (१) प्रणम्य बु.च.१४, श.दा.

ཐལ་མོ་སྦྱར་བ་~ अञ्जलिं प्रणम्य सु.प्र.

१०.१०, १६.२०, ४८ ५...

(२) प्रणिपत्य म.व्यु.१७८५, श.दा.

(३) ཐལ་མོ་སྦྱར་བྱས་~སྟེ་ कृताञ्जलि-

भूत्वा सु.प्र.११८.१प.

བདུད་པ་ (१) आवर्जित म.व्यु.२४२६, श.दा.

(अवजित)

(२) प्रहृत श.दा.

(३) ལུས་~ས་ནི་ (दे.° པ་ཡིས་) प्रणामैः

बो.च.२.२४घ

བདུད་བྱས་ आबद्धप्रणाम त्र.स्तो.६०

བདུབ་ འདྲུབ་པ་ इत्यस्य लोट्

भज्य म.व्यु.६१३५

བདུབ་པ་ [illegible] बो.च., म.व्यु.४६१६

བྲན་གཡོག་བཀོལ་དུ་མི་བདུབ་ལ་ (दे.

འབའང་)། གོས་ལ་སོགས་པ་མི་སྦྱིན་ན། न

स्यास्यतीति भृत्याय न वस्त्रादि प्रदीयते

बो.च.५.६८कख

བདུབས་པ་ छिन्न, संभिन्न श.दा.

བདུམ་ འདྲུམ་པ་ इत्यस्य भवि., लोट्

བདུམས་ འདྲུམ་པ་ इत्यस्य भू.

བདུལ་ འདུལ་བ་ इत्यस्य भू.

(१) जित श.पं.४६, १२२

(२) धर्षयि भ.च.५४घ

(३) धर्षित का.प.१४८

(४) विनीत का.प.

ཁྱེད་སུས་བདུལ་ केन यूयं विनीताः का.प.

१४६

(५) विनीय श.पं.१४३

བདུལ་ནས་ (१) कृतव्यवसाय सु.प्र.१५६.१०

(२) जित्वा का.प.६१प.

བདུལ་ཕོད་པ་ शूर म.व्यु.६८६६

བདུལ་བ་ (१) जय श.पं.४४

(२) दमन बो.च.५.५ग

(३) विनीय श.दा.

(४) °वैनेय सु.प्र.

ཉ་~ मत्स्यवैनेय सु.प्र.१५३.२६

བདུལ་བར་འགྱུར་(दे. ཐུལ་བར་འགྱུར་) वान्ता भवन्ति बो.च.५.५घ(ना.)

བདུས་ འཐུ་བ་ इत्यस्य भू.

(१) उद्धार्य स्र.स्तो.६६

(२) उद्धृत म.व्यु.७१४१

(३) प्रोत स्र.स्तो.६६

བདུས་པ (१) = བཙུས་པ་ उच्छिन्न श.दा.

(२) = བཙུས་པ་ उद्धृत श.दा.

(३) विचित म.व्यु.६८३८, श.दा. (= བདམས་པ་, བཏགས་པ་)

(४) सं.०० बो.च., म.व्यु.६२००

ཀུན་ལས་~ समुच्चय बो.च.

བདེག་ उन्नाम्यमान बो.च.८.४३क

བདེག་ན་ उत्क्षिप्ते म.व्यु.६७६६

བདེག་པ་ (१) उत्क्षिप्त स्र.स्तो.५६

(२) निर्धार्यते बो.च.८.३४ग

བདེག(ས་) འདེག(ས་)པ་ इत्यस्य·भू.

བདོགས་ स्फोटक म.व्यु.८५८६

བདོད་ གདོད་པ་ य॰ य लोट्

བདོད་པ་

དོན་མེད་དག་ཡིས་ཀྱ་སྤྱོལ་བདོད་(ना. གདོད་) པ་ཡང་། ལུས་ལ་རྒྱན་དང་འདྲ་བར་བསྒྲེལ་ བར་བྱེད། आकारणेनैव रिपुशतानि गात्रे-ष्वलंकारवदुद्वहन्ति बो.च.४.३१कख(दे.)

བདོན་ འདོན་པ་ इत्यस्य भू.

उद्-धृ द.भू.२अअ

རྩ་ནས་བདོན་ उद्धृत श.पं.३०

བདོན་དམ་ वेशयि भ.च.५५ख

བདོན་ནས་

སྨྲེ་སྔགས་...~ परिदेवनं कृत्वा सु.प्र. १७४.६

བདོར་པ་ प्रोत्खात म.व्यु.५३३८

བདོར་ འཐོར་བ་ इत्यस्य भू.

རྡ་ (१) अश्व उद्रा.७.२३, २०.८, २६.१, २, का.प.१०८, न्या.बि.१६१.१७, बु.च.३, ११, ३०, ६४, म.व्यु.१०३७, ३४८०, ३६२४, ३६३६, ४१४१, ४७७३-७४, ४८०६, ५००३, ५६१०, ८६१६, ८८२५, ८८४१, ८८५०, ८८६०, लं.सू.१००क, श.दा., स्र.स्तो: ७३

རྡེང་བུ་རྡ་ अश्वतरी म.व्यु.४८१६

(२) तुरग स्र.स्तो.७२

(३) तुरंग म.व्यु.४८०७, श.दा.

(४) सं. रथ बो.च.

བྱང་ཆུབ་སེམས་ཀྱི་རྡ་ཞོན་ནས། सं. बोधि-चित्तरथं प्राप्य बो.च.७.३०ख

(५) वाजिन् बु.च.४, लं.सू.८६ख(°जि)

(६) हय द.भू.१तत, ५अः, बु.च.६७, म.व्यु.
४८०८, लं.सू.७१क, ल.वि.१५.२२.१०,
श.दा.

(७) हरि श.दा.

ཟ་ ཞིང་རྟ་

རྟ་སྐད་ अश्वघोष नी.पु.१.२२, म.व्यु.३४८०
<पूर्वोपाध्याय-नाम>

རྟ་སྐྱེ་བ་ अश्वज तु.५७७

རྟ་མགྲིན་ हयग्रीव चि.पं.स७ख, नी.पु.२ ८२५,
८७०, श.दा.



རྟ་མགྲིན།

ཁྲོ་བོ་~ क्रोधहयग्रीव चि.त्रि.२१३

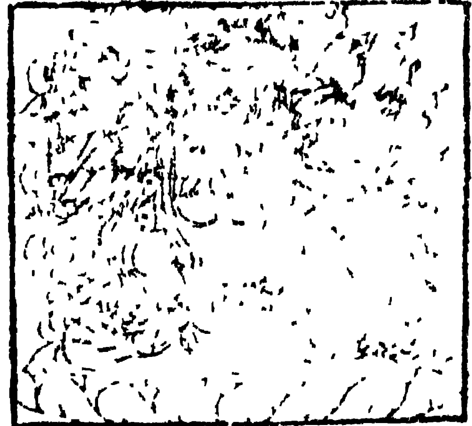
འཁོར་~ अनुचर हयग्रीव चि.पं.३५क,
३६ग, ३७ग

ཇོ་བོ་ཏི་ལུགས་ཀྱི་~ आर्यक्रम हयग्रीव
चि.त्रि.१६८

རྟ་མགྲིན་དཀར་པོ་ सित हयग्रीव चि.पं.६१क



རྟ་མགྲིན་སྐྱེར་སྒང་ལུགས་ चि.पं.६०ग



རྟ་མགྲིན་ཁ་ཆེ་པཎ་ཆེན་ལུགས་ चि.पं.६०ख

རྟ་མགྲིན་ཁ་ཆེ་པཎ་ཆེན་ལུགས།

རྟ་མགྲིན་ཁྱུང་གཤོག་ཅན་རྡོ་རྗེའི་ལུགས་ आर्यक्रम गरुडपक्षवत् हयग्रीव चि प ५८ख

རྟ་མགྲིན་ཁྱུང་གཤོག་ཅན་རྡོ་རྗེའི་ལུགས།

རྟ་མགྲིན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ (१) हयग्रीवसाधन कं.तं.२१४२, ३०५३-५६, ३२७७, ३६२१ (२) सं.०० क.तं.३०५७, ३०५८

རྟ་མགྲིན་གྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ हयग्रीवसाधन कं.त ३३६०

རྟ་མགྲིན་ལྕགས་རལ་ཅན་ लोहजट हयग्रीव चि.च. ७६, चि त्रि १६६ चि पं.६१क

རྟ་མགྲིན་ལྕགས་རལ་ཅན།

རྟ་མགྲིན་པདྨ་གར་དབང་ पद्मनर्तेश्वर हयग्रीव चि च.६२

རྟ་མགྲིན་དཔའ་གཅིག་ལྷན་སྐྱེས་རྡོ་རྗེའི་ལུགས་ आर्यक्रम सहज एकवीर हयग्रीव चि.प.५८क



རྟ་མགྲིན་ཡང་གསང་ཁྲོས་པའི་ཞབས་ भद्र.००
(११४२)



རྟ་མགྲིན་ཞྭ་ན་བཞི་སྐོར་རྡོ་རྗེ་ཕོ་ལུགས་ आर्यंकम
चतुर्डाकिनीपरिवार हयग्रीव चि.पं.५८ग



རྟ་མགྲིན་གསང་སྒྲུབ་ गुह्यसाधन हयग्रीव चि.च.
६१, चि.त्रि.१६७



རྟ་རྒོད་ घोटकमृग म.व्यु.४७९८

རྟ་རྒོད་མ་ वडवा म.व्यु.४८०९, ६७९६

རྟ་རྒོད་མའི་ཁ་ वडवामुख म.व्यु.६७९६

རྟ་རྒོད་མའི་གདོང་ वडवामुख म.व्यु.६७९६

རྟ་སྔོན་ཅན་ नीलाश्व

རྣམ་སྲས་མདུང་དམར་~ नीलाश्व रक्तशूल वैश्रवण चि.पं १०३क

རྣམ་སྲས་ནག་པོ་~ नीलाश्व कृष्ण वैश्रवण चि.पं.१०६क

རྟ་ཅང་ཤེས་ अश्वाजानेय म.व्यु.४७७३

རྟ་ཆུང་ पूर्वफाल्गुनी श.दा.

རྟ་མཆོག་ (१) अश्व श.दा.

(२) अश्वरत्न म.व्यु.३६२४, श.दा.

(३) = རྣམ་པར་དུལ་=རྣམ་དུལ་ उच्चैः-श्रवस् श.दा.

(४) परमाश्व कं.तं.

གོ་རའི་~ चि.पं २०क

རྟ་མཆོག་གི་སྒྲུབ་ཐབས་ परमाश्वसाधन कं तं. ३२८०, ३६२६

རྟ་(མཆོག་)རིན་པོ་ཆེ་ अश्वरत्न म.व्यु.३६२४

རྟ་མཆོག་རོལ་པའི་གསང་བའི་དོན་དུ་ མ་པར་དགོད་པ་ (श्री)सुघोटललितगुह्यार्थधरव्यूह कं.तं.१६६९

རྟ་ལྗང་ हरिताश्व, हर्यश्व श.दा.

རྟ་ལྗང་ཅན་ श्यामाश्व

འོད་ཟེར་ཅན་མ་~ श्यामाश्व मारीची चि.पं. ९१ग

རྟ་ཉིད་ अश्वता बु.च.५५

རྟ་ཐུལ་ अश्वजित् नी.पु.<ऋषि-नाम>१.२०, म.व्यु.१०३७

རྟ་གདོང་ अश्वमुख नी.पु.२.८०५

རྟ་གདོང་མེ་ वडवानल श.दा.

རྟ་བདུན་པ་ सप्ताश्व श.दा.

རྟ་ལྡན་མ་ अश्विनी श.दा.

རྟ་རྣ་ अश्वकर्ण द.भू.११ब, म.व्यु.४१४१<गिरि-नाम>

རྟ་རྣ་ཅན་ अश्वकर्ण <गिरि नाम> म.व्यु.४१४१

རྟ་རྣ་རི་ अश्वकर्ण श.दा.

རྟ་པ་ (१) ཀང་ཐང་~ अश्वपदातिक श.दा.५३१ ख

(२) अश्वक श.दा.

(३) =མཆུ་ मघा श.दा.

རྟ་པའི་ཚོགས་ अश्वकाय सं.नि.१.४

རྟ་པོ་=རྟ་ श.दा.

རྟ་ཕོ་ अश्व सु.प्र.१३३.२८, १३४.२०

རྟ་བབས་ तोरण म.व्यु.५५२८, श.दा.

རྟ་བོན་པ་ तुरंगी श.दा.

རྟ་བྲེས་ अश्वशाला श.दा.

རྟ་དབྱངས་ अश्वघोष म.व्यु.३४८० <पूर्वोपाध्याय-नाम>, श.दा.

རྟ་འབབས་ तोरण तु.३१९

རྟ་སྨིག་ वार्ताकु श.दा.

རྟ་གཙང་གི་མཆོད་སྦྱིན་ अश्वमेधयज्ञ म.व्यु.५०६१, श.दा.

རྟ་འཛིན་བུ་ आश्वलायन लं.सू.२०५ख

རྟ་ཞོན་ यान अ.हृ.१.८.५५

རྟ་ཡི་འདུལ་སྐྱོང་ अश्वसुत का.प.१०८प.

རྟ་(ལ་)ཞོན་པ་ལ་ཆོས་མི་བཤད་ नाश्वरूढाय धर्मं देशयिष्यामः म.व्यु.८६१६

རྟ་ལ་བཞོན་པ་ अश्वपृष्ठ म व्यु.५००३

རྟ་སྤྲེ་ पृषदश्व श.दा.

རྟག་ (१) अत्यन्तम् लं.सू.१८६क

(२) ध्रुव बो.च.९.१२१ग

(३) नित्य का.प.५३-५६, १०४, बो.च.१.६क (°म्), ६.२९क, ९.१२६क, श.पं.

མི་རྟག་ अनित्य बो.च.२.४२ग, ८.५क, ९.११९ख

(४) शाश्वत अ.अ.१.५९, म.व्यु.४६५३-५५, ४६५७, लं.सू.६९ख

(५) सदा का.प.१०प., १६प., बो.च.८.१५४ख, ९.६०क, सु.प्र.३४.१

(६) सं.००

འདོད་ཆགས་ལ་སོགས་ཉེས་བརྒྱ་ཡི་ (दे. ཉེས་པ་བརྒྱའི་)། ནད་ཀྱི་ (दे. ཀྱིས་)རྟག་བཏབ་སྨོས་ཅི་དགོས།། सं. किमु व्याधि-शतैर्ग्रस्तश्चतुर्भिश्चतुरुत्तरैः बो.च.२.५४गघ

རྟག་ཀྱང་མི་རྟག་པ་ शाश्वतश्चाशाश्वतश्च म.व्यु.४६५५

རྟག་གཅིག་རང་དབང་ཅན་གྱི་བདག་ नित्य-एक-स्वतन्त्रात्मन् प्र.पा.९२

རྟག་ཉིད་ द्र. མི་~

རྟག་ཏུ་ (१) अनिमिष श.दा.

(२) ध्रुवम् सु.प्र.१०८.३०

(३) नित्य उद्रा.२४.३४ (°म्), का.प.१प., २प., ४प., ६प., १२प., १७प., च.श.११, ना.आ.१०, न्या.बि.११.१६(°म्), बो.च.(°म्) ३.१३ग, १६ग, ४.१ग .., भ.च.(°म्)१८घ, २६ख(पा. नित्यु), ३१घ, ३४ग, म.व्यु.१८४, ६९६, ७१५, ७२१, श.प.१५, सु.प्र.(°म्) ५.१२, १६ १४, ३०.१४ .

(४) नित्यकालम् का.प.१०प.. ल.वि.१५.१५.३

(५) नित्यु भ च.१७घ, २४ख, २५ग

(६) सं. भूयसा बो.च.१०.४८ग

(७) शाश्वत श.दा.

(८) सतत बु.च.४१, बो च., ४.३८क, ५.३५ग, ८४ख(°म्), ७.४०ग(°म्), म.व्यु. ७२६२, सु.प्र.(°म्)२१.१९, २६.१०, ३०.१५

(९) **सततसमितम्** सु.प्र.१५६.४

(१०) **सद** म.च.१६ख, ल.वि.१५.१४.१९

(११) **सदा** अ.अ.१.४६, ४.४८, ८.८, उद्रा. १.१२, २५, उ.त.७, का.प.४प., ७प., ६प., प्र.द.३, बो.च.१.८घ, २.६२ग, ४.४२घ..., म.व्यु.२१६२-६३, ३१५२, ८६२८, ६५६६, ग.दा , श.पं.११७, सु.प्र.२१.२२, २४.१५, ३०.१८ ..

(१२) **सर्वदा** का.प.११२प., बो.च.६.१४६घ, ग.दा.

(१३) मं. ०० का.प., बो.च.

ཉིན་མཚན་སྤྱོད་པ་ཡོད་མེད་པར། ཚེ་འདི་རྟག་ཏུ་གོང་འགྱུར་ཞིང་། **रात्रिदिवमविश्राम-मायुषो वर्धते व्ययः** बो.च.२.३९ख

དེ་ལྟར་བསམམས་ནས་ངོ་ཚ་དང་། འཇིགས་བཅས་དྲན་པ་རྟག་ཏུ་བཞག། सं. **इति ध्यात्वा तथा तिष्ठेत् त्रपादरभयान्विताः** बो.च.५.३२कख

དེ་ལྟས་བདག་གིས་རྟག་ཏུ་དེ་ཉིད་བྱ་ **तस्मान्-ममास्तु व्रतमेतदेव** बो.च.६.१२७घ

སེམས་ཅན་རྣམས་ལ་རྟག་ཏུ་ལེགས་པར་སྦྱོར་ **सत्त्वेषु सम्यक्कुरुते प्रयोगम्** का.प.४७प.

རྟག་ཏུ་ཁྲིམ་ **चिरवास** ग.दा.

རྟག་ཏུ་དགའ་ **सदानन्द** ग.दा.

རྟག་ཏུ་དགའ་བ་ **नित्याभिरत** म.व्यु १८४

རྟག་ཏུ་བགྲོད་དེ་ द्र. རྟག་ཏུ་སྦྱིན་

རྟག་ཏུ་འགྲུས་ཆེ་བ་ **नियक** म.व्यु.१७९५

རྟག་ཏུ་རྒྱུན་མི་འཆད་པ་ **सततसमितम्** म.व्यु.७२६२

~ར་ **सततसमितम्** द.भू.५ज, ७च, ८र

རྟག་ཏུ་སྒོམ་ **नित्यं भावयितुम्** सं.नि.६.१०.२

རྟག་ཏུ་ངུ་ **सदाप्ररुदित** <बोधिसत्त्व-नाम> सु.प्र. ६२.१८

རྟག་ཏུ་རྗེས་སུ་འབྲང་བར་འགྱུར་ **सदानुबद्धो भवति** म.व्यु.२१६३

རྟག་ཏུ་རྗེས་སུ་འབྲེལ་བར་འགྱུར་ **सदानुपरिवर्ती भवति** म.व्यु.२१६२

རྟག་ཏུ་མཉམ་པར་གཞག་པ་ **सदाशान्तिसमाहित** लं.सू.१६५ख

རྟག་ཏུ་བསྟེན་པར་བྱ་ सं. **निषेवितव्य** का.प.८प.

རྟག་ཏུ་སྤྱོད་པ་ **सदाचार** बो.च.५.१०५क

རྟག་ཏུ་སྤྱོད་ **पावक** ग.दा.

རྟག་ཏུ་བྱ་བ་ **सातत्यकरण** म.सू.११.७२

རྟག་ཏུ་བྱེད་པ་ **नित्यकार** सं.नि.६.१९

རྟག་ཏུ་ . འབྲང་ **नित्यानुबद्ध** लं.सू.१६५ख

རྟག་ཏུ་སྦྱིན་ = རྟག་ཏུ་བགྲོད་དེ་ **नैत्य** श.दा.

རྟག་ཏུ་སྦྱིན་པ་ सं. **अनुप्रयच्छतः** बो.च.१.३३घ

རྟག་ཏུ་སྦྱོར་བ་ **नित्य(प्र)युक्त** म.व्यु.७१५

རྟག་ཏུ་མི་བྱེད་པའི་སྦྱོར་བ་ **अनित्यप्रयोग** सं.नि. ६.१६

རྟག་ཏུ་བྲོས་ (१) सदामत्त तु.५२५

(२) सदामाद म.व्यु.३१५२

རྟག་ཏུ་བརྩོན་ नित्योद्युक्त म.व्यु ६९६, श.दा.

རྟག་ཏུ་ཚ་རབས་དྲན་པ་ जातिस्मरत्व बो.च.१०.५१ग

རྟག་ཏུ་ཞི་བ་ सदाशान्ति लं.सू.२०३क

རྟག་ཏུ་བློ་མཚན་བྲག་པ་ सदाप्ररुदणी म.व्यु.८९२८

རྟག་ཏུ་འོད་ नित्यप्रभ म.व्यु.७१५

རྟག་ཏུ་ཡིད་ནི་མི་སྐྱོ་བ་ अखिन्नमनसां सदा नी.पु.१.७५

རྟག་ཏུ་གཡེང(ས་)འགྱུར་བ་ व्यावृतत्व(पा. व्यापृतत्व) बो.च.६ २८ग

རྟག་ཏུ་ལག་བརྐྱང(ས་) नित्योत्क्षिप्तहस्त म.व्यु.७२१

རྟག་ཏུ་ལང་ཚོ་ལྡན་མ་ द्रौपदी श.दा.

རྟག་དང་ཆད་པ་ शाश्वतोच्छेद लं.सू.७०ख

རྟག་དང་ཆད་པ་ཡིས་ལྟ་བ་ शाश्वतोच्छेददर्शन लं.सू.७०ख

རྟག་དང་ཆད་པར་ལྟ་བ་ शाश्वतोच्छेददृष्टि लं.सू.७३क

རྟག་དང་འཇིག་ नित्यनाश लं.सू.७२क

རྟག་དང་མི་རྟག་ नित्यानित्यता लं.सू.१८३क

རྟག་དང་མ་རྟག་པ་ नित्यानित्य लं.सू.१५६क

རྟག་པ་ (१) अनुबन्ध श दा.

(२) °ध्रुव श दा.

(३) नित्य अ.अ २.४, ३.१२, ८.११, का.प., न्या प्र :, १०, १३, १५, २६, ३०, ३३, ३४, ३६, ४२. ४३, न्या.बि.७६.२, ३, ४, ६५.१४, १३३ १५, १६ , बु च ८१, बो.च.६.१२६ग, म.व्यु.७२८४, ६५३५, लं.सू.८५ख, १७२ख(°म्), श दा., श.पं., मं नि.८.२०.७, ८.३६.२, मु.प्र.१७.१७

མི་~ अनित्य उद्रा ३१ ६, का.प १००, १५२

(४) नित्यता लं.सू.१५०क, श दा

(५) नित्यत्व न्या बि.७५.१४, १००.७, १६०.८

(६) शाश्वत श.दा.

द्र. རྟག་པར་

རྟག་པ་ཉིད་ नित्यत्व न्या प्र.४२, ४६-५०, न्या बि.७५.१६, ७६.५, १३३.१७ , बो.च.६.१३१ग

རྟག་པ་ཉིད་མ་ཡིན་པ་ अनित्यत्व न्या.बि.७५.१६

རྟག་པ་དང་ཆད་པར་སྨྲ་བ་ उच्छेदशाश्वतवादिन् लं.सू.१६७ख

རྟག་པ་དང་མི་རྟག་ང་ नित्यानित्यत्व ल.सू.१५५क

རྟག་པ་དང་མི་རྟག་པར་ལྟ་བ་ नित्यानित्यग्राह ल.सू.१५५ख

རྟག་པ་དང་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་ (१) नित्याचिन्त्य लं.सू ८५ख

(२) सं. नित्यानित्यवादिन् लं.सू.८५ख

རྟག་པ་དང་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པར་སྨྲ་བ་ नित्या-
चिन्त्यवाद लं.सू.८६क

རྟག་པ་མ་ཡིན་པ་ (१) अनित्यत्व न्या.बि.७५.१७
(२) अशाश्वत लं.सू.१०४क

རྟག་པ་མེད་པ་ अशाश्वत बो.च.८.८ग

རྟག་པ་མེད་པའི་ཕྱིར་རོ་ अशाश्वतत्वात् का.प.
१४८

རྟག་པ་ཡང་མ་ཡིན་མི་རྟག་པ་ཡང་མ་ཡིན་(མིན)་
नैव शाश्वतो नाशाश्वतश्च म.व्यु.४६५७

རྟག་པ་ཡིན་པ་ नित्य न्या.प्र ६

རྟག་པ་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་ नित्यमचिन्त्य
लं.सू ८५ख

རྟག་པའི་སྐུ་ नित्यकाय म.सू.२.६ग

རྟག་པའི་སྒྲ་ नित्यशब्द न्या.प्र.६, लं.सू १०७ख

རྟག་པའི་ཤེས་པ་ नित्यबोध लं.सू.१६६ख

རྟག་པའི་དུས་ नित्यकालम् सं नि ४ १०

རྟག་པའི་ཚིག་ नित्यपद ल.सू ७३ख

རྟག་པའི་རིམས་ नित्यज्वर म.व्यु.६५३५

རྟག་པར་ (१) नित्यम् मु.प्र.१८० ८
(२) निरन्तरम् बो च ८ १८७ग
(३) सततम् बो च.१.१२ग, म व्यु.(°त)८६०, १४६०, मु प्र.१७२.२३, १८०.२
(४) सदा बो.च.५.१०२क, श.दा., मु.प्र ८८.२०
(५) सातत्य° बो.च.५.८१क
(६) सं.००
ས་སོགས་འབྱུང་བ་ཆེན་པོ་དང་། ནམ་མཁའ་བཞིན་དུ་རྟག་པར་ཡང་། སེམས་ཅན་དཔག་ཏུ་མེད་པ་ཡི། རྣམ་མང་ཉེར་འཚོའི་གཞིར་ཡང་ཤོག། सं. पृथिव्यादीनि भूतानि निःशेषाकाशवासिनाम् । सत्त्वानामप्रमेयाणां यथा भोगान्यनेकधा ॥ बो.च.३.२१

རྟག་པར་རྒྱུན་དུ་ (१) सततम् सु प्र.३६.७
(२) सततसमितम् सु.प्र.४६.१७, ५३.२, ५६.२५

རྟག་པར་རྒྱུན་མི་འཆད་པར་སེམས་མཉམ་པར་བཞག་པའི་ सततसमितसमाहितचित्त म.व्यु.
१४६०

རྟག་པར་འདུ་ཤེས་པ་ नित्यसंज्ञा का.प.

རྟག་པར་གནས་ स पुरःस्थित (?) बो.च.५.३१घ

རྟག་པར་ཡང་ शाश्वतत्व का.प.७१प.

རྟག་མ་ सती श दा.

རྟག་མི་རྟག་གི་རྣམ་པར་ངེས་པ་སྤངས་པ་ नित्या-
नित्यविनिर्मुक्त न्या.प्र.३०

རྟག་མི་རྟག་གི་ཕྱོགས་ नित्यानित्यपक्ष न्या.प्र.२६,
३०

རྟག་མིན་ अशाश्वत बो.च.६.६५ख

རྟག་མེད་པ་ अशाश्वत मू.का.

རྟག་སྦྱོར་ सदाभाव म.व्यु.३९५८, श.दा.(°मोद)

རྟག་ཞི་བ་ **सदाशिव** श.दा.

རྟག་ཡས་ **सबम** <संख्या-नाम> म.व्यु.७७४८

རྟག་རེ་འཁོར་ **नैत्यक** म.व्यु.५७६२, ग.दा. (°རེས་°)

རྟག་ལ་མི་ **अशाश्वत** म.व्यु.४६५५

རྟགས་ (१) **अंक** बु.च.५४

(२) **चिह्न** श.दा., स्त्र.स्तो.८९

(३, ४) **निमित्त, प्रकृति** श.दा.

(५) **लिंग** अ.अ.१.१४, ४.२९, ३९, ४५, ५१, ६३, ५.१, का.प.१२१, १२२, न्या.प्र.५५, ५६, न्या.बि.६.२०, ७.३, १४.२ ., प्र.पा. ७९, ८७, म.व्य.७२४७, श.दा.(=མཚན་མ་)

དབྱིབས་རྟགས་ **संस्थानलिंग** का.प.१२६प.

(६) **हेतु** न्या.प्र.९, ३८, ३९, न्या.बि.५५.२

མཚོན་རྟགས་ **चिह्न** उद्रा.२८.१४

རྟགས་ཀྱི་སྐྱོན་ **हेतुदोष** न्या.प्र.६२

རྟགས་ཀྱིས་བསྐྱེད་པ་ **लिंगजत्व** न्या.बि.१६.९

རྟགས་ཅན་ **कलंकित, चिह्नित** श.दा.

རྟགས་བཅུ་ **दशनिमित्त** श.दा.

རྟགས་ལྟར་སྣང་ **हेत्वाभास** न्या.प्र.६०

རྟགས་གྲོགས་པ་ **चिह्नधर** म.व्यु.३७२७

རྟགས་(दे .བརྟགས་)ནས་ **निरूप्य** बो.च.७.४७क

རྟགས་པ་ **निरूपण** ग.दा.५३९ख

རྟགས་མི་འགྱུར་

རྗེས་སུ་བསྟན་པའི་ཆོས་ཉིད་~ **न बोद्धतो गच्छति आनुशासनि** का.प.९प.

རྟགས་མེད་ **अलिंगक** ग.दा.

རྟགས་ཆེ་ང་བ་ **अलिंगज** न्या.बि.७.१२

རྟགས་སུ་གྱུར་པ་ **लिंगभूत** न्या.बि (भा.)२०७

རྟའི་རྒྱབ་ **अश्वपृष्ठ** उद्रा.२६.२

རྟའི་རྒྱལ་པོ་སྤྲིན་གྱི་ཤུགས་ཅན་ **बलाहकाश्वराजा** म.व्यु.४७७४

རྟའི་ཉིར་ལམ་ **आश्वीन** ग.दा.

རྟའི་འདུལ་སྐྱོང་ལ་མཁས་པ་ **कुशलो अश्वदमको सुतः** का.प.१०८

རྟའི་བུ་ **अश्वायन** ग.दा.

རྟའི་ཁྲེས་ **अश्वशाला** म.व्यु.५६१०

རྟའི་ཚེའི་རིག་བྱེད་ཤ་ལི་ཧོ་ཏྲ་དུས་བསྡུས་པ་ **शालि-होत्रीयायुर्वेदसंहिता** क.तं.४३४५

རྟའི་ཚོགས་ **अश्वकाय** म.व्यु.३६३९

རྟའི་ར་བ་ **मन्दुरा** ग.दा.

རྟུ་ **पूर्वफाल्गुनी** ग.दा.

རྟས་ བརྟ་བ་ इत्यस्य भू.

(१) **वृत्त** बो.च.६.७घ (दे བརྟས་)

(२) **संभृत** बो.च.४.४५ग (दे. བརྟས་)

द्र. རྟ་, བརྟ་བ་, བརྟས་

རྟས་བྱིན་ **अश्वदत्त** तु.५२४

རྟས་བསང་གི་མཆོད་སྦྱིན་ **अश्वमेधयज्ञ** म.व्यु..

५०६१, श.दा.(དྲུས་གཙང་)

དྲིང་ **पार्ष्णि** अ.अ.८.१४

དྲིང་པ་ **पार्ष्णि** म.व्यु.२६६, ४०१६(°र्ष्णी)

དྲིབ་པ་ भू. བདྲིབས་, भवि. བདྲིབ་, लोट् དྲིབ(ས་)

དྲིབ(ས་) དྲིབ་པ་ इत्यस्य लोट्

དྲུག་པ་ **विष्ठा** श.दा.

དྲུང་བ་ भू. བདྲུངས, भवि. བདྲུང་

དྲུན་པ་ **आतापिन्** म.व्यु.१८०५

དྲུལ་

དཔའ་དྲུལ་ **शौर्य** उद्रा.२१.२२

དྲུལ་པོ་ **मृदु** अ.अ १.२३, ४.३४, म.व्यु.१२५७, श.दा. (དྲུལ་བ་)

དྲལ་པོད་ **वीर** मु.प्र.३३.६

དྲལ་པོད་པ་ (१, २) **पराक्रम, परिणाह** श.दा.

(३) **वीर** उद्रा.७ २५, श.दा.

(४) **शूर** म.व्यु.६८६६

द्र. བདྲུལ་བ་

དྲལ་པོད་དཔག་བྱར་ **वीरसैन्य** स म्बो ७४

དྲུལ་བ་ (१) = དྲལ་པོ་ **मृदु** श.दा.

(२) གཡུལ་ངོར་འདོད་པའམ་ དྲུལ་བ་ (བདྲུལ་བ་) **रणशौण्ड** म.व्यु.६९८९

དྲུལ་བ་བདྲན་བ་ **वृद्धव्रत** सं.नि.९.१८.२.४

དེ་ཕྱུར་ = དེའུ་ **किशोर** श.दा.

དེན་ भू. བདེན་

(१) **अधिकरण** श.दा.

(२) **अधिष्ठान** म.व्यु.९०५४, श.पं.५५

(३) **अनुभव** श.दा.

(४) **अवलम्बक** जुद्शि पृ.९७

(५) **आधार** प्र.पा.३१, प्रस.३४१.१

(६) **आधेयता** अ अ.२.१२

(७) **आवास** उद्रा.४५.१०

(८) **आश्रय** न्या.बि.२१:१८, २२.४, १२, १३, १२९.१७, बो.च., म.व्यु.२०८४, श.दा., श पं.६४

དངོས་དེན་ཅན་ **वस्त्वाश्रय** बो.च.९.२७ग

འདུ་བའི་དེན་ **सावृत्याश्रय** बो.च.९.६७घ

(९) **आस्पद** म.व्यु.५६२२

(१०) **गति** अ.अ.४.२८(= आश्रणीय हृ.भ.), बो च.९ १११घ(ना.བདེན་), म.व्यु.१७४८, ६५१७, सु.प्र.३९.१८

(११) **गुण** श दा.

(१२) **धात्री** म.व्यु.७४०३

(१३) **निश्रय** बो.च., म.व्यु.१८४९, ५६२३

འགྲོ་དང་འོང་བའི་དེན་ཙམ་དུ་ **गत्यागमननिश्रयात्** बो.च.५.७०क

(१४) **परायण** श.दा.

(१५) **प्रतिशरण** द.भृ.३६

(१६) **वस्तु** श.दा.

(१७) **शरण** सु.प्र.२२.१२

(१८) **शरीर** श.दा.

(१९) संभव श.दा.

(२०) सेवन अ.अ.१.५३

(२१) ཞེགས་རྟེན་ संश्रय श पं.१०१

རྟེན་ཁེབས་ पूजावस्त्र श.दा.

རྟེན་གྱུར་པ་ आधार अ.अ.१.५, २.८, १२, १७, ४.२५

རྟེན་བགྱིས་དེ་ चरेयम् सु प्र.

དགེ་བ་བཅུ་པོ་~ चरेयं कुशलान् दश सु.प्र. २७.८प.

རྟེན་ཅན་ (१) अधिष्ठान अ.अ.१.३५, ५.६, १२

(२) आधार अ.अ.१.२७, ४.३७, ४१, ५.४२ (=अधिष्ठान ह.भ.)

རྟེན་ཅིང་གནས་ནས་ संनिश्रित्य प्रतिष्ठाय सं.नि. ५.४

རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་པར་བྱུང་ प्रतीत्यसमुत्पन्न प्रस. ४०३.१

~བ་མ་ལགས་པ་ अप्रतीत्यसमुत्पन्न लं.सू. १०६ख

རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་པར་འབྱུང་བ་ प्रतीत्यसमुत्पाद उद्रा. ५.२३, ८.६. ., सं.नि.४.२, ७.१

~བསྒྲང་བའི་སྒོ་ནས་སེམས་གནས་པར་བྱ་བའི་ཐབས་ [प्रतीत्यसमुत्पादगणनानुसारेण चित्तस्थापनोपायः] कं.तं.४३७०

~འི་སྙིང་པོའི་ཆོ་ག་ཞིབ་མོ་ प्रतीत्यसमुत्पादहृदयकल्प कं.तं.३१३८

~འི་འདུ་བྱེད་ प्रतीत्यसमुत्पन्नाः संस्काराः सं.नि.७.११

རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འབྱུང་ प्रतीत्यसमुत्पाद मू.क.

རྟེར་ཅིང་འབྲེལ་བར་འབྱུང་སྙིང་པོའི་ཚོ་གའི་གཟུངས་ प्रतीत्यसमुत्पादपरिहृदयधारणी श.दा.

རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འབྱུང་བ་ (१) सं. प्रतीत्य लं.सू.१०६ख

(२) प्रतीत्यसमुत्पाद कं.तं.२१२, ५२०, ६८० (आर्य प्रतीत्यसमुत्पाद-नाम-महायान-सूत्र), का.प.६४, द.भ.६ब. ६त, ११ब, च, लं.सू.८७ख, सु.प्र.१४८.२. १४६.२१, १५३.१०

~དང་པོ་དང་རྣམ་པར་དབྱེ་བ་བསྟན་པ་ प्रतीत्यसमुत्पादादिविभंगनिर्देश (नाम सूत्र) कं.तं.२११

~དང་པོ་དང་རྣམ་པར་དབྱེ་བ་བསྟན་པའི་རྒྱ་ཆེར་བཤད་པ་ प्रतीत्यसमुत्पादादिविभंग-निर्देशटीका कं.तं ३९९६

~དང་པོའི་རྣམ་. .ར་དབྱེ་བ་བཤད་པ་ प्रतीत्यसमुत्पादादिविभंगभाष्य कं.तं.३९९५

~ཟབ་པ་ गम्भीर-इदम्-प्रत्यय द.भू.२न

~ཤེས་པ་ प्रतीत्यप्रत्ययतया द.भू.३न

~འི་སྙིང་པོ་ (आर्य) प्रतीत्यसमुत्पादहृदय

कं.तं.५२१, ६८१

~འི་སྙིང་པོའི་ཆོ་གའི་གཟུངས་ (आर्य) **प्रतीत्यसमुत्पादहृदयविधिधारणी** कं.तं.५१६, ६७६

~འི་སྙིང་པོའི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ **प्रतीत्यसमुत्पादहृदयव्याख्यान** कं.तं.३८३७, ४५५४

~འི་སྙིང་པོའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ **प्रतीत्यसमुत्पादहृदयकारिका** कं.तं.३८३६, ४५५३

~འི་ཡན་ལག་བཅུ་གཉིས་ཀྱི་མིང་ལ་ **द्वादशांगप्रतीत्यसमुत्पादः** म.व्यु.२२४१

~འི་སྲུང་བ་ **प्रतीत्यसमुत्पादरक्षा** कं.तं. २१६५

རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་འབྱུང་ (१) **प्रतीत्यसमुत्पन्न** लं.सू. १३१क

(२) **प्रतीत्योत्पाद** अ.अ.५.२३

རྟེན་ (ना. བརྟེན་)བཅས་ནས་ **आश्रित्य** बो.च. ६ ४८क(दे.)

རྟེན་མཆོག་ .. གྱུར་ཅིག་ **भवेयं शरणोत्तमः** मु.प्र. २२.१२

རྟེན་དུ་བྱས་པ་ **वस्तुकृत** म.व्यु.२४१६

རྟེན་ཐམས་ཅད་མེད་པ་ **सर्वनिश्रयापगत** का.प.

རྟེན་དུ་བྱས་པ་=དངོས་པོར་བྱས་པ་ **वस्तुकृत** श.दा.

རྟེན་དུ་ཡོད་པའི་ (རྟེན་དུ་གྱུར་པ་) གཟུགས་སུ་ཡོད་པའི་ཕྱིར་ **आश्रयभूतरूपत्वात्** (°रूप-**व्यम्**) म.व्यु.२०८४

རྟེན་ནས་ **निश्रित्य** सं.नि.५.४

རྟེན་པ་ भू., भवि. བརྟེན་, लोट् རྟོན་

(१) **अधिष्ठातृ** श.पं.५५

(२) **अपाश्रयण** म.व्यु.४३०

(३) **आधेय** म.व्यु.४५८२

(४) **आश्रित** श.पं.५७

(५) **निश्रय** का प., म.व्यु.१८४६

(६) **प्रतिशरण** म.सू.

(७) **स्थित** म.व्यु.५३८

(८) **प्रतिष्ठित** मु.प्र.

ས་ལ་~ **पृथिव्यां प्रतिष्ठितः** सु.प्र.६५.२६

द्र. སྟེན་པ་

རྟེན་པ་མེད་ (१) **अनालम्ब्य** लं.सू.१६८ख

(२) **न निश्रयः** का.प.१३६प.

རྟེན་པ་(བརྟེན་པ་)མེད་པ་

གནས་ལ་~ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ **अनिकेतस्थितो नाम समाधिः** म.व्यु.५३८

རྟེན་པ་བཞི་དང་ལྡན་པ་ **चतुरपाश्रयण** म.व्यु.४३०

རྟེན་པར་འབྲེལ་བར་འགྱུར་བ་ **प्रतीत्यसमुत्पाद** ग.दा.

རྟེན་འཕྱེ་ **पीठसर्पः** म.व्यु.८७६१

རྟེན་བྲལ་བ་ **निराश्रय** बो.च.६.३३ग

རྟེན་འབྲེལ་=རྟེན་པར་འབྲེལ་བར་འགྱུར་བ་ (१) **प्रतीत्यसमुत्पाद** प्र.पा.८५

(२) संयोग श.दा.

རྟེན་འབྲེལ་གྱི་འཁོར་ལོ་ प्रतीत्यसमुत्पादचक्र श.दा.

རྟེན་འབྲེལ་གྱི་སྐྱུང་བ་ कं.तं.२८८५

རྟེན་འབྲེལ་ཡན་ལག་བཅུ་གཉིས་ द्वादशांगप्रतीत्य-समुत्पाद प्र.पा.८५, श.दा.

རྟེན་མ་ धात्री मु.प्र.

འབྱུང་པོ་འི་~ भूतधात्री सु प्र.१६२.१०

རྟེན་མ་ཡིན་པ་ (१) अप्रतिष्ठ(?) का.प.५६, ५७

(२) अप्रतिघ का.प.६८

རྟེན་མེད་ (१) अत्राण्य मु.प्र.३९.१५

(२) निराश्रयत्व बो.च.९.११०ग

(३) निस्त्राण सु.प्र.२२.९

རྟེན་མེད་པ་ (१) अपरायण द.भू.२अ, ५ग

(२) अप्रतिशरण द.भू.३ए, ५ग

(३) न निश्चयः का.प.१३५

རྟེན་མེད་པ་ཡང་མ་ཡིན་པ་ नानिश्चयः का.प.१३५

རྟེན་གཞི་ आधार श.दा.

རྟེན་རབ་ཏུ་རྟེན་པ་ प्रतिशरण द.भू.३ग

རྟེའུ་ किशोर म.व्यु.४८१९, श.दा.(=རྟེ་ཕྲུར་)

རྟོག་ (१) अवेक्षते का.प.१२६प.

(२) कल्प का.प.१३६प.

རྣམ་རྟོག་ विकल्प वो.च.९.१०७क

རྣམ་རྟོག་མེད་པ་ निर्विकल्प बो.च.८.१४०ग

རྣམ་པར་རྟོག་ विकल्प का.प.८७प., १३६प.

ཡོངས་སུ་རྟོག་ परिकल्प सु.प्र.४३.१७

(३) कल्पना बो.च.९.१०८क

རྣམ་རྟོག་ विकल्पना बो.च.९.१४०ख

རྣམ་པར་རྟོག་ परिकल्पना बो च ८.९८ख

(४) कल्पयत् का.प.

མ་རྟོག་རྣམ་པར་མ་རྟོག་ཞིག་ मा कल्प-यतः मा विकल्पयतः का.प.१४३

(५) རྣམ་པར་མི་རྟོག་ན་ न विकल्पयति का.प.१२५

(६) =དོག་ केतु श.दा.

(७) རྣམ་རྟོག་ वितर्क बो.च.८.८९ग

(८) तर्कयामि ना.आ.७.३

(९) मीमांसते द.भू.३क

(१०) མི་རྟོག་ निर्विकल्प का.प.८७.प.

(११) स्फोटक म.व्यु.८५८६

(१२) ངེས་རྟོག་ निरूपण बो.च.९.८घ

ཞིང་རྟོག་ फल अ.हृ.१.६.१७२

རྟོག་ཁང་ कुतूहलशाला म.व्यु.५५५९, श.दा.

རྟོག་གེ་ (१) तर्क न्या.इ.५४टि.२, २५८, म.व्यु. ४४०४, ४४१७, ४५३३, लं.सू.७०क, श.दा., सं.नि.२.२

(२) तार्किक लं.सू.१७६ख

རྟོག་གེ་ཐམས་ཅད་ལས་ཡང་དག་པར་འདས་པའི་མཚན་ཉིད་ सर्वतर्कसमतिक्रान्तलक्षण सं.नि.

२.१

རྟོག་གེ་ཐོ་བའི་ཊཱི་ཀཱ་ तर्कमुद्गरकारिका नी.पु. १.३२४ (कं.तं.३८६९)

རྟོག་གེ་ཐོ་བའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ तर्कमुद्गरकारिका कं.तं.३८६९

རྟོག་གེ་པ་ (१) तार्किक श.दा., सं.नि.२.३
(२) प्रणेतृ लं.सू.२०५ख

རྟོག་གེ་བ་ तार्किक म.व्यु.४४१८

རྟོག་གེ་མེད་པའི་ཚིག་ अतर्कपद लं.सू.६८क

རྟོག་གེ་རིག་ तर्कविद्या न्या.इ.७टि.१०

རྟོག་གེའི་སྐད་ तर्कभाषा कं.तं.४२६४, न्या.इ. ३४६

རྟོག་གེའི་ལྟ་བ་ तर्कदृष्टि लं.सू.२०६ख

རྟོག་གེའི་སྤྱོད་པ་མ་ཡིན་པ་ (སྤྱོད་ཡུལ་མ་ཡིན་པ་) अतर्कावचर म.व्यु.२९२०

རྟོག་གེའི་སྤྱོད་ཡུལ་ तर्कगोचर सं.नि.२.२

རྟོག་གེའི་སྤྱོད་ཡུལ་མ་ཡིན་པ་ अतर्कावचर श.दा., स.नि.७.१९

རྟོག་གེའི་ཚིག་ तर्कपद लं.सू.७५क

རྟོག་གེས་ནོར་བ་ तर्कविभ्रम लं.सू.१७६ख

རྟོག་ཅིང་ निरीक्षमाण उद्रा.
ཕྱི་བཞིན་~ निवर्त्यं निरीक्षमाणः उद्रा.१७ १६

རྟོག་བཅས་ सविचार श.दा.८२४ख

རྟོག་སྒེ་

སོ་སོར་~ प्रत्यवेक्षते का.प.१०७

རྟོག་དང་རྣམ་རྟོག་ཡོངས་རྟོག་ཡོངས་སུ་སྤངས་ कल्पकल्पपरिकल्पवर्जित द.भू.१०आ.

རྟོག་པ་ भू. བརྟག(ས་), लोट् རྟོག(ས་)
(१) अवकल्पना द.भू.१अअ
(२) अवबोध सं.नि.८.४
(३) སོ་སོར་~ प्रत्यवेक्षणता का.प.११६
(४) ཡང་དག་པར་སོ་སོར་~ भूतप्रत्यवेक्षा का.प.५२
(५) उत्प्रेक्षण न्या.बि.३७.६
(६) उत्प्रेक्षा न्या बि.३७.८
(७) कल्प अ.अ.१.३४ (=विकल्प ह.म.), का.प.९४, नी.पु.२ ८४५, ल.सू.८०ख, स.रा. २२ ५२ (=कल्पना)
ཀུན་ཏུ་~ संकल्प सु.प्र.१७.१०
རྣམ་པར་~མེད་ अविकल्प का.प.८७
རྣམ་པར་མི་~ निर्विकल्प का.प.८७
(८) कल्पना अ.अ.१.६३, २.८, च.श.१५, न्या.बि.१४.११, १५.३, ५, ११. १२, १३, १४ १६ १, ३, ६.., प्र.पा.२३, बो.च. ६.८५घ, ९१ग, म.व्यु.४४६७, श.दा.
རྣམ་པར་~ सं. कल्पना वो.च.६.१४०ग
ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱིས་རློམ་སེམས་སུ་མི་བྱེད་པ་དང་། ཚུལ་ཁྲིམས་ལ་མི་~ཡིན་ཏེ་ सं. न शीलमन्यना। न शीलकल्पना। न विकल्पना।

न संकल्पना । न परिकल्पना का.प.१३५

ལོག་པར་~ मिथ्याकल्पना बो.च.७.२७ग

(९) कल्पित न्या.बि.२२.१७, लं.सू.११८ख

(१०) རྣམ་པར་~ विचारणा श.पं.१०

(११) तर्क श.दा.

རྣམ་པར་~ (क) वितर्क बो.च.८.२घ

(ख) परिवितर्क सु.प्र.१४९.१५

(१२) तर्कयामि ना.आ.१२.५

(१३) नितीरण द.भू.७द

(१४) परीक्षक उद्रा.४२.१९, का.प.११६प.

ཡོངས་སུ་མི་~ अपरीक्षक उद्रा.३७.१

རིན་པོ་ཆེ་~ रत्नपरीक्षक उद्रा.४.११

(१५) प्रत्यवेक्ष् द.भू.१बब

(१६) प्रबोध बो.क.२०

(१७) प्रेक्षते म.व्यु.७४७०, श.दा.

(१८) लेप म.व्यु.६६७१

(१९) वितर्क म.व्यु.१४७८-७९, १९८३

ངན་~ असद्वितर्क श.पं.१५३

(२०) व्यवसाय म.व्यु.४५४६

(२१) व्युत्पन्न म.व्यु.७४९५

(२२) संकल्प अ.को.३६.१३५, द.भू.४च.

ल.वि.१६.२.३२

(२३) सं. ०० न्या.बि.१५.१३, १४

द्र. རྟོགས་པ་

རྟོག་པ་ཅན་ विकल्पगोचर लं.सू.८०ख

རྟོག་པ་ཐམས་ཅད་དང་མཉམ་པར་སྦྱོར་བ་མཁའ་འགྲོ་མ་སྒྱུ་མ་བདེ་བའི་མཆོག་གི་རྒྱུད་ཕྱི་མའི་ཕྱི་མ་རྣམ་པར་བཤད་པ་ सर्वकल्पसमायोग-डाकिनीमायाशंवरोत्तरतन्त्रटीका कं.तं.१६६२

རྟོག་པ་ཐམས་ཅད་འདུས་པ་ཞེས་བྱ་བ་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་དང་མཉམ་པར་སྦྱོར་བ་མཁའ་འགྲོ་སྒྱུ་མ་བདེ་བའི་མཆོག་གི་རྒྱུད་ཕྱི་མའི་ཕྱི་མ་ सर्वकल्पसमुच्चय नाम सर्वबुद्धसमायोग-डाकिनीजालशंबर उत्तरोत्तरतन्त्र कं.तं.३६७

རྟོག་པ་ཐམས་ཅད་བསྡུས་པའི་སྒྲོན་མ་ सर्वकल्प-समुच्चयप्रदीप कं.तं.२२०१

རྟོག་པ་དང་བཅས་པ་ सवितर्क म.व्यु.१०७८

རྟོག་པ་དང་བཅས་ཤིང་དཔྱོད་པ་དང་བཅས་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ सवितर्कसविचारसमाधि मं.नि.८.१७

རྟོག་པ་དང་བཅས་ཤེས་པ་ कल्पनाज्ञान न्या.प्र.५९

རྟོག་པ་དང་རྣམ་པར་རྟོག་པ་དང་ཡོངས་སུ་རྟོག་པ་ཐམས་ཅད་དང་བྲལ་བ་ सर्वकल्पविकल्प-परिकल्पविगत सं.नि.०.४

རྟོག་པ་དང་བྲལ་བ་ (१) कल्पनापोढ न्या.प्र.५४

(२) कल्पनारहित न्या.प्र.५४

(३) कल्पनारोढ .ग.दा.

རྟོག་པ་དང་བྲལ་བའི་མཚན་ཉིད་ कल्पनापोढलक्षण म.व्यु.४४६७

རྟོག་པ་དང་བྲལ་ཞིང་ कल्पनापोढ न्या.बि.(भा.)१४

རྟོག་པ་བདུན་བརྒྱ་པ་ལས་གསུངས་པའི་རྟ་མགྲིན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ **सप्तशतिककल्पोक्तहयग्रीवसाधन** कं.तं.३६२२

རྟོག་པ་ནས་གསུངས་པའི་འོད་ཟེར་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ **कल्पोक्तमारीचीसाधन** कं.तं.३३४१

རྟོག་པ་མ་མཆིས་པ་དང་དཔྱོད་པ་མ་མཆིས་ **अवितर्काविचार** सं.नि.८.१७

རྟོག་པས་མཆིས་ཤིང་དཔྱོད་པ་ཙམ་ **अवितर्क-विचारमात्रा** सं.नि.८.१७

རྟོག་པ་མེད་ **अकल्पित** स.रा.२२.५२

རྟོག་པ་མེད་པ་ (१) **अकल्प** द.भू.७च

(२) **अवितर्क** म.व्यु १४७६

རྟོག་པ་ཙམ་ **कल्पमात्र** लं सू ११४ख

རྟོག་པ་ལ་མངོན་པར་ཆགས་པའི་མཚམས་སྦྱོར་བ་ **विकल्पाभिनिवेशसन्धि** लं.सू.१३१ख

རྟོག་པ་ལས་ བརྒྱུད་པའི་འོད་ཟེར་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ **कल्पाम्नायमारीचीसाधन** क.तं.३३९५

རྟོག་པ་ལས་གསུངས་པའི་ཀུ་རུ་ཀུལ་ལེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **कल्पोक्तकुरुकुल्लेसाधन** कं.तं.३५७८

རྟོག་པ་ལས་གསུངས་པའི་ཆོ་གས་འོད་ཟེར་ཅན་དཀར་མོ་འི་སྒྲུབ་ཐབས་ **कल्पोक्तविधिनासितमारीचीसाधन** कं.तं ३३४२, ३५२५

རྟོག་པ་ལས་གསུངས་པའི་འོད་ཟེར་ཅན་དཀར་མོ་ཕྱག་བཅུ་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **कल्पोक्तदशभुजसितमारीचीसाधन** कं.तं.३५२२

རྟོག་པ་ལས་གསུངས་པའི་འོད་ཟེར་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ **कल्पोक्तमारीचीसाधन** कं.तं.३२२८, ३५२४, ३५३२

རྟོག་པ་ལས་གསུངས་པའི་ལྷ་མོ་རིག་བྱེད་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ **कल्पोक्तकुरुकुल्लासाधन** कं.त. ३३६८

རྟོག་པའི་དགྲ་ **जयन्तवृक्ष** श.दा.

རྟོག་པའི་ འགྲོ་ **तर्कवश** लं.सू.१९२क

རྟོག་པའི་ཚེ་ **अनुगच्छत्** द.भू.६ब

རྟོག་པར་བགྱིད་ **उत्प्रेक्षते** सं नि.८.७

རྟོག་པར་འགྱུར་བ་

རྣམ་པར་~ **व्युपरीक्षेत** सु.प्र.८७.९

རྟོག་པར་བྱེད་ **उत्प्रेक्षामहे** न्या.बि.३७.७

རྟོག་པར་བྱེད་པ་ **आकल्प** श.दा.

རྟོག་པར་བྱེད་པ་ཉིད་ **उत्प्रेक्षितत्व** न्या.बि ३७.४

རྟོག་དཔྱོད་ =བསམ་ནོ་=མནོ་བསམ་ **विचार** श दा

རྟོག་དཔྱོད་མེད་པ་ **निर्विचार** श.दा.

རྟོག་བྱེད་ **कल्प्यन्ते** बो.च.१०.५ख

རྟོག་བྱེད་པ་ **वीक्षते** का.प.११६

རྟོག་མི་ནུས་པ་ **अतर्क्य** म.व्यु.२९१९

རྟོག་མེད་ (१) **अविचार** श.दा.८२४ख

(२) **निर्विकल्प** श.दा.

(३) निर्व्यापार लं.सू.१७८(རྟོག་...མེད་)

རྟོག་ཡས་ सवम <संख्या-नाम> म.व्यु.७७४८

རྟོག་ཡུལ་

མི་རྟོག་~མ་ཡིན་ अकल्पकल्पापगत द.भू.१कु

རྟོགས་ རྟོག་པ་ इत्यस्य भू.

(१) अवगच्छामि ना.आ.१३.२५

(२) མ་རྟོགས་ नावगाहमाना: का.प.१३८

(३) མ་རྟོགས་ नावगाहामहे का.प.१४१

(४) अवस्यति न्या.बि.५४.६

(५) རབ་ཏུ་རྟོགས་ प्रतीक्षताम् बो.च.८.१९घ

(६) गम्यते बो.च.९.११४घ

(७) མ་རྟོགས་(དེ་ གཏོགས་) अगम्यमान बो.च.९ ५०क(ना.)

(८) ज्ञात बो.च.९.११५घ

(९) प्रतीति ना.आ.१९.१

(१०) प्रतीयते (?) सं.नि.८.१६

(११) प्रत्यय ना.आ.५.१

(१२) बिन्दति (=जानाति ह.भ.) अ.अ.७.४

(१३) वेत्सि बो.च.

མི་རྟོགས་ न वेत्सि बो.च.८.५६ख

(१४) संबोध लं.सू.१८३ख

(१५) सूच्यते बो च.९.११४ग

རྟོགས་དཀའི་སྣང་བ་ दुर्बोधालोका प्र.पा.३, ११,६६

རྟོགས་དཀར་ दुर्बोध अ.अ.४.३४

རྟོགས་མཁྱེན་པ་ प्रतिभ द.भू.१ओ

རྟོགས་འགྱུར་ गम्यते बो.च.९.११५ख

རྟོགས་འགྲོ་ गति म.व्यु.<संख्या-नाम>७८००, ७९३०, ८०७६, श.दा

རྟོགས་འགྲོ་ཆེན་པོ་ महागति <संख्या-नाम> म.व्यु ८०२७, श.दा.

རྟོགས་ཆེན་ महाबुध <राज-नाम> नी.पु.१.१५

རྟོགས་བརྗོད་ अवदान बो.क., श.दा (རྟོགས་པ་བརྗོད་པ་)

རྟོགས་བརྗོད་བརྒྱ་པ་ अवदानशतक श.दा.

རྟོགས་བརྗོད་རིན་པོ་ཆེ་དཔག་བསམ་འཁྲི་ཤིང་ अवदानकल्पलता श.दा.

རྟོགས་ལྡན་ (१,२) बुध, महामति श.दाः

(३) योगिन् नी.पु १.१४६

རྟོགས་ལྡན་གྱི་དེར་མ་ द्र.ཡང་དགའ་རབ་ श.दा.

རྟོགས་སྡེ་ बुधसेन <राज-नाम> नी.पु.१.१२

རྟོགས་ནས་ (१) अवगाह्य म.व्यु.६५७३

(२) ज्ञात्वा न्या.बि.३९.५

(३) विमृष्यामि (पा.विमृष्यापि) बो.च.४.२४क

རྟོགས་པ་ (१) अधिगत न्या.बि.६.८(ख), १२, मु.प्र.१४३.१९.

(२) अधिगति न्या.बि.६.८(क)

(३) अधिगन्तुम् मु.प्र.१०.२८

(४) अधिगम अ.अ.१.४ (=मार्ग ह.भ.), ३७, ४२, ५.६, १०, ३७, न्या.बि.८.३, ३६. १६, प्रस.३५१.१५

(५) **अध्यवसित** न्या.बि.११५.५

(६) **अवगति** न्या.बि.८३.८

(७) **अवचार** म.व्यु.७६१५

(८) **अवबुद्धत्व** बो.च.९.५१ग

(९) **अवबोध** अ.अ.४.४४, म.व्यु.२८८९, श.दा., सं.नि.७.१८

(१०) **अवबोधना** अ.अ.८.३५

ཀློ་བར་གྱུར་པ་ཐམས་ཅད་~ **सर्वबुद्धिकृता-नामवबोधना** का.प.१८

(११) **अवसित** न्या.बि.११५.१३

(१२) **अवस्यति** न्या.बि.५४.५

(१३) **उपलक्षण** लं.सू.९५ख, श.दा.

(१४) **गति** न्या.बि. (°པ་)९९.१९, ९७.१, ११३.१६ , म.व्यु.३५६, ८६६, २८८१, ६५१७, श.दा.

(१५) **गम्यते** बो.च.९.११५ग

(१६) **गाहते** का.प.६

མི་~ **न गाहते** का.प.६प.

(१७) **ज्ञान** उ.व.६, श.दा.

(१८) **निपुण** म.व्य.२९०६, २९१८

(१९) **नैर्वेधिक** म.व्यु.५९६

(२०) **प्रतिपत्ति** न्या.बि.(°པ་)५०.९. ५७.१५, ७१.१५

(२१) **प्रतिपत्सीरन्** अ.अ.१.२

(२२) **प्रतिपादन** न्या.बि.४२.७

(२३) **प्रतिबोध** (=अभिसंबोध ह.भ.) अ.अ. ४.९

(२४) **प्रतीत** न्या.बि.३५.५...

(२५) **प्रतीति** न्या.प्र.५८ न्या.बि.३३.११, १२, १३, ३४.५, १९, ३५.२, ४, ७...

(२६) **प्रतीयते** न्या.बि.१०३.८

(२७) **प्रतीयमान** न्या.बि.१०३.७

(२८) **प्रत्यायन** न्या.प्र.१०, न्या.बि.१३७ ९

(२९) **प्रमिति** न्या.बि.३४.७

(३०) **प्रेक्षा** न्या.वि.टी.५, ४

(३१) **बुध** नी.पु.१.१५<राज-नाम>, म.व्यु. २९००

(३२) **बोध** न्या.बि.३६.४, ८, ९, ११, १२, १४, १७, ४०.१७

(३३) **बोधि** श.दा.

(३४) **मत** म.व्यु.२८८२

(३५) **मनोजल्प** म.व्यु.२११६

(३६) **विचक्षण** म.व्यु.२८९४

(३७) **विचित** द.भू.८र

(३८) **विनिश्चय** द.भू.३ह

(३९) **वेत्ति** न्या.बि.२१०.१०

(४०) **व्युत्पन्न** म.व्यु.७४९५

(४१) **संकल्प** म.व्यु.९९८, श.दा.

(४२) **समय** (=अभिसमय ह.भ.) अ.अ. ५.४१, श.दा.

མངོན་པར་~ **अभिसमय** श.दा.

(४३) **संप्रत्यय** न्या.बि.१३५.१३

རྟོགས་པ་མོང་དུ་ཆུད་པའི་ **प्रतीतिरवगमः** न्या.बि. ३३.१२

རྟོགས་པ་འཁྲུངས་པ་ **अवबोधजन्म** श.दा.

རྟོགས་པ་ཆེན་པོ་ཉིད་ **अधिगममहत्त्व** प्र.पा.८९

རྟོགས་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྒྱས་པའི་མདོ་སྡེའི་
སྡིག་པ་བཤགས་པ་དང་། སྒྲུབ་པའི་ཚིག་
कं.तं.४५२४

རྟོགས་པ་བརྗོད་པ་ **अवदान** बो.क., श.दा.
(=རྟོགས་བརྗོད་)

རྟོགས་པ་བརྗོད་པ་སུམ་ཅུ་པ་ **त्रिंशत्यवदान** कं.तं.
२१३०

རྟོགས་པ་བརྗོད་པའི་སྡེ་ **अवदान** सं नि.८.३

རྟོགས་པ་དང་འགལ་བ་ **प्रतीतिविरुद्ध** हे न.१६

རྟོགས་པ་དང་ལྡན་པ་ **प्रेक्षावत्** न्या.बि.२.१०,
३.१६, ४.५, १०, १५ ..

རྟོགས་པ་རྣམ་པར་བྱུང་བ་ **व्यवदातसमय** म.सू.

རྟོགས་པ་པོ་ **प्रतिपत्तृ** न्या.बि.५.३, ४९.८,
७७.१२...

རྟོགས་པ་མཛད་པ་ **विबोधन** भद्र.१७२

རྟོགས་པ་ཡིན་ (१) **प्रतीयते** न्या.बि.४७.१७
(२) **प्रतीयेते** न्या.बि.४७.१८

རྟོགས་པའི་སྟོབས་བསྐྱེད་པ་ **विचारबलाधान**
श.दा.५५६ल

རྟོགས་པའི་དུས་ **प्रत्यायन** (=प्रत्यायनकाल)
न्या.प्र.६३

རྟོག(ས་)པའི་བདག་ཉིད་ **व्यवसायात्मक** म.व्यु.
४५४६

རྟོགས་པའི་བུ་ **राघवो नागराजा** म.व्यु.३२६९

རྟོགས་པའི་ཡིད་ལྡན་
ས་དྲུག་~ **षड्भूमिनिश्चितमति** द.भू.७अ.

རྟོགས་པར་ (१) **ज्ञातुम्** न्या.बि.१९६.५
(२) **प्रतिपादयितुम्** न्या बि.२१८ १३
(३) **प्रत्येतुम्** न्या.बि.२०४.२

རྟོགས་པར་དཀའ་བ་ (१) **दुरनुबोध** सु.प्र.१३ १७
(२) **दुर्बोधिता** अ.अ.३.६
(३) **दुर्विगाह्य** म.व्यु २९२७, सं.नि.३.१,
४.६, ७.१९, २५

རྟོགས་པར་ཁོང་དུ་ཆུད་ **विनिबद्ध** लं.सू.९७ख

རྟོགས་པར་ཁོང་དུ་ཆུད་པ་ **गति गतः** म.व्यु.८६६,
२८८८, सु.प्र.१३७.२५

རྟོགས་པར་གྱུར་པ་ (१) **अधिगत** उद्रा.१०.१२
(२) **अधिगम** न्या.बि.६.१०

རྟོགས་པར་གྱུར་པ་མཚུངས་པ་ལྡོག་པ་ཅན་ **प्रतीय-
मानसादृश्यव्यतिरेक** का.आ.२.१८६

རྟོགས་པར་འགྱུར་བ་ **गम्येत** न्या.बि.४५.८

རྟོགས་པར་འགྱུར་མ་ཡིན་ **नावसीयते** (°मीयंते,
°शीयंते) बो.च ". १०५घ

རྟོགས་པར་བརྗོད་པའི་སྡེ་ **अवदान** म.व्यु.१२७३

རྟོགས་པར་བྱ་
(१) རྗེས་སུ་~ **अनुगन्तव्य** म.व्यु.७४६३
(२) सं. ०० न्या.बि.५०.९

རྟོགས་པར་བྱ་བ་ (१) गमयितव्य न्या.बि. १०५.१४

(२) गम्य न्या.बि.९७.३, १३२.६

(३) गम्यमान न्या.बि.९७ ६, ७

(४) निवेदन न्या.बि.१३७.११

(५) प्रतिपत्तव्य न्या.बि.(°प) २९.२०, ७१.२, १२० १६

(६) प्रतिपत्ति न्या.बि. (°प) १९८.१८, २०४.८

(७) प्रतिपादन न्या.बि.१३७ १२

(८) प्रतीति न्या.बि १३४.८

(९) बोद्धव्य न्या बि.२९.२

རྟོགས་པར་བྱ་བ་ཉིད་ प्रतीतत्व न्या.बि.१३४.७

རྟོགས་པར་བྱེད་ ईक्षते (=निरूपयति हृ भ.) अ.अ.५ २३

རྟོགས་པར་བྱེད་པ་ (१) गति न्या.बि.

~འི་ཕྱིར་ गत्यर्थं न्या.बि.११९.११

(२) गमक न्या.बि.७०.१४, ७२ ९, १०५.४

(३) प्रतिपत्तृ न्या.बि ४९.१०, ५२.५,७८ ९-

(४) प्रतिपद्यते न्या.बि ८० १८, ८५.४

(५) प्रतिपादकत्व न्या.बि.१०६.११

(६) प्रतिपादन न्या.बि.१०६ १

(७) प्रतीति न्या बि.२०५.१५

(८) འཕགས་པའི་བདེན་པ་བཞི་ཡང་དག་པར་སོ་སོར་ ~འི་ཆོས་བསྟན་པ་ चतुरार्य-सत्यसंप्रतिवेधिकी धर्मदेशना उद्रा.१४.२७, ४३.११

རྟོགས་པར་བྱེད་པའི་ཚུལ་གྱིས་ गमकत्वेन न्या.बि. १४५.१५

རྟོགས་པར་མ་གྱུར་པས་ न प्रत्यवेक्षितम् बो.च. २.३८ख

རྟོགས་པར་མི་འགྱུར་ नावैमी बो.च.८.५६घ

རྟོགས་པར་མཛད་པ་ विबोधन भद्र.१७२

རྟོགས་པས་སྤྱོད་པའི་གཞི་ཐམས་ཅད་ཁོངས་སུ་ཆུད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ नैर्वेधिक-सर्वभवतलोपगतो नाम समाधिः म.व्यु.५९६

རྟོགས་ཕྱིར་ संविदे न्या.प्र.१

རྟོགས་མ་མཆིས་ अगम्य श.पं.३४

རྟོགས་མཚན་གྲོགས་པ་ विद्धधर म.व्यु.३७२३

རྟོགས་མཛད་ (१) बोधन भद्र.६४४

(२) विबोधन भद्र १७२

རྟོགས་བཞིན་པ་ प्रतिपद्यमान प्रस.३९८.४

རྟོགས་ཟིན་ अवगत न्या बि.११९.१२

རྟོགས་ཡས་ (१) सवम <संख्या-नाम> म.व्यु. ७७४८

(२) समता <संख्या-नाम> म.व्यु.७८७७, ग.दा.

རྟོགས་ཤིག་ निरूपय ना.आ.७.१४

རྟོགས་སྨྲ་ सुबोध अ.अ.४.३४

རྟེན་ རྟེན་པ་ इत्यस्य लोट्

(१) ཡོངས་སུ་རྟེན་ परिग्रह का.प.१४

(२) དོན་ལ་རྟེན་ अर्थप्रतिसरण का.प.१०

རྟེན་པ་ (१) =བརྟེན་པ་=བརྟན་པ་ अनुसरण श.दा.

(२) उपस्तम्भ का.प., द.भू.६ह, म.व्यु. १८५१

དགེ་བའི་རྩ་བ་ཐམས་ཅད་~འི་ཕྱིར་ सर्व-कुशलमूलोपस्तम्भाय का.प.१४

ཐོས་པའི་ཤེས་རབ་~འི་ཕྱིར་ श्रुतप्रज्ञोप-स्तम्भाय का.प.१४

བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ལམ་~འི་ཕྱིར་ बोधिमार्गोप-स्तम्भाय का.प.१४

རྫོགས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ལམ་ནི་~འི་ཕྱིར་ संबुद्धमार्गस्युपस्तम्भनाय का.प.१४प.

སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་~འི་ཕྱིར་ सर्वबुद्धधर्मोपस्तम्भाय का.प.१४

(३) प्रतिसरण म.व्यु.१५४५, म.सू., श.दा. (=བརྟེན་པ་, བརྟན་པ་)

ཚིག་འབྲུ་ལ་མི་~ཡིན་ न व्यञ्जनप्रतिसरणः का.प.१०

ལས་ཀྱི་རྣམ་པར་སྨིན་པ་ལ་~ कर्मविपाक-प्रतिसरण का.प.८

(४) प्रतिसरणता का.प.

དོན་དམ་པ་ལ་~ परमार्थप्रतिसरणतया का.प. १५६

ཡེ་ཤེས་ལ་... ज्ञानप्रतिसरणता का.प.२५

(५) प्रतिसरन्ति का.प.६४

རྟེན་པ་བཞིའི་མིང་ལ་ चत्वारि प्रतिसरणानि म.व्यु. १५४५

རྟེན་པར་བྱ་ (१) प्रतिसरणेन भवितव्यम् म.व्यु. १५४६-४९

(२) སྟོང་པ་ཉིད་ལ་~འི་གང་ཟག་ལ་མ་ཡིན་ནོ་ शून्यता...प्रतिसरथ मा पुद्गलम् का.प.६४

རྟེན་པར་མི་བྱ་ न प्रतिसरणेन [भवितव्यम्] म.व्यु.१५४६-४९

རྟོལ་ छिन्दथ मु.प्र.

ཡེ་ཤེས་རལ་གྲིས་ཉོན་མོངས་ཀྱི་སོ་རྟོལ་ ज्ञानासिना छिन्दथ क्लेशजालम् मु.प्र.४५६

द्र. ཕྱི་རྟོལ་

རྟོལ་བ་ भू. བརྟོལ་, ཐོལ་བ་

ལྟ་ (१) ལུས་ལ་མི་ལྟ་ न कायसावेक्षी का.प. १३६ग.

(२) दृश बो.च.७.११क

(३) ईक्षण अ.अ.५.१

(४) उपम बो.च.

སྤུ་གྲིའི་སོར་ཆགས་སྦྲང་རྩི་ལྟ་ क्षुरधारा-मधूपम बो.च.७.६६क

(५) दर्शिन् का.प.

འཇིགས་པར་ལྟ་ भयदर्शिन् का.प.१३४

(६) दृक् अ.अ.१.६३

(७) दृष्ट का.प.

འཇིག་པའི་ཚོགས་ལ་ལྟ་ལས་རྣམ་པར་གྲོལ་བའི་ཡིད་ सत्कायदृष्टे हि विमुक्तमानसः का.प.१३७प.

(८) दृष्टि अ.अ.८.७ (=दर्शन हृ.म.), उ.व.९, बो.च.८.१४४क(दे.)

(९) निरीक्षमाण द.भू.१क, १०च, द

(१०) पश्यति का.प.४प., १०प.

(११) ཕྱོགས་བཞིར་(བ)ལྟ་ पश्येच्चतुर्दिशम् बो.च.५.३७ख

(१२) प्रेक्षन्ते मु.प्र.१८५.६

(१३) प्रेक्षावहे ना.आ.१३ ६

(१४) यादृशी स्र.स्तो.५६

(१५) མི་ལྟ་ན་ न समनुपश्यति का.प.१२५

(१६) सं. ००

ཀྱེ་ཧུད་བདག་གི་བུ་སྡུག་པ་དང་བྲལ་བ་ལྟ་ཉེས་སྨྲས་སོ་ हा कष्टं वियुक्तोऽस्मि प्रियसुतेन मु.प्र.१६२.२४

ཁྱུང་འདི་ནི་སྐྱེ་བོ་སྟོང་གིས་ཀྱང་སྒྲོལ་དེ་ཉིད་དུ་དབབ་པར་མི་ནུས་ན། བདག་གི་ལྟ་དབབ་པར་ག་ལ་ནུས་ न शक्यैषा नदी जनसहस्रेणापि तेनैव पथा वाहयितुम्। किमंग पुनर्मयैकेन शक्या वाहयितुम् सु.प्र.१४५.२६

འགྲོ་བ་བདེ་ཕྱིར་བདག་ལྟ་ཅིས་མི་བཟོད་ जगद्धितार्थं न कथं सहेऽहम् बो.च.४.४०घ

ཇི་ལྟ་བཞིན་དུ་ द्र. ཇི་°

འཇིགས་འཇིགས་ལྟ་ भैरव बो.च.२.४४क

དེ་ལྟ་བས་ན་ द्र. དེ་°

བདག་ལྟ་འཆི་བར་ཅིས་མི་འགྱུར་ न मरिष्यामि किं न्वहम् बो.च.२.३९घ

བདག་ལ་ལྟ་སྨོས་ཀྱང་ཅི་འཚལ་ कः पुनर्वादो मम का.प.१४१

མང་དུ་བཤད་ལྟ་ཅི་ཞིག་དགོས་ बहुना वा किमुक्तेन बो.च.८.१३०क

མིག་གིས་ལྟ་ (दे. བལྟ་) चक्षुर्निपात बो.च.८.४५क

ཚིགས་སུ་བཅད་པ་ལ་ལྟ་ཅི་སྨོས་ कः पुनर्वादो ..श्लोके का.प.१२५

ཡུལ་ལྟ་ विषय श.पं.७

ཡུལ་དེར་. མཆི་བར་ཡང་མི་ནུས་ན། ཡུལ་གཞིག་པར་བགྱིད་པར་ལྟ་ག་ལ་འགྱུར་ यथा न शक्नोति तत्र विषये उपसंक्रमितुम्। कुतः पुनर्विषयविनाशं करिष्यति सु.प्र.५४.२८

द्र. བལྟ་, བལྟར་, ད་ལྟ་, དེ་ལྟ་, དེ་ལྟར་, དེ་ལྟས་

ལྟ་གྱུར་ दृष्टीकृत का.प.१०९

~འཆིང་ दृष्टीकृतं बन्धनम् का.प.११२प.

ལྟ་བསྒོམ་སྤྱོད་པ་འབྲས་བུའི་དོ་ཧའི་གླུ་ भावना-दृष्टिचर्याफलदोहगीतिका कं.तं.२३४५

ལྟ་ངན་ सं. कुदृष्टिवाद लं.सू.२०१क

ལྟ་ཅི་སྨོས་ (१) कः पुनर्वादः द.भू.२ब-ए, ह, ११ए

(२) किमुत न्या.बि.७५.४

(३) प्रागेव सु.प्र.८.१८

ལྟ་སྟངས་ विलोकित म.व्यु.६३७१

ལྟ་སྟེ་ पश्यति म.व्यु.१५२२-२५

ལྟ་འདྲེས་ दृष्टिसंकर लं.सू.३०१क

ལྟ་ན་སྡུག་པ་ (१) दर्शनीय सु.प्र.१३७.२३

(२) सुदर्शन श.दा.७१५ख

ལྟ་པོ་ द्रष्टृ च.श.७

ལྟ་སྤྱོད་སྐྱེ་མེད་ཀྱི་བསྒོམ་པ་ चर्यादृष्ट्यनुत्पन्नतत्त्व-भावना कं.तं.२४१९

ལྟ་སྤྱོད་རྣམ་དག་གི་མན་ངག་ विशुद्धदर्शनचर्योपदेश कं.तं.२४६४

ལྟ་བ་ भू. བལྟས་, भवि. བལྟ་, लोट् ལྟོས་

(१) अपेक्षा द.भू.४द, ५ए

མི་~ निरपेक्ष श.पं.१०७

(२) ལུས་དང་སྲོག་ལ་མི་~ཡིན་ན་ अनर्थिको भवति कायेन च जीवितेन का.प.१२५

(३) अवलोकयति सु.प्र.८८.५

(४) རྣམ་པར་~ར་ व्यवलोकयता उद्रा.८.३२

(५) अवेक्षण द.भू.६म

(६) गवेषणता क .प.

ཧྲག་ར་གླགས་~ས་ छिद्रारामगवेषणता का.प. १००

(७) दर्शन उद्रा., का.प.१७, ना.आ.१३.११, न्या.द्वि.५टि.५, म.व्यु.१४४१, २३०५, २५०९, ८४६८, लं.सू.६३ख, श.दा., सं.नि.८.४

མེད་པར་~ असहदर्शन उद्रा.३६.६

(८) दर्शिन् म.व्यु.२४१०, ८५३९

(९) दृश्य लं.सू.७४ख

(१०) दृष्टवत् लं.सू.६३ख

(११) दृष्टि अ.अ.१.६०, उद्रा.८.३२, ९.९, १४.२५, का.प.९६, १५४, च.श.१७, १८, द.भू.१ओ, य, २क, कु, ए, ज, अअ, ४ए, क, ५अ, फ, ६द, ९ए, क, म.व्यु.८६२, ९९७, १९५४-५८, २१२१, २३३७, ४६४४-५१, ८४७९, ९१४६, लं.सू.६४क, श.पं.७९, ८३, सु.प्र.१४८.१

(१२) द्रष्टव्य न्या.बि.२१९.४

(१३) द्रष्टुम् सु.प्र.१५५.६

(१४) पश्यति . म.व्यु.१५११, १५१२, १५२२-२५

(१५) ཁྱིམ་ལ་~ स्वकुलप्रत्यवलोकन का.प.५

(१६) प्रेक्षते म.व्यु.७४७०

(१७) प्रेक्षिन् म.व्यु ५३५७

(१८) **संज्ञिन्** द.भू.२ज़

(१९) **सर्वांशता** का.प.

ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཕན་ཡོན་དུ་~ **महायाने आनुशंससर्वांशता** का.प.२५

(२०) सं.००

གཡེང་བར་~ **नेत्रविक्षेप** बो.च.५.३५क

द्र. ལྟས་མེད་པ་, ལྟོ་བ་, གཟིགས་པ་

ལྟ་བ་ངན་ **कुदर्शन** लं.सू.२०६ख

ལྟ་བ་ངན་པ་ (१) **अकुशलदृष्टि** लं.सू.६४क

(२) **कुदृष्टि** द.भू.१कुकु, २कु, य, ज़, उ, म.व्यु.४६४८, श.दा.

(३) **कुदर्शन** लं.सू.१००ख

(४) **कुदृष्ट** लं.मू.१००ख

ལྟ་བ་ངན་པ་སེལ་བ་ **कुदृष्टिनिर्घात** कं.तं.२२२९

~འི་དཀའ་འགྲེལ་ **कुदृष्टिनिर्घातटीका** कं.तं.२२३१

ལྟ་བ་ཅན་

རྗེས་སུ་~ **अनुपश्यिन्** का.प.९५

ལྟ་བ་མཆོག་ཏུ་འཛིན་པ་ **दृष्टिपरामर्श** प्र.पा.५२, म.व्यु.१९५८

ལྟ་བ་མཆོག་འཛིན་ **मिथ्यादृष्टि(?)** श.दा ४५७

ལྟ་བ་ཉམས་པ་ **दृष्टिविपन्न** म.व्यु.९१४६, श.दा.

ལྟ་བ་གཉིས་ **दृष्टिद्वय** लं.सू.७७क

~ཀྱི་སྤྱོད་ཡུལ་ **दृष्टिद्वयगोचर** लं.सू.७६ख

~ལས་འདས་པའི་སྤྱོད་ཡུལ་ **दृष्टिद्वयातिक्रान्तगोचर** लं.सू.७६ख

ལྟ་བ་ཐ་དད་པ་དང་བག་ལ་ཉལ་དང་ཀུན་ནས་དཀྲིས་པའི་ཉོན་མོངས་པ་རབ་ཏུ་ཞི་བར་བྱེད་པ་ལ་མཁས་པ་ **नानादृष्ट्यनुशयपर्यवस्थानक्लेशप्रशमनकुशल** म.व्यु.८६२

ལྟ་བ་ཐ་དད་པ་རྣམ་པར་ཕྱེ་བ་མདོར་བསྡུས་པ་ **संक्षिप्तनानादृष्टिविभजन** कं.तं.३८९८

ལྟ་བ་ཐིབས་པོ་ **दृष्टिगहन** का.प.६५प., म.व्यु.४६४५

ལྟ་བ་མདོར་བསྡུས་པ་ **दृष्टिसंक्षिप्त** कं.तं.२३०४

ལྟ་བ་རྣམ་པར་དག་པ་ **दर्शनविशुद्धि** सं.नि.९.१८.२.१

ལྟ་བ་རྣམ་པར་ལྡོག་པ་ **भंगोत्पादानुवादिनी** लं.सू.१९७क

ལྟ་བ་པོ་ **द्रष्टृ** न्या.बि.२२.१६, ५२.६, ९, ७२.१२

ལྟ་བ་ཕྱིན་ཅི་ལོག་ **दृष्टिविपर्यास** सं.नि.८.२०.७

ལྟ་བ་མི་ཟད་པ་ **विषमदृष्टि** म.व्यु.४६४७

ལྟ་བ་མེད་ **अनपेक्षता** (= सर्ववस्त्वमनसिकार ह.भ.) अ.अ.१.५४

ལྟ་བ་མེད་པའི་ཚིག་ **अदृष्टपद** लं.सू.७५क

ལྟ་བ་ཡང་དག་སྒྲོན་པ་ कं.तं.४४४७

ལྟ་བ་ཡང་བ་ **दृष्टिसंकट** म.व्यु.४६४९

ལྟ་བ་ཡོངས་སུ་དག་པ་ परिशुद्धदर्शन श.दा.

ལྟ་བ་རིན་ཆེན་སྒྲོན་པ་ कं.तं.४४५१

ལྟ་བ་ལ་ द्रष्टुम् न्या.बि.५२.६

ལྟ་བ་ལ་དགའ་བར་བྱེད་པ་ दृष्टिनन्दन सं.नि.७:
२१

ལྟ་བ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ दृष्टिविकल्प लं.सू
११७ख

ལྟ་བ་ལས་བྱུང་བ་ दृष्टिकृत द.भू.३ओ

ལྟ་བ་ལོག་པ་ मिथ्यादृष्टि श.दा.

ལྟ་བའི་ཁྱད་པར་ [दृष्टिविशेष] कं.तं.४३६०

ལྟ་བའི་དགོན་པ་ दृष्टिकान्तार म.व्यु.४६४६

ལྟ་བའི་རྒྱུ་ दृष्टिहेतुक लं.सू.२०१क

ལྟ་བའི་ཉེས་པ་ दृष्टिदोष लं.सू.२००ख

ལྟ་བའི་སྙིགས་མ་ दृष्टिकषाय म.व्यु.२३३७,
श.दा.

ལྟ་བའི་རྟུལ་ཞུགས་མ་ दृष्टिव्रती श.दा.

ལྟ་བའི་དོན་དུ་ द्रष्टुम् न्या.बि.५२.१०

ལྟ་བའི་རྣམ་པ་ (१) दृष्टिकृत द.भू.६च, १०फ
(२) दृष्टिगत म.व्यु.४६५१
(३) दृष्टिप्रकार सं.नि.६.२३

ལྟ་བའི་ཚིག་ दृष्टिपद लं.सू.७४ख

ལྟ་བའི་རིམ་པ་བཀོད་པ་ [दृष्टिक्रमनिवेश] कं.तं.
४३५६

ལྟ་བར་ द्रष्टुम् ना.आ.१२.१३, न्या.बि.५२.११,
सु.प्र १५४.२२

ལྟ་བར་དཀའ་ सुदुःस्पृश द.भू.१कु

ལྟ་བར་གྱུར་ང་ (१) दृष्टिकृत प्रम.३७४.७
~ཐམས་ཅད་རྟོགས་པ་ सर्वदृष्टिकृतानाम्
अवबोधना का.प.१८
(२) दृष्टिगत का.प.६५, १०६, म.व्यु.४६५१,
८४७६, सु.प्र.४५.५
~ཐམས་ཅད་ལ་སྟོང་པ་ཉིད་ सर्वदृष्टिगतानां
शून्यता (चिकित्सा:) का.प.६४
~ཐམས་ཅད་ལས་འབྱུང་བ་ནི་སྟོང་པ་ཉིད་
ཡིན་ན་ (पुद्गल)दृष्टिगतानाम्...शून्यता
निःसरणम् का.प.६४

ལྟ་བར་གྱུར་པ་མི་འདོར་བ་(མི་སྤོང་བ་) दृष्टि-
गतानुत्सर्गः म.व्यु.८४७६

ལྟ་བར་གྱུར་པའི་འཆིང་བ་ आत्मदृष्टिकृतबन्धन
का.प.११२

ལྟ་བར་འགྱུར་བ་ दृष्टिकृत म.व्यु.४६५०

ལྟ་བར་བྱ་ (१) द्रष्टव्य न्या.बि.(भा)१०३
(२) प्रेक्षावह ना.आ.१२.८

ལྟ་བར་བྱས་པ་ दृष्टिकृत म.व्यु.४६५०

ལྟ་བར་ཞུགས་པ་ (१) दृष्टिगतप्रस्कन्दित का.प.
१४०
(२) दृष्टिप्रस्कन्न म.व्यु.४६४४

ལྟ་བར་བྱེད་

(१) རྣམ་པར་~དེ་ व्यवलोकयति उद्रा.८.
११, ३०
(२) निरीक्षितुमारब्धाः उद्रा.१९.११

ལྟ་(དེ. བལྟ་)བར་མི་བྱེད་ न पश्येत् बो.च.८.
१२४घ

ལྟ་བས་ समीक्ष्य सु.प्र.१६१.९

ལྟ་བུ་ (१) इति न्या.प्र.१५, ३१, (४६), (५०)
(२) इव उद्रा.२२.१२, न्या.प्र.२६, न्या.बि.
१०१.९, बो.च.७.२६ख, श.दा.
(३) °उपम द.भू.१क, बब, म.व्यु.५६०, ८५४,
१६५१, १८०२, ३८६३-६४, ५३८६-८९,
७१२७, ८६२६, ८८१९-२१, ८८२४-२९,
८८४१-४६, ८८४९-५४, ८८५८-६३,
८८९४. ८९०९, ८९७६-७७, ९१३९,
९१४१-४२, ९१९७-९९, श.दा., सु.प्र.८५.
२४, ८६.११
(४) °कल्प उद्रा.११.१५, सु.प्र.७५.१२, २६,
१३७.१५
(५) जात म.व्यु.५३९०
(६) °निभ म.व्यु.७५६७
(७) प्रतिरूपक सु.प्र.
ཉི་མ་~ सूर्यप्रतिरूपक सु.प्र.७०.१६
(८) प्रतिस्पर्धिन् लं.सू.६५ख
(९) भूत म.व्यु.५३९१, सु.प्र.
ཕ་མ་~ मातापितृभूत सु.प्र.१२.२१
སྐྱོབ་པ་~ त्राणभूत सु.प्र.१२.२२

(१०) °मय
གསེར་གྱི་ཁ་དོག་~འི་སྣང་བ་ सुवर्णवर्णमया
अवभासाः सु.प्र.६३.२०, ६५.५, २३
(११) यथा उद्रा.१८.२३
(१२) °वत् न्या.बि.१५८.१३, १९, २२१.४
(१३) °विध सु.प्र.
བདག་ཅག་~ अस्मद्विधाः सु.प्र.१५८.६
(१४) सदृश द.भू.६इ, श.दा., सु.प्र.७०.१९
(१५) संनिभ श.दा.
(१६) सम बो.च.६.२क, ख
(१७) སྐྱེས་བུ་བྲམ་ཟེའི་གཟུགས་~ ब्राह्मण-
रूपेण पुरुषम् सु.प्र.१९.८

དེ་~ (क) ईदृश सु.प्र.१५२.३
(ख) एवंरूप सु.प्र.६२.२९, ६५.२७
(ग) तादृश सु.प्र.१३.१४, १२२.१०, १४५.२५

འདི་~ एवंरूप सु.प्र.१९.१०, ५०.६, ५४.
१६...
འདི་~འི་ཚུལ་གྱིས་ एतादृशरूप सु.प्र.८.२१,
१४९.१४
ཚུལ་འདི་~ एवंरूप सु.प्र.६६.२
ཟབ་མོར་སྣང་བ་འདི་~ एवं गम्भीरावभासं
(सूत्रम्) सु.प्र.६६.३
ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་དང་ལྡན་པ་
འདི་~ एवमचिन्त्यगुणसमन्वागतं (सूत्रम्)
सु.प्र.६६.३

ཤེས་རབ་དང་ཡེ་ཤེས་ཆེན་པོ་དེ་ཉི་མ་ཤར་
བ་~ལགས་ཤིང་ महाप्रज्ञाज्ञानसूर्यसमुद्गत
सु.प्र.१२.२२
द्र. ལྷར་, འདྲ་བ་

ལྷ་བུའོ་ཞེས་བྱ་བ་ इति न्या.बि.(भा.)१००

ལྷ་བུར་ (१) °आभ अ.अ.५.१
(२) इव ना.आ.११.५, सु.प्र.१७८.११, २०
(३) °उपम बो.च.६.८७क, १५०क, सु.प्र. ४३.१
(४) उपमत्व बो.च.६.३०क
(५) °वत् न्या.बि.१३७.१७, बो.च.
སྒྱུ་མ་~ मायावत् बो.च.६.५ग
(६) सदृश बो.क.२७
(७) सं.००
མཁའ་ལྡིང་~སྤྱོད་ गरुडायते बो.च.७.५२ख
...སྤྱོད་ལམ་~གནས་པར་གྱུར་ཅོ་... ईर्यापथेनावस्थितः उद्रा.१८.३७
द्र. ཇི་~, དེ་~, འདི་~

ལྷ་བུར་གྱུར་པ་ जात म.व्यु.५३९२

ལྷ་བུར་མཐོང་བ་ निदर्शन म.व्यु.१५२२-२५

ལྷ་བྲེད་ ब्रध्न बो.च.९.२७ख

ལྷ་སྨོས་ཀྱང་ཅི་དགོས་ (१) किं बत पुनः सु.प्र. १६५.१९
(२) प्रागेव सु.प्र.६६.१०
...ན་།...~ अपि न...प्रागेव... उद्रा.३०.
११

ལྷ་སྨོས་སྨྲང་ག་ལ་ཡོད་ कः पुनर्वादः द.भू.१०ज

ལྷ་ཞི་བ་དར་ पताक लं.सू.६६क

ལྷ་ཞིག་
རེ་~ अनेकधा बो.च.८.१७२क

ལྷ་ཞིང་
(१) མི་~ अनवलोकयत् बो.च ८.२६ग
(२) སྐྱོན་དུ་~ दोषदर्शनतया का.प.२४
(३) पश्यति म.व्यु.१५२०-२१

ལྷ་འོག་ द्र. འོག་ལྷ་ श.दा.

ལྷ་འོག་པ་ कुर्द्दिष्ट लं.मृ.१२५ख

ལྷག་གཅོད་ (१) जाति न्या.इ.२७६, २८८, न्या.बि., म.व्यु.४५४०
སྨྲར་འགྱུར་པ་ལྷར་སྣང་བ་དག་ནི་~རྣམས་ཏེ་
दूषणाभासास्तु जातयः न्या.बि.२२०.८
(२) जात्युत्तर न्या.बि.२२०.१७

ལྷག་ཆོད་ (१) जाति न्या.इ.५४टि.२, न्या.बि. २२०.११, १२, १३, म.व्यु.४५४०
(२) जात्युत्तर म.व्यु.४५४१

ལྷག་པ་ कृकाटिका म.व्यु.३९६४

ལྷག་དབུག་
སྲུ་སྤྱི་དང་འདོམ་ནཁ་ཚུར་འདོམ་མད་ར་ལྷག་
དབུག་ जटक म.व्यु.३९८४

ལྷག་འོག་ (१) = གོང་འོག་ पूर्वपदजात् श.दा.

(२) पूर्वापर न्या.बि.७२.१०

ལྟང་གོ་ཀ་ शरभ म.व्यु.४७६६

ལྟང་བ་ (१) उत्थान म.व्यु.६३२५

(२) मुचि <चक्रवर्ती राजा> नी.पु.१.१२, १४

ལྟད་མོ་ (१) कुतूहल उद्रा.१०.१८, श.दा;

ངོ་མཚར་~ कौतूहल बो.च.५.४५ख

(२-५) कौतुक, यात्रा, यापन, रंग श.दा.

ལྟད་མོ་ཆེ་ कुतूहल श.दा.

ལྟད་མོའི་ས་ रंगशाला म.व्यु.५५४७

ལྟབ་པ भू. བལྟབས་, भवि. བལྟབ་, लोट् ལྟོབ་

ཏ་ལའི་ལོ་མ་ལྟར་~(ལྟར་མ་ཡིན་པ་)

न तालवृन्तकम् म.व्यु.८५२६

ལྟམ་པ་=སྐྱེ་བ་ भू. བལྟམས་, भवि. བལྟམ་

ལྟམས་པ་ जाति श.दा.

ལྟར་ (१) °आभ (=सदृश ह.भ.) अ.अ.८.३१

(२) इव उद्रा.२२.२७, ना.आ.१०, न्या.बि. ५४.१७, .द.२२, २६, बो.च.६.१०७ख, ६. ८४ख, सु.प्र.३७.६, १७७.६, १७८.६

(३) °उपम अ.अ.८.२७ अ.हृ.१.१६.७२, बो.च.४.२०ग

(४) एवम् ल.वि.७.३.६

(५) प्रति° सु.प्र.

...ཀྱི་ལྟར་མཉན་ནས་ प्रतिश्रुत्य सु.प्र.१५५.
१४

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལྟར་བཅོས་པ་ प्रज्ञापारमिताप्रतिवर्णिक श.दा.५४३ख

(६) यथा उ.व.१२, २०, च.श.१२, बो.च. ३.२३घ, ६.४६ख, ७.६७ग, ७०ख...

འདི་ལྟ་སྟེ། དཔེར་ན་ཟླ་བ་ཚེས་པ་ཕྲུག་འཚལ་བ་ལྟར་ཉ་བ་ལ་མ་ཡིན་ནོ॥ तद्यथापि नाम...नवचन्द्रो नमस्क्रियते सा चैव पूर्णचन्द्रो न तथा नमस्क्रियते का.प.८८

ཇི་ལྟར་ .. ལྟར་ यथा बो.च.

དཔེར་ན་...བཞིན་དུ་...།...ལྟར་ यथा बो.च.

(७) यद्वत् बो.च.७.७२ग

(८) °वत् बो.च., म.व्यु.८२५-२१

དགྲ་ལྟར་ शत्रुवत् बो.च.१.२८घ

རི་རབ་ལྟར་(ना.རབ་རིབ་ལྟར་) सुमेरुवत् बो.च.५ ५८ग(दे.)

(९) सदृश म.व्यु.२५५, ३१०, ३४२, ४६३४-३६, ८५२८-३१, ६१४०, सु.प्र.१३५. २७, २८, १३६.७

(१०) सं. ०० का.प., बो.च.

བཀའ་ལྟར་མི་བྱེད་སེམས་པ་ནི། ཤིན་ཏུ་གཏི་མུག་སྨད་པའི་གནས॥ वाक्यमुल्लंघया-मीति धिग्मामत्यन्तमोहितम् बो.च.२.५६ग

རྒྱལ་པོའི་སྲས་ཤེས་འཇིག་རྟེན་ཟེར་བ་ལྟར་ तं राजपुत्रेति वदति लोके का.प.८१प.

ཇི་ལྟར་གྱུར་ कथम् सु.प्र.१०४.२२

द्र. ཅི་ལྟ་ར་, ཅི་ཞིག་ལྟར་, ཇི་ལྟར་, ཇི་ཞིག་ལྟར་, ལྟ་བུ་, དེ་ལྟར་, འདི་ལྟར་

ལྟར་གྱུར་ཏོ་

གཞི་རིན་པོ་ཆེ་~ **रत्नमयः संस्थितोऽभूत्** म.व्यु.५६०६

ལྟར་གྱུར་པ་ **कल्प** म.व्यु.६२२

ལྟར་བཅོས་པ་ (१) **प्रतिरूप** का.प.

བཞི་པོ་འདི་དག་ནི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་~ སྟེ་ **चत्वार इमे...बोधिसत्त्वप्रतिरूप...** का.प.

(२) **प्रतिरूपक** का.प.१५, म.व्यु.६६८८-८९, सु.प्र.१३७.१२

བཞི་པོ་འདི་དག་ནི་ཚུལ་ཁྲིམས་འཆལ་པ་ ཚུལ་ཁྲིམས་དང་ལྡན་པ་~ཡིན་ཏེ་ **चत्वार इमे...दुःशीला शीलवन्तप्रतिरूपकाः** का.प. १३४

(३) **प्रतिवर्णिक** म.व्यु.६६८७

ལྟར་ཉན་ནས་ **प्रतिश्रुत्य** म.व्यु.६३१७

ལྟར་ན་

གང་གི་ལྟར་ན་འདི་གཉིས་བདེན་ **यस्य त्वेतद् द्वयं सत्यम्** बो.च.९.१११क

ལྟར་སྣང་བཅས་པ་ **साभास** न्या.प्र.१

ལྟར་སྣང་བ་ **आभास** न्या.बि.१३७.१६, १८, १३९.१५, १४०.१, ११, १८...

ལྟར་མེད་པ་ **अनवलोक्य** द.भू.१ज

ལྟར་མོ་བ་ **रंगशाला** म.व्यु.५५४७

ལྟར་སྨུལ་ཏོ་ **पश्यतु** सु.प्र.१५१.१५

ལྟར་རུང་བ་ཉིད་ **दृश्यता** न्या.बि.६४.१३

ལྟས་ (१) **उत्पात** म.व्यु.४३८८

(२) **निमित्त** उद्रा., द.भू.५ल, ११ए, म.व्यु. ६८०४, श.दा, सु.प्र.१४९.११, १५०.२१

(३) **मंगल** म.व्यु.२७४४

(४) **शकुन** म.व्यु ५०५८

द्र. དེ་ལྟས་

ལྟས་ཀྱི་རིག་པ་ **शकुनविद्या** म.व्यु.५०५८, श.दा.

ལྟས་མཁན་ **नैमित्तिक** म.व्यु.३७९३

ལྟས་ཅན་ **नैमित्तिक** न्या.बि.२०९.१२

ལྟས་དང་མཚན་མར་གཞུང་བའི་མིང་ལ་ **उत्पातनिमित्तानि** म.व्यु.४३८८

ལྟས་ནས་ **अवलोक्य** म.व्यु.६३७१, ९५६६

ལྟས་པ་ (१) **नैमित्तिक** उद्रा.७.१९, ४१.२४, म.व्यु.३७९३, श.दा.

(२) **समुल्लोकित** म.व्यु.६४५२

ལྟས་མེད་པ་ **निराश** बो.च.८.१७६ग(ना.)

ལྟས་སུ་འབྱུང་བ་ **उत्पात** श.दा.

ལྟས་སུ་འབྱུང་མ་ **उत्पात** म.व्यु.४३९९

ལྟི་བར་སྡོར་བ་ **उपसंहार** म.व्यु.४४५७

ལྟིར་ **अतिपूर्ण** श.दा.

ལྟུང་ (१) **पतति** बो.च.८.१७४घ, म.व्यु.६७११,

श.दा.

(२) पतन्ति बो.च.९.१५६घ

(३) पतित उद्रा.३४.९

(४) प्रपातन बो.च.९.१६१ख

ལྟུང་བ་ भू. ལྟུང་

(१) आपत्ति का प.९प., बो.च.४.८ख, ११क, ५.२६घ, ९८घ, म.व्यु.८६४८, ९२२२ ९२४१, ९३०९, श.दा.

(२) आपद् बो.च.८.५२घ, २४ग

ངན་སོང་~ आपद् बो.च.९.१६५घ

(३) निपत्ति श.दा.

(४) पतति का.प.९५

(५) पतन उद्रा.११.५, २९.९

(६) पतित द.भू.१कुकु, २कु, उ, बो.च.८.१७५क, म.व्यु.९१३१, लं.सू.१८०क

ཕྱོགས་སུ་~ पक्षपतित सु.प्र.११२.२२

(७) पात बो.च.

ངན་འགྲོ་ལོག་པར་~ विनिपातगामिन् का.प.१४०

ངན་སོང་དུ་~ अपायपात बो.च.६.९९घ

(८) पातक श.दा.

(९) पापत्तिक म.व्यु.९३०८

(१०) प्रपतित द.भू.३ग, म.व्यु.६७२३

(११) प्रपातित्व अ.अ.५.१०

(१२) प्रभ्रष्ट म.व्यु.७२४०

(१३) प्रायश्चित्तिक म.व्यु.९३०७

ལྟུང་བ་བཅོ་ལྔ་པ་ कं.तं.२४८०

ལྟུང་བ་སྡེ་ལྔའི་དགེ་བ་དང་མི་དགེ་བའི་འབྲས་བུ་བརྟག་པའི་མདོ་ पञ्चापत्तिनिकायशुभाशुभफलपरीक्षासूत्र कं.तं.३०४

ལྟུང་བ་ཕྲ་མོ་ सूक्ष्मापत्ति सं.नि.९.४.२

ལྟུང་བ་ཕྲ་མོའི་འཁྲུལ་པ་ཀུན་དུ་བྱུང་བ་ सूक्ष्मापत्तिस्खलितसमुदय सं.नि.८.३५, ९.३.२ (°འབྱུང་བ་)

ལྟུང་བ་ཕྲ་མོའི་འཁྲུལ་པ་ཀུན་དུ་རྨོངས་པ་ सूक्ष्मापत्तिस्खलितसंमोह सं.नि.९.५.२

ལྟུང་བ་བྱུང་བ་ आपत्तिमापन्नः का.प.८प., ८ (आपत्तिआपन्न)

ལྟུང་བ་སྦོམ་པོ་ स्थूलापत्ति कं.तं.२४७९

ལྟུང་བ་མ་འདྲེས་པ་ शुद्धपापत्तिक म.व्यु.९३०८, श दा. (शुद्धपापात्मिका)

ལྟུང་བ་མ་ཡིན་པའི་ངོ་བོ་ཉིད་བསྟན་པ་ अनापत्तिस्वभावदेशना। सं नि.१०.६

ལྟུང་བ་མེད་པ་ अनापत्ति म.व्यु.९२४१

ལྟུང་བ་ལས་དབྱུང་བ་བསྟན་པ་ आपत्तिनिःसरणदेशना सं.नि.१०.६

ལྟུང་བ་ལས་བསླང་བ་आपत्तिव्युत्थान म.व्यु.८६४८, श.दा., सं.नि.९.१८.२.२

ལྟུང་བ་བཤགས་པའི་ཆོ་ག་ आपत्तिदेशनाविधि कं.तं.३९७३-७४

ལྟུང་བའི་ངོ་བོ་ཉིད་བསྟན་པ་ आपत्तिस्वभावनिर्देशः वि.सि.१०.६

ལྟུང་བའི་གནས་ལྔ་པོའི་དངོས་པོ་བསྟན་པ་ आपत्ति- स्कन्धपञ्चकवस्तुनिर्देशः वि.सि.१०.६

ལྟུང་བའི་ལྷག་མ་ शेषापत्तिः बो.भू.६.१८ख

ལྟུང་བར་བགྱི་ पातयितव्यः काव्या.२४.६

ལྟུང་བར་འགྱུར་ (१) आपद्यते का.व्यू.१०७ग.

(२) प्रपतत्यपि सु.प्र.१११.२

(३) སྐར་མདའ་~ उल्कापाताः प्रादु- र्भविष्यन्ति सु.प्र.७०.१४

སྐར་མདའ་དག་... ~ उल्कापाता भविष्यन्ति सु.प्र.१०८.७

ལྟུང་བར་འགྱུར་བའི་ཆོས་ पतनीया धर्माः म.व्यु. ८६७४

ལྟུང་བར་བྱེད་

འོག་པར་~མི་ནུས་སོ་ न शक्नोति विनिपात- यितुम् का.प.४८

ལྟུང་བར་བྱེད་པ་ཡིན་

འོག་པར་~ विनिपातयति का.प.६

ལྟུང་བྱེད་ (१) आपत्ति म.व्यु.९३०९

(२) पातयन्तिक म.व्यु.८४१७, ९२२३ (पातायन्तिका)

(३) पायत्तिका (पायन्तिका, पातयन्तिका) म.व्यु.९२२३, श.बा. (पापान्तिका)

(४) पायत्तिक म.व्यु.८३६०, ८९८३

(५) प्रायश्चित्तिक म.व्यु.८४८४

ལྟུང་བྱེད་དགུ་བཅུའི་མིང་ལ་ नवतिः प्रायश्चित्तिका धर्माः म.व्यु.८४१७

ལྟུང་བྱེད་སྤྱི་བླ་ म.व्यु.८३४९

ལྟུང་བྱེད་པ་ प्रपातिन् बो.भ.

དམྱལ་བ་ལ་སོགས་པར་~ नरकादिप्रपातिन् बो.भ.४.८२ख

ལྟུང་བྱེད་འབའ་ཞིག་ཏུ་འགྱུར་བ་རྣམས་པ་ (ཕོ་ བ་) शुद्धप्रायश्चित्तिकाः म.व्यु.८४१८

ལྟུང་བྱེད་མི་ནུས་

འོག་~ न शक्यं विनिपातनाय का.प.४८ग.

ལྟུང་མེད་ अनापत्ति श.बा.

ལྟུན་པོ་=ལྷུན་པོ་ मेरु <चक्रवर्ती राजा> म.व्यु. ३५७४

ལྟེ་བ་ द्र. ལྟེ་བ་

ལྟེ་བ་ (१) =ལྟེ་བ་ कौशेय श.बा.

(२) नाभि अ.अ.८.२६, उत्त.३१.३२, व.सू.१०ब, म.व्यु.३०५-६, ३९९७-८, ५६३४, श.बा.(=ལྟེ་བ་), सु.प्र.३६.४

སླ་བའི་~ मृणालाभि श.बा.५४४क

ལྟེ་བ་སྐྱེས་ नाभिज, नाभिजन्मन् श.बा.

ལྟེ་བ་ཁང་ नाभिमण्डल म.व्यु.१११८

ལྟེ་བ་འཁྱིལ་ नाभिका श.बा.

ལྟེ་བ་བལ་ཅན་ नर्कट श.बा.

ལྟེ་བ་ཟབ་པ་ गम्भीरनाभि म.व्यु.३०५

ལྟེ་བ་གཡས་ཕྱོགས་སུ་འཁྱིལ་བ་ प्रदक्षिणावर्त-
नाभि म.व्यु.३०६

ལྟེ་བུར་ तुन्दिल म.व्यु.८८८५

ལྟེ་འབུར་ तुन्दिल म.व्यु.८८८५

ལྟེང་ཀ་ (१) उरुविल्व श.दा.

(२) तडाग द.मू.५ल, सु.प्र.३२.४. ६५.२४.
१३३.२७...

(२) बिल्व म.व्यु.४१७२ (पा. ལྟེང་ག་),
श.दा.

ལྟེང་རྒྱས་འོད་སྲུང་ उरुबिल्वाकाश्यप म.व्यु.१०४६

ལྟེང་གྱིས་འོད་སྲུངས་ उरुबिल्वाकाश्यप म.व्यु.
१०४६, श.पं.६८

ལྟེང་བའི་ (?) पक्षि° द.मू.३म

ལྟེབས་པ་ (སྟེབས་པ་) लेखक म.व्यु.८८६८

ལྟེས་དབང་ द्र. ཤུགས་ श.दा.

ལྟོ་ (१) अन्न श.दा.

(२) उदर बो.च.६.७८ग

(३) कुक्षि लं.सू.१६८ख

(४) कोष्ठ का.प.६५

(५) རྒྱུ་ལྟོ་ अन्त्राणि बो.च.५.६५ग

ལྟོ་དཀར་ श्वेतोदर श.दा.

ལྟོ་གང་ परिपूर्णकुक्षि लं.सू.१६८ख

ལྟོ་འགྲངས་པ་ परिपूर्णगात्र सु.प्र.१०.१

ལྟོ་འགྲོ་ उरग श.दा.

ལྟོ་འགྲོ་དགྲ་ गरुड श.दा.

ལྟོ་ཆེ་བ་ (१) घस्मर म.व्यु.२२०३, श.दा.
(=ཟ་ཟོད་པ་)

(२) लम्पट म.व्यु.२२०४

ལྟོ་འཕྱེ་ उरोगति, महोरग श.दा.

ལྟོ་འཕྱེ་ཆེན་པོ་ महोरग म.व्यु.३२२४, ३४२४,
लं.सू.६७ख, श.दा., सं.नि.०.१, सु.प्र.११.५,
४६.१२, ६५.१

ལྟོ་འཕྱེ་ཆེན་པོའི་གདོན་ उरगग्रह श.दा.६६३क

ལྟོ་འཕྱེ་ཆེན་པོའི་དབང་པོའི་མིང་ལ་ महोरगा-
धिपतिनामानि म.व्यु.३४२४

ལྟོ་འཕྱེ་ཆེན་མོ་ महोरगी ल.सु.१७३क

ལྟོ་འཕྱེ་བདག་པོ་ उरगाधिपति म.व्यु.३४२५

ལྟོ་འཕྱེ་ལ་ म व्यु.३४२४

ལྟོ་བ་ (१) उदर म.व्यु.३६६६, श.दा. (=གྲོད་
པ་)

(२) =གྲོད་པ་ जठर श.दा.

(३) दर्शन सु.प्र.१६१.२५

द्र. ལྟ་བ་, བསྒུས་པ་

ལྟོ་བ་འགེངས་པ་ उदरंभर श.दा.

ལྟོ་བ་ཆེ་བ་ (१) घस्मर म.व्यु.२४८३

(२) =གསུས་ཁྱིམ་ཆེ་བ་ लम्बोदर श.दा.

ལྟོ་བ་མཚུངས་པ་ समानोदर्य श.दा.

ལྟོ་སྤྲོས་ आहार श.दा.

སྔོ་ལུས་ཅན་ आत्मंभरी श.दा.

སྔོ་སྙིན་བུ་སྐྱེས་པ་ कुष्ठ लं.सू.१६६ख

སྔོགས་པ་ (१) क्षुधित श.दा.

(२) जिघत्सित म.व्यु.६३०६

(३) बुभुक्षित सु.प्र.८.१८

སྔོགས་པ་རྣམས་ནི་ལུས་ཀྱིས་པར་གྱུར जिघ-त्सिताः पूर्णगात्रा भवन्ति म.व्यु.६३०६

སྔོགས་པའི་གཟིར་ क्षुधाक्रान्त श.दा.

སྔོང་བ་མེད་ असपत्न्य सु.प्र.३९.६

སྔོངས་པ་ मूर्छ श.दा.

སྔོབ་ སྔུབ་པ་ इत्यस्य लोट्

སྔོས་ སྔུ་བ་ इत्यस्य लोट्

(१) अपेक्ष (अपेक्षा) भो.प्र.

(२) वृश्यताम् बो.च.८.१३०घ

(३) पश्य का.आ १.५, ना.आ.१, सु.प्र.४४.११

(४) पश्यथ सु.प्र.४५.७, १२४.१२

(५) पश्यन्तु बो.च.१०.१४ग

(६) प्रेक्ष् द.भू.८ह

(७) सं. ००

རྣལ་འབྱོར་ཀུན་རྫོབ་ཉེས་མེད་དེ། འཇིག་རྟེན་ལ་སྔོས་དེ་ཉིད་མཐོང་། सं. न दोषो योगि-संवृत्या लोकात् ते (लोकान्ते) तत्त्वदर्शिनः बो.च.९.८कख

སྔོས་དེ་ अपेक्ष लं.सू.८२ख

སྔོས་པ་ (१) अपेक्षित लं.सू.६२ख

(२) (दे. བལྟོས་པ་) अवकाश बो.च. ५.८२घ

(३) उपेक्ष ल.सू.८२क

(४) सपत्न द.भू.२कु

(५) सापेक्ष द.भू.६प

སྔོས་པ་རིག་པ་ अपेक्षावेदित सं.नि ८.३८

སྔོས་པས་ अपेक्षया उद्रा.

འདུལ་བ་ལ་~ विनयापेक्षया उद्रा.३६.१६

སྔོས་མེད་ अजस्र, अनवरत, अनवस्था श.दा.

སྔོས་མེད་པ་ निराश बो.च.८.१७६ग(दे.)

(ना. སྔུས་°)

སྔོས་ཤིག་ (१) पश्य ना.आ.६.९.६

(२) पश्यत उद्रा.१६.४

(३) प्रेक्षस्व ना.आ.७.१८, ९.६, १३.६

སྨ་གོན་ (१) = ཉེར་བསྔོགས་ = སྔོན་དུ་འགྲིག་པ་ अधिष्ठान समन्तक श.दा.

(२) सज्ज द.भू.१कु

(३) ཕོ་ཉ་དག་སྨ་གོན་བགྱིད་པ་ सं. ०० उद्रा.३.२७

སྨ་གོན་གྱིས་ཤིག་ संनाहयत उद्रा.

དཔུང་གི་ཚོགས་..~ संनाहयत...बल-कायम् उद्रा.६.२८

སྨ་གྲི་ = སྨ་རི་

སྨ་བྲར་ (१) = དབྱི་མགོ་ कुक्षि श.दा.

(२) श्रोणि म.व्यु.४००१, श.दा. (= དབྱི་

མགོ་)

སྟ་རི་ = སྟ་རེ་

སྟ་རེ་ (१) कुठारिका म.व्यु.९०३८, श.दा. (= སྟ་གྲི་, སྟ་རི་)

(२) = སྟ་གྲི་, སྟ་རི་ शंकुला श.दा.

སྟག་ (१) व्याघ्र उद्रा.२२.२७, बो.च.५.४क, १०.२५ग, म.व्यु.४७७८, लं.सू.१७०ख, श.दा., सु.प्र.१५७.२४, १५९.१४

(२) शार्दूल म.व्यु.४७७७, श.दा.

སྟག་གི་སེན་མོ་ करञ्ज श.दा.

སྟག་གདོང་ཅན་ व्याघ्रवक्त्रा गु.चि.२९

མཁའ་འགྲོ་མ་~ व्याघ्रवक्त्रा डाकिनी चि.त्रि. १८७

སྟག་གདོང་མ་ व्याघ्रवक्त्रा गु.चि.२९

སྟག་ལྡན་ कण्टकारी, क्षुद्र श.दा.

སྟག་རྣ་ शार्दूलकर्ण श.दा.

སྟག་རྣའི་རྟོགས་པ་བརྗོད་པ་ शार्दूलकर्णावदान कं.तं.३५८

སྟག་ཕྲུག་ व्याघ्रीसुत सु.प्र.१७४.४

སྟག་འབྲོས་པའི་སྐྲགས་ मार्गमार्ग श.दा.

སྟག་མོ་ व्याघ्री सु.प्र.१५७.१५, १५८.१४, १५९.२६...

~བུ་བྱུང་ནས་ཞག་བདུན་ལོན་པ་ व्याघ्री सप्ताहप्रसूता सु.प्र.१५७.१५

སྟག་མོའི་དྲུང་དུ་ व्याघ्रीसमीपम् सु.प्र.१६१.११

སྟག་ཞོན་

མགོན་པོ་~ व्याघ्रवाहन महाकाल चि.च. ३०१, चि.त्रि.२५९

མགོན་པོ་~མ་ व्याघ्रवाहन महाकाल चि.पं. १२३ख

སྟག་རི་ शबल म.व्यु.२०८९

སྟག་རེས་འཁོར་ नैत्यक म.व्यु.५७६२

སྟང་སྟབས་ཀྱི་བཀོད་པ་ कं.तं.१८६४

སྟངས་ (१) बन्ध म.व्यु.४९७८, ४९८०

(२) གླང་པོ་ཆེའི་ལྟ་སྟངས་ཀྱིས་བལྟས་ནས་ (°ལྟས་ནས་) नागविलोकितेनावलोक्य म.व्यु.६३७१

སྟད་པ་ भू., भवि. བསྟད་, लोट् སྟོད་

སྟན་ (१) आसन उद्रा.१०.१५, १७, का.प., द.भू.९ज, न्या.प्र ३७, न्या.बि.१३०.७, १३१.२, ४, १५, १६७.१३..., म.व्यु.२११, २३७५, ८५५६, ८६०३, ९०७३-७४, ९१८१-८३, लं.सू.६९ख, ल.वि.७.३.३, ४.६, ८.१६, १३.५०, श.दा. (= གདན་), सु.प्र. ४८.३, ५९.४, ७८.१२...

(२) संस्तर उद्रा.

རྩྭ་ཡི་སྟན་ तृणसंस्तर उद्रा.२०.१

द्र. ཁྲི་, གདན་, མལ་སྟན་

སྟན་གཅིག་ एकासन नी.पु.२.६११

སྟན་གཅིག་པ་ ऐकासनिक म.व्यु.११३२

སྟན་ཐོག་གཅིག་ཏུ་ प्र.पा ५१

སྟན་ནང་ཚངས་ཅན་ (१) तूलिका म.व्यु.८११०

(२) तूली, तूलिका उग्रा.१०.३, १० १२, १२.३७...

(३) तूलिका म.व्यु.८१११

द्र. ཤྲི་

སྟན་...པ་ आसनिक म.व्यु.११३२

སྟན་རབ་ཏུ་དམའ་བ་ नीचतरमासनम् सु प्र. ५१.४

སྟན་ལ་མ་བརྟགས་པར་ न प्रत्यवेक्ष्यासनम् म.व्यु. ८५५६

(སྟན་)ལས་ལངས་ अनुत्थायिन् लं.सु.६१ख

སྟན་ལས་ལངས་ཏེ་ उत्थायासनात् का.प.१३८ (°सनेभ्य), सु.प्र.१००.२

སྟབས་ (१) बल म.व्यु.४१८०

(२) विक्रान्त म.व्यु.२७१-८२

སྟབས་ཀ་ཞེགས་ विक्रान्त अ.अ.८.२२

སྟབས་སུ་ཀ་ཞེགས་པ་ विक्रान्तगामिन् म.व्यु. २७१-८२

སྟར་ཀ་ = སྟར་ག་ = སྟར་ཁ་ तिन्दुक श.दा.

སྟར་ཁ་ = སྟར་ཀ་

སྟར་ག་ = སྟར་ཀ་

སྟར་བ་ भू., भवि. བསྟར་, लोट् སྟོར་

སྟར་བུ་ अम्लवेतस म.व्यु.५७८० (आ°), श.दा. (= སྟར་བུན་)

སྟར་ཀུན་ = སྟར་བུ་

སྟི་ द्र. བཀུར་སྟི་

སྟི་སྟང་ = བསྟི་སྟང་

སྟི་སྟང་(བྱེད་) मानयति द.भू ७न, ६अं

སྟི་བ་ भू བསྟིས་, भवि. བསྟི་, लोट् སྟིས་

སྟིང་བསྐུལ་ = ཞབས་བསྐུལ་ अनुप्रेषण श.दा.

སྟིང་བ་ भू བསྟིངས་, भवि. བསྟིང་, लोट् སྟིངས་ उल्लापन म.व्यु ५२२७, श.दा.

སྟིངས་ སྟིང་བ་ इत्यस्य लोट्

སྟིམ་པ་ भू. བསྟིམས་, भवि. བསྟིམ་, लोट् སྟིམས་

སྟིམས་ སྟིམ་པ་ इत्यस्य लोट्

སྟིར་བྱ་བ་ सत्कार म.व्यु.१७६०

སྟིས་ སྟི་བ་ इत्यस्य लोट्

སྟུ་ योनि श.दा.

སྟུག་ (१) घन अ.हृ.१.१६.१७

(२) चित अ.अ.८.२१, ३१

སྟུག་ཅིང་ (१) घन ना.आ.६.७

(२) पीन म.व्यु.३३६

སྟུག་པ་ (१) चित म व्यु.३४३

(२) =སྟུགས་པ་ पुरीष श.दा.

སྟུག་པོ་ (१) गहन न्या.बि.७२.११

(२) स. घटित न्या.बि.७२.११

སྟུག་པོ་བཀོད་པའི་ཞིང་ཁམས་ अकनिष्ठ श.दा. ५४६ख

སྟུགས་ घन श.दा.

དཔལ་སྟུགས་ श्रीघन श.दा.५४६ख

སྟུགས་པ་=སྟུག་པ་ (१) घन म.व्यु.७३५३

(२) पुरीष श.दा.

སྟུགས་པོ་ (१) घन द.भू.१प, ६अ., श.दा. (=ཐུག་པོ་)

(२) =ཐུག་པོ་ नीरन्ध्र श.दा.

སྟུག(ས་)པོ་བཀོད་པ་ घनव्यूह म.व्यु.१३४३

སྟུང་བ་ भू. བསྟུངས་, भवि. བསྟུང་, लोट् སྟུངས་

སྟུངས་ སྟུང་བ་ इत्यस्य लोट्

སྟུད་པ་ भू., भवि. བསྟུད་

སྟུན་པ་ भू., भवि. བསྟུན་

སྟུན་ཤིང་ मुसल श.दा.

སྟེ་ = སྡེ་ दपेन म.व्यु.४६०३

द्र. ཅི་སྟེ་, ཇི་སྟེ་

སྟེ་ལོང་ = འབྲས་སྟོང་ फल्गु श.दा.

སྟེ་ཧུ་ཀ་ཉ་ཛ་མ་ क्षुरप्र म.व्यु.६०८३

སྟེགས་ (१) सेतु बो.च.३.२१ख, म.व्यु.६५१३

(२) མུ་སྟེགས་ཅན་(दे. °པ་) तीर्थिक बो.च.६ ४३ख

སྟེགས་ནི་མཛད་པ་ तीर्थंकर भद्र ३१६

སྟེགས་(ནི་)བཟང་པོ་ सुतीर्थं भद्र.७३२

སྟེགས་པ་ शृंगार म.व्यु.५०३६

སྟེགས་བུ་ (१) कपोटमाला (°त.°) म.व्यु. ६३४५

(२) वितर्दि म.व्यु.५५६३

(३) वेदिका म.व्यु.५५८६

སྟེགས་མཛད་(པ་) तीर्थंकर भद्र.३१६

སྟེགས་མཛད་བཟང་པོ་ सुतीर्थंकर भद्र.७३२

སྟེང་ (१) अग्र भ.च.३क, श.दा.

(२) उत्° श.दा.

(३) उत्संग स्र.स्तो.७६

(४) उप° श.दा.

(५) उपरि सु.प्र.

ཁང་པ་རྣམས་ཀྱི་སྟེང་གི་བར་སྣང་ལ་ भवना-नामुपर्यन्तरिक्षे सु.प्र.६४.११

(६) རིབ་མའི་སྟེང་ནས་ वाटस्य उपरिष्टात् उद्रा.४८.२

(७) ऊर्ध्वं च.श.२२, म.व्यु.१५३६-४०, ८३३७, श.दा., सु.प्र.

(८) तल बो.च., म.व्यु.३४२३, ६८७६, ६८८१, सु.प्र. (द्र. ས་ཡི་སྟེང་)

ས་སྟེང་(དེ་ སྟེངས་)དག་ महीतलम् बो.च. १०.३६ग

(६) पृष्ठ सु.प्र.

གླང་པོ་ཆེའི་སྟེང་ हस्तिपृष्ठ सु.प्र.१४६.२५

(१०) शिखर म.व्यु.५५२१

(११) सं. ००

ཇི་ལྟར་སེམས་མཉམ་པར་གཞག་པ་བཞིན་དུ་བདག་གི་ལྟན་གྱི་སྟེང་དུ་མི་སྣང་བར་འགྱུར་ यथा समाहिते चित्ते स्वीय (स्वये) आसनेऽन्तर्हितः म.व्यु.२११

བཞོན་པའི་སྟེང་ན་འདུག་པ་ལ་ཆོས་མི་བཤད་ न यानारूढाय धर्मं देशयिष्यामः म.व्यु.८६१८

ས་སྟེང་ भुवि श पं.१४२

ས་སྟེང་(དེ. སྟེངས་)ཐམས་ཅད་གཡོགས་དང་འདྲ་ सं. छन्ना भवति मेदिनी बो.च.५.१३घ

ས་སྟེང་འདི་དག་ཀོས་གཡོགས་སུ་ भूमिं छादयितुं सर्वाम् बो.च.५.१३क

द्र. གོང་

སྟེང་གི་ उपरि द.भू.१प

སྟེང་གི་ཁང་བཟངས་ཀྱི་གཞི་ गृहस्य(?) उपरितलक उद्रा.१५.२५

སྟེང་གི་འཇིག་རྟེན་ ऊर्ध्वलोक श.दा.

སྟེང་གི་ནམ་མཁའ་ उपरिविहायसम् उद्रा.४०.११, ४६.८, १५

སྟེང་གི་ནམ་མཁར་འགྲོ་བ་ ऊर्ध्वगत सु.प्र.४४.२

སྟེང་གི་དབང་པོ་ उपेन्द्र श.दा.

སྟེང་འགྲོ་ ऊर्ध्वगामिन् सु.प्र.४३.२४

སྟེང་འཕུང་དཀར་པོ་ कुमुद श.दा.

སྟེང་དུ་ (१) अग्रे म.च.

རྡུལ་གཅིག་~ एकरजाग्रे म.च.३५ख

(२) उपरि उद्रा.३७.४, सु प्र., न्न.स्तो.६३

ཉུས་པའི་~འཁྲོལ་ནས་ उपर्यस्थीनि निपेततुः सु.प्र.१६१.१५

(३) उपरितः सु.प्र.६४.२

(४) ལོང་བུའི་~ལོང་བུ་མི་བཞག་ न गुल्फे गुल्फमाधाय म.व्यु.८५६०

སྟེང་དུ་འདྲེར་ उत्क्षेपण श.दा.

སྟེང་དུ་འབྱུང་བ་ उन्मज्जन म.व्यु.२२२

སྟེང་དུ་འཛེག་པ་ ऊर्ध्वमारोहति श.दा.

སྟེང་དུ་བཞག་སྟེ་ निधाय द.भू.१०ए

སྟེང་ན་ (१) अग्रि म.च.३क

རྡུལ་གཅིག་~ एकरजाग्रि म.च.२६क

(२) उपरि न्या.बि.७६.७

སྟེང་ནས་(དུ་) उपरि द.भू.१०ए

སྟེང་འཕུར་གཞ..ར་ལྡན་ = ཀླུ་བ་ चक्र श.दा.

སྟེང་ཡོགས་རི་མོ་མ་བྲི་བར་བྱ་ अचित्रन्यवनाक ल.सू.२०५ख

སྟེང་གཡོགས་ (१) = བླ་གབ་ उत्तरच्छद श.दा.

(२) = ཞོགས་མ་ अभ्यविज्ञावन श.दा.

སྟེང་ཕྱོགས་སུ་ उपरिष्टात् उद्रा.३०.१९

སྟེན་ (१) वास लं.सू.२०४ख

(२) सेवति का.प.७प.

མི་སྟེན་ नो सेवति का.प.९प.

(३) सेविन् का प.१२६प.

द्र. ངོས་, གཞི་

སྟེན་ནས་ आसाद्य म.व्यु.७४२६

སྟེན་པ་ भ., भवि. བསྟེན་

(१) भावयन्ति का.प.१२प.

(२) सेवति का.प.११४प.

(३) सेवनता का.प.२०, २५

(४) सेवना का.प.

ཁྱིམ་པའི་ཕྱོགས་ལ་~ गृहपक्षसेवना का.प. ११३

द्र. རྟེན་པ་

སྟེན་པར་བྱེད་པ་ (१) सेवना का.प.११७प.

(२) ~ན་ निषेवमाण का प ३प.

སྟེན་བྱེད་ན་ निषेवमाण (?) का.प.३प.

སྟེབས་པ་ = ལྟེབས་པ་ लेखक म व्य.८८९८

སྟེམ་པ་ भू., भवि. སྟེམས་

སྟེམས་ སྟེམ་པ་ इत्यस्य भू, भवि.

སྟེའུ་ཀ་མ་ भल्ल म.व्यु.६१००, श.दा.

སྟེའུ་ཁ་ཉ་ཊ་ क्षुरप्र म.व्यु.६०८३

སྟེའུ་སྟུག་ क्षुरप्र श.दा.

སྟེར་ (१) °द अ.हृ.१७.१२

(२) दत्त ना.आ.७

(३) दीयते प्र.द.१५

སྟེར་བ་ भू., भवि. བསྟེར་

(१) ददते ना.आ.११

(२) दायिन् बु.च २६

(३) °प्रद बो.क.१६

(४) མི་~འདི་ अददतः बो.च.८.१३२ग

द्र. ཟས་~

སྟེར་བར་འགྱུར་ दास्यामहे सु.प्र.१६१.२५

སྟེར་བྱ་ दायाद बु.च.१९, २०

སྟེས་ (१) वेग श.दा.

(२) ཇི་ཞིག་ལྟར་སྟེས་ནས་ कथंचित् बो.च. ३.२८ग

སྟེས་དབང་གིས་ दैवेन, दैवात् उद्रा.४८.४

སྟེ་སྦྲིན་བུ་ क्रिमि लं.सू.१६९ख

སྟོང་ (१) कोटरा म.व्यु ७१८०

(२) दश शतानि अ.हृ.१.२४.८

(३) शून्य ना.आ.१४, बो.च., ल.सू.७२क, सु प्र.४३.३

ཁང་སྟོང་ शून्यालय बो.च.८ ८७क

ངོ་བོ་ཉིད་སྟོང་ स्वभावशून्य द.भू.१कु

(४) शून्यता बो.च.९.४०ख, ४८क, घ, ५२घ...

(५) शून्यत्व अ.अ १२९

(६) सहस्र उद्रा.७.२७, १५.११, ३२.४, का.प.४६, १५५, न्या.बि.२२१.८, प्र.द. १९, बो.भ.६१क, म.व्यु १३२६-२८, ३०४१-४४, ३६७९, ४२९४, ६१९०, ६३९०, ७६९९. ७८२५, ७९९२, ८०५३, लं.सू.९१ख, श.दा.(=སྟོང་ཕྲག་), सं.लि. ८.२०.५, सु.प्र १७७, १४५.२६

བརྒྱ་སྟོང་ शतसहस्र का.प.९२

རྣམ་པ་སྟོང་དུ་ सहस्रशः बो भ.७६०ख

བྱེ་བ་བརྒྱ་སྟོང་ कोटिशतसहस्र का.प.८२

སྲོག་ཆགས་སུམ་ཁྲི་ཉིས་སྟོང་དེ་ द्वात्रिंशती- नाञ्च प्राणसहस्राणाम् का.प १३८

(७) साहस्र बो च २.१४क, ५७ग

སྟོང་གསུམ་གྱི་སྟོང་ཆེན་པོའི་འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ त्रिसाहस्रमहासाहस्रलोकधातु सु.प्र.

སྟོང་འཁྲིལ་མ་ सहस्रावर्ता म.व्यु ८२९४

སྟོང་གོར་ अर्थबोल म.व्यु.५८४७

སྟོང་འགྱུར་ कं.तं ७१०, ९३०

སྟོང་ཆ་ शून्य श.दा.

སྟོང་ཆེ་ཆུང་དང་གླིང་བཞི་དང་ཁམས་གསུམ་དང་ འཇིག་རྟེན་པའི་ལྷ་ལ་སོགས་པའི་མིང་ལ་ म.व्यु ३०४१

སྟོང་ཆེ་ཆུང་ལ་སོགས་པའི་མིང་ལ་ म.व्यु.३०४१

སྟོང་ཆེན་པོ་རབ་ཏུ་འཇོམས་པ་ महासहस्रप्रमर्दन कं.तं.(°प्रमर्दनी), म.व्यु.१३९५

~ལས་གསུངས་པའི་བདེ་ལེགས་སུ་འགྱུར་ བའི་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་ [महासहस्रप्रमर्दनी- भाषितस्वस्त्ययनगाथा] क.तं.८१३, १०९८, ४४०७

~ལས་གསུངས་པའི་སྨོན་ལམ་ [महासहस्र- प्रमर्दनीभाषितप्रणिधान] कं.तं ४४०८

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ महासहस्रप्रमर्दनीसाधन कं तं ३२५३

~འི་མདོའི་འབུམ་འགྲེལ་པ་ महासहस्र- प्रमर्दनीसूत्रशतसहस्रटीका कं तं २६९०

སྟོང་ཆེན་པོ་རབ་ཏུ་འཇོམས་མ་ महासाहस्रप्रमर्दनी ग्र चि.४४

སྟོང་ཆེན་པོའི་འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ महासाहस्रो लोकधातुः म.व्यु २२६

སྟོང་ཆེན་མོ་ महासाहस्रप्रमर्दनी चि.ब.२०१, चि.त्रि.१७५



སྟོང་ཆེན་མོ་ལྷ་མོ།

སྟོང་ཆེན་མོ་ནས་ཕྱུང་བ་སྐྱོན་ལ་སྨྲས་ཀྱིས་གདབ་

པ་ कं.तं.१०५९

སྟོང་ཆེན་མོ་རབ་ཏུ་འཇོམས་པ་ महासहस्रप्रमर्दन

(नाम सूत्र) कं.तं.५५८

སྟོང་ཆེན་མོ་རབ་ཏུ་འཇོམས་པ་ལས་གསུངས་པའི་

སྨོན་ལམ་ कं.तं.८१३, १०९८

སྟོང་ཆེན་མོ་རབ་ཏུ་འཇོམས་མ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་

ཐབས་ महासहस्रप्रमर्दनीसाधन कं.तं.३३७९

སྟོང་ཆེན་མོ་རབ་ཏུ་འཇོམས་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་

कं.त.३१८१

སྟོང་ཉིད་ शून्यता च.श.७, २१

द्र. འབུམས་ श.दा

སྟོང་ཉིད་བཅུ་དྲུག་ षोडश शून्यताः प्र.पा.६

སྟོང་ཉིད་སྙིང་རྗེའི་ལྷ་བ་ शून्यताकरुणावृष्टि कं तं.

२४३०

སྟོང་ཉིད་ཏིང་འཛིན་རྡོ་རྗེ་ (आचार्य) शून्यतासमाधि-

वज्र नी.पु १.३९२

སྟོང་ཉིད་མཐོང་བ་ शून्यतादर्शन बो च.९.४०कख

སྟོང་ཉིད་བདུན་ཅུ་པ་ शून्यतासप्तति नी.पु.१.

३४२ (क.त.३८२७), ९९४ ("བཅུ་པ"),

प्र.पा.४

སྟོང་ཉིད་བདུན་ཅུ་པའི་འགྲེལ་པ་ शून्यतासप्तति-

वृत्ति कं.तं.३८६७

སྟོང་ཉིད་བག་ཆགས་ (१) शून्यतावासना बो.च.

९.३२क

(२) शून्यवासना बो.च.९.३१ख

སྟོང་ཉིད་བག་ཆགས་གོམས་པས་ शून्यता-

वासनाधानात् बो.च.९.३२क

སྟོང་ཉིས་བརྒྱ་(བརྒྱ་)ལྔ་བཅུ་ अर्धत्रयोदशशतानि

म.व्यु ६२६४

སྟོང་གཉིས་པ་བར་མའི་འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་

द्विसाहस्रो मध्यमो लोकधातुः सं.नि.८.२०.

५, म व्यु.३०४३

སྟོང་(གཉིས་)ལ་དབང་ (द्वि)साहस्राधिपति द.भू.

८स, ९ज

སྟོང་ལྟར་ शून्यवत् च.श.३

སྟོང་ཕྲུན་བསྐལ་བཟང་མིག་འབྱེད་ – ཟབ་མོ་སྟོང་

པ་ཉིད་ཀྱི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་རབ་ཏུ་གསལ་བར་བྱེད་

པའི་བསྟན་བཅོས་བསྐལ་བཟང་མིག་འབྱེད་

प्र.पा.

སྟོང་དག་ཏུ་

ཚེ་རབས་སྟོང་དག་(दे. ཕྲག་)ཏུ་ जन्म-

सहस्राणि बो.च.८.५ग (ना.)

སྟོང་དྲུག་བརྒྱ་ म व्यु.९३७७

སྟོང་ལྡན་ सहस्रवत् ना.आ.१४

སྟོང་པ་ (१) ख श.दा.

(२) रिक्त बो.च,६.५९घ, म.व्यु.२८३१

(३) विमानक श.दा.

(४) विहीन प्र.द.१६

(५) शून्य उग्रा.३१.१०, का.प.१४४, द.भू.

१२२, ६न, प, ७अ, न्या.बि.२१.५, १९१.१६, १९२.१, ६, प्र.पा.१८, बो.च., म.व्यु.१७५, ९३३, ११९२, २४३७, श.दा., सु.प्र.४२.४, ६, १०, १५..., ल.वी.६२

(६) शून्य(क) स.रा.८.२.६, १९.३०, २२ ६

སྟོང་པ་བཅུ་བརྒྱད་ཀྱི་མིང་ལ་ अष्टादशशून्यता म.व्यु.९३३

སྟོང་པ་ཉིད་ (१) शून्यता अ.अ.१.६१, २.३, १४, ४.२१, ५२, ५.७, ८.३६, का.प.१६, १२५, च.श.७, ८, गी.पु.१.१०७, २४५, न्या.इ.२५४टि २, प्र.पा.७, ३४, ३५, ९८, बो.क.१८, बो.च.९.५३क, ख, ५४ख, १३८ग, १६७घ, म.व्यु.९३४-५१, १५४२, १७१२, लं.सू.६४ख, श.दा., सं.नि.०.१, ८.२९, ३०, ९.१८.२.६, सु.प्र.४७.५

(२) शून्यत्व अ.अ.२.३, ३.३, ४.१८, श.दा. (= ཡེ་འབྲམས་)

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱི་ལྟ་བ་ शून्यतादृष्टि कं.तं.२४२६

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱི་དོན་ शून्यतार्थ का.प.१५६

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱི་སྤྱོད་ཡུལ་ཅན་(པ་) शून्यता-गोचर म.व्यु.८१८

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚིག་ शून्यतापद लं.सू.७४क

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱི་མཚན་ཉིད་བསྡུས་པ་ शून्यतासंग्रह-लक्षण सं.नि.८.३१

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱིས་མི་དམིགས་པ་ शून्यतानुपलम्भ का.प.१२३

སྟོང་པ་ཉིད་ཀྱིས་གཡེངས་པའི་སྒྲ་ཅན་ शून्यता-विक्षिप्तमति ल.सू.१६२ख

སྟོང་པ་ཉིད་བསྒོམ་པ་ शून्यताभावना कं.तं.१६९८

སྟོང་པ་ཉིད་བསྒོམ་པའི་མན་ངག་ कं.तं.२७५०

སྟོང་པ་ཉིད་སྟོང་པ་ཉིད་ शून्यताशून्यता म.व्यु.९३७, श.दा., सं.नि.८.२९.१०

སྟོང་པ་ཉིད་དང་ལྡན་པ་ शून्यतासंप्रयुक्त सं.नि.७.१९

སྟོང་པ་ཉིད་དམ་སྟོང་ཉིད་ शून्यताशून्यता लं.सू.९९क

སྟོང་པ་ཉིད་དུ་ལྟ་བ་ शून्यतादृष्टि लं.सू.१२५क

སྟོང་པ་ཉིད་བདུན་ཅུ་པའི་འགྲེལ་པ་ शून्यतासप्तति-वृत्ति कं.तं.३८३१

སྟོང་པ་ཉིད་བདུན་ཅུ་པའི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ शून्यतासप्ततिविवृति कं.तं.३८६८

སྟོང་པ་ཉིད་བདུན་ཅུ་པའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ शून्यतासप्ततिकारिका कं.तं.३८२७

སྟོང་པ་ཉིད་ཕྱོགས་ शून्यतापेक्ष बो.च.९.५३क

སྟོང་པ་ཉིད་མ་ཡིན་པའི་ཚིག་ अशून्यतापद लं.सू.७४क

སྟོང་པ་ཉིད་སྨྲས་པའི་རྣམ་པས་ शून्यतावाचाकारेण स.नि.७.३०

སྟོང་པ་ཉིད་སྨྲ་བ་ शून्यतावादिन् का.प.१२३

སྟོང་པ་མ་ཡིན་ अशून्य लं.सू.११९क

སྟོང་པ་མཚན་མེད་ **शून्यतानिमित्त** का.प.

སྟོང་པ་མཚན་མེད་གཡང་སར་འདུ་ཤེས་པ་ **शून्यतानिमित्तेषु प्रपातसंज्ञी** का.प.१२६प.

སྟོང་པའི་ཁྱིམ་ **शून्यागार** लं.सू.१८७क

སྟོང་པའི་བདག་ཉིད་ **शून्यात्म** सु.प्र.१७९.२३

སྟོང་པར་གྱུར་པ་ **शून्यभूत** सु.प्र.४५.७

སྟོང་པར་མི་བྱེད་ **न शून्याकरोति** का.प.६३

སྟོང་པོ་ **सहस्र** का.प.८३प.

སྟོང་སྤྱི་ཕུད་ཀྱི་འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ **साहस्रचूडिको लोकधातुः** म.व्यु.३०४२, सं.नि.८.२०.५

སྟོང་ཕྲག་ (१) **सहस्र** बो.च.१०.१४ग, श.दा. (= སྟོང་), सु.प्र.८.५, १२.१४, १९.१४

~བཅུ་ **दश ..सहस्राणि** अ.हृ.१.२२.३१

ལྷའི་བུ་~བཅུ་དག་ **दशदेवपुत्रसहस्राणि** सु.प्र.१३२.४, १३३.१६(°བཅུ་པོ་), १३५.२

(२) **सहस्रशः** बो.च.६ ७४ख

སྟོང་ཕྲག་བརྒྱ་པ་ **शतसाहस्रिका** प्र पा.८, श.दा. (°क)

[སྟོང་ཕྲག་བརྒྱ་པ་ལ་སོགས་པ་མདོ་སྡེ་ཆེན་པོ་བཀླགས་པའི་]ཆོས་ཀྱི་སྦྱིན་པའི་བསྔོ་བ་ [(आर्य) **शतसाहस्रिकादिमहासूत्रपाठधर्मदानपरिणमना**] कं.तं.४३९८

སྟོང་ཕྲག་བརྒྱ་པའི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ **शतसाहस्रिकाव्याख्या** कं.तं.३८०२

སྟོང་ཕྲག་དྲུག་ཅུ་རྩ་བརྒྱད་(པོ་) **अष्टषष्टिसहस्राणि** सु.प्र.९३.२८, १२८ २८

སྟོང་མིན་ **अशून्य** च.श.३

སྟོང་མིན་ཉིད་ **अशून्यत्व** अ.अ.५.३०

སྟོང་ཚང་བ་ **पूर्णं...सहस्रम्** उद्रा.७.२७

སྟོང་སོབ་ **फल्गु** श.दा.

སྟོང་སོབ་ཆེན་པོ་ **महाफल्गु** श.दा.

སྟོང་གསུམ་ **त्रिसाहस्र** अ.अ.५.३७

སྟོང་གསུམ་གྱི་...སྟོང་ཆེན་གྱི་འཇིག་རྟེན་དག་ན་ **त्रिसाहस्रिकायां महासाहस्रिकायां लोकधातौ** सु.ऽ.७६.१२प.

སྟོང་གསུམ་གྱི་སྟོང་ཆེན་པོའི་འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ **त्रिसाहस्रमहासाहस्रो लोकधातुः** उद्रा.३१ २१, का.प ९६ (°स्रलो°), म.व्यु.२२६, ३०४४, सं नि ८.२०.५, सु.प्र. (°स्रलो°) ९.१४, १९, ६४.१८ ..

སྟོང་གསུམ་གྱི་སྟོང་ཆེན་པོའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ **त्रिसाहस्रमहासाहस्रबुद्धक्षेत्र** सं.नि.१०.४

སྟོང་གསུམ་འཇིག་རྟེན་ **त्रिसाहस्रलोक** सु.प्रः २०.१९

སྟོང་གསུམ་པ་ཡི་འཇིག་རྟེན་ **त्रिसाहस्रिकलोक(धातु)** सू.प्र.११६.२३

སྟོངས་དེ་ **उत्सृजति** द.भू.१०६

སྟོངས་པ་ भू. བསྟངས་, भवि. བསྟང་(?)

སྟོད་ སྟོད་པ་ **इत्यस्य लोट्**

(१) उत्कर्षण का.प.

བདག་སྟོད་ आत्मोत्कर्षण का.प.१प.

(२) उत्तमांग लं.सू.८३क

(३) उत्तर श.दा.

(४) उपरिम म.व्यु.२१३

(५) पूर्व म.व्यु.८२२९, श.दा.

རྔ་སྟོད་ पूर्वकाय उग्र.१८ ६

སྟོད་ཀོར་ནང་ཚངས་ཅན་ लम्पक म.व्यु.८१९९

སྟོད་སྐོར་=སྟོད་ཁོར་ अर्धचोल श.दा.

སྟོད་སྐོར་ནང་ཚངས་ཅན་ लम्पक म.व्यु.८१९९

སྟོད་ཁོར་ = སྟོད་སྐོར་

སྟོད་གོས་ उत्तरासंग श.दा.

སྟོད་གྲོག་སྲུ་ ? उत्तर म.व्यु ८३९१

སྟོད་ཅིང་ श्लाघमानेन म.व्यु.७६५५

སྟོད་ཇ་ खदिर श.दा.

སྟོད་པ་ भू., भवि. བསྟོད་

(१) =སྟོད་པ་ क्षेप म.व्यु.७६४१

(२, ३) प्रशंसा, श्लाघा श.दा.

द्र. གཞེང(ས་)སྟོད་པ་

སྟོད་ཕྲུར་=བརྟན་པ་ भ्रुव श.दा.

སྟོད་སྨད་=སྨྲ་ཕང་ कण्ठाभ: श.दा.

སྟོན་ भू., भवि. བསྟན་

(१) उपदर्शयन्ति उग्र.

འཛུམ... སྟོན་ स्मितमुपदर्शयन्ति उग्र.३२.१९

(२) उपदिशेत् न्या.बि.२०६.१०

(३) दर्शन भ.च.३६ग, सु.प्र.१७७.८

(४) दर्शयति ना.आ.१३.७

(५) °दर्शितु° भ.च.१२क

(६) दर्शिन् अ.अ.४.२२

(७) देशक सु.प्र.१६२.१३

(८) देशति सु.प्र.१७.१९

(९) देशना का.प., सु.प्र.

ཆོས་སྟོན་ धर्मदेशना का.प.४३प., सु.प्र.१७.

१

(१०) ཡོངས་སུ་མི་སྟོན་ न देशयति

का.प.१प.

(११) देशयेत् सु.प्र.१७.१५

(१२) निर्दिश्यते न्या.बि.१०१.९

(१३) निवेदयामि ना.आ ९.२

(१४) प्रकाशयेत् सु.प्र.११६.१६

(१५) वदन्ति का.प.

ཆོས་རྣམས་སྟོན་ वदन्ति धर्मान् का.प.४१प.

(१६) व्याख्या लं.सू.७३ख

(१७) शरत् म.व्यु.८२५५, श.दा., श.पं.३८,

सु प्र.१४०.१४

(१८) शारद म.व्यु.८२५६, सु.प्र.१३९.२४

(१९) शासक म.व्यु.९०८०

द्र. དགའ་སྟོན་, རབ་ཏུ་སྟོན་

སྟོན་ཀ་=སྟོན་ शरत् श.दा.

སྟོན་ཀ་སྐྱིད་ चटक श.दा.

སྔོན་གྱི་གྲུབ་མོ་ अदयाजी वि.वि.२५०

སྔོན་གྱི་ལྷ་མོ་ अदद्देवी वि.प.३३३

སྔོན་གྱུར་ཅིག་ वेजन्तु मु.म.२१.१०

སྔོན་ཅིག་ प्रतिवेदयत्व म.व्यु.६६०३

སྔོན་ཅིང་ मी·~ न वेशपति का.प.१

སྔོན་མཆོག་

~ཀུན་ནས་སྣང་བ་བཀོད་པའི་དཔལ་ मह.०० (१०६१)



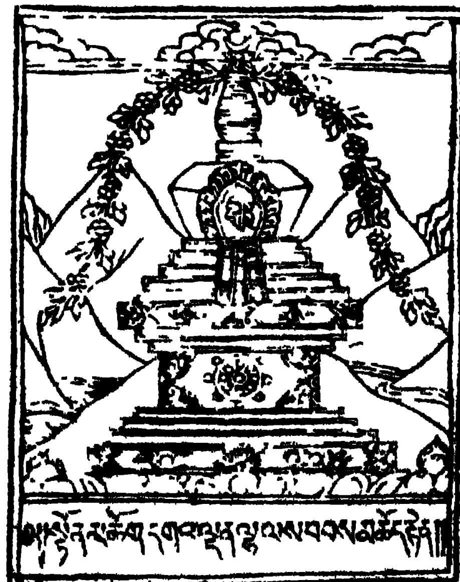
༄། །སྔོན་མཆོག་ཀུན་ནས་སྣང་བ་བཀོད་པའི་དཔལ། །

~སྐྱེ་བོ་དགའ་བར་མཛད་ द. སྐྱེ་བོ་དགའ་བར་མཛད་པ་ मह.८२८

~དགའ་ལྡན་ལྷ་ལས་བབས་མཆོད་རྟེན་ मह.०० (११६७)



སྔོན་གྱི་གྲུབ་མོ་ལ་ན་མོ།



༄། །སྔོན་མཆོག་དགའ་ལྡན་ལྷ་ལས་བབས་མཆོད་རྟེན། །

~དམ་པ་གདངས་སྙན་ཞབས་ द्र. གདངས་སྙན་ मह.७४९

~ནོར་བུའི་ཟླ་བའི་མཚན་ द्र. ནོར་བུའི་ཟླ་བ་ मह.३५४

~སྨ་མའི་མེ་ཏོག་མཚན་ द्र. སྨ་མའི་མེ་ཏོག་ मह.४६४

~སྤྲིན་གྱི་གླང་པོའི་དཔལ་ द्र. སྤྲིན་གྱི་གླང་པོ་ मह.३१९

~བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་འདུལ་བའི་མཚན་ मह.००(१०)

~མི་ཡི་ཟླ་བ་མཚན་ द्र. མི་ཡི་ཟླ་བ་ मह.१८१

~གཙུག་ན་རིན་པོ་ཆེ་ द्र. གཙུགས་ན་རིན་པོ་ཆེ་ मह.२९८

~གཟི་བརྗིད་མཐའ་ཡས་དཔལ་ द्र. གཟི་བརྗིད་མཐའ་ཡས་ मह.६७४

~ཡུལ་འཁོར་ཤེས་རབ་ཞབས་ द्र. ཡུལ་འཁོར་ཤེས་རབ་ मह.५७८

~ལེགས་བསམས་གྲགས་པའི་དཔལ་ द्र. ལེགས་བསམས་གྲགས་པ་ मह.४१५

~ཤུགས་ཀྱིས་འདེར་བའི་མཚན་ द्र. ཤུགས་ཀྱི་འདེར་བ་ मह.९९०

~སེང་གེའི་མཆེ་བའི་མཚན་ द्र. སེང་གེའི་མཆེ་བ་ मह.१८४

སྟོན་དེ་ देशयति द.भू.

ཆོས་~ धर्मं देशयति द.भू.१क, ग, घ-ङ, ज, ञ-ड

སྟོན་ཏེ་སྒྲུབ་པ་ उपसंहारो दीपनम् न्या.वि. १८६.१२

སྟོན་ཏོ་ (१) देशयति म.व्यु.६३२२

(२) देशयन्ति उग्रा.१२:४

སྟོན་དུ་གྱུར་པ་ན་ भासते सु.प्र.१४०.१४

སྟོན་ན་ (१) वर्णयत् न्या.वि.१७४.३

(२) सूच्यते का.प.१४४

སྟོན་པ་ भू., भवि. བསྟན་

(१) अनुशासक म.व्यु.८७३०

(२) अभिधान न्या.वि.५.१

(३) अववाद म.व्यु.८४४२-४४

(४) आवर्णयत् न्या.वि.७.६, १३५.१८, १३६.९

(५) आरोचनता का.प.२०

(६) आह न्या.वि.१२६.६

(७) उपसंहार न्या.वि. (°པ་) १८६.९, १२

(८) उपलक्ष्य म.व्यु.१८५१

(९) कथ्यते (=वर्ण्यते) न्या.प्र.९

(१०) सं. तथागत का.प.१४८

(११) वर्णन द.भू.७ग, म.व्यु.७०९, ३४११, सु.प्र.६७.१०

(१२) वर्णयतु न्या.बि.(°प॑) २२.२०,२१.१८, १३६.७..., बो.क.१८

(१३) वर्णयति न्या.बि. (°प॑) १२१.३, १५४.६, १६५.४, बो.च.१.५ख

(१४) རབ་~ प्रवर्णित बो.च.५.१०५ख

(१५) बुध्यते न्या.बि.२१०.१५

(१६) देशक सु.प्र.१७६.३

(१७) देशना अ.अ.१.५०, म.व्यु.८४२६, सं.नि.८.२१.५, सु.प्र.२५.७

མཚུངས་པར་ཆོས་~ समधर्मदेशना का.प.१२

(१८) देशयति म.व्यु.२७७०

(१९) देशयमान सु.प्र.१९.७

(२०) देशिक म.व्यु.७४, ४४२, ८४२, २७६१. ५१२८

(२१) देशीयते सु.प्र.१२०.२०

(२२) प्रणेतु म.व्यु.२७६०, श.दा.

(२३) प्रदर्शक न्या.बि.८.१

(२४) प्रदर्शन न्या.बि.४.४, १३१.३, १९९.९

(२५) वश द.मू.१०आ.

(२६) विधि न्या.बि.२१४.१७

(२७) शासिन् अ.अ.१.१

(२८) शास्तृ अ.अ.५ २०, उद्रा.९.३६, १२.३२, ४३.३३, ४७.७, का.प.४प., द.भू.२त, दद, न्या.बि.२०९.७, म.व्यु.११, ३८४, १३०२, ३५४४, लं.सू.६३ख, सं.नि.१.२, ७.१७, स.रा.८.८, २२.२१, सु.प्र.५९.९, १३२.१७, १३५.१३...

(२९) संदर्शक म.व्यु.७९७, ८०२

(३०) संदर्शन म.व्यु.७८४, ३३९०

(३१) संदर्शना अ.अ.५.१७

(३२) संप्रकाशनता का.प.११

(३३) सूचन अ.अ.२.९

(३४) ལུང་~ व्याकरण सु.प्र.१२.१३, १३.३...

སྟོན་པ་དགེ་མཆོག་རྒྱལ་པོའི་ཞབས་ द्र. དགེ་མཆོག་རྒྱལ་པོ་ भद्र.३७६

སྟོན་པ་མཆོག་གྱུར་ལྷའི་དྲང་སྲོང་ द्र. ལྷའི་དྲང་སྲོང་ भद्र.४०७

སྟོན་པ་འཇིག་རྟེན་འདས་པའི་ཞབས་ द्र. འཇིག་རྟེན་འདས་པ་ भद्र.३९३

སྟོན་པ་ཉིད་ (१) दर्शन अ.अ.१.६५

(२) दर्शनत्व न्या.बि.१९९.१३

སྟོན་པ་དང་འདྲ་བ་ शास्तृकल्प उद्रा.९.३६

སྟོན་པ་པོ་ अनुत्पादक न्या.बि.३.२०

སྟོན་པ་མེད་ = སློན་པ་མེད་ अप्रणिहित म.व्यु.१५४४

སྟོན་པ་ཞི་བའི་གཟི་བརྗིད་མཚན་ द्र. ཞི་བའི་གཟི་བརྗིད་ भद्र.३०३

སྟོན་པ་གཟི་བརྗིད་ཆེན་པོའི་མཚན་ द्र. གཟི་བརྗིད་ཆེན་པོ་ भद्र.७४१

སྟོན་པ་ལྷ་ཡི་མེ་ཏོག་ཞབས་ द्र. ལྷ་ཡི་མེ་ཏོག་ भद्र.१०३

སྟོན་པའི་བཀའ་སྡོད་ཡུལ་འཁོར་སྲུང་ भद्र. ००
(११६३)

སྟོན་པའི་དངོས་པོ་ शास्तृवस्तु सं.नि.१०.५.२

སྟོན་པའི་གདང་རབས་ཧླི་ཏི་ཀ་ भद्र. ००
(१०९३)



སྟོན་པའི་བསྟན་པ་ शास्तुः शासनम् श.दा.

སྟོན་པའི་བསྟན་པ་སྐྱོད་པ་ शास्तुः शासनकरः
म.व्यु.२४३५

སྟོན་པའི་ཐབས་ལ་མཁས་པ་ देशनोपायकुशल
सं.नि.१०.४

སྟོན་པའི་འདུ་ཤེས་ शास्तारसंज्ञा का.प.४प.

སྟོན་པར་ वर्णयितुम् न्या.बि.१९७.२

སྟོན་པར་ཁས་བླངས་འོད་སྲུངས་ཆེ་ भद्र. ००
(१०८९)





སྟོན་(པར་)བཀྲིད་པ་(བྱེད་པ་) देशयति...
उद्रा.११.२७, ३३, १२.५

སྟོན་པར་འགྱུར་ (१) देशयिष्यामि बो.प.६.१६७ख

(२) प्रदर्शयिष्यति सु.प्र.६७.४

སྟོན་པར་འགྱུར་ཏེ་ द्र. ཡང་དག་པར་~

སྟོན་པར་འགྱུར་བ་ द्र. ཡང་དག་པར་རབ་ཏུ་~

སྟོན་པར་འདུ་ཤེས་ शास्तृसंज्ञा का.प.४

སྟོན་པར་འདོད་པ་ दर्शयितुकाम न्या.बि.१९७.२

སྟོན་པར་བྱེད་ (१) उपदेश लं.सू.९२क

(२) सं. गम्यते न्या.बि.४०.२

(३) दर्शयति न्या.बि.६७.३

(४) सूचयति न्या.बि.१३५.१२

སྟོན་པར་བྱེད་པ་ (१) आदर्शयति न्या.बि.३७.१०

(२) कथन न्या.बि.१००.११

(३) दर्शक न्या.बि.१९९.५

(४) (°པ་) दर्शयत् न्या.बि.७.१७, १३५.१४, १९५.२...

(५) (°པ་) दर्शयति न्या.बि.७.२, १७७.३

(६) दर्शयितृ म.व्यु.२७६५

(७) देशयन्ति सं.नि.७.२२

(८) प्रकाशयते न्या.बि.९२.११

(९) प्रतिपादक न्या.बि.९४.१, ३, ४

(१०) (°པ་) प्रदर्शक न्या.बि.६.१८, ७.४

སྟོན་པར་བྱེད་པ་ཉིད་ प्रदर्शकत्व न्या.बि.६.६

སྟོན་པར་བྱེད་པ་ཡིན་ (१) दर्शयति न्या.बि.७.१, ३

(२) ཡང་དག་པར་རབ་ཏུ་~ संप्रकाशयति का.प.२

སྟོན་པར་མཛད་ दर्शयेत् सु.प्र.१६.२१

སྟོན་པར་མཛད་པ་ दर्शक अ.अ.४.२१

སྟོན་བྱེད་ (१) °དེ་ आह: उद्रा.२१.१५

(२) देशक अ.अ.१.३६

སྟོན་བྱེད་པ་

རབ་ཏུ་~ प्रकाशयन्ति का.प.२२

སྟོན་མོ་ (१) उत्सव म.व्यु.५७६१, श.दा.

(२) यात्रा श.दा.

སྟོན་ཟླ་ཐ་ཆུང་ कार्तिक म.व्यु.८२६९ (°ཆུངས་), श.दा.

སྟོན་ཟླ་ཐ་ཆུང་ལ་ཐལ་བ་ कार्तिकात्ययिक म.व्यु.८४१२

སྟོན་ཟླ་འབྲིང་པོ་ (१) अश्विनि म.व्यु.८२६८

(२) आश्विन श.दा.

སྟོན་ཟླ་ར་བ་ भाद्रपद नी.पु.१.१४८, म.व्यु.८२६७, श.दा.

སྟོན་ས་ शरत्कावास म.व्यु.५६२७

སྟོབ་ཅན་ = དཔའ་བོ་སྙིང་ = བརྩོལ་ཡོད་པ་ = བརྩོལ་ཡོད་ वीर श.दा.

སྟོབ་པ་ भू. བསྟབ་(བསྟོབ་), भवि. བསྟོབ་,

ओद् ལྡན་

बाल घ.वा.

སྟོབས་ (१) =སྟོབས་པོ་ तेजस् घ.वा.

(२) बल अ.अ.८.४, का.प., द.भू.१घ, ल, ४घ, ७ढ, ८प, र, ६ख, १०अ, ज, न्या.बि. २९.१०, ३६.६, ३७.३..., प्र.ह.६, बो.भ. ६.२५ग, ६०ग, १२६ख(पा.), ..., भ.च.२क, ८ग, म.व्यु.२५, ११६-२६, ३८३, ७३१, ७५९-६६, ६२२, ६८२-८७, १३९७, ३३००, ३३४३, ३३७५, ३४००, ५१५१, ६४६०, ७२२८, ८६६३, ८२०७-१४. म.सू., लं.सू. ६१क, घ.वा.(=སྟོབས་པོ་), सं.नि.४.५, ७.१, २६, १०.७.४.७, स.रा.२२.१६, सु.प्र. ५.२५, २५.२७, ३०.५..., श.स्तो.६७

སྨོན་ལམ་གྱི་སྟོབས་ प्रणिधानबल सु.प्र.१३६. १०

(३) बलात्कार बु.च.२६

(४) =ཤེད་ मनु घ.वा.

(५) बल (पा. बल) बो.च.

བརྩོན་པའི་སྟོབས་ उत्साहबल (पा. उत्साह-बल) बो.च.७.१८ग

(६) बलिता व.मृ.८सौ

(७) विक्रम बु.च.५

(८) बलिन बो.च.८.१४४ख, घ.वा.(=སྟོབས་པ་)

(९) =སྟོབས་པོ་ सत्त्व घ.वा.

སྙིང་སྟོབས་ सत्त्व बो.च.६.६४क, १२७क

ཐུགས་སྟོབས་ सत्त्व भ.पं.४६

(१०) स्थाम म.व्यु.५१५२

ग्र. མཐུ་སྟོབས་

སྟོབས་ཀྱི་འཁོར་ལོས་བསྒྱུར་བའི་རྒྱལ་སྲིད་ बलचक्रवर्तिराज्य ऊ.प्रा.३१.२९

སྟོབས་ཀྱི་གྲུ་ सर्कटिको (नावायका) म.व्यु: ३२२८

སྟོབས་ཀྱི་(དང་)ལྡན་པ་ बलाबाल द.भू.१उव, ५ब, ब, ७फ, ८अ, प, १०ह

སྟོབས་ཀྱི་རྡོ་རྗེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ बलबज्रसाधन नी.पु.२.१०३६

སྟོབས་ཀྱི་སྡེ་ बलसेन तु.४६४

སྟོབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ बलपारमिता म.व्यु. ९२२, सं.नि.६.१०.३

སྟོབས་ཀྱི་དབང་པོའི་ཏོག་ बलेन्द्रकेतु सु.प्र.१०३. १५, १०४.१<राज-नाम>

སྟོབས་ཀྱི་ལྡན་པ་ बलवेन का.प.१५४, सु.प्र. ६०.२०

སྟོབས་ཀྱི་བཤེས་གཉེན་ बलमित्र घ.वा.१२६२क

སྟོབས་ཀྱི་ལྷ་ बलदेव मह.१५६

སྟོབས་ཀྱིས་མ་ཤེས་པ་ त्रिकालत्वाभिज् मह. १४४

སྟོབས་སྐྱེད་པ་ कपोहल म.व्यु.७६७७

སྟོབས་བསྐྱེད་པ་ बलाधान म.व्यु.७२२८, घ.वा.

སྟོབས་འཁོར་ बल <संख्या-नाम> म.व्यु.८०३२

སྟོབས་འཁོར་ཆེན་པོ་ महाबल <संख्या-नाम>
 म.व्यु.८०३३

སྟོབས་དགྱེས་ बलनन्दिन् भद्र.३७०

སྟོབས་ལྔ་ पञ्चबल म.व्यु.९८२
 (१) དད་པའི་སྟོབས་ श्रद्धाबल, (२) བརྩོན་འགྲུས་ཀྱི་སྟོབས་ वीर्यबल, (३) དྲན་པའི་སྟོབས་ स्मृतिबल, (४) ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྟོབས་ समाधिबल, (५) ཤེས་རབ་ཀྱི་སྟོབས་ प्रज्ञाबल श.दा.

སྟོབས་ལྔ་གོ་ཆ་ पञ्चबलकवच द.मू.५अ.

སྟོབས་ལྔའི་མིང་ལ་ पञ्चबलानि म.व्यु.९८२

སྟོབས་ཅན་ (१) =སྟོབས་ཆེན་ अतिबल भद्र.
 ९९१
 (२) बलवेवो नागराजा म.व्यु.३३००
 (३) बलिको नागराजा म.व्यु.३२६०
 (४) बलिन् बो.च.४.३१क

སྟོབས་ཅན་ནག་པོ་ (पण्डित) बलकृष्ण नी.पु.२.
 ८४७

སྟོབས་བཅུ་ दशबल द.मू.१ओ., प, स, २प, १० ए, प्र.पा.४६(°बलानि), श.दा., सु.प्र.२२. १९, २४.२४, २७.१०...
 (१) བསམ་པའི་སྟོབས་ आशयबल, (२) ལྷག་པའི་བསམ་པའི་སྟོབས་ अभ्यासबल, (३) སྦྱོར་བའི་སྟོབས་ प्रतिपत्तिबल, (४) ཤེས་རབ་ཀྱི་སྟོབས་ प्रज्ञाबल, ज्ञानबल, (५) སྨོན་ལམ་གྱི་སྟོབས་ प्रणिधानबल, (६) ཐེག་པའི་སྟོབས་ यानबल, (७) སྤྱོད་པའི་སྟོབས་ चर्याबल, (८) རྣམ་པར་འཕྲུལ་པའི་སྟོབས་ विकुर्वणबल, (९) བྱང་ཆུབ་ཀྱི་སེམས་དཔའི་སྟོབས་ बोधिसत्त्वबल, (१०) ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་རབ་ཏུ་བསྐོར་བའི་སྟོབས་ धर्मचक्रप्रवर्तनबल श.दा.
 द्र. དེ་བཞིན་གཤེགས་པའི་སྟོབས་བཅུ་

སྟོབས་བཅུ་མངའ་བ་གྲགས་བྱིན་ཞབས་ द्र. གྲགས་བྱིན་ भद्र.२४४

སྟོབས་བཅུ་མཆོག་ཏུ་འགྱུར་བར་བགྱི་ भवेयं दशबलोत्तमः सु.प्र.२७.१०

སྟོབས་བཅུ་དམ་པར་འགྱུར་བར་བགྱི་ भवेयं दश-बलोत्तमः सु:प्र.२५.२८

སྟོབས་བཅུ་པ་ दशबल म व्यु.२५

སྟོབས་བཅུ་དཔལ་ दशबलश्री नी.पु.२.८०१

སྟོབས་བཅུ་ལྷུན་གྲུབ་ཡུལ་འཁོར་རྒྱང་ད་ द्र. ཡུལ་འཁོར་རྒྱང་ད་ भद्र २६८

སྟོབས་བཅུའི་སྟོབས་འཆང་
 ~ དོན་ངེས་ལྡན་ द्र. དོན་ངེས་ལྡན་ भद्र.
 १८८

~དབང་ལྡན་མཚན་ द्र. དབང་ལྡན་ भद्र. ६८१

~འོད་སྲུང་ཞབས་ द्र. འོད་སྲུང་ भद्र.१५७

~སྨིན་མེད་བུ་ཡི་ཞབས་ भद्र.००(१०५०)

སྟོབས་བཅུའི་དབང་ཕྱུག་

~ཚེམས་མེད་མཚན་ द्र. ཚེམས་མེད་ भद्र. २३१

~ཐུབ་པ་ཆེ་ द्र. ཐུབ་པ་ भद्र.८

~དབྱངས་ཆེན་པོ་ द्र. དབྱངས་ཆེན་པོ་ भद्र. १२३

~ཞལ་བཟང་ཞབས་ द्र. ཞལ་བཟང་ भद्र.८७०

~གཟུགས་མཆོག་རྒྱལ་ द्र. གཟུགས་མཆོག་ भद्र.५७०

~འོད་གཙང་མཚན་ द्र. འོད་གཙང་ भद्र. ६५५

~ལག་ཆེན་ཞབས་ द्र. ལག་ཆེན་ भद्र.१३

~ལེགས་མཛད་མཚན་ द्र. ལེགས་མཛད་ भद्र.६३४

~སེང་གེའི་མཚན་ द्र. སེང་གེའི་སྐུ་ भद्र. २०९

སྟོབས་བཅུའི་ཡེ་ཤེས་ལེགས་གནས་ཆེ་ द्र. ལེགས་གནས་ भद्र.८६

སྟོབས་ཆུང་ अल्पबलता बो.भू.९.१५८ग

སྟོབས་ཆུང་བ་ दौर्बल्य म.व्यु.२४६८

སྟོབས་ཆེ་ (१) = ཤས་ཆེ་ = ཤས་ཆེ་བ = དྲག་པོ་ तीव्र श.दा.

(२) बल का.प.८३

སྟོབས་ཆེན་ (१) अतिबल भद्र.९९१

(२) महाबल सु.५७६, बो.भू.२.४७ग, भद्र. १४, म.व्यु.३३४३, श.दा.

སྟོབས་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པ་ बलवत्तर का.प.१५१

སྟོབས་ཆེན་ཡེ་ཤེས་རྒྱལ་པོའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ (श्री)महाबलज्ञानराजतन्त्रराज कं.तं.४१०

སྟོབས་མཆོག་ = སྟོབས་མིག་ཆེན་པོ་ महाबलाक्ष श.दा.

སྟོབས་མཆོག་གི་སྟོབས་ बाहुबल म.व्यु.८२११

སྟོབས་འཇིག་ बलभित् श.दा.

སྟོབས་ཉམས་པ་དང་རྗེས་འབྲེལ་ན་ बलनाशानु-बन्धे बो.भू.७.६८क

སྟོབས་དང་མཐུ་ बलस्थाम र.मू.१अ, १०ब

སྟོབས་དང་བདེ་བ་ལ་རེག་པར་གནས་སམ་ बलं च सुखस्पर्शविहारतां च म.व्यु.६२८८

སྟོབས་དང་ལྡན་པ་ (१) बलवत् का.प.१५१

(२) बलवत्तर का.प.८३प.

(३) बलीयस् बो.भू.१.८१क

(४) बलोपेत ल.वि.१५.२१.१२

སྟོབས་དང་དབང་དང་མཐོན་པར་ཤེས་པ་ बला-भिज्ञताभिज्ञान लं.सू.९६क

སྟོབས་ལྡན་ (१) = ལྷ་མིན་ असुर श.दा.

(२-४) वृद्ध, नारायण, प्रबल श.दा.

(५) बलवत् उद्रा.२४.२७, ३२, २८.५, च.श.१९, प्र.द.६, श.दा.

རབ་ཏུ་~ बलवत् का.प.३७प.

(६) बलिको नागराजा म.व्यु.३२६०

(७) बलिन् तु.५७७

སྟོབས་ལྡན་པ་

ཤིན་ཏུ་~ बलवन्ततर का.प.८३

སྟོབས་ལྡན་བུ་ बलिपुत्र, वैरोचन श.दा.

སྟོབས་ལྡན་མ་ बलिनी श.दा.

སྟོབས་སྡེ་ बलसेन भद्र.५२

སྟོབས་རྣམས་ལ་བརྙི་བ་མེད་པ་ अनवमर्दनीयो बलैः म.व्यु.३८३

སྟོབས་པ་ प्रवारण म.व्यु.८४५७

སྟོབས་པོ་ द्र. སྟོབས་

སྟོབས་པོ་ཆེ་ महाबल कं.तं (आर्य महाबल नाम महायानसूत्र) ७५७, ९४७, चि.पं.स१९ख, नी.पु.१.१६ <राज-नाम>, श.दा. ➔

ཁྲོ་བོ་~ क्रोधमहाबल चि.च.३४२, चि.त्रि. २१८

སྟོབས་པོ་ཆེའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ (श्री)महाबल-तन्त्रराज क.तं.३९१

སྟོབས་པོ་ཆེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ महाबलसाधन कं.तं. ३२९०, ३३८८, ३६३५

སྟོབས་པོ་ཆེའི་མདོ་ महाबलसूत्र म.व्यु.१४०६

སྟོབས་བྱིན་ बलदत्त भद्र.४३३

སྟོབས་མིག་ बलाक्ष म.व्यु.८०३८<संख्या-नाम>, श.दा.

སྟོབས་མིག་ཆེན་པོ་ महाबलाक्ष म.व्यु.८०३९ <संख्या-नाम>, श.दा.(= སྟོབས་མཆོག་)

སྟོབས་མེད་ (१) अबल भ.च.३९ग

(२) अबलो नागराजा म.व्यु.३२५४

སྟོབས་བཟང་ (१) बलभद्र श.दा.

(२) सुतीर्थ भद्र.७३२

སྟོབས་བཟང་དབང་ अर्जुन श.दा.

སྟོབས་བཟང་མ་ उरण, पिष्या श.दा.

སྟོབས་ཡང་(ས་)རྒྱུའི་བློ་གྲོས་ बलविपुलहेतुमति म.व्यु.३४००



སྟོབས་པོ་ཆེ།

སྟོབས་ཡས་ निबल <संख्या-नाम> म.व्यु. ७७३६(नै°), ७८६४

སྟོབས་རབ་བསྐྱེད་ बलप्रद अ.हृ.१.२.१६

སྟོབས་ལ་དགྱེས་(པ་) बलनन्दिन् भद्र.३७०

སྟོབས་ལས་ साहस श.दा.

སྟོབས་ག་ཤེགས་ विक्रान्तगामिन् भद्र.१४४

སྟོབས་སུ་བགྱིད་པའི་ལས་རྣམས་ बलकरणीयानि कर्माणि सु.प्र.९४.१८

སྟོབས་ལྷ་ (१) बलदेव भद्र.१५६

(२) बलदेवो नागराजा म.व्यु.३३००

སྟོར་ སྟར་བ་ इत्यस्य लोट्

(१) विनष्ट सु.प्र.

སེམས་...སྟོར་ विनष्टचित्त सु.प्र.१६९.६, १७२.९, १७(°ब)

(२) སྲོག་སྟོར་དོགས་བཞིན་གཡུལ་དུ་འཇུག་ सं. रणं जीवितसंदेहं विशन्ति बो.च. ८.७७ग

སྟོར་ཁང་ उवकभ्रम म.व्यु.९२९०, श.दा.

སྟོར་བ་ (१) नष्ट सु.प्र.१६२.२०, १६४.१५, १६

(२) परिहाणि का.प.८

(३) གཅིན་མི་~ न प्रस्रावं करिष्यति का.प. १६१

བདེ་བ་ मू.(ब)दस

བརྟག་ (१) སོ་སོར་བརྟག་ प्रत्यवेक्ष्य बो.च.५. ४१घ

(२) མི་བརྟག་(དེ. རྟག་) न कल्प्यते बो.च. ९.२६ख

(३) निरूप्य बो.च.५.४०घ

(४) གཞན་ན་ཡང་ཀུ་ཤེས་འདུག་པོས་པས་ བརྟག་གོ་ कंगुः म.व्यु.५६६२

བརྟག་ཅིང་(ག)ཞིག་ནུས་པ་ ऊहापोहसमर्थं म.व्यु. ७४६८

བརྟག་གཉིས་ हेवज्रतन्त्रराज नी.पु.(कं.तं.४१७-१८) १.१९८, २०७, २.५८७, ७६४, ७७९, ७९७, ८२८, ८३०

བརྟག་ཏུ་རུང་བ་ (१) संभाव्य न्या.बि.५०.३

(२) संभाव्यते न्या.बि.५०.१

བརྟག་པ་ (१) ऊहना म.व्यु.७४६७

(२) कल्पना लं सू.७२ख

(३) परीक्षा द.मू.६ल, न्या.बि.२.११, ५.४, प्रस.३४१.५, ४४८.१६, श.दा., सं.नि.१०: ७.४

(४) परीक्षित श दा.

(५) बोध बो.च.५.३७क

(६) विचय म.व्यु.८५२२

(७) विलोकन द.मू.२अअ, ३ए

(८) सं. ०० उद्रा.४.११

द्र. རྟོག་པ་

བརྟག་པ་གཉིས་ हेवज्रतन्त्रराज नी.पु.२.८२९

བརྟག་པ་གཉིས་པ་ हेवज्रतन्त्रराज नी.पु.१.२०९

བརྟག་པར་གྱིས་ (१) निरूप्य बो.च.८.१६१ख

(२) निरूपयताम् बो.च.९.१४३ख

(३) विचारय बो.च.५.६३ख

བརྟག་པར་བགྱིས་ཏེ་ उद्रा.६.३२

བརྟག་པར་བྱ་ (१) उपलक्षितव्य म.व्यु.७४५४

(२) ལྐོག་ཏུ་~ उपपरीक्षितव्य का.प.९६

བརྟག་པར་བྱ་བ་ (१) परीक्षणीय न्या.बि.९.१७, १०.१

(२) परीक्षा न्या.बि.१०.२

(३) संभावित न्या.बि.५०.१३, ६४ १४, १७

བརྟག་པར་བྱ་བ་དང་བསྟན་པའི་ཕྱིར་ प्रकल्प्यमान ह.मू.

བརྟག་པར་བྱ་བ་ཡིན་ परीक्ष्यते न्या.बि.९.११

བརྟག་པར་མི་ནུས་པ་ अतर्क्य म.व्यु.२९१९

བརྟག་བྱ་ प्रकल्प्यते बो.च.९.३३ख

བརྟག་བྱ་བ་ सं. प्रत्यवेक्षा बो.च.५.१०८ख

བརྟག་བྱས་ནས་ निरूप्य बो.च ५ ३८क

བརྟག་མི་ནུས་པ་ अतर्क्य सं.नि.७.१९

བརྟག་ཡས་ मणव <संख्या-नाम> म.व्यु.७७७९

བརྟགས་ རྟོག་པ་ इत्यस्य भू.

(१) ཡོངས་སུ་བརྟགས་ परीक्षण सु.प्र.४.१प.

(२) ལེགས་པར་ཡོངས་སུ་བརྟགས་ सु-परीक्षित बो.च.१.११ख

(३) ईक्ष्यते श.पं.३५

(४) ऊहना म.व्यु.७४६७

(५) རྣམ་བརྟགས་ विकल्प बो.च.९.९२ग

(६) कल्पित बो.च.९.२९ख

(७) –བརྟགས་པ་ चपला श.दा.

(८) –བརྟགས་པ་ निपुण श.दा.

(९) विकल्पित लं.सू.११८ख

(१०) विचारित बो.च.४.३ख

(११) རྣམ་བརྟགས་ विमर्द श.पं.७०

བརྟགས་ཏེ་ निरीक्ष्य उद्रा.१३.१५

བརྟགས་ནས་ (१) अन्विष्य न्या.बि.३.१७

(२) आलोक्य बो.च.५.५४ख

(३) ཡོངས་~ सं. परीक्षा का.प.१२६प.

(४) निरूप्य ना.आ.७, २३

(५) प्रत्यवेक्ष्य बो.च.५.४७ग

(६) སོ་སོར་~ प्रतिसंख्याय का.प.१२४

བརྟགས་པ་ (१) अत्यन्तम् लं.सू.१८६क

(२) (पा. རྟགས་པ་) अन्वीक्षित म.व्यु. २४१५

(३) आकल्पित म.व्यु.८३९

(४) ཡོངས་སུ་~ परीक्षित सु.प्र.१०१.२२

(५) कल्पित न्या.बि.१०१.११, १३६.१६, १३७.४..., बो.च.६.२७ख, ९.१३९क

ཡོངས་སུ་~ कल्पित का.प.१२३

ཡོངས་སུ་མ་~ अपरिकल्पित का.प.१४३

(६) ཀུན་~པ་ विकल्प्य का.प.९८

(७) (पा. རྟགས་པ་) बीज म.व्यु.७०८७

(८) (पा. རྟགས་པ་) कुणक म.व्यु.५०२

(९) निपुण म.व्यु.२९०६, २९१८

(१०) ལེགས་པར་~ सुपिरीक्षित का.प. १५४

(११) མ་~ अनिक्षित द.मू.२कु

(१२) [परीक्षित] स.रा.२२.११

(१३) प्रकल्पित लं.सू.११९क

(१४) སྔོན་ལ་མ་~ར་ न प्रत्यवेक्षासनम् म.व्यु.८५५६

(१५) विचारित बो.च.

མ་~ अविचारित बो.च.४.२ख

(१६) चिंचित म.व्यु.६८३८, श.दा. (=བརྟུས་པ་, བརྟམས་པ་)

(१७) वितर्कित सं.नि.८.१७

(१८) विभागश लं.सू.१९२क

(१९) विलोकित द.मू.५ह्

(२०) संकेत लं.सू.१९.२ख

(२१) संभावित न्या.बि.६५.६

(२२) (पा. རྟགས་པ་) संज्ञम म.व्यु.६९६२

(२३) सं. ००

སངས་རྒྱས་རྣམས་དང་དེ་ཡི་སྲས། ཤེས་རབ་ཆེན་པོས་གང་བརྟགས་ཤིང་། བདག་ཉིད་ཀྱིས་

ཀུང་བརྟག་ ...~དེ་ལ་བ་ཤོས་ཏུ་ཅི་ཞིག་ཡོད།

विचारितं तु यद्बुद्धैर्महाप्रज्ञैश्च तत्सुतैः ।
मयापि च यथाशक्ति तत्र किं परिलम्ब्यते ॥
बो.च.४.३

द्र. རྟོག་པ་

བརྟགས་པའི་དངོས་ कल्पितं भावम् बो.च. ९.१३९क

བརྟགས་པའི་ས་ तर्कभूमि लं.सू.७७ख

བརྟགས་པར་བྱ་བ་ कल्पित बो.च.९.१०८क

བརྟགས་པར་སྨྲ་བའི་སྡེ་ प्रज्ञप्तिवादिनः म.व्यु. ९०९४

བརྟགས་ཡས་ गणन <संख्या-नाम> म.व्यु.७९०५

བརྟགས་ཡིན་ कल्प्यते बो.च.९.६३घ

བརྟད་ अंकिक(?) श.दा.

བརྟད་པ་ त्वरा म.व्यु.६६.६१

བརྟན་ (१) दार्ढ्यं (=दृढता हृ.म.) अ.अ.४.४७

(२) दृढ का.प.२.३९, बो.च.

ངང་བརྟན་ दृढत्व बो.च.६.१८क

རབ་བརྟན་ सुदृढ बो.च.१.१०घ, ४.१ख

(३) स्थिर बो.च.५.५५ख

(४) ध्रुव सु.च.६५

(५) धृति बो.च.५.५३ख(ना.), ६.३घ

(६) རབ་བརྟན་ सुप्रतिष्ठित सु.प्र.१२१.१२

(७) स्थापनम् बो.च.७.३१ख

(८) स्थिर म.व्यु.३४८४, लं.सू.१७४क,

स.स्तो.८३

(९) सं. ९० का.प., बो.च., श.पं.

དྲང་བརྟན་ ऋजु श.पं.४५

ཡིད་མི་བརྟན་ (क) अविश्वास्य बो.च.२.३३घ. (ख) न विश्वसेय का.प.११प.

བརྟན་སྐྱོང་ स्थिरपाल नी.पु.१.३२५, २.१००९ (°ཀྱོང་)

བརྟན་ལྡན་ (१) वृढ भद्र.३६

(२) धीर श.दा.

བརྟན་པ་ (१) दृढ द.मू.३अ, ७ह, अ., प्र.द.२६, बो.च., भद्र.८०४, म.व्यु.८०३, १८१५, २४०९, ३६५८, श.दा. (=བརྟན་པོ་), सु.प्र.१४.१८, ४६.२, ६७.१५...

ལེགས་~ར་ सुदृढम् बो.च.१.११घ

(२) दृढता अ.अ.८.१९

(३) धीर उद्रा.३२.१३, १६, उ.व.२१, बु.च.५६, ५९, बो.च.५.२१घ, म.व्यु.३५, श.दा. (=བརྟན་པོ་), श.पं.६५, सं.नि.७ २४

(४) धृति बु.च.४२, बो.च.१०.२०घ (?), म.व्यु.७०५६

(५) धैर्यं उद्रा.३२.१८, बो च.५.४७घ

(६) ध्रुव बो.च.६.५५घ, म.व्यु.७२८५, श.दा. (=བརྟན་པོ་, སྟོད་ཕྱུར་), श.पं.३४

(७) =བརྟན་པོ་ नित्य श.दा.

(८) निरूढि अ.अ.१.१४, ५.३, प्र.पा.८०

(९) प्रौढ स.स्तो.८०

(१०)=བརྟན་པོ་ मन्थ श.दा.

(११) विश्वस्त म.व्यु.२७१७

(१२)=བརྟན་པོ་ वृत्त श.दा.

(१३)=བརྟན་པོ་ शक्त श.दा.

(१४) सुष्ठित सु.प्र.३२.२३

(१५)=བརྟན་པོ་ स्थालु(?) श.दा.

(१६)=བརྟན་པོ་ स्थारनु श.दा.

(१७) स्थिर श.दा. (=བརྟན་པོ་), सं.नि.०.४

(१८) स्थैर्यं श.पं.३६

द्र. རྟེན་པ་

བརྟན་པ་ཉིད་ स्थैर्यं श.पं.३६

བརྟན་པ་དང་སྣོད་རྣམ་པར་རིག་པ་ आश्रयभाजन-विज्ञप्ति सं.नि.८.३७.१

བརྟན་པ་ཕྱུན་སུམ་ཚོགས་པར་ཤོག་ धृतिमन्तो भवन्तु च बो.च.१०.२०घ

བརྟན་པའི་འཁོར་ལོ་

འཇམ་དབྱངས་~ स्थिरचक्र मञ्जुघोष चि.च.१४७

བརྟན་པའི་འཁོར་ལོ་སྒྲུབ་ཐབས་ स्थिरचक्रसाधन कं.तं.३१६९

བརྟན་པའི་འཁོར་ལོ་འི་སྒྲུབ་ཐབས་ स्थिरचक्रसाधन

क.तं.३१६८, ३३०८ (སྨྲ་བའི་ཐབས་),
३४३८
བརྟན་པའི་འཁོར་ལོའི་ཚིག་ स्थिरचक्रभावना
क.तं.३३०७
བརྟན་པའི་རྒྱ་མཚོ་ दृढसागर भद्र.८०४
བརྟན་པའི་དངོས་པོ་བརྟག་པ་ स्थिरपदार्थपरीक्षा
न्या.इ.३२६
བརྟན་པའི་ཆོས་ स्थिरधर्म श.दा.
བརྟན་པའི་ཕུང་པོ་=བརྟན་མ་ धैर्यराशि श.दा.
བརྟན་པའི་དབྱངས་ दृढस्वर भद्र.९९३
བརྟན་པའི་ཚུལ་ཁྲིམས་ ध्रुवशील स.नि.९.१८.२.२
བརྟན་པར་བྱིས་ཏེ་ धैर्यं कृत्वा बो.च.८.१९घ
བརྟན་པར་མཛོད་ दृढीभव बो.च.६.१२घ
བརྟན་པར་བྱས་པ་ दृढीकृत श.दा.
བརྟན་པར་བྱེད་ स्थापयति श.दा.
བརྟན་པར་བྱེད་(པ་) प्रस्थापयति म.व्यु.६३३८
བརྟན་པར་གཤེགས་ (१) दृढक्रम भद्र.५९
(२) स्थिरगति भद्र.६६५
བརྟན་པོ་ (१) दृढ बो.च.५.५४घ
(२) स्थावर म.व्यु ७१११
(३) स्थिर <राज-नाम> नी.पु.१.१६
द्र. བརྟན་པ་
བརྟན་མ་ (१) दृढा सु.प्र.५.२०, ६३.२६,
६८.१९...
སའི་ལྷ་མོ་~ दृढा पृथिवी देवी वि.व.
३२३
(२) =བརྟན་པའི་ཕུང་པོ་ धैर्यराशि श.दा.
བརྟན་ཉིད་ दृढ म.व्यु.३४०९
བསམ་པ་ दृढाशय का.प.२६प.
བརྟན་ཡས་ विशिष्ट <संख्या-नाम> म.व्यु.
७७३५
བརྟན་གཡོ་ स्थावरजंगम श.दा.
བརྟན་གཤེགས་ दृढक्रम भद्र.५९
བརྟས་ བརྟ་བ་ इत्यस्य भू.
(१) दृप्त बो.च.६.७घ(दे.)
(२) बृंहण अ.हृ.१.४.२९
(བ)རྟས་པ་ स्वस्थ सु.प्र.
སེམས་~ स्वस्थचित्त सु.प्र.८७.६
བརྟིབ་ རྟིབ་པ་ इत्यस्य भवि.
བརྟིབས་ རྟིབ་པ་ इत्यस्य भू.
བརྟུང་ རྟུང་བ་ इत्यस्य भवि.
བརྟུངས་ རྟུང་བ་ इत्यस्य भू.
བརྟུན་(རྟུན་)ངལ་བ་ रभस म.व्यु.२९६६
བརྟུན་ཅིང་བྱེད་པ་ आलोप्तकारिन् म.व्यु.१८०६
བརྟུན་པ་=བརྟོན་པ་ आतापिन् श.दा.
བརྟུམ་པ་ पराक्रम श.दा.

स्त्र.स्तो.८३

(९) सं. ८० का.प., बो.च., श.पं.

དྲང་བདེན་ ऋजु श.पं.४५

ཡིད་མི་བདེན་ (क) अविश्वास्य बो.च.२.३३ग. (ख) न विश्वसेत् का.प.११प.

བདེན་སྐྱོང་ स्थिरपाल नी.पु.१.३२५, २.१००६ (°སྐྱོང་)

བདེན་ལྡན་ (१) वृत्त भद्र.३६

(२) धीर श.दा.

བདེན་པ་ (१) वृत्त द.भू.३अ, ७ह, अ., प्र.द.२६, बो.च., भद्र.८०४, म.व्यु.८०३, १८१५, २४०६, ३६५८, श.दा. (=བརྟན་པོ་), सु.प्र.१४.१८, ४६.२, ६७.१५ ..

ལེགས་~ར་ सुवृत्तम् बो.च.१.११घ

(२) वृत्तता अ.अ.८.१६

(३) धीर उद्रा.३२.१३, १६, उ.व.२१, बु.च.५६, ५६, बो.च.५.२१घ, म.व्यु.३५, श.दा. (=བརྟན་པོ་), श.पं.६५, सं.नि. ७ २४

(४) धृति बु.च.४२, बो.च.१०.२०घ (?), म.व्यु.७०५६

(५) धैर्य उद्रा.३२.१८, बो च.५.४७घ

(६) ध्रुव बो.च.६.५५घ, म.व्यु.७२८५, श.दा. (=བརྟན་པོ་, སྡོད་ཐུར་), श.पं.३४

(७) =བརྟན་པོ་ नित्य श.दा.

(८) निरूढि अ.अ.१.१४, ५.३, प्र.पा.८०

(९) प्रौढ स्त्र.स्तो.८०

(१०) =བརྟན་པོ་ मन्द श.दा.

(११) विश्वस्त म.व्यु.२७१७

(१२)=བརྟན་པོ་ वृत्त श.दा.

(१३)=བརྟན་པོ་ शक्त श.दा.

(१४) सुष्ठित सु.प्र.३२.२३

(१५)=བརྟན་པོ་ स्थालु(?) श.दा.

(१६)=བརྟན་པོ་ स्थारनु श.दा.

(१७) स्थिर श.दा. (=བརྟན་པོ་), सं.नि. ०.४

(१८) स्थैर्य श.पं.३६

द्र. རྟེན་པ་

བདེན་པ་ཉིད་ स्थैर्य श.पं.३६

བདེན་པ་དང་སྣོད་ནམ་པར་རིག་པ་ आश्रयभाजन-विज्ञप्ति सं.नि.८.३७.१

བདེན་པ་ཐུན་སུམ་ཚོགས་པར་འཕོག་ धृतिमन्तो भवन्तु च बो.च.१०.२०घ

བདེན་པའི་འཁོར་ལོ་

འཇམ་དབྱངས་~ स्थिरचक्र मञ्जुघोष चि.च.१४७

བདེན་པའི་འཁོར་ལོ་སྒྲུབ་ཐབས་ स्थिरचक्रसाधन कं.तं.३१६६

བདེན་པའི་འཁོར་ལོ་འི་སྒྲུབ་ཐབས་ स्थिरचक्रसाधन

क.तं.३१६८, ३३०८ (°སྐྱབ་པའི་ཐབས་), ३४३८

བརྟན་པའི་འཁོར་ལོ་འི་ཆོ་ག་ स्थिरचक्रभावना क.तं.३३०७

བརྟན་པའི་རྒྱ་མཚོ་ दृढसागर भद्र.८०४

བརྟན་པའི་དངོས་པོ་བརྟག་པ་ स्थिरपदार्थपरीक्षा न्या.इ.३२६

བརྟན་པའི་ཆོས་ स्थिरधर्म श.दा.

བརྟན་པའི་ཕུང་པོ་=བརྟན་མ་ धैर्यराशि श.दा.

བརྟན་པའི་དབྱངས་ दृढस्वर भद्र.९९३

བརྟན་པའི་ཚུལ་ཁྲིམས་ ध्रुवशील स.नि.९.१८.२.२

བརྟན་པར་བྱིས་ཏེ་ धैर्यं कृत्वा बो.च.८.१९ख

བརྟན་པར་མཛོས་ दृढीभव बो.च.६.१२ख

བརྟན་པར་བྱས་པ་ दृढीकृत श.दा.

བརྟན་པར་བྱེད་ स्थापयति श.दा.

བརྟན་པར་བྱེད་(པ་) प्रस्थापयति म.व्यु.६३३८

བརྟན་པར་གཤེགས་ (१) दृढक्रम भद्र.५९
(२) स्थिरगति भद्र.६६५

བརྟན་པོ་ (१) दृढ बो.च.५ ५४ख
(२) स्थावर म.व्यु ७१११
(३) स्थिर <राज-नाम> नी.पु.१.१६
द्र. བརྟན་པ་

བརྟན་མ་ (१) दृढा सु.प्र.५.२०, ६३.२६, ६८.१९...
སའི་ལྷ་མོ་~ दृढा पृथिवी देवी वि.व. ३२३
(२) =བརྟན་པའི་ཕུང་པོ་ धैर्यराशि श.दा.

བརྟན་ཤིང་ दृढ म.व्यु.३४०९
བསམ་པ་ दृढाशय का.प.२६प.

བརྟན་ཡས་ विशिष्ट <संख्या-नाम> म.व्यु. ७७३५

བརྟན་གཡོ་ स्थावरजंगम श.दा.

བརྟན་གཤེགས་ दृढक्रम भद्र.५९

བརྟས་ བརྟ་བ་ इत्यस्य भू.
(१) दृप्त बो.च.६.७ख(दे.)
(२) बृंहण अ.हृ.१.४.२९

(བ)རྟས་པ་ स्वस्थ सु.प्र.
སེམས་~ स्वस्थचित्त सु.प्र.८७.६

བརྟིབ་ རྟིབ་པ་ इत्यस्य भवि.

བརྟིབས་ རྟིབ་པ་ इत्यस्य भू.

བརྟུང་ རྟུང་བ་ इत्यस्य भवि.

བརྟུངས་ རྟུང་བ་ इत्यस्य भू.

བརྟུན་(རྟུན་)ངལ་བ་ रभस म.व्यु.२९६६

བརྟུན་ཅིང་བྱེད་པ་ आलोप्तकारिन् म.व्यु.१८०६

བརྟུན་པ་=བརྟོན་པ་ आलापिन् श.दा.

བརྟུམ་པ་ पराक्रम श.दा.

पराक्रम उग्रा.१८.४

བརྟུལ་བ་ (१) अवमर्दनीय म.व्यु.५११९

(२) = བརྟུལ་པོ་བ་, ཐུལ་བ་, འཇམ་པ་

मृदु श.दा.

(བ)ཏུལ་པོ་ पराक्रम म.व्यु.७०८१

བརྟུལ་པོ་བ་ = བརྟུལ་བ་

བརྟུལ་ཕོད་ = བརྟུལ་ཕོད་པ་ = དཔའ་བོ་སྙིང་ =

སྟོབས་ཅན་ वीर श.दा.

བརྟུལ་ཕོད་པ་ वीर म.व्यु.२४०१, ३६३१, श.दा.

(= བརྟུལ་ཕོད་)

བརྟུལ་བ་ (१) उपसंहार म.व्यु.६३१५

(२) पराक्रम उग्रा.२१.३२, म.व्यु.१८०४

(३) पिण्डयित्वा सं.लि.

གཅིག་ཏུ་~ एकतः पिण्डयित्वा सं.लि.८.

१३

(४) གཡུལ་ངོར་འདོད་པའམ་~(ཏུལ་བ་)

रणशौण्डः म.व्यु.६९८९

བརྟུལ་མ་ = བརྟུལ་མོ་ विकुण्ठ श.दा.

བརྟུལ་མའི་བུ་ वैकुण्ठ श.दा.

བརྟུལ་མོ་ = བརྟུལ་མ་

བརྟུལ་ཞུགས་ (१,२) पराक्रम, परिकर श.दा.

(३) यति बो.प.२.२५ख

(४) व्रत का.प.१०७प., व.सू.११द, प्रस.

३४६.३३, बो.प.५.१८ग, घ, १०२ग, म.व्यु.

१६५६, ३४०२, श.दा., सु.प्र.४६.२, ६७.२

(५,६) व्रतिन्, संयमन श.दा.

བརྟུལ་ཞུགས་དཀའ་ཐུབ་ व्रततपस् भद्र.४५६

བརྟུལ་ཞུགས་ཅན་ (१) = དྲང་སྲོང་ ऋषि श.दा.

(२) व्रतिन् बो.प.७.७२घ, म.व्यु.१६१८,

३५३३-३४, ३५३७, ३५४२, श.दा.

བརྟུལ་ཞུགས་ཆེན་པོ་པ་ महाव्रतिन् म.व्यु.३५३२,

श.दा.११२५क (महाव्रत)

བརྟུལ་ཞུགས་མཆོག་འཛིན་ शीलव्रतपरामर्श श.दा.

४५७क

བརྟུལ་ཞུགས་སྨྲེམས་པ་ शीलव्रतपरामर्श लं.सू.

११२क

བརྟུལ་ཞུགས་གཏེར་(པ་) व्रतनिधि भद्र.९३३

བརྟུལ་ཞུགས་བརྟན་ दृढव्रत भद्र.९३, (पा. °བརྟན་

པ་), ४५२

བརྟུལ་ཞུགས་ཐུབ་མེད་ अनिहतव्रत भद्र.३५६

བརྟུལ་ཞུགས་གནས་ (१) व्रतस्थ बो.प.५.८५ख

(२) स्थितव्रत भद्र.८२०

བརྟུལ་ཞུགས་གནས་(པ་) व्रतस्थित भद्र.८६२

བརྟུལ་ཞུགས་སྤྱོད་ चीर्णव्रत लं.सू.२०५क

བརྟུལ་ཞུགས་དབང་ = ཉན་ཐོས་ श्रावक श.दा.

བརྟུལ་ཞུགས་མ་ °व्रता हु.प.३३

བརྟུལ་ཞུགས་མི་ཉམས་ अखण्डितव्रत का.प.१०.

४५घ

བརྟུལ་ཞུགས་བཟང་ सुव्रत सु.५३२

བདུལ་ཞུགས་བཟང་པོ་ (१) सुवर्ण भद्र.३४५

(२) सुव्रत भद्र.५१६

བདུལ་ཞུགས་བཟང་པོ་རབ་ཀྱི་དཔྱངས་ सुव्रतस्वर म.व्यु.३४०२

བདུལ་ཞུགས་རབ་ཀྱི་གནས་ सुव्रतस्वर म.व्यु.३४०२

བརྟུལ་ཞུགས་རལ་གྲིའི་སོ་ असिधारव्रत लं.सू.२०४क

བརྡེག་པ་ अभ्यवहार म.व्यु.७०३३

བརྡེགས་འཆོས་པ་ प्रपतित म.व्यु.६७२३

བརྟེན་ རྟེན་པ་ इत्यस्य मू., भवि.

(१) ཁྱོད་བརྟེན་ त्वदाश्रयात् उद्रा.१५.५प.

(२) आश्रीयते न्या.बि.१४५.१३

མི་བརྟེན་ नाश्रीयते बो.च.१.१३घ

(३) उपादाय प्रस.३८७.४, श.पं.१४०

(४) वृद्ध भद्र.८०४

(५) प्रतीत्य प्रस.३८७.६, मू.का.५

(६) संगम बो.च.

བྱིས་པ་བརྟེན་(दे. བསྟེན་)པས་ बालसंगमात् बो.च.८.९घ(ना.)

(७) सं.००

དཀྲུར་མ་བརྟེན་ न स्कन्धाकुलाः म.व्यु.८५४१

གནས་ལ་བརྟེན་ पाकस्थ श.पं.४३

བརྟེན་བསྐུར་པ་ समाश्रित बो.च.६.४ख

བརྟེན་ཅིང་ अवष्टभ्य सु.प्र.

འཁོར་བ་ལ་~ हस्तावष्टभ्य सु.प्र.१३८.१६

བརྟེན་རིང་གནས་ནས་ संनिश्रित्य प्रतिष्ठाय सं.नि.८.३

བརྟེན་བཅས་ནས་ (१) (दे. རྟེན་) आश्रित्य बो.च.६.४८क

(२) आसाद्य बो.च.७.७१क

བརྟེན་ཏེ་ (१) आश्रित्य न्या.बि.१८५.५, ९

(२) प्रतिष्ठाय सं.नि.

ཅི་ལ་~ कि प्रतिष्ठाय सं.नि.८.१

(३) स्थित न्या.बि.१२७.१६

བརྟེན་ཏེ་སྒྲུབ་པ་ स्थितसाधन न्या.बि.१२७.१६

བརྟེན་ནས་ (१) आगम्य (=आश्रित्य)उद्रा.

ཁྱོད་ལ་~ त्वामागम्य उद्रा.९.४

(२) आश्रयात बो.च.

གང་ལ་~ यदाश्रयात् बो.च.१.१३ग

(३) आश्रयेण बो.च.

དཔའ་ལ་~ शूराश्रयेण बो.च.१.१३ख

(४) आश्रित्य बो.च.६.४८ग, ९.७२ग, १०८ग

(५) आसाद्य बो.च.७.१४क, म.व्यु.७४२६

(६) निश्राय म.व्यु.६३६८

(७) निश्रित्य सं.नि.९.१०.३, ९.२१

དེ་ལ་~ तन्निश्रित्य सं.नि.७.२५

གཟུགས་ལ་~ रूपं निश्रित्य सं.नि.८.७

ཤིང་ལྗོན་པ་ཞིག་གི་དྲུང་དུ་~ अन्यतमं वृक्ष-मूलं निश्रित्य उद्रा.२९.१

(८) प्रतीत्य बो.च.६.१११ख

མར་མེ་ལ་~མུན་པ་མུན་ནག་མེད་པར་ འགྱུར་རོ་ तैलप्रद्योते कृते आलोकं प्रतीत्य तमोऽन्धकारं विगच्छति का.प.७०

(९) सं. प्रतीत्यता बो.च.६.३२ग

(१०) प्राप्य च.श.१४

(११) समाश्रित्य बो.च.५.८०ख

(१२) सं.०० न्या.बि.१०१.७

བརྟེན་ནས་བཏགས་པ་ उपादायप्रज्ञप्ति प्रस.३४४.१०

བརྟེན་པ་ (१) अपाश्रय बो.च., म.व्यु.१६०५

གཉིད་ལ་~ འི་སྲེད་པ་ निद्रापाश्रयतृष्णा बो.च.७.३ख

(२) अवष्टम्भ म.व्यु.४०९३

(३) अवष्टम्भनता म.व्यु.४०८९

(४) आधेय अ.अ.१.३९, प्रस.३४१.१

(५) आलम्बि स्र.स्तो.६१

(६) आश्रय उद्रा., न्या.बि.(°प)१८५.४, ९, ११, १८६.४, ५, ६, बो.च.५.९८ग

དངོས་ལ་~ས་ན་ वस्त्वाश्रयेण बो.च.९.२८क

(७) आश्रित न्या.बि.(°प) १३.५, २३.५, २५.८, बो.च.८.१६८ग (ना.), म.व्यु.६७५५, ७५५३-५४

(८) आश्रितत्व न्या.बि.(°प) १३.६, ११, २५.९, ४६.१८...

(९) आसेवित म.व्यु.२३२०

(१०) निलम्भ म.व्यु.६१९

(११) निश्रय श.दा.

(१२) निश्रित बो.च.९.१०८ख, म.व्यु.२३५२, सं.नि.०.१

(१३) प्रतिशरण म.व्यु १३०१

(१४) प्रतिसेवमान उद्रा.

འདོད་པ་དག་ལ་~ कामान् प्रतिसेवमानः उद्रा.२६.३१

(१५) भजत् अ.अ.१.२५

(१६) भाक्त्व प्रस.३४१.९

(१७) °भाज् न्या.बि.४२.१८

(१८) सं. यासि बो.च.७.५ग

(१९) संनिश्रित म.व्यु.७२२६

ས་ལ་~ पृथिवीसंनिश्रित सु.प्र ६५.१७

(२०) संसर्ग प्रस.३७८.११

(२१) ཉེ་བར་~ [उपसेवन] उद्रा.४३.३३

(२२) सेवा प्रस.३७८.९

(२३) सेवित श.दा.

བརྟེན་པ་ཉིད་ आश्रितत्व न्या.बि.१३.८

བརྟེན་པ་མེད་པ་ अनिलम्भ म.व्यु.६१९

བརྟེན་པ་ཡོད་པ་ཞེས་བྱ་བ་ सप्रतिशरण म.व्यु.१३०१

བརྟེན་པའི་གནས་སུ་གྱུར་པ་ निकेतस्थानानि द.भू.४ए

བརྟེན་པར་བགྱི་ प्रतिसंहरिष्यामि सु प्र.९३.२२

བརྟེན་པར་བགྱིད་ भजे ल.स्तो.५३

བརྟེན་པར་བྱ་བ་ प्रतिसरण म.व्यु.२३१६

བརྟེན་པར་བྱེད་ भजन्ते (=आश्रयते हृ.भ.) अ.अ.५.३६

བརྟེན་བྱ་ संवसेत् उ.व.९

བརྟེན་ཞིང་ सेवेत उ.व.९

བརྟོགས་པ་ (१) प्रकल्पित बो.च.९.७५घ

(२) བྱས་བརྟོགས་པའི་ས་ कृताविभूमि म.व्यु.११४७

द्र. བརྟགས་

བརྟོན་པ་ द्र. རྟོན་པ་

བརྟོལ་ རྟོལ་བ་ इत्यस्य भू.

ཡོངས་འདུས་བརྟོལ་ पारिजातक श.दा.५४०ख

द्र. སྐྱི་(བ)རྟོལ་

བལྟ་ ལྟ་བ་ इत्यस्य भवि.

(१) अवलोकयिष्यामः म.व्यु.८५९४

(२) दर्शन सु.प्र.१७३.१४

(३) दृष्टि बो.च.८.१४४क(ना.)

(४) द्रष्टव्य का.प.५०, ९८, द.भू.११अ, न्या.बि.१५.५, ५१.२, १०१.१२,..., बो.च.५.१०५घ, सु.प्र.७७.६, १५२.१२

(५) पश्यथ का.प.७९प.

(६) (दे. ལྟ་) पश्यामः बो.च.८.१५०ख

(७) पश्यिय भ.च.३४ख

(८) पश्य भ.च.२६ख

(९) पश्येत् बो.च.५.३७ख (दे. ལྟ་), ८०ख, १०६ख

(१०) प्रेक्षन्ते सु.प्र.१४५.९

(११) विजानथ का.प.७८प.

(१२) सपश्यत् बो.च.

ག་ཤིན་རྗེའི་ཕོ་ཉ(འི་)བཞིན་ལ་བལྟ་ संपश्यन् यमदूतमुखानि बो.च.७.९घ

བལྟ་སྟེ་ द्रष्टव्य का.प.१३१

ཉོན་མོངས་པའི་ནད་དུ་~ क्लेशव्याधि द्रष्टव्या का.प.१२९

བལྟ་ན་སྡུག་ (१) चक्षुष्य श.पं.१४८

(२) प्रियदर्शन सु.प्र.११९.६

(३) सुदर्शन <गिरि-नाम> म.व्यु.४१४२ (पा. ལྟ°)

བལྟ་ན་སྡུག་པ་ (१) दर्शनीय म.व्यु.५२१४, ५२१८(पा. ལྟ°), श.दा., सु.प्र.६०.२१. १३७.२३

(२) दर्शनीयता अ.अ.८.२६

(३) सुदर्शन :.दा., सु.प्र.३१.२६

(४) དབྱིབས་ལེགས་~ कमनीयरूप बो.च.२.१९ग

द्र. ལྟ་ན་སྡུག་པ་

བལྟ་ན་མཛེས་ चारुदर्शन सु.प्र.१७७.१८

བལྟ་ན་མཛེས་པ་ प्रियदर्शना म.व्यु.५२०८

བལྟ་ན་རབ་ཏུ་སྡུག་པ་ दर्शनीयतर सु.प्र.९४.११

བལྟ་ན་རབ་སྡུག་པ་ नैत्रसुभग श.पं.७२

བལྟ་བ་ (१) आलोक स.स्तो.५३

(२) आलोचन द.भू.५ब, म.व्यु.४५८७

(३) दर्शन उद्रा.५.५, १२, १४.११, १३, द.भू. ९ज, १०ज, सं.नि.१०.१०, सु.प्र.८५.२४, १७०.२९...

(४) दर्शिन् म.व्यु.८५३९

(५) दृष्ट लं.सू.६३ख

(६) दृष्टि बो.च.५.३६क

(७) द्रष्टव्य लं.सू.६३ख

(८) पश्यत् उद्रा.

དེ་དང་དེ་ལ་~ तमेव पश्यन्तः उद्रा.५.१४

(९) प्रेक्षते म.व्यु.७४७०

(१०) संज्ञिन् म व्यु.८५६८

བལྟ་བ་དང་ལྡན་པ་ अवेक्षावत् म.व्यु.६७४९

བལྟ་བར་ द्रष्टुम् बो.च.८.५४ख, ५५ख

བལྟ་བར་གྱིས་ पश्य बो.च.८.६३घ

བལྟ་བར་བགྱི་ (१) पश्यामि सु.प्र.३९.९

(२) पश्येय भ.च.२९घ

(३) प्रेक्षितव्य सु.प्र.५९.१२

(४) व्यवलोकयिष्यामः सु.प्र.४९.१९

བལྟ་བར་འདོད་པ་ द्रष्टुकाम बो.च.१०.५३क

བལྟ་བར་བྱ་ (१) उपवर्णयितव्य उद्रा.१३.२७

(२) द्रष्टव्य का.प.७८, ७९, व्या.बि.('प') ९.५, ५१.१५, ५५.१०..., बो.च.५.३९घ, सं.नि.७.७, ८.२१.१

(३) निरूपयेत् बो.च.५.१०४घ

(४) पश्यथ का.प.७७प.

(५) पश्यामः मू.का.१३.१३

(६) पश्येत् बो.च.५.३६ख

(७) पश्येय सु.प्र.१७३.६

(८) वीक्षते (पा. वीक्ष्येत, वीक्षेच्च, वीक्षेत) बो.च.५.३७घ

བལྟ་བར་མི་ནུས་ अव्यवलोक्य लं.सू.१०५ख

བལྟ་བས་ཆོག་མི་ཤེས་པ་

སྐུ་བྱད་~ असेचनको रूपेण म.व्यु.३९२

བལྟ་བས་ཆོག་མི་ཤེས་པ་ཡིན་པ་ असेचनदर्शन उद्रा.५.१२

བལྟ་བས་མི་ངོམས་ असेचनक श.पं.५४

བལྟ་བྱ་ (१) चाक्षुष श.दा.

(२) दृश्य बो.च.९.२७ख

(३) पश्य बो.च.५.६३ख

བལྟ་ཞིང་ (१) द्रष्टुकाम ल.वि.७.१९.१५

(२) पश्यामि सु.प्र.३८.२१

བལྟབ་ ལྟབ་པ་ इत्यस्य भवि.

བལྟབས་ ལྟབ་པ་ इत्यस्य भू.

བལྟམ་ ལྟམ་པ་ इत्यस्य भवि.

བལྟམས་ ལྟམ་པ་ इत्यस्य भू.

जात सु.प्र.३६.१३

བལྟམས་པར་གྱུར་པ་ जात ल.वि.७.९.११

བལྟམས་མ་ཐག་ཏུ་ जातमात्र सु.प्र.३६.१३

བལྟར་

ལུས་བལྟར་མི་གནང་བར་བགྱིས་ཏེ་ अदृश्यमानैः

कायात्मभावैः सु.प्र.५३.१०

བལྟར་འདོད་དོ་ गच्छामः पश्यामः उद्रा.१५.२४

བལྟར་མི་སྣང་བ་ अदृश्य न्या.बि.१५३.१, ८, ९,

१०...

བལྟར་མེད་ अदृश्य अ.अ.४.१६

བལྟར་འོས་ द्रष्टव्य श.पं.९७

བལྟར་རུང་བ་ दृश्य न्या.बि.११२.५, १२०.३,

१५९.११...

བལྟར་སོང་ उद्रा.३५.२६

བལྟས་ ལྟ་བ་ इत्यस्य भू.

(१) अवलोकित उद्रा.४३.३५

(२) इङ्गित ल.स्तो.६२

(३) उद्वीक्षमाण बो.भ.७.६ख

(४) कृत ल.वि.१५.२२.९

(५) दृष्ट ना.आ.२

(६) पश्यत् ना.आ.१३.१४

(७) प्रेक्षित सु.प्र.१७०.३०

(८) प्रेक्षन्ते स्म म.व्यु.६५८८

(९) समीक्ष्य म.शी.१

བལྟས་ཏེ་

རྣམ་པར་~ अवलोक्य उद्रा.१७.७

བལྟས་ན་ (१) अवलोक्य ल.वि.७.११.५

(२) दृष्ट्वा सु.प्र.१६६.२३

བལྟས་ན་ཆད་པ་ उच्छेद लं.सू.६४क

བལྟས་ནས་ (१) अनुनिरीक्ष्य सु.प्र.१५८.१५

(२) अवलोक्य ना.आ.३.२, म.व्यु.६३७१

(३) अवेक्ष्य सु.प्र.१६०.२१

(४) आलोक्य बो.भ.८.१४७क

(५) दृष्ट्वा बो.भ.५.३६ख

(६) प्रेक्षमाण बो.भ.

གྱེན་དུ་~ ऊर्ध्वं प्रेक्षमाणाः बो.भ.१०.११ग

(७) विलोक्य ना.आ.७.१७, २१

(८) सं. ००

ཁ་ཕྱི་ཕྱིར་~ परावृत्यैव बो.भ.५.३७ग

མདུན་གྱིས་~ पुरस्कृत सु.प्र.१९.६

བལྟས་པ་ (१) अपेक्षा व.मू ६ज

(२) རྣམ་པར་~ व्यवलोकित सु.प्र.१०१.

२३

(३) *दर्शं सु.प्र.२३.३

(४) प्रेक्षते ल.वि.१५.११.६, सु.प्र.१४५.१२

(५) समुल्लोकित म.व्यु.६४५२

(६) མདུན་གྱིས་~ पुरस्कृत सु.प्र.२०.१३

བལྟོས་(ཝེ. ལྟོས་) (१) अपेक्षते बो.भ.९.१२४क

(२) अपेक्षा बो.भ.

གཞན་ལ་ཀྱི་བལྟོས་(ཝེ. ལྟོས་)དང་བལྟོས་

(दे: ལྟོས་)མེད་པ་ परापेक्षमनपेक्षं च बो.च.
९.२०कख

བལྟོས་ཏེ་ अपेक्ष्य न्या.बि.५३.८

བལྟོས་(པ་) (१) °अपेक्ष न्या.बि.४२.५, ५०.८,
५२.५...
(२) अपेक्षण न्या.बि.७४.१५, ७५.७, १०,
१४
(३) अपेक्षते न्या.बि.५३.९, बो.च.९.१२३ख
(दे. ལྟོས་པ་)
(४) अपेक्षा न्या.बि.९६.१७, १०८.१२,
१७८.१८, प्रस.३८२.७, ३९०.११
(५) अपेक्षित न्या.बि.१०२.१४, १५, १७,
१९
(६) सापेक्ष न्या.बि.१९.१६, २१.७, १०

བལྟོས་(दे. ལྟོས་) པ་མེད་པ་ अपेक्षाविरत बो.च.८.
८७घ

བལྟོས་པ་ཡིན་ अपेक्षते न्या.बि.७५.६

བལྟོས་པ་ (दे. ལྟོས་པ་)ཡོད་མ་ཡིན་ न (हि)...
अपेक्षते बो.च.९.१९घ

བལྟོས་པའི་རིགས་པ་ अपेक्षान्याय सं.नि.
१०.७.४.७

བལྟོས་(दे. ལྟོས་)པར་འགྱུར་ अपेक्षताम् बो.च.
९.१२३ग

བལྟོས་པར་འགྱུར་བ་ अपेक्षणीय न्या.बि.४२.१

བལྟོས་པར་བྱ་བ་ अपेक्षणीय न्या.बि.४२.११,
१०५.६, ११०:११

བལྟོས་པར་བྱ་བ་མ་ཡིན་པ་ अनपेक्षणीयत्व न्या.बि.
१२८.१४

བསྟང་ སྟོངས་པ་ इत्यस्य भवि.
རེར་བསྟང་(दे. གདང་)པ་ཡི་བསམ་པ་ཡིས་
तद्गतेनान्तरात्मना बो.च.५.४३ग(ना.)

བསྟང་སྙོམས=བཏང་སྙོམས་ उपेक्षा म.व्यु.१६००

བསྟངས་ སྟོངས་པ་ इत्यस्य भू.

བསྟད་ སྟད་པ་ इत्यस्य भू.. भवि.

བསྟན་ སྟོན་པ་ इत्यस्य भू., भविः
(१) अवर्शत् (=अदर्शयत्) सु.प्र.१७३.२०
(२) आख्यायते न्या.बि.२१६.१९
(३) आज्ञप्त ना.आ.७.११
(४) उक्त का.प.१२६प.
(५) उच्यते न्या.बि.टी.(भो.प्र.)२.९, ६.९
(६) उपदेश अ.अ.२.६
(७) कथित बो.च.५.६घ
(८) कथ्यते च.ग.१०
(९) རབ་ཏུ་བསྟན་ प्रकाशयेत् सु.प्र.१२२.१२
(१०) दर्शयति न्या.बि.टी.(भो.प्र.)१०.१६
(११) दर्शित बु.च.५, ५५, सु.प्र.१४०.२
ཀུན་ཏུ་བསྟན་ संदर्शित सु.प्र.४५.१०
ཉེ་བར་བསྟན་ उपदर्शित सु.प्र.७४.१
(१२) दर्शन्ति सु:प्र.११६.१२
(१३) देशन का.दा.

(१४) **देशना** च.श.४

(१५) **देशित** बो.च.६.७ख, ७२घ, सु.प्र. १४६.२२, १५३.१०

(१६) **वक्ष्ये** सु.प्र.१०५.६

(१७) **विवर्णिता** श.पं.१३८

(१८) **व्युत्पाद्यते** न्या.बि. (भो.प्र.) १.२, १०.२२

(१९) **शासन** बो.च.७.३७ग, ९.४४क, सु.प्र. ११५.१२, ११८.२०

སངས་རྒྱས་བསྟན་ **बुद्धशासन** का.प.१३६प.

(२०) **संदर्शन** म.व्यु.३३९०

(२१) सं. ०० म.व्यु., श.पं., सु प्र.

མདའ་གནམ་གྱེང་དུ་འཕངས་ (འཕགས་) བའམ་མདའ་རྩེ་མོ་གྱེན་དུ་བསྟར་ཏེ་འཕངས་པ་ **काण्डमूर्ध्वमुखं** क्षिप्तम् म.व्यु.५०९२

ལུང་བསྟན་ **व्याकरण** श.पं.८०

ड. བསྟན་དོ་

བསྟན་བཅོས་ (१) **आगम** श.दा.

(२) सं. **धर्मशास्त्र** न्या.बि.२११.५

(३) **शासन** श.दा.

(४) **शास्त्र** का.आ.१.२, का.प.८९, न्या.प्र. १, न्या.बि.४.१७, २०, ७.२०, ८४. १६..., म.व्यु.१४१५, १४४३, श.दा., सु.प्र. ७१.२६, २८, ३१, ७९.२४, ८४ १४... ७३.२३, १०३.१९...

(५) **श्रुति** श.दा.

བསྟན་བཅོས་ཀྱི་དོན་བསྡུས་པ་ **शास्त्रार्थसंग्रह** हे.त.१

བསྟན་བཅོས་ཀློག་པ་ **अध्ययन** श.दा.८९६क

བསྟན་བཅོས་བྱེད་པ་ **शास्त्रकार** न्या.बि.(भा.) १८६

བསྟན་བཅོས་མི་ཤེས་པ་ **अशास्त्रज्ञ** का.आ.१.८

བསྟན་བཅོས་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་བསྡུས་པ་ **गाथासंग्रहशास्त्र** (पा. शास्त्रगाथासंग्र३) कं.तं. ४१०२

བསྟན་བཅོས་བཞི་བརྒྱ་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ **चतुःशतकशास्त्रकारिका** कं.तं.३८४६

བསྟན་བཅོས་ལས་(འ)བྱུང་བ་རྣམས་ **शास्त्रीया:** म.व्यु.७४८२, श.दा.(°य)

བསྟན་ཏེ་ (१) **अभिधीयते** न्या.बि.१४.२

(२) **आख्यात** का.प.१५०

(३) **उपदिष्टवत्** न्या.बि.२०७.१२, २०९.४

(४) **उपावर्त्य** न्या.बि.५४.३

(५) **दर्शित** उद्रा.३३.६

(६) **प्रकाशित** सु.प्र.११७.२८

བསྟན་དོ་ (१) **अभिहित** न्या.बि.१७६.१४

(२) **दर्शयति** न्या.बि.१३८.३

(३) **देशयि** म.च.१९प

(४) **निर्देश** न्या.बि.(भा.)८४

(५) རྣམ་པར་~ विनिर्वर्तयति स्म सु.प्र.
१३९.२३

(६) निर्वर्त्य न्या.बि.१२३.१२

(७) विधि न्या.बि.२१७.९

(८) व्युत्पाद्यते न्या.बि.२.३, ३.१३,
११.१९...

(९) ཡང་དག་པར་རབ་ཏུ་~ संप्रकाशयति
स्म सु.प्र.१०४.३

(१०) सं. ०० न्या.बि.२०५.१३, २१७.७

ལུང་~ व्याकृत सु.प्र.१५३.१४

བསྟན་དུ་མེད་པ་ (१) अनिदर्शन अ.अ.४.१५,
का.प.५६, ५७, ९८, म.व्यु.२९२१

(२) अव्यपदेश्य म.व्यु.४५४४

(३) अनिदर्शन म.व्यु.१८८९

བསྟན་ཏུ་ཕྱིན་ उक्त न्या.बि.४.१०

བསྟན་དུ་ཡོད་པ་ सनिदर्शन म.व्यु.१८८८

བསྟན་ན་ (१) उपदिशेत् का.प.१५७

(२) वर्णयेत् न्या.बि.१७४.५

བསྟན་ནས་ (१) आख्याय न्या.बि.२२.१६

(२) उपपाद्य न्या.बि.१८२.४

(३) कथयित्वा न्या.बि.९९.१

(४) རྣམ་པར་~ विवर्ण्य उद्रा.४६.२२

(५) निवर्ण्य द.भू.१प.

(६) प्रतिपाद्य न्या.बि.२८.१७, १७५.१५

(७) ख्याप्यते सु.प्र.११३.३

(८) सं-वृत्य द.भू.१०ए

བསྟན་པ་ (१) अभिद्योतन ल.सू.१०५क

(२) अभिधान न्या.बि.३.९

(३) अभिनिर्दिष्टवत् सु.प्र.१४२.९

(४) आख्यात का.प.६२, न्या.बि. (°པ་)
२५.१२, १०१.४

(५) आख्यान (=समाख्यान ह.भ.) अ.अ
४.१७

(६) आवर्जित न्या.बि.१३६.१

(७) सं. आदेश न्या.बि.४६.१४

(८) आह न्या.बि. (°པ་) १२०.३, १२६.३,
२१४.६

(९) उक्त न्या.बि. (°པ་) ३.५, १०,
४.१२, १३, ११.१५..., श.पं.१२७

(१०) उक्तं भवति न्या.बि. (°པ་) १६.१२,
३३.१४, ८३.३...

(११) उच्यते न्या.बि. (°པ་) २.१३,
९३.१३, २१७.६

(१२) उपवर्णन न्या.बि. (°པ) ११७.१३,
१४, ११८.१३, १४

གཞན་ལ་~དེ་ཕྱིར་ཡིན་གྱི་ परोपवर्णनाय
का.प.१२४

(१३) उपवर्णित सु.प्र.७१.२७, २९, ७२.१

(१४) उपदिष्ट का.प.१४प.

(१५) उपदिष्टवत् न्या.बि.२०९.१

(१६) उपदेश द.भू.९क, ञ, १०ख, म.व्यु.

(४५) विनय म.व्यु.८५२२

(४६) व्युत्पादन न्या.बि.३.८, १९, ४.५

(४७) शासन उद्रा.५.२६, १४.८..., का.प. १४०, द.भू.१खख, अग, एए, ४क, ५ग, ७ग, १०फ, न्या.बि.२०८.१५, १६, बो.च. १०.५७ग, म.व्यु.१४३४, २४३५, लं.सू. ७१ख, श.दा., श.पं.२, ८९..., सु.प्र. १३२.२३...

(४८) རྗེས་སུ་~ अनुशासनी उद्रा.११.२, २९.६

(४९) རྗེས་སུ་~ अनुशासिन् बो.च.५.३०ख

(५०) संवर्णक म.व्यु.७९५

(५१) संवर्णन म.व्यु.८०४, लं.सू.१६५क

(५२) समाख्यान म.व्यु.७६१४

(५३) समाख्या अ.अ.५.२६

(५४) सं. ०० न्या.बि.११४.९, ११८.३, १२०.८..., बो.च., सु.प्र.

བག་ཡོད་~ सं. बोधिचित्ताप्रमाद बो.च.

བརྩོན་འགྲུས་~ सं. वीर्यपारमिता बो.च.

བཟོད་པ་~ सं. क्षान्तिपारमिता बो.च.

ལུང་~ व्याकरण सु.प्र.

ཤེས་རབ་~ सं. प्रज्ञापारमिता बो.च.

བསམ་གཏན་~ सं. ध्यानपारमिता बो.च.

བསྟན་པ་འཇིག་པ་ शासनलोप लं.सू.१४५ख

བསྟན་པ་བརྗོད་པ་ देशनापाठ लं.सू.१३६ख

བསྟན་པ་ཉིད་ शासनत्व न्या.बि.२०७.८

བསྟན་པ་འདས་མ་ཐག་པ་ अनन्तरोक्त न्या.बि.८२.१५

བསྟན་པ་མཛད་ विशासित श.पं.१३८

བསྟན་པ་ཡིན་ उच्यते न्या.बि.६३.९

བསྟན་པ་ལ་སྐུར་པ་ शासनापवाद लं.सू.१६८ख

བསྟན་པའི་དངོས་པོ་བཅུ་བཞིའི་མིང་ལ་ चतुर्दशाव्याकृतमूलानि म.व्यु.४६५२

བསྟན་པའི་གདུང་རབས་ [शासनपरम्परा ?] कं.तं.४२००

བསྟན་པའི་ནོར་ཐམས་ཅད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ शासनसर्वस्वकसाधन कं.तं. १८९७

བསྟན་པའི་ཕྱིར་ (१) आख्यातुम् न्या.बि.२५.१४, ३८.११

(२) सं. वर्णयत् न्या.बि.२.११, ९४.५, १५८.१...

(३) वर्णयितुम् न्या.बि.२१ ८, ३२.१६, ४५.२...

(४) ~དེ་ प्रवर्णनार्थम् न्या.बि.(भा.)१३२

(५) वक्तुम् न्या.बि.२५.१२, २०६.६, २१९.१

(६) व्याख्यातुम् न्या.बि.४१.११

(७) सं. व्याख्यातुकाम न्या.बि.३८.२

(८) सं. ०० न्या.बि.६९.८, ११३.४, १२६.

བསྟན་མ་ཐག་པ་ (१) अनन्तरमुक्तम् न्या.बि.३३.
९

(२) अनन्तरोक्त न्या.बि.१३८.१२, १८२.९

བསྟན་མིན་ अनिवर्तन श.पं.१५१

བསྟན་ཟིན་པ་ उक्त न्या.बि.१९३.१२

བསྟན་ཡས་ विशिष्ट म.व्यु. <संख्या-नाम>
७७३५, ७८६३, श.दा.

བསྟན་ལ་སྤྱོད་པ་ शासनकर म.व्यु.२४३५

བསྟན་ལ་རབ་དགའ་རྣམ་ཐོས་སྲས་ भद्र.००
(११६६)



བསྟན་ལ་སྨུས་འབྱིན་པ་ शासनदूषक लं.सू.
१९५क

བསྟན་སྲུང་ཀུན་གཙོ་རྡོ་རྗེ་ཀྱུར་ भद्र.००(११४५)



བསྟན་སྲུང་གཙོ་མོ་དམག་ཟོར་ལྷ་ भद्र.००(११५३)



བསྐྱབ་ སྐྱོབ་པ་ इत्यस्य भू.

བསྐྱབས་པ་ (१) =བྱིན་པ་ दत्त श.दा.

(२) समर्पित सु.प्र.

བདེ་བ་ཐམས་ཅད་~འི་སེམས་ཀྱིས་ सर्वसुख-समर्पितेन चित्तेन सु.प्र.७१.७

བསྐྱར་ སྐྱར་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

अन्वभुंक्था: श.पं.८४

བསྐྱར་བ་ (१) निकष श.पं.६३

(२) ས་གཞི་~ कुट्टिम बो.च.२.१७ग, १०.८ख

བསྐྱི་ སྐྱི་བ་ इत्यस्य भवि.

བསྐྱི་ཁང་ संक्रमणक म.व्यु.५५८५

(བ)སྐྱི་སྐྱང་བགྱི་ (१) सत्कर्तव्य सु.प्र.७१.१८

(२) ཆེས་(བ)སྐྱི་སྐྱང་དུ་བགྱི་ सत्कृततरं करिष्याम: सु प्र.५१.२

བསྐྱི་སྐྱང་བགྱིད་ सत्कुर्यात् सु.प्र.५३.१, ६३.३, ६६.२१

བསྐྱི་སྐྱང་དུ་བགྱིད་ सत्कुर्वात् सु.प्र.५०.२८

བསྐྱི་སྐྱང་དུ་བགྱིད་དེ་མཉན་པར་བགྱིའོ་ सत्कृत्य श्रोतव्य: सु.प्र.५८.२०

བསྐྱི་སྐྱང་བྱེད་ (१) सत्कारं कुर्यात् सु.प्र.५६.२३

(२) सत्कुर्यात् सु.प्र.६२.१४

བསྐྱི་གནས་ (१) आश्रमपद उद्रा.७.१८, ना.आ.८.२

(२) प्रतिश्रय दिव्यावदान३३८.१८, १९

བསྐྱི་མཚུངས་ सतीर्थ श.दा.

བསྐྱིང་ སྐྱིང་བ་ इत्यस्य भवि.

=བཀྲམས་པ་ आस्तीर्ण श.दा.

བསྐྱིང་བ་ उल्लापन म.व्यु.५२२७

བསྐྱིང་ཚིག་=བསྐྱིངས་ཚིག་ उल्लपन श.दा.

བསྐྱིངས་ སྐྱིང་བ་ इत्यस्य भू.

བསྐྱིངས་ཚིག་=བསྐྱིང་ཚིག་

བསྐྱིམ་ སྐྱིམ་པ་ इत्यस्य भवि.

བསྐྱིམས་ སྐྱིམ་པ་ इत्यस्य भू.

བསྐྱིར་མེད་=བར་མེད་ अवीचि श.दा.

བསྐྱིས་ སྐྱི་བ་ इत्यस्य भू.

བསྐྱུ་བ་ संहरण श.दा.

བསྐྱུང་ སྐྱུང་བ་ इत्यस्य भवि.

བསྐྱུངས་ སྐྱུང་བ་ इत्यस्य भू.

བསྐྱུད་ སྐྱུད་པ་ इत्यस्य भू.. भवि.

བསྐྱུན་ སྐྱུན་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

(१) अनुरूप बो.च.६.११८ग

(२) आनुरूप्य बो.च.६.११८ग

བསྐྱུར་ནས་ उपक्षिप्य श.पं.४१

བསྐྱེན་ སྐྱེན་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

(१) आराधयत् ना.आ.१३.७

(२) आसन्नीभूत म.व्यु.५१०९

(३) =ཐུད་ आसाद्य श.दा.

(४) आसेवन अ.अ.८.१९

(५) उपासन (=पर्युपासित हृ.म.) अ.अ.४.७

ཡོངས་སུ་ཉེ་བར་བསྙེན་ पर्युपासति श.दा. ५६१ख

(६) भजन श.पं.६५

(७) भजस्व बो.च.

བསྟེན་པ་བསྙེན་ भजस्वोजमम् बो.च.४.४७ग

(८) सेवित बो.च.२.४१घ

(९) सेवितव्य का.प.२०प.

(१०) དཀར་མི་བསྙེན་ न स्कन्धाकुलाः म.व्यु. ८५४९

བསྙེན་དགོས་ सेव्य बो.च.६.६१प

བསྙེན་ན་ (१) निषेवन्त का.प.५प.

(२) निषेवम् का.प.११प.

(३) निषेवित्व का.प.२०प.

(४) सेवमान का.प.१३प.

(५) सेव्य का.प.२२

བསྙེན་ནས་ उपनिषित्य अ.अ.४.२०

བསྙེན་པ་ (१) अवष्टम्भनता म.व्यु.४०८९

(२) आश्रित बो.च.

སྲིད་ལ་ཉེས་པ་ཀུན་~ས་ सर्वदोषास्त्वदाश्रिताः बो.च.८.१६८ग(वे.)

(३) आसेवित द.भू.२कु, श.दा. (=བསྟེན་, བསྟེན་པ་)

(४) उपनीत का.प.१५.४

(५) निश्रित लं.सू.१८०ल

(६) निषेवण द.भू.१वव

(७) संगम बो.च.८.९ख(वे.)

(८) संभजन श.दा.

(९) सेवन म.व्यु १७७८, श.पं.१५, ९५

(१०) सेवमान का.प.१३

(११) सेवा अ.अ.१.४९, ६६ (=आरागण हृ.म.), २.२६, ८.३८ (=उपसंक्रमण हृ:म.)

(१२) सेव्यते बु.च.१०

(१३) དེ་ལྟར་བདག་དང་གཞན་~། དེས་ནི་ ཕུང་བར་འགྱུར་བ་ཟད། एवं तस्यापि तत्संगात् तेनार्थसमागमः बो.च.८.१४कख

ཡོངས་སུ་གནས་པ་~(དེ་) पर्युषितपरिवास उद्रा.१४.११, १३

བསྙེན་པ་དང་བཅས་པ་ सभाग म.व्यु.२१२६-२७

བསྙེན་པར་ निषेवितुम्(?)सु.प्र.१३.९

བསྙེན་པར་འདོད་པ་ शुश्रुषुकाम म.व्यु.६३४५

བསྙེན་པར་བྱ་ (१) भजेत् सेवाम् सु.प्र.११३.२६

(२) वशितव्य सु.प्र.१४१.७

(३) རྟག་ཏུ་~ निषेवितव्य का.प.८प.

(४) निषेध्य का.प.२८प.

(५) भजन्ति का.प.१३प.

བསྙེན་བྱ་ (१) सं. गुरु श.दा.

(२) सेव्य ना.आ.८

བསྙེན་བྱས་ (१) सेवित बो.च.४.३३क

(२) सेव्यमान बो.च.४.३३ग

(བ)སྙེན་མི་བྱེད་ न...सेवते बो.च.६.५ख

བསྟེན་འོས་ सेव्य बा.वा.

བསྟེར་ སྟེར་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

བསྟོད་ སྟོད་པ་ इत्यस्य भ., भवि.

(१) མངོན་པར་བསྟོད་ अभ्यस्तवम् सु.प्र. १८१.६

(२) उत्कर्ष बो.च.

བདག་བསྟོད་ आत्मोत्कर्ष बो.च.८.१३ख

(३) བདག་བསྟོད་ལྷུར་ལེན་པ་ आत्मोत्कर्षाभास बो.च.५.५०क

(४) མངོན་པར་བསྟོད་ अभितुष्टुवुः सु.प्र. ७५.७

(५) पूजा बो.च.८.१८२ख

(६) प्रशंसा उ.व.२०, लं.सू.६१ख

(७) प्रस्ताविष्ये सु.प्र.३५.१२

(८) संस्तुत सु.प्र.३८.१४

(९) संभाव लं.सू.६१ख

(१०) स्तवमी भ.च.४घ

(११) མངོན་པར་བསྟོད་ अभिस्ताविषुः सु.प्र. १७५.९, १७७.५

(१२) མངོན་པར་བསྟོད་ अभ्यष्टावीत् सु.प्र. ३५.८

(१३) स्तुत अ.अ.१.८, बो.च.६.९७क

(१४) स्तुति बो.च.२.१८क, २३ग, ५.७५ ख..., श पं.४८, सु.प्र.३८.२३

(१५) स्तुत्य बो.च.

མི་བསྟོད་ न... स्तुत्यः बो.च ८.१६४ख

(१६) स्तोतुम् श.पं.२

(१७) स्तोत्र बो.च.२.२३क, ल.स्तो.८८

(१८) स्तोष्यामि सु.प्र.८५.१९, २५

(१९) स्तौमि बो.च.६.९४ख

(२०) स्तौमि बो.च.२.२३ख

བསྟོད་བཀུར་བརྗོད་གསུམ་ स्तुतिस्तोत्रप्रशंसाः प्र.पा.७५

བསྟོད་ལྡབ་མང་གྲགས་པ་

འཇམ་དབྱངས་གང་བློ་མའི་~ पूर्णमतिस्तोत्रलापकीर्तित मञ्जुघोष वि.पं.६६क

བསྟོད་ཅིང་ उत्कर्षिन्

བདག་ལ་~ आत्मोत्कर्षिन् का.प.१

བསྟོད་ན་དྲེགས་ स्तुतेर्मदः बो.च ८.१२ख

བསྟོད་ནམ་ (१) संस्तुत्य ल.स्तो.८८

(२) स्ताविषत्वा सु.प्र.३८.१७

(३) स्तुत्वा बो.च.६.७६क, ग

བསྟོད་པ་ (१) उत्कर्ष म.व्यु.२४४४

(२) उत्कर्षणा का.प.

བདག་གི་ཚུལ་ཁྲིམས་ལ་མི་~ नात्मशीलोत्कर्षणा का.प.१३५

(३) तुष्टाव सु.प्र.१६०.११, १७९.३

(४) नुति अ.स्तो.५२, ५६

(५) सं. नुतिपर ल.स्तो.६०

(६) प्रशंसनित बो.च.८.२१ग

(७) प्रशंसा प्रस.३५०.१५(प्रशंस), म.व्यु. २३४७, २६०९, ग.वा.

(८) རབ་ཏུ་~ प्रसंस्तवि वा.पं.४७

(९) མངོན་པར་~ अभिसंस्तुत सु.प्र.६७.१६

(१०) संस्तुति सु.प्र.१९.८

(११) स्तव लं.सू.६१ख, सु.प्र.३५.६, ४१.३, १७८.२२...

(१२) स्तुत बो.भ.८.२१ख

མངོན་པར་~ अभिष्टुत सु.प्र.४८.१३

(१३) स्तुति अ.अ.२.२०, म.व्यु.२६१३

(१४) स्तोम ल.स्तो.५१, ६३, ९०

(१५) स्तोमित म.व्यु.२६१४

(१६) स्तोष्यामि सु.प्र.३४.२, ७

द्र. སྟོད་པ་

བསྟོད་པ་ལས་འདས་པར་བསྟོད་པ་ स्तुत्यतीतस्तव कं.तं.११२९

བསྟོད་པའི་ཕན་ཡོན་ स्तुत्यनुशंसा कं.तं.३१४६

བསྟོད་པའི་གཟུངས་ कं.तं.१०७०

བསྟོད་པར་བྱ་ प्रशंसित उ.व.१९

བསྟོད་བྱས་ स्तुवते बो.भ.८.१४१ग

བསྟོད་དབྱངས་སྙན་སྒྲོན་ स्तुतिसंगीतिदीप बो.भ. २.२३ग

བསྟོད་ཙམ་ स्तोकमात्र ल.स्तो.८८

བསྟོད་ཚིག་ = མཆོད་ཚིག་ = བཀུར་ཚིག་ स्तोम श.बा.

བསྟོད་པ་ प्रवर्तित लं.सू १६१क

བསྟོན་ ' སྟོན་པ་ द्रावण मू.,अभि.

བསྟོད་བསམ་པ་ प्रशंसन म.व्यु.२४५७

ཧ

ཧ་ཀ་ཀི་ར་ཛ་ हकिकराज वि.प.३१३, वि.प्र.१११, वि.वै.११६ख (द्र. ཁྲོ་བོ་འདོད་རྒྱལ་ वि.प्र. २१४, འདོད་རྒྱལ་དམར་པོ་ वि.पं.३ख)

ཊཀྐད་ རྒྱི་རྡོ་རྗེ།

ཊཀྐད་ द्र. མགོན་པོ་ཊཀྐད་, མགོན་པོ་ཌཀྐད་, ཌཀྐད་, ཌྲག་ཤད་མགོན་པོ་

ཊཀྐད་ནག་པོ་ कृष्ण टीकाकक वि.प.१०४ (द्र. ཌཀྐད་ནག་པོ་ वि.प्र.२३७)

ཊཀྐད་སེང་གེ་ཞོན་ सिंहवाहन टीकाकक वि.प. २११ (द्र. མགོན་པོ་ཊཀྐད་སེང་གེ་ཞོན་ ... ཕྱག་ वि.प्र.१२३ख)